

प्राधिकार से प्रकाशित

सं 15] नई विल्लो, शनिवार, अप्रैल 14, 1984 (चेंस् 25, 1906) No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 14, 1984 (CHATTRA 25, 1906)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के क्यून रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खन्द 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

मच लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 29 फरवरी 1984

सं० ए० 38014/6/83-प्रणा०-III—कार्मिक श्रीर प्रणास-निक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/75-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1983 की शर्तों के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री एस० एम० सहगल को 29 फरवरी, 1984 के अपराह्त से निवर्तन आयु होने पर सरकारी मेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनुमनि प्रदान की जाती है।

दिनांक 9 मार्च 1984

म० ए० 12025/U/82/प्रणा०-Ш—कार्मिक श्रीपु प्रणासनिक मुधार विभाग के का० ज्ञा० मं० 5/1/82-सी० एम० 1 (जिल्द) (II) दिनाक 30-12-83 के अनुसरण में मंघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० म० मे० के निम्नलिखित स्थायी सहायको को 30-12-1983 से सम लोक सेवा आयोग मे वर्ष 1982 1—16 GI/84

के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलत किया गया है :---

माम्मालत किया गया ह				
ऋम सं०	नाम	अभ्युक्ति		
1	2	3		
1.	श्री के० एस० पालाचन्द्रन	15-4-1981 से दीर्घकालीन आधार पर स्थानापन्न अनु- भाग अधिकारी, सम्प्रति प्रतिनियुक्ति पर।		
2.	श्री श्रो० पी० गोयल	15-4-1981 से दीर्घकालीन आधार पर स्थानापन्न अनु- भाग अधिकारी, सघ लोक सेवा आयोग मे सम्प्रति रूप मे स्वागत अधिकारी के रूप मे।		
3.	श्री रियन्दर मोगा	15-4-1981 मे दीर्ककालीन आधार पर स्थानापन्न अन्- भाग अधिकारी ।		
4	श्री करन सिंह (अ० जा०)			
5.	श्रीमोतीराम (अ०जा०)			

एम० पी० जैन, अवर सचिव (प्र०) सम लोक सेवा आयोग गृह मलातप

कामिक श्रीर प्रशासन सुधार विभाग जाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी ससूरी, दिनांक 19 मार्च, 1984

तं 2/7/81-स्पापना—-दंग कार्याक्षय सम-संख्यक अधि-सूचना दिनोक अगस्त 3, 1983, की जारी स्थाते हुए श्रीमती मंजुलिका सिंह की हिन्दी के सहायक आचायं के पद पर तदर्थ नियुक्ति दिनांक 2 फरवरी, 1984 से आगामी छ: मास के लिये या उनकी नियमित रूप में नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

> ए० के० दास, उप निदेशक

केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरी नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1984

मं० ए०-19027/3/81-प्रशासन 5—इस कार्यालय की सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 18 नवस्वर, 1981 के क्रम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद में श्री एस० के० दास गुप्ता, कनिष्ठ वैज्ञानिक प्रधिकारी (फोटो) को केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मे, तदर्थ आधार पर 30-4-1984 तक की ग्रीर अवधि अथवा नियमित आधार पर पद भरे जाने, जो भी पहले घटित हो, तक के लिये स्थानापन्न विष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (फोटो) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 मार्च 1984

मं०, ए०-20023/3/79-प्रणासन 5—-प्रत्यावर्तन होने पर, श्री एस० अहमद, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, णिलांग की सेवाएं 12 मार्च, 1984 के अपराह्म से एन० एक० रेलबे, मालीगांव, गोहाटी को धापिस सींप दी गई हैं।

दिनांक 24 मार्च 1984

सं० ए- 19021/2/80-प्रणा०-5-प्रत्यावर्तन होने पर, श्री पी० सी० डोगरा, भा० पु० से० (पंजाब 1964) पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्येषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्था-पना की मेवाएं दिनाक 15 मार्च, 1984 के अपराह्म से पंजाब सरकार को मींपी जाती हैं।

दिनांग 27 मार्च 1984

मं० पी-23/65-प्रणा०-5--निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, आन्ध्र प्रदेश सरकार में प्रतिनियुक्त और निदेशक (विधि) धर्म महा माल, हैदराबाद के रूप में पदस्थापित श्री पी० बी० रामाकृष्णा, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अस्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता दिनांक 29 फरवरी, 1984 के अपराह्म से, सरकारी सेवा से सेवा निवृत हो गए।

> राम स्वरूप नागपाल प्रशासनिक आधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरी

महानिदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1984

ंसं० श्रो० दो०-317/69 स्था-1-श्री० जी० एस० रित्धु गुमांडेन्ट का देहाना दिनांक 22 फरमरी 84 को 11 बजकर 45 मिन्ट पर हो गया हु। उन्हें दिनांक 23 फरवरी से पुलिस की गणना में हटा दिया गया है।

सं० श्रो० दो० 1819/83-स्थापना—डा० (श्रीमती वीणापानी रथ की मिजोराम मरकार से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (ग्रृह मंद्रालय) में प्रतिनियुक्ति के परिणाम-स्वन् उन्होंने दिनांक 10 मार्च 1984 से जनरल इयूटी आफिसर ग्रेड-2 का पदभार अगली आज्ञा तक के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में ग्रहण कर लिया है।

सं० एफ०-2/42/83-स्थापना--राष्ट्रपतिजी ने लैं० कर्नेल (सेवानिवृक्त) बी० सी० चतुर्वेदी को केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर दिनांक 14 अप्रैल 1983 से स्थायी करने की सहर्ष स्वीकृति दे दी है।

दिनांक 26 मार्च 1984

मं० ग्रो० वो० 1341/77-स्थापना--श्री जीवन सिंह थोईडिंगजम, पुलिस उप अधिक्षक, के० रि० पु० वस के उत्तर पूर्वी विद्युत शक्ति निगम लि० में मुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप, उनकी मेवाएं उ० पू० वि० रा० नि० लि० को दिनांक 7 मार्च 1984 (पूर्वास्त्र) से निवर्तिन की जाती है।

2. इनकी उपरोक्त लि० में नियुक्ति अनुच्छेद 67 सी० एस० आर० वालयुम-1 के आधार पर विनियमित होंगी। (यानी दो साल के गहन आधार पर)।

भृद्धि पक्ष

मेजर (निवृत अधिकारी) भीम सिंह को पुननियुक्त।

सं० श्रो० दो० 1771/82-स्था०--इस महानिधेणालय राजपत्न संख्या- ग्रो० दो० 1771/82 स्था०दिनांक 20 जनवर्गः 1983 के संदर्भ में।

2. वजाय आगामी आदेण जारी होने तक जो कि उक्त महानिदेशालय राजपत्न पैरा-1 की तीयरी पिन्त में है, प्रथमत; दो साल के लिए पहें। रां० पी० साn-2/82 स्था०-1—इथ महानिदेशालय अधिसूचना संख्या पी० . सात-4/82 स्था-1—नियमावली-3 दिनांक 10 फरवरी 1984 के संदर्भ में ।

- सहायक कमाडेन्ट के पद का कार्यभार सम्भालने की तारीख में निम्नलिखित संशोधन किया गया है :--
- श्री० रमण चन्द्र 4-8-83 के बजाए 12-8-83
 पहें ।
 - 2. श्री आर०एस० तिवाना 7-11-83 के बजाए 4-8-83 पढ़ें
- 3 श्री० आर० सी० यावन 4-8-83 **के बजाए** 4-8-83 (अपराहन्) पढ़ें।

ए० के सूरी सहायक निदेशक (स्था०)

महानिदेणालय, केन्द्रीयश्यौद्यांगिक सुरक्षा वल नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 मार्च 1984

सं० f=16013(2)/3/79—कामिक—राज्य काडर में प्रत्यावर्तन होने पर श्री० आर० पी० सिंह भा० पु० मे० (प० बं०—72), ने 5 फरवरी, 1984 के अपराह्म से के० श्री० मु० व० यूनिट, डी० एस०पी० दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० $\xi-16013(2)/1/81$ -क्रामिक--राज्य काडर में प्रस्यार्वतन होने पर श्री बी० पी० नेलवाल, भा० पु० से० (तिमलनाडु-67), ने 22 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्न से के० ग्रां० सु० ब० यूनिट, भिलाई इस्पात लिमिटेड, भिलाई के कामांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सत्यदेव णर्मा कृते सहायक महानिदेणक/कार्मिक

दिनांक 8 मार्च 1984

सं० ई- 16013(1)/1/83-कार्मिक--राज्य काडर में प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्री महाराज सिंह, भा० पु० से० (मध्य प्रदेश : 56) ने 15 अक्तूबर, 1983 के आराह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट, भिलाई इस्पात लिमिटेड, भिलाई के उप महानिरीक्षक के पद का कार्यमार छोड़ दिया है।

एस० आनन्द राम गहानिदेशक के०भ्रौ०मु० व०

श्रम और पुनर्वास मेंत्रालय श्रम ब्यरो

शिमला 171004, दिनांक 7 अप्रैल 1984

सं 23/3/84-सी. पी. आई. — फरवरी, 1984 में आंधोगिक श्रमिकों का असित भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जनवरी, 1984 के स्तर से वो अंक घट कर 561 (पांच सौ इकासठ) रहा। फरवरी, 1984 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्धित किए जाने पर 682 (छ: सौ ब्यासी) आता है।

जितेन्द्र नाथ शर्मा संयुक्त-निवंशक

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1984

सं० 8 वि० आ० 2 (25)-ए/82-इस आयोग की दिनांक को 11 जनवरी, 1984 की समसंख्यक अधिसूचना के सिलसिले में डा० अतुल गर्मा को आठवें वित्त आयोग में 1 मार्च 1984 से 31 मार्च 1984 तक उन्हीं गर्ती पर आर्थिक सलाहकार के पद पर स्थापनन्न रूप से बने रहने की अनुमित दी जाती है।

> तरलोक चन्द नन्दा प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्यविभाग) बैंक नोट मृद्रणालय

देवास (म० प्र०), दिनांक 20. मार्च 1984

सं० नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/जो |7/84--24| एस० बी० देशमुख स्थायी निरीक्षक (नियंत्रण) को दिनांक 20-3-84 से 13-5-84 तक की अल्पायधि के अवकाण रिक्ति में तदर्थ आधार पर उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर रुपये 650-1200 के वेतनमान में नियुक्त किया जाता है

मु० बै० चार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग भारत के नियंत्रक, महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनौंक 20 मार्च 1984

सं० 709 बाठ लेठ पठ 1/42-76-प्रपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री
प्रार्विमा, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को जो सदस्य,
लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेणक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा
नई दिल्ली के आर्यानय में कार्यरत थे, को केठ गीठमेठ (पेंशन)
नियमायली 1972 के नियम 48 ग (ग) के उपबन्धों के

अधीन तारीख 29-2-84 से सरकारी सेत्रा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति देदी है।

> के० पी० लक्ष्मण राव सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 6 मार्च 1984

सं० 1/पी० एफ०/बी० एम० आर०/510—महालेखाकार ने इस कार्यालय के श्री बी० एम० आर० शर्मा (01/105) लेखा अधिकारी को केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48(क) के अधीन केन्द्रीय सरकार की सेवा से विनांक 31 मई 1984 अपराह्न से स्वैच्छिक सेवा निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की है।

(प्राधिकार : महालेखाकार प्रथम म० प्र० के आदेश दिनांक 15-2-1984)

> ् एस० क्षे० पोदार, वरिष्ठ उपमहालेखाकार प्रशासन

लेखा परीक्षा निदेशक का कार्यालय पू०सी० रेलवे

गौहाटी, दिनांक 24 मार्च 1984

सं० प्रणा०/5-16/79/35-ए/11579—लेखा परीक्षा निदेशक, पू० सी० रेलवे, मालीगांव, गुहाटी-II के कार्यालय के सैक्सन आफीसर सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को वेतनमान कपये 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 में दिनांक 1 मार्च, 1984 से अगले आदेश तक सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया है

- श्री अर्राबन्द मजूमदार
- 2. श्री निशीथ कुमार दाम
- 3. श्री शिशिर रजंन दे।
- 4. श्री बिधु भूषण साहा ।
- श्री दयामय विश्वास ।
- 6. श्री सुबोध चन्द्र नाग ।
- 7.श्री सत्य गंजन देव ।
- 8. श्री हलधर दास ।
- 9. श्री रंजित कुमार सेनगुप्त
- 10. श्री कुमुद बन्धु भट्टाचार्य ।
- 11. श्री अरुण क्यार नक्रवर्ती ।
- 12. श्री नारायण भट्टाचार्जी
- 13. श्री बिनयेन्द्र दास चौधुरी ।

- 14. श्री मनो रंजन भट्टाचाजी
- 15 श्री सभाजित सिंह
- 16. श्री समीर कुमार चक्रवर्ती।
- 17. श्री मिर्जा हिबबुर रहमान बेंग ।
- 18. श्री महिमा रजंन सरकार।
- 19. श्री नृपेन्द्र नारायण सरकार ।
- 20. श्री शंकर कुष्ण मेन चौधरी ।
- 21. श्री मानबेन्द्र गोस्वामी ।
- 22. श्री समीरण चन्द्र धर ।
- 23. श्री कृष्णाकान्त देव ।
- 24. श्री दिलिप कुमार सरकार ।
- 25. श्री परेश चन्द्र भौमिक ।
- 26. श्री बिप्लव सरकार ।
- 27. श्री समरेन्द्र कामार ।
- 28 श्री णुभेन्दु कुमार बनर्जी ।

बी'० एल० बोईपाई निदेशक, लेखा परीक्षां

रक्षा मंत्रालय आर्डनैन्स फैकैटरी बोर्ड

डी० जी० ग्री० एफ० मुख्यालय सिविलसेवा कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च 1984

सं०/84/ए/ई-1(एनजी)-डी० जी० श्रो० एफ० महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना प्रभावी, प्रत्येक के समिने दर्णाण गए पदों एवं तारीखों से प्रोन्नत करने हैं:----

		·	
1	2	3	4

- श्री एस० के० घोषाल स्थानापन्न सहायक-दिनांक 7-3-84
 सहायक स्टाफ अफसर स्टाफ अफसर से आगामी आदेश
 (तद्र्थ) होने तक ।
- श्री जे० के० राय सहायक स्टाफ दिनांक 7-3-84
 स्थानापन्न सहायक अफसर (तद्र्थ) से आगामी आदेश होने तक
- 2. उपरोक्त प्रोन्ति माननीय कलकत्ता उच्च न्यालय में दाखिल की गई अपील परिणामानुसार पालन किया जायेगा
- 3. प्रोप्निति के तारीख में उपरोक्न क्रम संख्या-1 के अधिकारी दो दर्भों तक परखाविध पर रहेंगे।
- 4. उपरोक्त कम संख्या-2 के सक्र-1 के अधिकारो सहायक स्टाफ अफसर के पद पर, दिनांक 8~3-84 से . उच्चतर कार्यभार ग्रहण किए।

जीर आर. अय्यर डीं जीर जीर फ्रोठ एक कार्मिक महानिदेशक, आर्जनेन्स फैक्टरियां कलकत्ता, दिनांक 20 मार्च 1984

सं० 11/84/जी०— श्री एल० एन० श्रीनिवासन, सहायक निर्माण प्रबंधक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 अगस्त, 1983 (अपराह्म) से 'सेवा निवृत हुए।

दिसांक 22 मार्च 1984

सं० $12/\sqrt{500/84}$ —श्री सी० एन० चन्द्रशेखरन्, महााप्रबन्धक (एस० जी०)/स्तरI दिनांक 31 दिसम्बर 1983 (अपराह्न) से स्थेच्छापूर्वर्क सेवा निवृत हुए ।

बी० के० मेहता निदेशक

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कालेज, देहरादून कैन्ट, दिनांक 22 मार्चे 1984

सं० 2/84—राष्ट्रपति महोदय, श्री आर० सी० चतुर्वेदी, को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कालेज, देहरादून कैन्ट में, हिन्दी के अस्थायी अध्यापक के पद पर दिनांक 29 जनवरी 1984 (पूर्वान्ह) में नियुक्त करने हैं।

> स्रो० पी० चौधरी, कर्नल कमांडेंट

वाणिज्य मंत्रालय (यस्त विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 21 मार्च 1984

सं० ए-12025(1)/8-प्रशासन III---ेराष्ट्रपति, हथकरवा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत श्वनकर सेवा केन्द्र में सहायक निदेशक ग्रेड-I (गैर-तकनीकी) श्री बी० श्री० बारखेडे का 6 जनवरी 1984 के अपराह्न से सेवा से

रंगागपत्न स्वीकर करते हैं ।

सं० ए-12025/1/4/83-प्रशां \circ III—-राप्ट्रपति, श्री एस० सी० चौधरी को 6 मार्च 1984 में आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, गोहाटी में उप-निदेशक (प्रोसेसिंग के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-32013/1/83-प्रशा०-III--राष्ट्रपति, श्री महादेव प्रसाद कानिष्ठ प्राध्यापक (वस्त्र) को 10 मार्च 1984 से आगामी आदेशों तक के लिए भारतीय हथकरघा प्रोदयोगिकी संस्थान, वाराणसी मे वरिष्ठ प्राध्यायक (वस्त्र)के पद पर नियुक्त करते हैं।

> प्रकीर कुमार दत्त अपर विकास आमुक्त (हथकरघा)

खास और नागरिक पूर्ति मंत्रालय
(नागरिक पूर्ति विभाग)
वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1984

सं०-ए-12011/5/78-स्था०-इस निदेशालय की 2 जून, 1983 की इसी संख्या की अधिसूचना के ऋम में वनस्पति, वनस्पति तेल तथा बसा निदेशालय में स्थानापत्न रसायनक श्री ए० के० भारद्वाज को निदेशालय में पूर्णतः अस्थायी ग्रीर तद्र्थ आधार पर 1 अक्टूबर, 83 मे 24 जनवरी, 1984 तक 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-इ० रो०-40-1200- रुपये के वेतनमान में निरीक्षक (वनस्पति) के पद पर जारी रखा जाता है।

पी० एस० चीमा मुख्य निदेशक

उद्योग मंत्रालय

विकास आयुक्त (लग्नु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1984

मं० ए-19018 (195)/75-प्रशा०(राज०)--बंगला देश में आई० डी० सी० सी० एफ० टी० सी० के अधीन राष्ट्रमण्डल सचिवालय, लंदन में दिनांक 7-9-83 से 6-2-84 तक अपनी प्रतिनियुक्ति अवधि पूरी हो जाने पर श्री ए० एस० दत्त ने दिनांक 7-2-84 से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई मे सहायक निदेशक ग्रेड-2 (धातु फिनिशिंग) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक, 23 मार्च 1984

मं० 12(96) 61-प्रणा०(राज०)---राष्ट्रपति; लघु उद्योग सेवा मंस्थान, लिवियाना के सहायक निदेशक, श्री एस० बी० केनगुष्ता ग्रेड--ा (प्रणासन) को निवर्तन आयु के हो जाने पर, दिनांक 29 फरवरों 84 (अपराह्न) से, सरकारी सेवा से निवृत होने की अनुमति देते हैं।

मं० ए-19018(416) 79-प्रशा० (राज०)--राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के अधीन शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, दीमापुर के सहायक निदेशक श्री एस० मी० सकलेचा, ग्रेड-I (यांत्रिकी) को दिनांक 14-12-83 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक उमा संस्थान में, उप निदेशक (यान्त्रिक) के पद तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

मं० 12(610) 69-प्रकार (राज०) खण्ड-III -राष्ट्रपति, लघु उद्धांग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (वैद्युत) श्री पर० पर० वर्मा को दिनांक 29-2-84 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, दिल्ली में उप निदेशक (वैद्युत) के पद पर, सदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

> एम० ने ० पुरवासरथ, वप निदेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 23 मार्च 1984

सं० ए०-17011/247/84-प्र०-६—महानिदेशकः, पूर्ति तथा निपटान ने उस्तरी निर्शक्षण मुख्य के अधीन निरीक्षण उप कार्यालय लुधियाना के भंडार परोक्षक (वस्त्र) श्री गुर भगवन्त सिंह को विनोक 14 मार्च, 1984 के पूर्वान्त से आगामी आवेण जारी होने तक नई दिल्ली स्थित मुर्वान्त से आगामी आवेण में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (घस्त्र) नियुक्त विया है। एम० एल० निक्कावन,

उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकता-700016, दिनांक 20 मार्च 1984

सं 1924-की ०/ए०/19012-3 (बी०पी०एस०)/83-19 बी०—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री वी० पी० सिंह को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार वेतन या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्पायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 1-2-1984 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमारी, निदेशक कार्मिक

आकाणवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 मार्च 1984

सं० 3/14/64-एस०-दो—महानिवेशक, आकाशवाणी एतद्दारा-श्री सरदारी लाल, को उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, मण्डी हाउस में दिनांक 29-2-1984 (पूर्वाह्र) से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 1/6/84-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, ग्तद्द्वारा श्री एच० एस० देशपाण्डे को आकाशवाणी, धारवाड़ में दिनाक 5-3-1984(पूर्वाह्न)से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर सवर्ष आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनाक 26 मार्च 1984

सं० 3(32)/60-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री आई० एन० साहनी को केन्द्रीय बिकी एकांण आकाण-वाणी, बस्बई में दिनांक 29-2-1984 (अपराह्न) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तद्दर्ध आधार पर स्थानापस के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 2(13)/77-एस०-दो—महानिदेणक, आकाशवाणी, एतद्हारा श्री आर० अमान्त्ला खान, को आकाशवाणी, बंगलीर में विनोक 3 3-1984 (पूर्वात्) से प्रशासनिक अधिकारी ने पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन के रूप में नियुक्त नरते हैं।

सं० 1(5)/84-एस०-दी---महानिवेशक, आकाशवाणी, एतद्शरा श्री पाशकर दास, को उच्च शक्ति प्रेषित आकाशवाणी, मालाड, वस्त्रई में दिनांक 5-3-1984 (पूर्वाह्म) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न कर में नियुक्त करते हैं।

'श्रीमती रुक्मिणी दास गुण्ता, उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1984

सं० 3/6/81-एस-III (खण्ड-IV)--निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने अपनी पदोन्नित होने के परिणाम-स्त्ररूप, आकाणवाणी/दूरदर्शन केन्द्रों के विभिन्न कार्यालयों में, उनके नाम के आगे लिखी तारीख में अस्थाई पद क्षमता में सहायक इजीनियर के पद का कार्यभार संभाल लिया है:--

ऋम नाम सं०	केन्द्र का नाम जहां तैनात किया गया	कार्यभार संभातने की तिथि
सर्वर्थाः 1. पंा० सीं० चीहान	अनुरक्षण केन्द्र, पठान कोट	28-2-1984 (पूर्वाह्न)
2. कें ० एन० सुक्रहमणियन	अनुरक्षण केन्द्र, बेलगाम	9-3-1984 (पूर्वाह्र)

सं० 3/61/83-एस० III/IV——निम्नलिखित वरिष्ठ इंजी-नियरी सहायकों ने अपनी पदोक्षति होने के परिणामस्वरूप, आकाश-वाणी/दूरदर्शन केन्द्रों के विभिन्न कार्यालयों में, उनके नाम के आगे लिखी तारीख से तदर्य आधार पर, सहायक इंजीनियर के पद का कार्य-भार संभास लिया है .—

 *तम स०	नाम	केन्द्र का नाम जहां हैनात किया गथा	कार्यभार संभालने की तिथि
1	2	3	4
1.	श्री बंा० एत्न० नेहरू	रेड्रियो कर्ग्म(र, श्रीनगर ।	16-1-8-I (अपराह्न)
2	श्री एम० राजगोपालन	म्ख्य इंजीनियर (पूर्वीक्षेत्र) का कार्यालय, आकाश वाणी, कलकरता	20-1-84 (पूर्वाह्न)
3	भी वी०ची० राथ	अकाणवाणीः गोर लपु र।	30-1-84 (अपराह्न)

1	2	3	4
4.	श्री डी० जसबालन	मुख्य इजीतियर (दक्षिणी क्षेत्) का कार्यालय, आकाणथाणी, मश्रास ।	1-2-84 (पूर्वाह्म)
5	श्री मी ० पी ० विख्यचन्दानी) दूरदर्णन केन्द्र, श्रीनगर •	उ-2-84 (पूर्वाह्न)
6.	श्री के० मृतृस्वामी	मुख्य जीनियर (वक्षिणी क्षेत्र) का कार्यालय, आकामवाणी, मद्रास ।	8-2-84 (पूर्वाह्न)
7.	श्री वी० जयरमण	मुख्य इंजीतियर (दक्षिणी क्षेत्र) का कार्यालय आकाषयाणी, मद्रास।	9-2-84 (पूर्वाह्म)
8	श्री सुभाष भौमिक	एस० पी० टी० (टी० वी०) स्लि सेन्टर, वरेती	9-2-84 (पूर्वाह्न)
9.	श्री आर० कृष्णन	टी० वी० अनुरक्षण केन्द्र, कुरनूल	1 0-2-8 4 (अपराह्न)
10.	श्रीके० के० जयदासन	टी० वी॰ अनुरक्षण केन्द्र; कन्नानौर-4 (केरल) ।	28-2-84 (पूर्याह्म)
11.	श्री एम० के० एम० ठाकुर	टी० त्री० अनुरक्षण के द्रं, सागर (मध्य प्रदेश)	5-3-84 (अपराह्न) -

जे० एन० विसारिया, मुख्य इंजीनियर (एन० एल० एफ०) **कृते** महानिदेशक

मई क्लिनं।, दिनांकः 26 मार्चः 1984 ृशुद्धि-पन्न

मं० 3/61/83-एस० तीन/चार—इस निदेशालय का सम-संख्यक अधिसूचना विनांक 15-2-84 के आंधिक संशोधन में श्री डीं० डीं० लखानी, वरिष्ट इंजीनियरी सहायक ने तवर्थ आधार पर पदोन्नित होने के परिणामस्त्रक्ष आकाणवाणी, इन्दौर में सहायक इंजीनियर का पद 17-1-1984 (पूर्वाह्न) से पदभार मंभाल लिया हैन कि क्षेत्रीय अभियंता (दक्षिण) मज्ञास में।

> श्रीमती प्रकाण कौर, अनुभाग प्रधिकारी कृतेमहानिदेशक

ग्रामीण विकास मंत्रालय यिषणन एवं निर्राक्षण निवेशालय फरीदाबाद, दिनाक 24 मार्च 1984

मं० ए०-19025/6/82-प्रशां ि III—इस निदेशालय के अर्थान गटना में श्री छैं।० कें ० सिन्हा हारा सहायक विषणन अधिकारी के पद से दिया गया त्थाग पव दिनाक 15-12-1982 (अपराह्म) में स्वीकृत किया गया है।

सं० ए०-19023/4/83-प्रशा०-III-विभागीय पदो-न्तित समिति (वर्ग ख) की संस्तुतियों के अनुसार श्री शफीक अहमद, स्थानापन्न विभणन अधिकारी (वर्ग-I) को इस निदेशालम के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 17-2-84 में उसी पद पर नियमित आधार पर पदोन्तत किया गया है।

मं० ए०-19027/1/83-प्रणा०-III--सांख्यिकीय अधि-कारी के पद पर श्री बी० एस० मौल की तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 1-1-84 से 30-6-84 तक 6 मास की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है ।

मं० ए० 19025/1/84-प्रणा०-III--हम निर्देशालय के अधीन श्री सुनील कुमार द्वारा सहायक विषणन अधिकारी के पद से दिया गया त्यागपत दिनांक 12-3-84 (अपराह्म) में स्वीकार किया गया है।

मं० ए०-19025/7/84-प्रणा०-III--मंघ लोक सेवा आयोग की मंस्तुतियों के अनुसार श्री धजम पुन्नैया को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 21-3-84 (पूर्विह्न) में अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (धर्म-I) के रूप में नियक्त किया गया है।

दिनांक 26 मार्च 1984

सं० ए०-19023/2/83-प्र०-III--इस निदेशा लय के अधीन ओंगल में श्री एस० सी० दास की विषणन अधिकारी (वर्ग-I) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 16-2-84 तक बढाया गया है।

2. विभागीय पदोन्नित सिमिति (वर्ग 'ख') की संस्तुतियों के नुमार थी। एस० मी० दास तदर्थ विषणत अधिकारी (वर्ग-I) को दिनाक 17-2-84 से पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक पूर्णतथा स्थानापन्न रूप मे उमी। पद पर पदोन्नित किया गया हैं]।

मं० ए०-19025/8/84-प्र०-[[[--संघ लोक मेवा आयोग की मंस्तुतियों के अनुसार श्री राणा प्रतापिसह को इस निदेणालय के अवीन फरीदाबाद में दिनाक 15-3-84 (पूर्वाह्म) से अगले आदेग होने तक स्थानापन्त सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त [किया गया है।

गोपाल गरण शुक्ल 'कृषि विषणेन मलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 21 गार्च 1984

सं० वी० ६० मी० सी०/एम० मी० जी०/801-143/83/1021--श्री सौरेण चन्द्र गुप्ता ने बैज्ञानिक अधिकारी मेड 'एम बी पद का पदभार 31-12-83 अपराह्म को अधिविषता पर छोड़ दिया ।

आर० एल० क्वा उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग (निर्माण एवं सेवा वर्ग) बम्बई-400 094, विनांक 13 मार्च 1984

आदेश

क्रमांक: 2/700/81-प्रशा०—चूंकि श्री वाई० एस० बामने हैस्पर 'वी' संपदा प्रश्नन्ध निदेशालय (अब निर्माण एवं सेवा वर्ग) पर यह आरोप लगाया गया था कि उन्होंने 21-9-81 से सरकारी इयूटी का परित्याग करके तथा निरन्तर अनधिकृत रूप से अनु-पस्थित रहकर कर्तव्यनिष्ठा की अवहेलना की है। उपर्युक्त कृत्य से श्री बामने ने केन्द्रीय सिंबिल संवा (आचरण) नियमावली, 1964 के नियम 3(1)(2) और (1)(3) के उपबन्धों का उल्लंधन किया है।

और चूंकि कथित श्री बामने को दिनांक 19 फरवरी 1983 के समसंख्यक ज्ञापन द्वारा उक्त आरोप तथा केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत उनके विरुद्ध की जाने वाली कार्यवाही की सुचना दे दी गयी थी।

और चूंकि कथित श्री वामने ने उक्त शापन दिनांक 3-3-83 को प्राप्त कर लिया था लेकिन उन्होंने अपने बचाव में कोई लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया ।

और चूंकि अधोहस्ताक्षरी द्वारा उक्त आरोपों की जांच के लिए एक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया था।

और चूकि जांच अधिकारी ने उस प्रयोजन के लिए निर्धारित पद्धति का अनुसरण करते हुए अपना दिनांक 1-3-84 का एक-पक्षीय प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया है, जिसकी प्रति एतद्हारा संलग्न है, जिसमें जांच अधिकारी ने उक्त आरोप को उपलब्ध प्रमाण के आधार पर सिद्ध बताया है।

और चिक जाच-रिपोर्ट तथा सभी संगत कागज-पत्नों को सामधानी पूर्वक पढ़ने के पश्चात् अद्योहस्ताक्षरी जांच अधिकारी के जांच निष्कर्षों से सहमत होता है और उक्त आरोप को सिद्ध मानता है।

अतः अब अधोहस्ताक्षरां के० सि० सेवा (वर्गी० नियं० एवं अपील) नियमावली के नियम 12 के उप नियम (2) (वी) के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के दिनाक 7-7-79 के पृष्ठांकन क्रमांक 22(1) 68-प्रणार्ग (हिंतीय) के अन्तर्गत प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए क्षित श्री वामने पर तत्काल संचा में 'निष्कारान' का दण्ड अधिशीयन करना है।

श्री बामने को सूचिन पिया जाता है कि उपर्युक्त जादेण के विरुद्ध निदेणका निर्माण एवं सेवा वर्ग जो कि अपील प्राधिकार है, को अपील की जो रकति है। यदि कोई अपील की गया तो वह अपील प्राधिकार को एक आदेण की प्राप्ति की नाराख से 45 दिन के अन्दर प्रस्तुत की जाता चाहिए।

ह्० वि० आ**वतरामाणः** प्रशासन अधिकारी

प्रक्तिः

- (1) श्री वार्ड० एस० बामने मकान नं० 18, हरी थाग ग्राउंड फ्लोर, सालमिल गर्ला, लोघर परेल, बम्बर्ड-400 013 ।
- (2) श्री बाई० एस० त्रामने, मार्फन सीनाराम बामने, पोस्ट एवं मुकाम देगांव, तालुका बापोली, जिला रत्नागिरी, महाराष्ट्र।

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

न०प० वि०प० कालोनी, दिनांक 19 मार्च 1984

कर न० प० वि० प०/प्रशा०/26(1)/84/एस० 2092-- नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के परियोजना निदेशक, श्री ओम प्रकाण, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न चयन श्रेणी लिपिक को श्री आर० एन० गुक्ला, सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-III नियुक्त किया गया, के स्थान पर 3-12-1983 के पूर्विह्स से 18-2-1984 तक की अविधि के लिए नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव मुख्य प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 13 मार्च 1984

मं० का० प्र० भ०/0704/664—हस कायिलय की अधि-सूचना सं० का० प्र० भ०/0704/3767, दिनाक 26-12-1983 के कम में सहायक लेखाकार श्री सी० आग० प्रभाकरन की सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्य आधार पर नियुक्ति को ६० 650-30-740-35-880-ए० रो०-40-960/-के वित्तमान में दिनांक 22-4-1984 पर्यन्त अथवा आगामी भादेशों पर्यन्त जो भी पूर्व घटित हो, आगे बहाया जाता है।

दिनांक 20 मार्च 1984

सं० का० प्र० भ०/0704/692--नाभिकीय ईंधर्न सम्मिश्र के प्रशासन के उपमुख्य कार्यपालक जी प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री प्र० राजगोपालन को सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960/- के वेतनमान में दिनांक 19-3-1984 से 02-5-1984 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त, जो भी पूर्वचटित हो, नियुक्त करते हैं।

> जी० जी० कुलकर्णी प्रयत्धक, कार्मिक व प्रशासन

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र कलपाक्कम-603 102, दिनांक 29 फरवरी 1984

सं अार आर सि । ए 32014/7/83-आर | 3244---रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने इस केन्द्र के स्थार्यावत् वैज्ञानिक सहायक (बी) तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री एस० वी० मोहन को 1 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्म से अगला आवेश होने तक के लिए ए० 650-30-740-35-रोध-35-880-40-1000-व्यक्तता 40-1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस वी" के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> एस० वेंकटरामन प्रशासन अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1984

12039/2/83-स्था०-1---राष्ट्रपति निम्न-सं० ए० लिखित को भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर 27 जनवरी, 1984 पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक के लिए स्थाानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं :---

- 1. श्री ए० के० डे
- 2. श्री ए० के० गंगोपाध्याय
- 3. श्री एन० के० पंगासा

एस० के० दाम मौसम विज्ञान के महानिवेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 फरवरी 1984

सं० ए० 32014/18/3-ई० ए०--महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमान क्षेत्र अधिकारियों कः तदर्थे नियुक्ति की 31-7-1984 तक या पद के नियमित आधार 2--16 GI/84

पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है :----

	नाम	कम सं०	
4—————————————————————————————————————	2	1	
		 सर्वेश्वी	

- 1. बी० के० भंडारकर
- 2. आर० मे० सेन गुप्ता
- 3. जे० डी० मलिक
- आर० एल० मंजुमदार
- पी० आर० पटवर्धन
- 6. पी० के० बनर्जी
- 7. एस० डी० भौमिक
- 8. एम० के० लोखंडे 9. एम० कें० बर्धन
- 10. एल० राजेन्द्रन
- 11. ए० के० मजुमदार
- 12. एस० डी० दुगाल
- 13. अर्जन सिंह
- 14 सी० आर० चक्रवर्ती
- 15. ए० सी० श्रीवास्तव
- 16. जी० आर० बैंस
- 17. आर० एन० दत्ता
- 18. टी० सी० गुरनानी
- 19. कें अो० चण्डी
- 20. आई० एस० ढोलिकया
- 21. एन० सीबशिवराव
- 22. आर० कें शर्मा
- 23. यू० पी० राय
- 24. बी० के० मजूमदार
- 25. के० के० मजुमदार
- 26. एम० के० कुरियन
- 27. एन० के० जसवानी'
- 28 रतन कुमार
- 29. एम० 'आर० चानम
- 30. एम० गौरे
- 31. आर० रंगाराजन
- 32. एस० के० देसवाल
- 33. के० डी० उपैया
- 34. कें विशेष रघुवंगि
- 35. एस० एन० चन्या
- 36. ए० के० धुपर
- 37. जे० शिवराज
- 38. एस० डब्स्यू० एम० राय
- 39. ओंकार सिंह
- 4.0. एम० चन्द्रशेखर

1 2	ऋ० सं० ताम	
सर्वेश्री	1 2	3
41. कुलवीप सिंह		
4.2 केंo जीo शर्मा	सर्वे श्री	
13 जे॰ स्टैनिसलॉस	3 आर० एन० ठाक्च	20-2-84
44 एम० ओ० क्रेणी।	4 नार्था प्रसाद	21-2-84
15 आर० एच० अध्यर	5. सी० एस० विपाठी	20-2-84
46. पं(० बिश्वास	6 त्रिजय णर्मा	20-2-84
47. वी० रंगानाथन्	७ आर०सी० फैरियर	20-2-84
4.8. एच० एन० वि स ल	8 स्थाम बाब् शर्मा	20-2-84
49 आर० एल० रोडा	9. आर० ए० नारायण	29-2-84
50. आर० के० कपूर	10 यी० के० वर्मा	20-2-84
51. ए० आर० मित्रा	11 वी० वी० श्रीवास्तव	20-2-8
52 जी० सी० सरकार	12 सुभाप चन्द्र	24-2-84
53. आरं० आरं० सक्सेना	13 स्प्रतो घोष	20-2-84
54. एस० आर० शर्मा	14 वी ० के० मेहरा	22-2-84
55. जी० बी० गोडबोले		(अपराह्न)
se. ए० के० सि <i>ह्ना</i>	15 एस० मनोहरन्	20-2-84
7. एन० आर० घाटे	16 पंा० के अस्तो	21-2-84
58 वी० डी० यादय	17. आर० के० श्रीवास्त्रव	20-2-84
59. डी० सी० मिश्रा	18 राम कुमार शर्मा	20-2-84
o. वी० टी० पाटिल	19. पी० पी० श्रीवास्तव	20-2-84
s1. जे० एस० भाटिया	20 र्जा० भट्टाचार्या	20-2-84
32. आर० के० शर्मा	21. र्बा० वी० सिह	20-2-84
33. आर० चौबे	22. एम० ऐस० भाराज	20-2-84
एस॰ पी० सिंह	23 वी० पी० जेमिनी	20-2-84
5. एस० सुम्रह्मण्यम्	24 आर० सी० वियाल	20-2-84

दिनाक 15 मार्च 1984

सं० ए० 32014/4/83-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित विमान क्षेत्र सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छ मास की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। उन्हें नागर विमानन विभाग प्रशिक्षण केन्द्र, बमरौली, इलाहाबाद में दैनात किया जाता है।

क्रम स० नाम	दिनाक
1 2	3
सर्वश्री	——————————————————————————————————————
1 बी० सरकार	20-2-84
2 एस०के०वर्मा ——— — ———————————————————————————————	21-2-84

जीं० बीं० लाल सहायक निदेशक प्रशासन **कृते** सहानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनाक 23 फरवरी 1984

म० ए० 32013/1/82-ई० एम०—राष्ट्रपमि ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित चार अधिकारियों की उपनिदेशका/ नियत्रक वैमानिक निरंक्षण के ग्रेड मे की गई तदर्थ नियुक्ति की 30-9-83 तक का अवधि के लए मामान्य भनी पर जारा रखने की मजूरी प्रदान की है।

- 1 श्री ए० एन० मृखर्जी
- 2 श्रं। एम० जी० गोस्वामा
- 3 र्था एस० आर० दारा
- 4. श्रा सा० डा० कोलहे

दिनाक 9 मार्च 1984

सं० ए-32013/9/83-ई० सं/०(,)--इस विभाग की दिनांक 31 अक्तूबर, 1983 की अधिमूचना सं० ए०-32013/ 10/82-ई० सं/० के कम में, राष्ट्रपति ने श्री एन० मुनिअंडी सचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रीम की दिनांक - 11-1-84 से तथा अन्य आदेश होने तक वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 12 मार्च 1984

सं० ए० 24013/3/84-ई० ए०--महानिवेशक नागर विमानन ने श्री ए० कृष्णामृति, उपमहानिवेशक, बम्बई एयरपोर्ट को दिनांक 12 मार्च, 1984 सं 25 अप्रैल, 1984 तक क्षेत्रीय नियंत्रक विमान क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 38013/1/84-ई० ए०--क्षेत्रीय निदेशकः, दिल्ली के कार्यालय के श्री एम० एन० कपूर, वरिष्ट विमान क्षेत्र अधिकारी निवर्तन आयुप्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-1-1984 में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए है।

जीं० बीं० लाल सहायक निवेधक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं मह।विद्यालय देहरादून, दिनांक 22 मार्च 1984

सं 0 16/421/8 । स्थापना — 1 — संघ लोक नेवा आयोग की सिफारिण पर अध्यक्ष, बन अनुमधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून डा० जसवीर सिंह को दिनाक 29-2-1984 की पूर्वाह्न से आगामी आदेणों तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अन्तर्गत वन मृदा एवं वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर में अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ह०/–अपठनीय उप कुलसचिव वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

ऊर्जा मंत्रालय
कोयला विभाग
कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था
धनबाद, दिनाक 20 मार्च 1984

सं० ए० र्डा० एम० 12(8)/82---निवर्तन आयु प्राप्त होने पर कोयला खान कल्याण संस्था, धनबाव के सहायक सिचव श्री टी० एन० महतो, दिनांक 29-2-1984 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> आर० एस० **सिवानी** कांयला खान कल्याण आयुक्त धनबाद ।

विधि, न्याय और कम्पनी कार्यमंत्रालय (कम्पनी कार्यविभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पानयों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पर्नाः अधिनियम 1956 और "मदर लैंण्ड फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड" के विषय में । पांडिचेरीः, दिनांक 9 मार्च 1984

सं० 92/560(5)/84—कम्पर्नः अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि "मदर लैण्ड फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड" का नाम आज रिजस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पर्ना भग हो गई है।

> र्षा० कोटेश्वर राव कम्पनियों का रजिस्ट्रार पांडिकेरी

कम्पर्ना अधिनियम 1956 और भट्टाचार्जी राय प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ¡

कलकत्ता, दिनांक 11 नघम्बर 1983

सं० 10542/560(5)—कम्पर्ना अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्हारा सूचना दी जाती है कि भट्टाचार्जी राय प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पर्ना विविद्ति हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और क्वालिटी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 29399/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कवालिटी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्तटर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो नई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वन्त्रिपुर निटर्ज मोसायटी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, विनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 25742/560(5)— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एततवृद्धारा सूचना दें। जाती है कि वन्दिनुर निटर्ज सोसायटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से नाट दिया गया है और उस्त कम्पनी विघटित हो गई है

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लोक नाथ ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के वि षमें ।

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

सं o 23433/560/(5) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतब्हारा सूचना वी जाती है कि लोक नाथ ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर डि॰ पि॰ एक्सपोर्टस प्राइबेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, विनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 30423/560(5)—कस्पनी द्यधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एसद्द्वारा सूचना वी जाती है कि टी॰ पी॰ एक्सपोर्टस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कस्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी म्रिधिनियम 1956 भ्रीर सास एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 31182/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सास एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई गई है।

कम्पनी घिधनियम, 1956 ग्रौर रनजीत प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 12322/560(5)—कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि रनजीत प्राइवेट लिमिटेड को नाम म्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी मधिनियम 1956 और सप्लाई सिंडीकेट प्राइवेट सिनिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, विनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 33667/560(5)—कम्पनी ग्राधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना धी जाती है कि सप्लाई सिंडीकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है । कम्पनी म्रधिनियम 1956 भीर रूस्टार फूब प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 30873/560(5)—कम्पनी स्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतवृद्धारा सूचना दी जाती है कि रूस्टार फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 श्रौर हॉकर साडेलो एयरकाष्ट कारपोरेशन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 9573/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हॉकर साडेलो एयरकापट कारपोरेशन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

क्म्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रौर इंडिया क्रॉस मेशिन्स लिमिटेड] के विषय में ।

कलकसा, दिनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 27029/560(5)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5)के श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि इंडिया कास मेणिन्स लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर छोटो नागपुर माईका सिंडीकेट (1932) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 7435/560(5)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि छोटो नागपुर माईका सिंडीकेट (1932) प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रोर उक्त कम्पनी विश्वटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ए० सी० ई० इक्लैक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

सं० 29073/560(5)— कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के स्रनुसरण में एतदृद्वारा सुरीया दी जाती है कि ए० सी० ई० इलैंक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम भाज रिजस्टर से काष्ट दिवा गया है धौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी स्रधिनियम 1956 स्रौर जोसेप हर्बर्ट्स एण्ड कम्पनी लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च 1984

सं० 24972/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसर पर जोसेप हुवंदं स एण्ड कं लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 और टंगाईल वीविंग कारपोरेणन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकसा, दिनांक 21 मार्च 1984

सं० 25236/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसर पर टंगाईल वीविंग कारपोरेणन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विंशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा ग्रीर उक्त कम्पनी विंघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर ज्योटेकनिक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ¹

कलकत्ता, दिनांक 21 गार्च 1984

मं० 29348/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारां (3) के ग्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर ज्योटेकनिक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाभ इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा भौर उक्त कम्पनी विधिटत कर दी जायगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर जनरल सेविंग्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, विनांक 21 मार्च 1984

सं० 30193/560(3)—कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर जनरल सेविंग्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा भीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर एयर कम्प्रेसर न्यू मैटिक टूल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकता, विनाक 21 मार्च 1984

सं० 30300/560(3)—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एयर कम्प्रैसर न्यूमैटिक टूल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा मोर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 मौर एपेक्स सी फूड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकता, दिनांक 21 मार्च 1984

सं० 30543/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एपेक्स सी फूड प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्राचाटेस कनसलटेंसी एण्ड सरविसेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च 1984

सं० 30718/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की ध्रारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्राचाटेस कनसलटेंसी एण्ड सरविसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा भौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

एस० श्रार० वी०वी० सत्यनारायण ृकम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगास

ृकम्पनी श्रधिनियमं, 1956 श्रौर ईरोड कोयम्बतूर सरविस ्त्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मुप्रास, दिनांक 21 मार्च 1984

सं० 695/560(3)/84—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना थी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर इरोज कोयम्बदूर सरविस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति- कूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काटे दिया जाएगा भौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> सी० म्रच्युतन श्रपर कम्पनी रजिस्ट्रार तमिलनाडु

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं श्रपोलो केमिकल रिसर्च श्रहवेट लिमिटेड के विषय में । बम्बई, दिनांक 22 मार्च 1984 सं० 20854/641/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में ¶एतद्- द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अपोलो केमिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी आयगी।

> श्रो० पी० जैन कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई ।

प्ररूप बाइ रे. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० सीं०-53/रेंज-II/कल०/83-84---यतः, मुक्ते, एस० के० बनाजीं,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह डिज्डास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 12/3 बी है तथा जो नार्दन ए बेन्यु, कलकत्ता-2 चितपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जुलाई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उत्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण खेहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिवस्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के निए; बरि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सित्रिया के लिए:

मतः अब, उमतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उमते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- 1. (Ĭ) श्रीदीपक भट्टाचार्य।
 - (2) श्रीमती सपना भट्टाचार्य।

(अन्तरक)

2. दि पियरलेस जनरल फाईनेन्स एवं इनवेस्टेमेंट को० लिमिटेश।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अन्स्ची

दो प्लाट का पूरा क्षेत्रफल—-2522 वर्ग फुट। -2522 वर्ग फुट। -2522 वर्ग फुट। -12/3वी, नार्दन ऐंबेन्यू, कलकत्ता-2, थाना—िचितपुर पुर, प्लाट नं० 3 ए एवं 3 बी, चार नंहला में, विलल मंख्या—-1983 की 7549।

एस० के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी 'सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, , कलकत्ता

तिरोखा: 13-3-84

मोहर 🛭

प्ररूप माई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मार्चे 1984

निर्देश सं० चण्डी ०/50/83-84—या:, मुझे, जोगिन्दर्सस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसकेन पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1266, सैक्टर 331 चण्डीगढ़ है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गहें हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्विक रूप से कथित वहीं किया गया है दिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को गावत उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया धाना चाहिए था, छिपाचे में स्विधा के बिर;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- 1 श्री ओंकार चन्द जसपाल पुत्न श्री ज्ञान चन्द बासी संभान नं० 1318 सैक्टर 15-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री गुरदयाल मिह अहलूबालिया पुत स्वर्गीय श्री हीरा सिंह।
 - (2) श्रीमती गुरिवन्द्र कौर पत्नी श्री गुरदयाल मिह अहलूवालिया वासी मकान नं० 3502 सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुनी

मकान नं० 1266, सैक्टर 33, चण्डीगढ़ (वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 476 माह जुलाई 1983 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 9-3-1984

मोहार:

प्रकम नाह". टी. एव. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० चण्डी 0/46/83-84—यतः, मुझे', जोगिग्दर सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ार जिसकी मन्तान नं 0 1202, सेक्टर 21-जी, चण्डीगढ़ है तथा जो जण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डागढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ न के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (॰) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जान्तियों की, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रो वाई के० सिगला पुत्रश्रो मालो राम शक्त शर्फत पंजाब नेमनम बैक, पानीपता

(अन्तरकः)

2. श्रीमती विन्द्र कीर पत्नी अमरजीत किह, श्रीमती जिल्द्र कीर पत्नी हरजीत सिंह एवं श्री श्रमरजीत सिंह और हरजीत सिंह पुत्रान सरतार सिंह वासी महान नं 1202, सेक्टर 21-श्री, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उभत कम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकल व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय भें दिया गमा है।

अन्स्ची

मकान न० 1102, सक्टर 21-बी, चण्डीगढ़ (वह जायबाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के तिलेख संख्या 447 माह जुलाई 1983 के नहत दर्ज है)।

> जागिन्दर सिह सक्षम प्राधिकार्र सहायक आयकर अध्युक्त (किर्रक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-3-1984

मांहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकः भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक, 9 मार्च 1984

निर्देश मं० आर० ए० मी० नं० 517/83-84--यतः, मुझो, एम० जोगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिनको सं० डी० नं० 172 है, जो भाषेरला में स्थित है (और उसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजर्द्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, मार्चेरला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1983

को पूर्वित संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह, प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिचित उच्चेष्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुद्ध िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिस्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिनहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए,

अत , अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क्के क्रधीन , निम्निसित स्थितनयों . अर्थात :--- श्री शे ह अब्दुल सत्तार पिता सपिद साहेब, माचेरला ग्टर।

(म्रनरक)

 श्री डो० मोतारामम्मा पिता रामारेड्डी, जम्माल्म श्रादाका, माचेरला, गंटुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा मकींगे।

स्यष्टोकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राइस मिल, जमालमङ्का, रजिस्ट्रीकृत । बलेख न > 1037 और 1038/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, माचेरला।

> एम० जेगत मोहन भक्षम प्राधिकारी महायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 9-3-1984

मोहर,

(अन्सरक)

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांकः 9 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 518/83-84--यत:, मझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० टी० एरा० नं० 159 है, जो सेर्यारावपेट, काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरच से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करूने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः। अन्य , उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ﴿﴿﴿ म़ें , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—

- श्री वी० सूर्यनारायणा पिता कामाणास्त्री, रामिलगेस्वर आग्रहारम, रामरावपेटा, काकीनादा।
- 2. श्री वाई० सूर्यनारायणामूर्ती पिता श्री आपाराय, गोपालकृष्णा स्ट्रीट, रामारावपेट, काकीनाझा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंं।

उन्त सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारत;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबह्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वभूसूचीं

खुली जमीन, टी॰ एस॰ नं॰ 159 विस्तीण 710 चौ॰ गज, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं. 6449, 6514/83, रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी, काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 9-3-1984

मोहर:

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश स'० आर्० ए० मी० नं**० 51**9/83-84---यतः; मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ्षिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा मना हिंहा की पाउ 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसक 742-2 है, ूब पोनूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोनूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1983

को पूर्विक्त संपत्ति के उच्चि नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

 श्री बी० साधू जोसेफ, प्रोस्ट, कीस्चेन पेटा, निड्क्रोलू, गुट्र।

(अन्तरक)

 श्री बी० एस० बेंजामन, हैंड मास्टर, ऋस्चिंन पेटा, निख्कोलू, गुटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायर;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वे 45 दिन की भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताकरी के पास लिक्ति में किए जा सकाँगे।

स्पट्टोकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 2.0-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मम्सूची

घर संपत्ति, नीड्योलू, विस्तीर्ण 630 चौ० गज रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1266/83, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी,पोनूर।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ारी**ख:** 9-3-1984

मोहर :

प्रकृप बार्ड . टी . एवं . एवं . -----

जायकर विभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वर्षीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 520/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृष्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० नं० 200 है, जो तोम्मापूरम, काकीना हा में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीना हा में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक कण सं अधित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण वंडुदं किसी बाव की दावस , उपस् अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा वे तिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या हिकसी अन या अन्य जारितयों को, फिल्हें भारतीय काग्र कर किपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1923 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्ट;

जतः जन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुबारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की स्वधारा (1) के अधीन, निस्तिविक्ति व्यक्तियों, अधीत् ४── श्री वाई० सूर्यनारायणासूर्ती पिता पापाराव, गोपाल कृष्णाविधी, रामरावपटा, काकीनाडा।

(अन्सरक)

2. श्री बी० सूर्यनारायणी पिता कामशक्त्री रामिलगेस्बर स्व मी आग्रहारम, रामारायणेटा, काकीनाडा। (अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के नर्जन के सिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त क्रमित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शास्तेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

STATE

खुली जमीन, बिस्तीर्ण 0.78 सेंट्स, तीम्मापूरम, रजिस्ट्री-कृत विलेख मं० 6450/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम:प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 9-3-1984

मोहर 🗧

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश स० आर० ए० मी० नं० 521/83-84--आतः, मुझे एम० जेगन मोहन

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी सं० आर० एस० 384 और 385 है, जो कोथीपेट काकीनाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाड़ा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उद्भी त बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का, पन्नह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरिश्वास) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय णया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आव की बाबन उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्रीमती एस० सत्यवती पत्नी श्री एन नरसीम्हम, कासी-नाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री जी० बी० राव और अन्य कोथापेट, जिला ईस्ट गोदावरो।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्पिकतयों में से किसी स्थितित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 1.43 एकड़, कोथापेट, रजिस्ट्री विलेख नं० 6662, 6663, 6604, 6605/83 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, काकीना**डा**।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदशबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्वेश सं० आर० ए० मी० नं० 522/83-84--यत:, मुझो एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1009 है, जो बेझागमें स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैद्याग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिफल के आर अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिमित उद्देश्य से उपन अन्तरण जिम्त में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के सिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् .—

- 1. श्रो त्रीलोचन सिंह पिता हारबन सिंह, वैशाग। (अन्तरक)
- श्री आर० के० गस्ताजी पिता राधाकृष्णा गस्तोजी, न० 42, क्रीलामपुष्टी, यैक्सा।

(भ्रन्तरिती)

को सह सुधना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपस संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्धीकरणः —- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस जिथानियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया पना है।

सरसंबी

खुली जमीन विस्तीर्ण 889 चौ० गज,रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8404/83।

> एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 12-3-1984

मोहुर :

प्रकृष बाद् .टी. एन. एव . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराजाव

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 523/83-84---यतः भन्ने, एम० जेगन मोहन,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से मिक है

और जिसकी सं० 93/1 की है, जो रायणापाडू विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की वह है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की क्षाबत, उक्त जीभीनयम के जभीन कर देने के ज्नाहरण के दायित्व में कमी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा वें निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, बिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के निए.

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, विकनिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ुं--- श्री बी० कृष्णाम्नी और अन्य, रायणापाडा बिजय-वाडा।

(अन्तरक)

2. श्री आर० एत० सत्यदेव एम० डायरेक्टर, मसर्स मोर्डन एल० पी० जी० सीलेंडर्स मैनुफक्चरर्स प्रा० लि० विजवाडा।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके प्यांक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भारते :--

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकासन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त स्वन्तियों में से किसी स्थावित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्क स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्थानीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्ती और पदों का, वो उकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विषया गया है।

अन्त्वी

भूमि विस्तीर्ण 3 एकड़, $13\frac{1}{2}$ सेंट्म, रायनापाडू, विजयवाडा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 51117 5118, 5119 और 5120/83।

एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1984

मोहर:

प्रारुष आर्डः ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीर मचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश मं० आर० ए० मी० नं० 524 83-84----आतः मुझो, एस० अगेन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० नं० 9 है, जो सब्बावरम विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिनिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या रसमे बचने में सविशा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कर 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए।

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुमरण मी, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——
4—16GI/84

ा पारिको तदाविस्मा प्रा बीठ आपासराकू मार्क्स, बोठ कारायणा राजू और अन्य मार्क्स। यिजयवाडा।

(अस्तर्ग)

2. मैसमं सादार्था फार्मस्, प्रा० लि०, मीधालनगर विजयवाडा भुष्णा जिला।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शत्यां और पदौ का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि, विस्तीर्ण 2 एकड़, $6\ 1/2$ मेंट्स, $2.06\ 1/4$, $2.06\ 1/4$, मेंट्स, और $2.06\ 1/4$ सब्बावरम, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० $2145\ 2143,2142$ ग्रीर $2141\ 83$ ।

एम**ं जोगत मोहन** तक्षम अधिकारी यहायक आयार आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रॅन, हैदराबाद

ना**रीख:** 12-3-1984

मोहर :

प्रकल नाहाँ , टी , एव , एस , ======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 525/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 885/1, है, जो श्रीकाकूलम में स्थित है (और इसते उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय श्री काकूलम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, सारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वादेय से उक्त अन्तरण किवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाव की बाबस, उक्त विधिनियम के बधीन कर देने के जन्तरक के सायित्य में केसी फारने वा उससे सचने में सुविधा के निए: सौर/वा
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या भन-कर जभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, डिज्याने यों स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त सिधिनयम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में. उस्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 ए० पाबाहुःणा और अन्य नाइना नाजार, नीधी श्रीकाकुलम टाऊन।

(अन्तरक)

2. श्री रामक्रणा गह्यरनमेट एम्ट्याइन को -ओपरेटिय हाऊस बिल्डींग सोसायटा, लि०, एन० सस्यम, बालगा बार्ड श्री काकूलम जिला, श्रीकाकूलम टाऊन।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि, विस्तीर्ण चौ० गज श्रीकाकूलम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1468, 1469, 1470/83 ।

> एम**० जोगम मोह**न सक्षम अधियारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजीत रोज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1984

मोहर .

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्माना

भारत सरकार

कार्यात्तम, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनाक 12 मार्च 1984

निर्देस सं० आर० ए०८सी० नं० 526/83~84—अतः मझे एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ऑर जिसकी सं० आर० एस० 14771, है, जो इनीकीपाडू विजयवाड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजयवाड़ा में रिजर्ट्योकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजर्ट्योकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चोक्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुक् किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सूर्यिभा के लिए;

अतः अब, उत्रा अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- श्रीमती वी० पुष्पावती और अध्य 5, कृष्णा लंका, विजयवादा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विजासा भ्रो प्रोडक्ट प्रा० लि०, 27-14-59, राजगोपालचारी स्ट्रीट, गवर्नमेंट, विजयवाड़ा। (अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन की निए कार्यवाहियां करता हो।

जनत संपति के भर्जन के संबंध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की व्यविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

वन्स्य

बंजर भूमि, विस्तर्ण 3.02 एकड़, इनोकीपाडू, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 4721, और 4725/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज, हैदरा**बाद**

तारी**ड**: 12-3-198#

मोहरू 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हंदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं०. आर० ए० मी० नं० 527/83-84--- अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्मान्त, जिसका उचित बाजार पूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12-20-81 है, जो कोश्वापेट गुंटूर में स्थित है (और इससे उपात्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरण में हुन्हें किसी आय की बाक्स, अक्स सिधिनियम के अभीन कर वाने के अन्तरक के वायिस्त में कभी करने या उससं स्थम में मृतिभा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

 श्री पी० बी० शिवभास्रो, परवतीस्वर शास्रो, और अन्य कोथापेट, गुंटूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमर्ता जी० सामराज्यम पस्ती डां० धनराजया-राक्ष, हारताथ चील्ड्रेन्स नरसींग होम कीथापेट, गुंदूर।

(अन्तरिनो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इ.स. स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदी का, जा उनल अधिनियम, के अध्याय 2()-क मां परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

घर संपत्ति , गूटूर, विस्तीर्ण 328-3/4, चौ० गज र्गजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6211/83।

> एम० जेगन मोहन पक्षम अधिकारी सहायक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1984

महिः

प्ररूप आहू .दी एन .एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त /(निरीक्षण) अर्जन रेंज, हेदराबाद

हदराबाद, दिनाक 12 मार्च 1984

निर्देश स० आर० ए० सा० न० 528/83-84-आतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000′- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० 741 ए० है, जो गूट्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गूट्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

का पूर्वीकत सम्मत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापूनाकत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य स उत्तर शतरण जिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसं किसी बाय था किसी भव या कन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्त्रिती व्यास्प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के मिए;

ा श्रीमती दी० अमीनी देवी पर्ताः कष्णा रेड्डी,आन्की-रेड्डी पालेम, गुटुर।

(अन्तरक)

 मैसर्स आमरावर्ता ग्लास वर्कस, प्रा० लि०, डी० नं० 26-1-33, गूंट्र।

(अन्तर्भरती)

को यह सूचना जारी करुके पृशीकत् सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पृति के मूर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपिकत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हों।

नतससी

भूमि, विस्तीर्ण 8 एकड़, 65 सेंट्स, कन्कीरेड्डी पालेम, गूटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6450/83।

> एम० जोगन भाहन सक्षम अधिकारीः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उका अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपभास (1) के अधीन, निम्नीविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीखा. 12-3-19**84** भारतिहास प्ररूप आर्ड्: दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैसराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निदश सं० आर० ए० सी० नं० 529/83--84---अत: मुझे, एस० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० 602 है, जो मंगलगीरी में स्थित है (और इससे पा बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलगीरी में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्लद्भ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक हप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, 'उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिंगित व्यक्तियों अधीत्:—— 1. श्री जी० ४१० आर० एन० राव रेलपेटा,गूंटूर और अन्य गृंदर।

(अन्तरक)

2 श्री ए० वेकटस्वरले और अन्य यराबालम, गूटूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयूक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

खुवी जमीन, बस्तीर्ण 4 1/2 एकड़ नीकटूर, मंगलगीरी रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2496, 2498 और 2487/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1984

महिन्द :

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यातय, सहायक आयकर अोयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी०नं०530/83-84---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 27/1 है, जो कलपाका आमला-पूरम स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आमलापूरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

करे पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्शित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मा मिवधी के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. शीमर्ना नी० वामेस्वरी और अन्य कष्णा नगर, वैज्ञाग-2।

(अन्तरक)

2 श्री एन० वी० कृष्णा दोसकायलापल्ला, कोम्कोड़ा, अनकापल्ला।

को यह सूचना जार करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः ह¹, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंजर भूमि, विस्तीर्ण 49.94 किड़, कलपाका, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3244, 3246, 3247, 3248, 3249, 3251, 3252 ओर 3253/83, 3250/83।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैंदराकाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश मं० आर० ए० सी० नं० 531/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

सायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 232 है, जो बीठ एम० पेटा, विजयानगरम, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीशर्ती अधिकारी के कार्यालय विजयानगरम, में रिजस्ट्रीशरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलियत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से सुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में मृविधा असे लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— द! होम पाइम को० लि०, बाम्बे, बी० बी० कुलकरणी कोबाबलसा।

(अन्तरक)

2 मैंसमं ऊमा जूट और दीन मीलस, दी० बी० रामस्या, नीयायलसा, बी० एम० पेट, विश्वसानगरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख .से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याख्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

ग्रन्यूची

भूमि, विस्तीर्ण 11 एकड़, 05 सेंट्स, वी० एम० पेटा, विजयनगरम, रिजिस्ट्रीकृत विलेख ने० 1336/83।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायभ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

तारी**ख**: 12-3-1984

माहेरु 🖫

भुरूपः, आ**र्द**ः द<u>ी. एनः</u> एसः, - = - - -

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सीं० नं० 532/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 11-11-6, है जो टी० पी० गुड्म में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ताडेपल्लीगुडम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दाह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रम्य आक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या वा किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 5—16 GI/84

- 1. श्री एम० आप्पाराव, ताडेपल्लीगुडम।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री कें कोंडला राव, डी कें नं 11-11-6, ताडे पल्ली गुडम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रभेष्यत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम : के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

घर संपत्ति नं० 11-11-6, ताडेपल्लीगुडम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3215, और 3216/83।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 884/83-84-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी मं० फ्लैट है, जो पंजा गुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (और इत्तते उन वह अल्भूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिगर्दा हती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारंखि जुलाई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इरयमान प्रतिकल से, एसे इरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी अाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/बा
- (च) **एरेरी किसी अगय या किसी धन** या अन्य अपिक्तर्यो को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा याकिया जानाचाहिए थाछिपाने से स्विधाके सिए;

अतः अयः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

 मैसर्स विग्रो कनस्ट्रक्मन, बाई श्रीबी० एन० रेड्डी, पंजागुट्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमता आर० पूष्पलता, फ्लेट नं० 10, ब्लाक---ई, कोती शिकारा आपार्टमेटस, पंजा गुड़ा, **'हैदराबाद**। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्रोप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी कं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया गया है।

पलेट नं० 10, ब्लाक-ई, कांती शिकारा अ।पार्टमेंद्स, पंजा गड़ा, हैदराबास, विस्तीर्ण 648 सौ० फुट रजिस्ट्री कृत वितेज नं 3930/83, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

तारीख: 12-3-1984

मोहर ध

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस्.-----

सायक्र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के मुधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 885;83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो रेड हीलस हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निस्नीसिचत उद्देश्यों से उकत् अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बांब्त, उक्ट अधिनियम के जधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृतिभा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्टियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूर्विधा के लिए।

कत अब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अन्सरण कें, भैं, उक्त मीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् ६—— मैसर्स शांती कनस्ट्रेक्शन, 11-5-266/4, रेड हीलस, हैवराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री कौशर अहमद, 218-बी०, रेड हीलस, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कुर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गदा है।

मनसर्ची

पलट नं० 11-5-266/4/21, इंदरजीत आपार्ट**मेंट्स**, रेंड हीलस, हैदराबाद विस्तीर्ण 1060 चौ० फुट रजिस्**ट्रीकु**त विलेख नं० 5209/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1984

मोहर छ

प्रक्य बाहु^{*}्र टी.. प्रकृत प्रस्_{ता} = -- -

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक जायकर जागुक्त (निडिक्सर्ज)

अर्जन रेंज, **हैदराबा**घ

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 886/83-84-अतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो रेड हीलस, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्विक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरिका) और (अंतरितियीं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्निलिक्त उद्योध्य से उच्च अन्तरण निश्चित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तहण से हुई किसी बाय की बायत जनत अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौद/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— मैसर्स शांती कनस्ट्रक्शन, 11-5-266/4, रेड हीलस, हैवराबाद।

(अन्तरक)

 श्री मोहमद सयीदू गफर, खान 218-बी, रेंड हीलस, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के निए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सभ्यत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काश्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ नास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थाना सम्परित में हित-ब्रुभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए ना सकती।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों अहैर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

पलट नं 11-5-266/4/17, इंबरजीत आपार्टमेन्ट, रेड हीलस, हैदराबाद, बिस्तीर्ण 1060 बौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 7998/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षय प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 5-3-1984

मांहर 🥫

प्रमणे अक्षा . दी . **इन . एड** _{अस्टलन-अन्तक}

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक मायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज हैवाराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 887/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो रेड हीलस हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

ब्ह: बृब्, उक्त विभिन्यम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—— मैसर्स शांति कनस्ट्रनशन, 11-5-266/4, रेड हीलस हैवराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री बक्नेअर अहमव, घर नं० 17-8-646, डिबरपूरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः</u> के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति प्रवास द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स स 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त स्वयाँ और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

फ्लैंट नं॰ 201, 11-5-266/4,रे**ड हीलस, हैदराबाद,** विस्तीर्ण 1030 चौ॰ फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 5193/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 5-3-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1%) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर जायूक्त (निरोक्षण) अर्जनरॉज, हैदराबाद

हैवराबाव, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 888/83-84-अतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लंट है, जो रैंड हीलस, हैदराझाद में स्थित है, (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय को बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कभी करने या उससे अचने में सर्विधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियत व्यक्तिमों, अर्थात् :--- मैसस भाग्यनगर कनस्ट्रक्शन, को० 11-54-656/1, रेड हीलस, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री बी ० आर० सूरी, पलेट नं० 30, 116 साउधर्न एवेन्य, कलकत्ता-700029।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितक्य्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन् संबी

फ्लेट नं० 608, ए०--क्लॉक, क्रिंबायन आपार्टमेंट्स,रेड हीत्रस, हैवराबाद , विस्तीर्ग 873, चौ० फुट , रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2146/83,रजिस्ट्रीकृती अधिकारी हैवराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षय त्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1984

प्रकथ बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत त्रकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 889/83-84--अतः मुक्ते एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिमकी मं० फ्लैट है, जो बेंगमपेट, हैवराबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रंयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गिर्इ है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण ते हुई किती शाय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दार्थित में कमी करने या उससे नचने में सुनिधा के लिए: व्यटि/वा
- (क) एसी किसी जाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः अव, उक्त निभिन्यमं की धारा 269-गं के मनुसरण कों, को उक्त अधिनियम की धारा 269-चं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 1. मैसर्स श्रीनिवासा विस्डर्स प्रा० लि०, $1-2-583/4/\sqrt{c}$, रामचंद्रा मीशन रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती एन० शोभा रानी, 1-10-215, अशोक नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सीवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गुवा है।

वन्स्भी

फ्लैट नं० 501, श्रीनिवासा टावर्स 'ए' 6-3-1187, ब्रोगम पेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण, 1600 चौ० फुट, रजिस्ट्रें किस विलेख नं० 2285/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी बल्लभनगर,

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीखाः 5-3-1984

प्ररूप. बाई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 890/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि, जो नंदीगांघ विलेज, शादनगर नालूक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शादनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुनाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त जिमिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिमिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीग जिम्मिलिसित व्यक्तियों पर्धात :---

1. मैसर्स न्यू हारीक्षन फार्म एटरप्राइजेस, निवागांव विलेख गावनगर लालूक जिला महबूबनगर, बाई श्री नी० चंद्रया और अन्य, पार्टनरर्स।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हैदराबाद सीलंडर्स प्रा० लि०, बाई श्री सोमा-पांड्र्रगा रेही एम० डी० शाप नं० 11, आर० बी० व्ही० आर० शॉपीग काम्पलेक्स, तीलक रोड़ हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की सारीस से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक , से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाय।

स्पव्यक्तिकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समयकी

खुली जमीन, विस्तीर्ण 9 एकड़, 39 गूंठे, न दीगांव विलेज, शादनगर तालूक, महबूधनगर जिला, रजिक्ट्रीकृत विलेख नं॰ 1076, 1083 और 1173/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी शादनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 5-3-1984

मोहर ः

प्ररूप् आई. टी. एन. एस. - - - ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० मी० न० 891/83-84--अत. मझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है.

और जिसकी सं० भूमि है, जो मीयापुर विलेज, रंगारेड्डी जिला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मीलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

असं अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— 6—16GI/84 श्री कें नारायण राघ और अन्य मुडीनेपल्ली विलेज, ग्रहणा जिला।

(अन्तरक)

7- मैसर्स दीप्ती श्री को०-।आपरेटीय हाऊस बिल्डीग सोसायटी लि०, 6/3/960/बि०, पंजागुढ्टा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

खुली जमीन, मीयापूर विलेज-रंगारेड्डी जिला, विस्तीणं 8 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5474/83. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगारेड्डी जिला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज, हैदराबाद

सारीख: 5-3-1984

प्रकथ बाइ टी. एन एस ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीत सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी॰ 882/83-84-अतः मुझे एम० जेगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

जीर जिसकी सं० भूमि है, जो एस० छी० रोड़ सिकदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्य लघ रगारे हुं, जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किथ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ज्ञास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए,

वतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंसत व्यक्तियों, अधीत :--- 1. श्री चंद और अन्य, 1-8-264/6, साधी वालोनी सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नटराज कन्स्ट्रक्शन को० आंफिस एण्ड 5-9-13, सङ्फाबाद, हैदराबाद।

(अन्तररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी जाक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिंग की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिर द्वारा;
- (ब) इस स्थाना के राजधंत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त रणवर सम्मित्त में हिंत-हिंदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधाहिस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकींगे।

स्मध्दीकरण - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अन्सूर्या

बिस्तीर्ण 4272 चौ० फुट, प्लीय एरीया पहली मंजील के ऊपर, 1328.73 चौ० गज 112 एस० डी० रोड़, सिंकदरा-बाद, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 5226/83, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

> एम० जेगन मोहन सक्षय अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 5-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण; अर्जन रेंज, हैयराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1989

निर्देश .सं० आर० ए० सी० 893/83—84——अतः मझे एम० जेगन मोहन,

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम् इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और छमे हैं, जो आदोनी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजर्झ्यकर्ता अधिकारी के कार्यालय आदोनी में भारतीय रिजर्झी-कर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियः को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्रण भाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नक्षितिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. প্রাণকৈও आरও हानूमंत रेड्डी पिता मरसा रेड्डी आदोनी। (अन्सरक)
- 2. श्री शोग राज राठी पिता नथूमल रोठी, पार्टनर मैसर्स मूरली नारायण जीनींग फेंक्टरी, हान्सोजी पेट, आदोनी।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुस्ची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड़ 60 सेंटस, छेत और कार्यालय के साथ और गोडाऊन, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1653/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आदोनी।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सक्षायक आयकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1984

प्ररूपः आर्दः टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराश्वाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 894/88-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयक्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो जीडीमेटला रंगारेड्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में डचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वर्षण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

1. श्री मेघराज बी॰ सजनानी , 1~8~303/28, पेंडर-घास्ट रोड़, सिकदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री मोहोमद आसादानी, 17-6-565, आऊट साइड डिबिखरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भूग अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रीयल शेड, प्लाट बी०-12, आई० डी० ए०, जीडीमेट्ला, विलेज, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2509/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल।

> एम जेर्गन मोहन, सक्षम अधिकारी, साहयक आयकर आयुक्त(निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 5-3-1984

भोहर 🖁

प्ररूप वार्ड .टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 895/83-84--आतः, मुझो, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है, जो क्कटपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अंतुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय अधिनयम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देश्य से उसते मृत्यरण निम्चित में बास्तविक इन से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) नत्तरण वे हुई हिक्की बाय की बाबत उक्त निध-विवय के नवीन कड़ दोने के बत्तरक के दायित्व में कमी कड़ने वा उक्के बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरती (ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए।

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मसर्स गोकूल को० आपरेटीय मिलक सण्लाई सोसायटी लि०,. 5-4-330, एम० जे० मार्केट, हैवराबाद। (अन्तरक)
- मैसर्स आडागुट्टा को० आपरेटीय मोमायटी लि० ईस्ट मारेडपल्लो, सिंकवराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ता संपत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हूं:

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 7 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

युन्स् 🕶

भूमि विस्तीर्ण 47 एकड़ 18 गूंठे, कुकटपस्ली, विलेज, जिला—रंगारेंड्डी रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5347/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ना**रीख: 5-3-1984**

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्चे 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी०नं० 896/83-84--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- छ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है, जो कुकटपल्ली जिला रंगारेड्डी में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय र्गजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्तास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा की किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, टिम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री पी० रिवदर रेड्डी 5-8-49 फते सूलतान लेन, नमपल्ली, हैदराबाद ।
 - (2) मसर्स गोकूल को० आपरेटीव मिल्क सण्लाहज सोमायटी लि०, 5-4-330, एम० जे० माकट, हैदराबाद।
 - (3) श्री पी० नरसीम्हा रेड्डी और अन्य कूकटपल्ली, हैदराबाद।

' (अन्तरक)

2. ममर्स भाग्यनगर को०-आपरेटीव हाऊसिंग सोसायटी लि०, टी० ए० बी० नं० 721, क्कटपल्ली, हैदराबाद, बाई० श्री ए०एस० राजू प्रैणिडेन्ट 3-5-213/3 विठलवाड़ी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बर्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क़ में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होबा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 83 एकड़, 76 गूंठे, कूकटपल्ली, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5169/83, 5348 और 5435/83, रिजुस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1984

प्ररूप हाई. टी. एन. एस.------

मायकर् मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाइत 269-व (1) के अभीन स्वना

भा ने सरत

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० 897/83-84--अतः, मुझे, एम ० जेंगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पम्चात 'उक्त अधिनियम['] कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति. जिसका जीवत बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं.

तथा जिसको संब्घर है, जो ऊप्पल, हैदराबाद मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ऊप्पल मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1983

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (इह) ए सी किसी आय या किसी भन या अन्य अगस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

1. भी के० बी० कुआ *इ*ष्णन नायर, 14-64/31, उप्पल, हैदराबाद:

(अन्तरक

2. श्री पो० श्रीनिवास पिता एल० एन० पानीग्रोफी, ए०-६, आसोफगुडा, सिकदराबाद।

*(अन्तरितीः)

को यह सूचना भारी कारके प्रवेक्ति सम्बक्ति को अर्थन को सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के क्यांन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचनाकी सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., ओ उबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

घर मंपत्ति, ऊप्पल, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख 3278/83, रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीखा: 5-3-1984

प्रमाप आह ंटी. एन. एस.------

नायकर निभागियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक: 5 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 898/83-84--अत:, मझे एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० घर है, जो अकबर बाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम, निम्नितिचित उद्देश्य से उच्क मन्तरण कि चित में वास्तिवक हूथ से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अप्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922-(1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना भाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखिल अधिकतयों, स्पर्धातः --- श्रीमर्ता एन० प्रमीला देवी, 16-2~40/ए, अकबर बाग, मलकपेट, हैदराचाद।

(अन्तरक)

2 श्रीमती आहुदूनीसा बेगम, 16-2-66, अकबर बाग, मलकपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पच्यौकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में ।रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अन्सूची

घर संपत्ति,घर नं० 16-2-40, अकबर बाग, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3824/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1084

प्रस्य कार्य<u>ः वी. एव .पुत्र , गावान</u> सम्बद्धाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुम्ना

मारा बाक्स

कार्यासय, सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1984 सं० आर० ए० सी० 898/83-84--अत:, मुझे, एम० जोगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त विधिनवम्' कहा थवा हैं), की बारा 269-व के अधीन सक्तम् प्रारिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि और घोड है, जो ची कड परुली, हैदराबाद में स्थित है (और इसने उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ची कड उपरुली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1983

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत स्म्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्मीलिखत उद्वरेम से उच्त अन्तरण निम्मीलिखत उद्वरेम से उच्त अन्तरण निम्मीलिखत में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त जिथितियज के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जाँद/या
- (ब) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुक्तिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
7—16 GT/84

- 1. श्रीमती जी० अनासूया, घर नं० 1-1-189/1 से 5, विवकेनगर, श्रीक्लडपल्ली, हैवराबाद। (अन्तरक)
- श्री भीकर्मामह और श्रीमती मीना, 14-11-380, चौरंजींसी, मछीलीपूरा, हैबराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के हिन्ए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शम्बों और भवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गुरा है।

मन्सूचीं

खुली जमीन और गेंड ग्री० नं० 1-1-283/8, बापूनगर, वीक्क इपल्ली, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 477/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी नीक्क डपल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-3-1984

प्रकप् काई. टी. एन., एस.

भायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरुकार

कार्यासय, सन्नायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मार्चे 1984 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 900/83-84--अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है , जो तीलक रोड़, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिबक कप से किस्त नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुद्दै किसी अग्रय की बावत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे ज्ञाने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातु:—— 1. श्री वर्षार आली, पिता हासन आली और अन्य चोराग आली लेन, हैंबराबाद।

(अन्तरक)

 डा० टी० याद्यया पिता टी० साइलू, 18-6-799, लाल दरवाजा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जार। करके पूर्वोक्त सभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यास अधाहस्ताक्षरी की पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

हपव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित ह्व, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

घर नं० 4-1-15 और 4-1-16, तीलक रोड़, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3964/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैसराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-3-1984.

भोहर:

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाव, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 901,83-84-यतः, मुझे, एम० जेगन भोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का धारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० धर है, जो हिमायत नगर, हैदराबाव स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजि-स्त्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय,, चीक्कडपर्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीक करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

का पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अंतः अयं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :——

 श्रीमती पी० लक्ष्मी रामदास पति पी० राजा रामदास
 3-6-145/7, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डा० एल० विजय कुमार और डा० श्रीमती एल० विजय लक्ष्मी मैडीकल प्रैक्टीशनर पाडकार विलेज, कलवाकुर्ता तालुक; जिला महब्ब नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्री

घर सम्पत्ति हिमायत नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 433 चौ० गज और भृमि और ग्राउंड फ्लोर 1422 चौ० फुट प्रथम तल 1422 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 482/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी चीक्कडपल्ली ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-3-1989

महिल 🛭

प्रकप् आई. दी. एन. एस.-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० आर० ए० मी० न० 902/83-84 —-यतः, मक्षे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है, जो हैदरगुडा, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और बन्तरिसी (अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तिकक रूप किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में तृतिधा के जिए; और/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्री रमश आस्ताना पिता दिनेश चन्द्रा बाह जी०पी०ए, अम्बीस आस्ताना, फतेह मंजील, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री गौवरी मंकर, 8-2-682/1, रोड नं० 12, बंजारा हिस्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभागित के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

खुली जमीन, एम० नं० 3-2-69/ब/6, हैदरगुडा, अजीर-बाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 410 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3820/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षय अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

विनांक: 13-3-1984

प्रकृष् वार्दः टी., एन्., एत्.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आए० ए० सी ० नं० 903/83-84-यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो बाग आम्बरपेट, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्णक्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरुक् से हुई जिसी बाव की बावत, उक्त प्रधिनियम के संधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्लाने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

कत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रं पी० बेनूगोपाल, रेड्डी पिता पीची रेड्डी, 1-2-217/16/2, बोमलगुडा, हैदराबाद ।

(अ≟तरक)

(2) श्री आर० मल्लारेड्डी, पिता मलारेड्डी, चीउन्नामारेनीपाल्ली, गजधेल नालुक, जिला—मेढक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सभ्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्रस्थी

घर सम्पत्ति 'रहातनगर, बाग आम्बरपेट, हैवराखाद, रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 511/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली ।

> एम० जेगन मोहन समक्षप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंग, हैदराबाद

विनांक : 13-3-1984

त्रक्ष बाह^{*}. टी. एन. **ए**त्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० अ 904/83-84-यतः, भुक्तो, एम० जेगन मोहन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पोर्णन इन र्थर्ड फ्लोर है, जो सोमाजीगुडा, हैंदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त संपरित् को उचित नाजार मृत्य से कम को दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया हैं.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अकः, अक्तः विभिनिषयं की धारा 269-ग के अनुसरण इ.में, में उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिपुंखत व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) डा॰ जी॰ आर॰ भास्कर घर नं॰ आई॰ जे॰-9 आफिसमं कालोनी, येरा मंजिल, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ह्वा तक्ष्मी पिता ह्वी० जोगच्या गर्मा, घर नं० 6-3-661/4, (पोरशन इन मेंकड फ्लोर) मोमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त श्रीधिनयम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित इं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया वृषर हैं।

जन्सूची

1000/5800 शेयट प्रेमीसेस नं० 6~3-661/4, (दूसरी मंजिल, का भाग), भोमाजीगुडा, हैवराबाद रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 3818/83, रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-3-1984

मोहर 🖫

प्रक्य नाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1984

आर० ऐ० सी० नं० 905/83-84-प्रतः। मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उंक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिकी सं० पोर्शन इन थर्ड फ्लोर है जोमी मागुडा हैदराबाद में स्थिय है (और इससे उपाबड़ अनुसूची। सें और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्नीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को प्योंक्त सम्परित के उिचत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप् वेक्ति संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिये जा, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उथत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) इंबर्धीन, निम्मीनिक्ति व्यक्तियों. अर्थात् ः— (1) डा० जी० आर० भास्कर घर नं० आर्द० जे०-9, आफिसर्स कालोनी, येरा मंजिल, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ह्विं। शारदा पिता श्री ह्विं। जोगय्या शर्मा 6-3-661/4, पोरशन इन सेंकड फ्लोर), सोमाजीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध , जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्वी

650,8500 शेयर पइ प्रेमीसेस नं० 6-3-661,4, (दूसरी मंजिन का भाग) सोमाजीगुडा, हैवराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3813/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी. हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निर्राक्षण) अर्जन रोंज, हैवरामाद

दिनांक: 13-3-1984

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांसय, तहायक नायकर नायुक्त (पिरीक्रक)

अर्ज. रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० आर० ऐ० सी० नं० 906/83-84-यतः. मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० पोरणन इन में कड़ है, जो फ्लोर सीमाजीगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण- रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983.

कां पूर्वोक्त संपति के उफ़ित नाजार मृत्य से कम के इष्यमाम प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उजित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्तिबक क्य मे किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण तं हुइ किती आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; आदि/वा
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः शव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा॰ जी॰ आर॰ भास्कर घर नं॰ आई॰ जे॰-१, आफिसर्स कालोनी, येरामंजिल, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती छायादेवी पति डा० वि० हेमाद्री, क्वार्टर 321, रेलवे हास्पीटल, लाला गुडा, सिकन्बराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूत्रना जारी कार के पूर्वोंकत संपरित के अर्जन के लिए एसब्द्वारा कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्यव्यक्तिरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

650/5800, भाग, परीसर नं० 6-3-661/4, तीसरी मंजिल का भाग), सोमाजीगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 3812/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुष्मे (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 13-3-1984

प्ररूप पाइ . टी. एन. एसं.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1984

आर० ये० सी० नं० 907/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पोरशन इन मेंकड है, जो फ्लोर सीमाजीगुड़ा, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए.

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---\$--516GI/83 (1) डां जीं० आर् भास्कर, घर नं० आई० जे०-9, आकिस कालोनी, येरा मंजिल, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० महेश्वरी पति श्री बि० एच० सीयच ह्वी० स्वाराव, 6-3-661/4, थर्ड फ्लोर, सोमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

 $1000_{\parallel}5800$ भाग,परीसर न० 6-3-661,4,सीमाजीगुडा हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3855/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 13-3-1984

बोहर 🛭

प्ररूप बाद्दंटी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

212 , 2 . 4 . 4 . 5

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1984

आर० ये० सी० न० 908,83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयक आधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्ये 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो ए० सी० गार्डस, हैदराबाद स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्क्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्क्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का करण है कि अथापूर्वोक्त मणीन का उचित बाजार मण्या, इसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह भितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भित्तकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उद्गत अन्तरण लिखित व वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, जौर/या
- (का) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अद्योजनार्थ अन्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या िकया जाना था, छिपान में सर्विधा के निए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री टी॰ शेंगागीरा राब, घर नं॰ 21,8 आरटी, विजयनगर कालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती लतीफृनिमा वेगम, घर नं० 16-6-594, उम्मानपुरा हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पैध्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्स् ची

ण्लाट नं० 9, एम० नं० 6-2-45 $_{|}$ 8, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद, विस्तीर्ण 432 चौ० गज, रजिस् $_{r}$ ीकृत विलेख नं० 4016 $_{|}$ 83, रजिस् $_{r}$ किती अधिकारी हैदर्गुबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-3-1984

प्ररूप आर्क्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद हंदराबाद, दनाक 13 मार्च 1984

आग्रु ये० सी० न० 909/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहनः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार्स 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जसर्गा मं० भूमि / प्लाट है, जो येरामझं, ल, हैदराबाद स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकार्गा के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जुलाई, 1983.

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) शृष्तरण से हुई किसी आय की नामत, उनस अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे नचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उत्कतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उका अधिनियम की धारा 260-थ की उपधारा (1) को अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० तीरुमल राव, कटलाकूटा विलेज, मेटगल्ली: सरीमनगर जिला ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ आर॰ विद्याधरी घर न॰ 3-5-15/8. लिंगमपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तर्रिती)

का यह भूजना जारो करकं पृत्रश्रित सपरित कं नर्जन के लिक्ष कार्यत्तिहत्रा करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, बें भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो क्षिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित मो किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस निधानयम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होंगा जो उत्तर अध्याय में दिवा गया है।

बनसची

प्लाट नं० 4, यरामर्बाल, हैंबराबाय, विस्तीर्ण 440 चौ० गज, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4279/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंबराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षय प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

विनांक : 13-3-1981

प्रस्प नाहीं टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीन सुमना

भारत करकार

कार्यौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, विनांक, 13 मार्च 1984 आर० ये० सी० नं० 910/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि/प्लाट है, जो येरामंझील, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से व्यणित है), र्राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्त्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के (अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रव्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण संहुई किसी बाय की बायत, उक्त बंधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धृन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री एन० तिष्मल राव, कटलाकूंटा विलेज, मेटपरुली, करीमनगर जिला ।

(अन्तरक)

(2) डा० आर० नामेश्वर राथ, घर नं० 3-5-15/8, निगमपल्ली, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिष्ठियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के स 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिंद-ब्व्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्त अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

भूमि विस्तीणं 240 चौ० गज, येरामंझील, हैदराबाद, रिजस्त्रीकृत विलेख नं० 4262/83, रिजस्त्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधितः—

दिनाक . 13~3~1984

प्रकृष आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैंबराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1984 आर० ये० सी० नं० 911/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो अमीपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रावर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद से भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनाक जुलाई 1983.

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अद्विदेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वावत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविभा के लिए; जौर/या
- (का) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री काजी आजीजुद रहमान,
 घर नं० 23-2-352,
 म्गलपुरा, हैवरावाद ।

(अन्तरक)

(2) दि काकतीया विद्या संस्कृतिका संगम, (खम्मा सगम) एम० नं० 8-3-949/1/बि, अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

खुली जमीन, अमीरपेट, हैरराबाद राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5039/83, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयगर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-3-1984

प्ररूप आही. टी. एन. एस. - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन मुखना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैयराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1984 आर० ये० सी० नं० 912/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राविकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी मं० मूमि है, जो ऊपरपालेम विलेज तिरुपती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बर्णित है), रिजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, , तिरुपती में भारतीय रजिस्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वों कर संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निचित्त वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण चे श्रूष किसी बाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या जिल्ला जाना चाहिए था, जिल्लाने में सृतिभा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कें ० वेंकटा रंगाराष और अन्य तिरुपती ।

(अन्तरक)

(2) कृषा चलपती पश्चावती की-आपरटिव हाउस विल्डिंग सोसायटी, बाइ श्री एम० लक्ष्मन राव, तिरुपती ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस त्वा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा थो उस अध्याम में दिया गया है।

वन्त्र्यी

भूमि विस्तीण 1-10 एकड़, ऊपर पालेम विलेज, तिरुपती, चीतूर जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3870, 5140 और 5124/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तिरुपती ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायम आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक : 13-3-1984

प्ररूप लाड^{*}.टी.एन.एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग्र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मार्च 1984

आर० ये० मी० नं० 913/83—84—-यत. मुझे, एम० जेगन मोहन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी स० घर है, जो पाइगुपड़ कोऊक नेलोर जिला स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुमूची में और पूर्णम्प से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, काऊक में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांत जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त संपित्त के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कन अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अत अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ में उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री बाइ रंगारेड्डी श्री व्ही० वेंकटारामी रेड्डी, खीर अन्य, चेंक्कुर बिलेज, कोऊरु नालुक, जिला—-नेंक्लीर ।

(अन्तरक)

(2) श्री व्हो० तीरीपालू और श्रीमती व्ही० नागरत्नम्मा, रेलवे फोडर्स रोड, कॉऊन, ताल्क, जिला--नेलीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अयिध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति र्
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के, पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

घर सम्पत्ति पाङ्गुपड् विलेज, डी० नं० 1--4-17/1, रिजस्ट्री कृत । नेज ख नं० 665, 670, 664 और 669/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कोऊरु ।

> ण्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदरायाद

दिन कि :13-3-1984

प्ररूप करह* टी एन एस ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 13 मार्च 1984

आर० ये० मी० न० 914/83-84—यत. मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले कसमें इसके पश्चाक्ष 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की नारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अभिक है

और जिमकी स० घर है जो चीक्कडपल्ली, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीवकडपल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उत्तरी वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अभ्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्धिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने स्विधा को लिए.

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, भर्यति .— (1) श्रीमती पी० रुत्मीतम्मा आलीयाम रुक्मीनी बाई पति लेट पा० सुब्बाराव, 3-5-596, हिमामतनगर, हैदराबाद ।

(अस्त्रह)

(2) श्री पो० एस० नाबू पिना लेट पो० निरंबताधम, 3--6-457, हारडीवार बाग, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सब्ध में काई भी जाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस शुष्पता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिया गया है।

नगुस्ची

पर सम्पत्ति न० 1-1-230/8/3 और 1-1-20/8/4 विवेकत्तगर, चीवश्रकपल्ली, हैदराश्राद रिजस्ट्रीकृत क्रिक्ख न० 506/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी भीक्ष्यक्रपल्ली ।

ण्म० जोगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहाया आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अप्रीनरेग,हैदराबाद

विनाक 13-3-84 मोहरः प्रक्रम बाह् ु टी. एन. एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सुचना

भटरत सरुकार

कार्यालवः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैवराबाव, दिनांक 13 मार्च 1984

आर० ये० सी० नं० 533/83-84-- प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 75,000/- रु. से अधिक है

स्रेर जिसकी सं० भूमि है, जो पोनडूबा बिलेज बेस्ट गोदाबरी जिला स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णें रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यीलय, गनपावरम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोंक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में नात्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिसिल व्यक्तियों, अर्थात् :—— 9—16 GI/84 (1) श्रां व्ही० वेंकट सोमराजू, चौथा वार्ड, भीमावरम, वेस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० कामयम्मा और श्री पी० वेंकटरस्तम, छठा वार्ड, भीमावरम, बेस्ट गोदावरी जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- , (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्भ होगा ओ उस अध्याय में दिवा गया है।

गनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 15-94 एकड़, पंडूवा विलेज, वेस्ट गोवाबरी जिला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1452और 1453/83, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी गनपावरम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 13-3-1984

अक्रम आहे हो. एन. एस. - - - -

नायकार निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 24 फरवरी 1984
निवेश सं० सी० आर० 62/38876/83-84---यतः मुझे
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 17-15-1163 टी० एस० नं० 697 आर० एस० नं० 971 है, तथा जो एज़ी० अतावर विलेज, मंगलूर सिटी में स्थित है (और इसके उपायत अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिहारी के कार्यालय, मंगलूर तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-7-83,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त क्रिधिनियम के अधीन किसर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा डे सिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विथा के बिहा;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण नें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डी० आर० कामत, कप्रिगुद्धा, फलनीर, मंगलूर ।

(अन्तर्कः)

(2) श्री बेलेरियन ए० सी० मासकरेनहास आफिसर, वैद्या बेंक लिमिटेड,

2. मेससे जुडित मेरि अयरिलिया मासकरेनहास, टीयर, एन० सी० मी०कामपौड,
एस० एल० मितयास रोड, फलनीर, मंगलूर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति को अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

बक्त सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप:--

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी स्पत्ति ब्वाराः
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चना है।

अनुसूची

(दस्तावेण सं० 252/83-84 विनांक 15-7-83) सम्पत्ति है, जिसका सं० टी० एस० नं० 697, आर० एस० नं० 971 में 17-15-1163, जो ए० जी० असायर विलेज, मंगलूर सिटी में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 24-2-1984

प्रकप नाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर भागमत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 28 फरवरी 1984 निदेश सं० सी० आर० 62/387-35/83-84--यतः म्,झे मंजु माधवन,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 869, है, तथा जो बिन्ना मंगला I स्टेज, इंदिरा-नगर बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित हैं); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शावजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-7-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूबिधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

बहः बब, उबले बाधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मा, माँ, तक्त आंधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६(1) श्रांमती विजया कुमारा रेड्डी, सोवान पोस्ट, चिसूर डिस्ट्रीक्ट, आन्ध्रा प्रवेश ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम अशारि रैं , केयर/आफ मेसर्स लोहरू स्टील इण्डस्ट्रोज, लिमिटेड, 12 मैल, पुराना मद्राम रोड, बेंगलूर---49 ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्स सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्स्विधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितमद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसी अन्य का सकेंगे।

स्मध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मनुसूची

(दस्सावेज सं० 975/83-84, दिनांक 15-7-83) सम्पत्ति है, जिसका सं० 869, जो बिन्ना मंगला I स्टेज, इंबिरानगर, बेंगल्र, में स्थित है।

मंजु माधवन क्षत्रम प्राविहा**री** जहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण**)** अर्जन रेज, बंग**ल्**र

विनांश : 28-2-1984

भोहर ः

प्ररूप बार्ड , टी. एन , एस ,----

सायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- भू (1) के मुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 फरवरी 1984

निवेश सं० 39017/83-84—यतः मुझे, मंजु माधवन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं ार् है, तथा जो V कास वसन्त नगर बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-7-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके धरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण मिन्दित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की अभत, उक्त जिभिनियम् के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुनिधा के लिए: और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्रीमती सबीहा मोहियुद्दीत नं० 18, कन्निनगहाम रोड, बेंगलूर---52

(अन्तरक)

(2) 1. श्री राजीव कुमार गुप्ता
2. श्री दिलीप कुमार गुप्ता
तं० 6, II कास एम० आर० लेन,
अक्कीपेट, बेंगलूर सिटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्व्यक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

(दस्तावेज सं० 1325/83-84, विनांक 15-7-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 11 जो V कास वसन्त नगर बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधनय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 28-2-1984

मोहरः

प्ररूप **आई**ं दी<u>.</u> एन ् एस ्-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 3 मार्च 1984

निदेश सं० सी० आर० 62,38984,83-84-थतः मुझो, मंजु माध्यन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 है, तथा जो एस० जी० एन० लेऔट, लाल बाग रोड बेस्ट कास, बेगलूर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-7-83,

कों पूर्वांक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोंक्त सम्पत्ति का ज्वित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एांसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अभ्यारण से हुई जिमी आय की वाबस उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (थ) एसी किसी नाय या किसी भन बन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या-जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री ए० प्यारेजान, सन आफ लेट एम० अन्दुल खादर 22/1, आलफड स्_{री}ट, रिचमण्ड टाउन, बेंगलूर---25 ।

(अन्तरक)

(2) श्री नौनिलाल, नं० 22/1, आनफर्ड स्ट्रीट, रिचमण्ड टाउन, बेंगलुर—27 ।

(अन्तरिती)

कां यह मुचना जारो करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1493/83-84, दिनांक 25-7-83) सम्पत्ति है, जिसका सं० 16, जो एस० जी० एन० लेऔट, लालभाग रोड, वेस्ट कास, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिनाक : 3-3-1989

मोहर 🕄

अरूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 मार्च 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/38738/83-84-यतः मुझे, मंजु माध्यन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39. है, तथा जो डा कोस्टा स्कोर, संट मेरिस टाउन, बेंगलूर से स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्त्रीक हर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 13-7-83,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मंसर्स जयार्श्वा पेसुमाल चान्विरामिन, नं ० 42, अस्माये रोड, 'सीता निवास", जिसन्दे कालोर्ना, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सबिया मोहियुद्दीन, नं० 18, कन्निग्रहाम रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलुर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंभ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

(दस्तावेज सं० 958/83-84, दिनांक 13-7-83) सम्पत्ति है, जिसका सं० 39 जो डा कोसटा स्क्वेर, सेंट मेरिस टाउन, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांचः : 3-3-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन स्पना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 5 मार्च 1984

निवेण सं० सी० आर० 62/39082/83-84-यतः मुझी, मंजु माधवनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रू. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 2965/1. (10) है, तथा जो ब्लाक नं० V आदिपंपा रोड वि० वि० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से बणिमें है), रजिस्द्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्द्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-7-83,

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे दचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

भ्रतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— मेसर्स कीं विश्व पांडी, नव 10, क्लाइ V, बानिविलास मोहल्ला, मैंसूर—20

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती बी० एस० लक्ष्मीदेवम्मा, नं० 14. मोडल हाउस स्ट्रीट, सं० 4, मनासारा रोड, कास, इट्टिगेगुड नजराबाद, मोहल्ला, मेसूर ।

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसस द किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकाँगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों, और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

पगुजुर्या

(दस्तावेश सं० 1529/83-84, दिनांक 11-7-83) सम्पत्ति है, जिसका सं० 10, नया नं० 2967/1, जो ब्लाक 5, आदिपंपा रोष्ठ, वि० वि० मोहल्ला, मैसूर, में स्थित है।

> मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 5-3-1984

मोहद्र 🛮

प्ररूप भाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 फरवरी 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/38791/83-84-यतः मुक्को, मंजु माधवन ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 11(17) है, तथा जो देपन रोड, मल्लेक्बारम, बेंगलूर-3 में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से बींगत है(, रिजिस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गार्धानगर में रिजिस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, किनोक 15~7-83,

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिगत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित बै बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आग की बाबता, उक्त विभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीव, निम्निसिचित व्यक्तियों, जर्माह :--- (1) श्री विक्रम बिल्डर्स,
 पार्टनर, श्री वी० सी० राजु,
 पुराना सं० 62/1, VI टेंपल रोड,
 मल्लेक्यारम, बेंगलूर—3

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० विजयाकुमारी, पत्नी के० नटाराजन, सं० 25, I मैन रोड, कोवण्डारामापुरम, बेंगलुर—3 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहुम्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गना है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1062/83-84, विनांक 15-7-83) सम्पत्ति है, जिसका सं० 11, नया नं० 17, जो III टेंपल रोड, मल्लेक्बारम, बेंगलूर-3 में स्थित हैं ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तम निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 28-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन. रेंज-I, नई दिल्ली जी-13, ग्राउन्ड प्लोर, सी० आर० विल्डिंग इन्द्रप्रस्थ नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-83/ 294---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1522, है तथा जो 89-नेहरू लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृह गितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ता तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति कर पर्म के विश्वत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधि या में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपार में मृतिधा के लिए;

यतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्हीर खित व्यक्तियों, अधीत्:—
10—16 GI/84

(1) श्री जे० पी० वीपुथी, त्रितालि-नोदी एम० एण्ड उड्यू० मिल्स क० लि० मोदी नगर, (यू० पी०)

(अन्तरक)

(2) पी० के० जैन (एच० यू० एफ०)
2. मास्टर जय प्रीत सिंह द्वारा अभिभावक करनल जसवन्त सिंह,
(3) श्री मनोज जैन,
निवासी—510 मानसरोवर, 90 नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्द्रा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पत्रैट नं० 1322. तहादी 35 वर्गर्गफीट, 8 नेहरू खेस, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी महायिक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज-1 दिल्ला, नई दिल्ली-110002

दिनांय : 13-3-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

बायकर बॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, जी 13, गाउन्ड फलोर सं ० आरं विक्ष्डिंग इन्द्रप्रस्थ नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-83/ 295:-अतः म्झे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० यू० बी० -7/21, है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्त्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली , भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

'को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का द्वेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के हायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकेर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गण था या किया उपना चारिए था लिपान के रिविध के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैं असल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीन प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के o जी o मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सरबजीत सिंह श्रामती हरजीद कोर, निवासी--6-कैवेलरी लेन, माल रोड, 'दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना' के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रो० नं० यू०-बी०-7, बिल्डिंग नं० 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी--480 वर्गफीट ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली -

दिनांक : 13-3-1984 मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

म्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, जी-13, ग्राऊन्ड फ्लोर, सी० आर० बिल्डिग इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-83/296--अतः म्झे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० यू० बी०-5, है तथा जो 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्नीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर ,अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्बह प्रतिग्रत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में बृविधा क िए; और, या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ने अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) मे० अंसल प्रोपर्टीज एण्ट इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीप किशोर, श्रीमती रेनु किशोर, मैं० जगदीप किशोर (एच० यू० एफ०) 5/8 रूप नगर, दिल्ली—7,

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

प्रो० नं० यू० बी०-5, 21 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, एरिया--490 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-84

माहर 🖁

प्ररूप आई.टी.एन एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/39ईई/7-83/297---अतः मुझ, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी स० 'बी'/28 है तथा जो फीराजणाह रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्द्रीकर्ती अधिवारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन विनाक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के बन्दह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया स्वा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बच्चने मो मृजिशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिक्तयों, अर्थात्:—

(1) श्री कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स ,18-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरकः)

(2) श्री सलील कपूर

2. श्री संजय कपूर

3. श्री अजय कपूर

निवासी—3-औरंगजेब लेन, नई दिल्ली। ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दृदारा,
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहम्लाक्षरी के पास विख्त में किए जा सकैग।

स्पस्ट किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

फ्लैंट नं॰ 'बी' गवादी 160 वर्ग फीट, 6 मंजिल, मर्ल्टी स्टोरी हाउसिंग योजना, 28-वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(1नर्राक्षण अर्जन रेंज-1 विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनाक : 13-3-1984

महिरः

प्ररूप आर्द. टी एन, एस.----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263-व (1) के अबीत संचती

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

निदश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/37 ईई/7-83/298— अत. मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी में 'सी' | 28 है तमा जो फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व क्य से बिंगत है), रिजिस्ट्रें कि जिधकार, के नार्यालय, अर्जन रेज—1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अर्धान, दिनान जुलाई, को पूर्वोक्स सपिस के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय्भाया गमा प्रतिफल, निम्निलिसत उद्दृश्य स उन्नत अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के निए, और/या
- (स) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा की लिए:

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित अधिनतया,, अर्थात् —

- (1) मे० कैलाण नाथ एण्ड एसोसिएट्स, 18-त्राराखम्बा रोड, नई दिल्ली । (गन्नरक)
- (2) श्री गांतम कपूर ओर श्री गिरीण कपूर, 3-शीरंगणेब रोष्ट, नई विल्ली-11001-(अन्तारता)

का यह सुचना जारी करके पवतन सभ्यत्ति के अजन क लिए कार्यवाहिया करतः हा।

उद्दर सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी नाक्षंप ---

- (क) इस स्चना के राज्यश्य मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --इसमाँ प्रयुक्त शब्दाँ और पदों का, जो उन्न अधिनियम, के लध्याय 20-के मा परिभाषिण हैं, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय मा दिशा गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नव 'सी' तादादी 1600 वर्गफीट, 6-मजल, मल्टी स्टोरी ग्रुप हाउसिंग योजना 28 फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली। सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी सहायके आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

नारीख : 13-3-1984

मोहर 👉

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1

नई दिल्ला, दिनाक 13 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1¹37ईई/7-83/299---अतः भुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रह. से अधिक है

और 1 तसकी संव 'ए' 28 है तथा जो फीरोज णाह राष्ट्र, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रिप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनाक जुलाई, 83

का पूर्वो क्स सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान शितफल के लिए अतिरत को गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित क्षाजार शृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया एतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में नास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है....

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सूबिधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत, जिम्मिनिशि व्यक्तियों, अधीत् .--

(1) मैं० कैलाय नाथ एण्ड एसोसिएट्स 18-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रोअरुन कपूर, श्रो विक्रम कपूर और श्रो राजीव कपूर 3-औरंगजेब लैंन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी गर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विये जा सकरें।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ धोगा, ओ उन अध्याय में विका गया है।

मनुष्यी

गलेट 'ए' नादाधी-1600 वर्गफीट, 7-भंजिल, मल्टी स्टोरो ग्रुप हाउसिंग योजना, 28 फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, दिल्लो ।।

तारीख: 13-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-83 300-अंत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पैरैचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है.

और जिसकी सं० 208 है, तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के स्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिहत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमे बचने भी सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अर्मरण में, मैं, खक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निमालिस्ति व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्रो रिव गुणा, निजानो 5%-ए०, र पला नगर, दिल्लो।

(ग्रन्तरम)

(2) श्री अपण कुनार साहनी, श्री चन्दर मोहन साहना, निवासी के-52, जालजाजी, नई दिल्ली, श्री संजीव साहनी, निवासी ई-509 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अस्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितृबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकने।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

फ्लेट नं० 203, बिल्डिंग नं० 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-440 वर्गफीट।

> मुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख: 13-3-84

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - - ---

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांके 13 मार्च 1984 --

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-83/30 अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारां 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. हे अधिक है

और जिसकी सं० 304 है तथा जो 94 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अबि हारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961' के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अतिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) शोम हो एया लना, निनायी डा-1/29, नसन्त बिहार, नर्ध दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो निवता लाल, निवामी हा-172, डिफेंस जालोनी, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा त्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्रो० नं० 304, मेघदूत बिल्डिंग नं० 94-नेहरू प्लेम, नई दिल्ली, नादादी-537 वर्गफीट।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो-110002

दिनांक : 13-3-1984

प्रकृप शांड' नी एन . गृह -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सूचना

बारल श्रकार

कर्गाल्य महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-83/302---अनः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के ग्रंचीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/ रू में स्थिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो 77-नेहरू प्लेस-नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो, भारतीय आयमर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापविका संपत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक के से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी॰ आय की वाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लाए और राग
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें आरतीय अगय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिलाने में स्तरा के निरुष्ट

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसका मों, सै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में कारिक नियमिक स्थानिकार अधित :---

11-16GI/84

(1) अ: गुजोग गिह मानस्हिया, निनामा राजभा राड, डालाइट, पटियाला, पजाब।

(अन्तरक)

(2) श्रामता सन्युक्ता बुधराजा और आशु बुधराजा, निवासी जी-22, ग्रोन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से -45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्ची

फ्लैटनं० 15, विल्डिंग ह्रां० 77 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, 4 मंजिल-तादादी 548 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक : 13-3-1984

म्हर:

प्ररूप जाई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिस्ली नई दिस्ली, चिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/7-83/303---

अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुक्त से अधिक हैं।

और जिसकी सं० 904 है तथा जो 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्कर्ता अधिकारी के कायीलय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन, दिनांक जुलाई, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त बंतरण सिवित में वास्तविक रूप से कांसत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) राजीव एसोतिएट्स प्रां० लि० फोरमर्ली कोन्टि-नेंटल डाटा सर्विसेज प्रा० लि० डी०र्मा० एम० प्रेमिसेज बाराहिन्द् राव. दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं जिम्पदम रब्बर्स, प्रोप० हिल्टन इन्जीनियर्स प्रा० लि० 40 नवयुग मार्केट, गाजियाबाद, (यू० पी०)

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाबतीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उनल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होनेन को उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 904, 9वीं मंजिल, 21-बाराखम्बा रोड, नई विरुली, तादादी 595 वर्गफिट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, नई दिहरूनं - 110002

दिनांक : 13-3-1984

मोहर 🕆

प्रक्प आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 मार्च 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/37ईई/7-83/304--- अतः मुझो, सुधीर चन्त्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1320 है, तथा जो 89 नेहरू •लेस, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई विल्ला भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन विनां जुनाई, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के न्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरित को जिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उथ्वंश्य से उथत अन्तरण कि लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उथ्वंश्य से उथत अन्तरण कि लिए तय पाया की स्था प्रतिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संसूर्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् - (1) श्री एस० अमर सिंह भाटिया सुपुत श्री अवता सिंह भाटिया, बी-1/106, लाजपत नगर-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी अदम कौशिक सुपुती श्री आर० एल० कौशिक, निवासी-जे/1850 चितरन्जन पाक, नई दिस्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्क्यभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट नं 1520, तावादी 560 व्याफिट, 89 नेहरू प्लेस, नई विख्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

विनांक : 13-3-1984

मोहर

श्रुष्य बाहं दी. एन. एक -----

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचल

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1984

निदेश सं ० आई० ए० सो ० /एक्यू ० /1/37ईई/7-83/305--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 005 / रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1003 है तथा जो 13 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्लों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिज्ञारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्लं(-1 भारतीय आयकर आधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को विंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिर..ल के. लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (ख) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आरिन्यो को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, प्रा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहर किए। गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, वर्थात् :---

- (1) मैं० बक्य विकास विकास कन्सट्रक्शन कं० प्राप् लि॰-13 टानस्टाय मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रामती तेजवान्स दुग्गल, कुमारी शीना सिंह एण्ड कुमारो किशनीत सिंह (माइनर) सुपुत्री तेजवान्स दुग्गल, निवासी बी०-15, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :=-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया

अनुसूची-

स्पेस नं० 1003, बिल्डिंग नं० 13-टालस्टाय मार्ग, 10वीं मंजिल, तादादी 397 वर्गफिट, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, दिल्लो

दिनांक : 13-3-1984

प्रकृष आहा, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयक्त (निर्राक्षण) अर्जन, रेज-१, नई दिल्लं

नई दिल्ली, विनार 13 मार्च 1984

निवेश सं० आई० ए० सं१० /एक्यू०/1/37ईई/7-83/306 — अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिक्यास करने का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- का में अधिय, ही

और जिसका सर् 303 है तथा जा 22 पास्त्रखम्या स्वः, गई दिल्ली स स्थित, है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री इती अधिकारी के संर्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर आधिनियम 1961 के अधीन दिनांक जुलाई. 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के निष्ण नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की यानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अथने में सुविधा कें लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी अन या बन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की थारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रामता राजिन्दर उप्पल, निवासी-ई-317 ईस्ट आफ कैलांश, नई दिल्ली।

(अन्तरह)

(2) श्रा विनोद खन्ना, निवासा-5/20, रूप नगर, दिल्ला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारा करकं ग्यांक्त सम्मति के अपन क िगा कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबय में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस मूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाध्योक्षारण: --इसम प्रय्यत राज्यो और पर्दो का, जो उतत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 303, बिल्डिंग नं० 22 बाराखम्बा रोष, नई दिल्ली, एरिया-550 वर्गफिट।

> मुधीर चन्द्रा गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

साराख: 13-3-1984

मोहर ः

अरूप आर्थ .टी एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984 निदेण सं० आई० ए० मी० एक्यू०/1/37ईई/7-83/307---अत: मुझे, मुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर रूप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 108 तथा जो 7-टालम्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीन इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजन है), रिजस्ट्रीवर्शा अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्णेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निगनिविवत उदराण से उस्त अन्तरण निगिवत में बास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुदं िकसी आय की आबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्नों में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियसं की धारा 269-धं की लपधारा (1) के अधीम, मिम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) मैं० शकर जाल फाउण्डेशन, डी० सी० एम०, प्रेमिनेज बागा हिन्दूराव, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रामता वाना आहुजा, कुमारी संगीता आहुजा और कुमारी रामा आहूजा (माइनर) निवासी-153-था, जौलो मेकर अपार्टमेंट-1, कफ परेड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी को पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

कर्मासयल फ्लैट 428 वर्गफिट, फ्लेट नं० 108, 7-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो-110002

दिनाचि । ३-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एच. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

निवेश सं० आई० ए० सी० एश्यू०/I/37ईई/7-83/308---अतः मुझो, सुधीर चन्द्रा

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त किथिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1005-ए० है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई विल्ला में स्थित है(और इससे उपाबंध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक ज्लाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसन्ते दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम को अधीन कार दोने को अन्तरक को दायित्व में कसी करने या उससे बचने में भविधा को लिए; कार/या
- (म) एेमी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीसिखत स्यक्तियों, अर्थात: -- (1) मास्टर अरिवन्त अशोक सिंह एण्ड मास्टर राहुल अशोक सिंह अभिभावक श्री अशोक प्रताप सिंह, निवासी 5-वैस्टर्न एवेन्यु महारानी खाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बिमल खोसला निवासी पोस्ट बानस नं० 6274, दुवई (यु० ए०ई०)

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अज? के जिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तवारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होग को उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

फ्लेट नं र 1005-ए०, नादादी 300 वर्गगंगज, 21-बाराखम्बा रोष्ट, नई दिल्ली।

> सुधार चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुषत (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, नई दिल्ली-110002

दिनाक . 13-3-1984

शक्य आहाँ, टी. एन. एस.- --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई थिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०-1/37ईई/7-83/309---अतः मुक्षे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह त्रिष्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. गे अधिक है

और सिजकी सं० 21/6,04 है तथा जो श्राराखम्या रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबस अनुसूधी में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन दिनांक जुलाई 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण निस्ति से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई कि.मी अप की बाबन, उपन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एमं किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत :---- (1) अंध जवार जनाप सिंह, 5-वैस्टर्न एवेन्यु, महा-रानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) प्रै० बोहरा निस्मा होस, ए०-1/6, राजोरी गार्डेन नई दिल्ला।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तार्थे से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हैं। से भीतर प्रवेक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की प्रारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिमिन में किए का सकरा।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दी और पदा का, जा उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

नामसियल पनेट नं० 604, बिल्डिंग नं० 21, बाराखम्या रोड, नई दिल्ली, नाबाबी-595 घर्गफिट।

> पृथीर चन्द्रा सनम प्राधिकारी सहायक जायसर अध्युक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज-1, को सिन्दी-110002

दिनांग: 13-3-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 4२) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० मी ०/एक्यू०-1/37ईई/7-83/310----अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

जायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया 11, की बारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-वपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 203, है तथा जो ६०-388, ग्रेट्र कैलाग-2 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायत अनुसूची में पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधि-नियम-1961 के अधीन, दिनांक जुलाई, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्निलिक्त उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिक्कित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण चे हुई जिल्ली जाव की बाबत अक्त अधिनियम के जधीन फर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए: और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिवों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपकर अधिनियम, या धनकर, अधिनियम, या धनकर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा धा या किया बाना चाहिए था, खिपाने में ग्रांवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----12—16G1/84 (1) मैं ॰ मल्हन बिल्डर्स, ई-588, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तर्भ)

(2) मैं ० एच० एम० इन्जिनियरिंग एण्ड भार्केटिंग सर्विस, 607 रहेजा चैम्बर्स, 213 नरीमन प्वाइण्ट बम्बर्स-21।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

फ्लैट नं॰ 203, दूसरी मंजिल, तावावी 379 वर्गफिट, प्लाट नं॰ ई-588, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

विनांक: 13-3-1984

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० एसी०/एक्यू०/ I_137 ईई $_17-05_1711$ — अतः म से, सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी स० फ्लेट-103 है तथा जी ई०-484, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची-में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनाक जुलाई, 1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एन० के० मल्होत्रा मार्फत डा० सी० एल० मल्होत्रा, कृश्चन मिडिल कालेज लुधियाना। (अन्तरक)
- (2) श्रीमति राम पियारी पत्नि स्व० एस० अलवन्त सिंह, निवासी लभुयान, होशियारपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के निए-कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गबा है।

ननुसूची

निवासीय फ्लेट नं० 103, न० ई०-484, ग्रेटर कैलाग-2, नई विल्ली-एरिया 1050 वर्गफिट।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ,अर्जन रेज-1,दिल्ली, नई दिल्ली-110002

. दिनांक : 13-3-1984

प्रकण बाह्र . टी. एन्. एस.-----

शावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी॰/एक्यू०-1/37ईई/7-83/312— अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो सीरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनाक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उशके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृतिथा की जिए;

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- (1) श्री एस० धरम सिंह ट्रस्टी मैं० धरम सिंह फैमिली ट्रस्ट, ए-2/140 सफदरजंग इन्क्लैव, नई दिल्ला (अन्तरक)
- (2) श्री राजपाल महाजन, निवासी जे०-96, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-स्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्तौ और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

नन्स्यी

पिछला भाग मेर्जनित मंजिल नं० 12 नीरीफोर्ट रोड, नई दिल्ली, एरिया-950 वर्गगज।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांबः: 13-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के मधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू/1/37ईई/7-83/313— अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12, है तथा जो सीरि फोर्ट रोड, नई विल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई विल्ली, भारतीय ग्रायकर अधिनियम-1961 के अधीन, विनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उणित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नल में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अवने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एस० धरम सिंह प्रस्ट मै० धरम सिंह फेमिली दूस्ट, ए-2/140 सफदरणंग इनकलेब, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री राज कुमार, निवासी 109, सीर्किंग अपार्ट-मेंट, 10-मंजिल, पाली हिल, बान्द्रा, बस्बई। (अग्लरिती)

को यह मूचना जारी करके पृत्रोंकत सभ्यत्ति के वर्षन के तिबर कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति त्या;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्यी

सामने का भाग ग्राउण्ड फ्लोर नं० 12, सीरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली, एरिया-950 वर्गफिट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1984

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एत.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/37ईई/7-83/314----अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 304 है तथा जो 87 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में घोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्द्भीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, घर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल, से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिचत उच्चदेय से उक्त अंतरण जिलिस में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-न के, जनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अभीत्:—— (1) श्री अशोक कुमार कपूर और श्रीमती कमलेश कपूर, मार्फेन ए० के० स्टेशनी, 4542 रोथान पुरा, नई सड़क, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्दर कुमार सुपुत्र स्व० श्री बी० एम० कुमार और श्री रिवन्दर कुमार सुपुत्र श्री राजिन्दर कुमार मार्फत आर० के० इन्जीनियरिंग कार्पी-रेणन, 4-ई-1/10 आसफ अर्जी रोड, नई दिल्ली। (धन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कायवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास निश्चित के किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण --इसमा प्रयक्त शब्दों और पदीं का, थे। उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची .

कमसियल फ्लेट नं० 304, तावादी 530 वर्गफिट, 87 नेहरू प्लेस, नई विस्ली।

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायभ आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1984

मोहर 🖒

प्ररूप आहें. टी. एन' एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-83/315---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1, 2, 3, है तथा जो 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और प्रां क्या से प्राणित है), रिजिन्द्री तर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक जुनाई, 1983.

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिबक एप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियीं को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० गुजराल इस्टंट्स प्रा० लि०, 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीस कुमार बनायक, सुपुत स्व० श्री चुनी लाल बनायक, राज निवास, हरी हर सिंह लिन, बरीयातु रोड, राची, बिहार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन' की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावरं सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पर्वेकर्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस न० 1, 2, और 3, लोषर ग्राउण्ड फ्लोर, 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, एरिया-498.6 वर्ग फुट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1984

भोहर:

प्ररूप वार्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्सण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी॰/एक्यू०/1/3 ७ईई/७-८३/316---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा में अभिक है

और जिसकी स० स्पेस नं० 67 है, तथा जो 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थिन है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधि-नियम, 1961 के अधीन दिनाक जुलाई, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की नायत, उत्यस अधिनियम के अधीन कर वैने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

अतः अच, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1). मैं॰ गुजराल इस्टेट्स प्रा॰ लि॰, 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001

(अन्तरक)

(2) श्री दयाल दास विज सुपुत श्री भगवान दास विज, विज भवन, 10 मलिका गंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपर्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्नक्षरी के पास लिखित में किए जा संकर्षी।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं. स्पेस नं० 67, लोवर प्राउण्ड फ्लोर (बेममेंट) 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, नादादी 186 वर्ग फुट।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

विनांक: 13-3-1984 मोहर:

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई विल्ली, विनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/37ईई०/7-83/317-अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० स्पेस नं० 66 है तथा जो 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्नीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जैन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-नियम,1561 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से एसे द्वयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निम्निलिखत उद्ववस्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अधीत:—

(1) मैं गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि० 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक

(2) श्री सन्त दास विज सुपुत श्री भगवान दास विज, निवासी--विज भवन, 10-मलका गंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

स्पेस नं० 66, (एल०जी० एफ०), बेंसमेंट बिल्डिंग नं० 17-बाराखम्बा रोड, तादावी 186 वर्ग फुट, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आपूक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-1, नई विस्ली।

दिनांक: 13-3-1989

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

नामकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) ने सधीन सुचना

भारत बरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू /1/37-ईई/7-83/318—अतः मुझे, सूधीर चन्द्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,000/-रु. स आधक हैं

-और जिसकी सं 4,63,64 है तथा जो 17-बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कें कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक जुलाई, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकेंस निम्मतियां बद्दिश्य से उक्त बन्तरण निष्यत में वास्तिक
क्य से कीयत नहीं किया प्रवा है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीर/बा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय बायकर बधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बधिनियम या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धो वा किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं ॰ गुजराल इस्टेट्स प्रा॰ लि॰ 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रोमित विनोद बनायक, "राज निवास" हरी हर सिंह लैन, बरातु रोड, रांची-8, बिहार। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृवाँक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (इ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतंर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सर्कां।

स्वक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिवा नवा है।

अनस सी

स्पेस⁴ नं० 4, 63 और 64, लोवर ग्राउण्ड फ्लोर (बेसमेंट) 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

दिनांक: 13-3-1984

प्रकार वाही. दी. एवं. एवं. ------

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सुमना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंथ-1, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० , एष्यू०/ 1/3 7ईई/ 7-83/320---

अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 88/408, है तथा जो स्कीपर कार्नर नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्नोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को प्रांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार बृख्य. उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है बार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ने हुए फिसी बाथ की बावड़, डचल निवित्य के अभीन कर देने के नन्तरक के धामित्व में कमी करने या वसवे अपने में सुविधा के थिए; बॉर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर मुधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने यें स्विधा के लिए;

अत: अत, उन्स अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269- के की उपवारा (1) के अधीन, निम्मलिकिन अपिन्तयों, अर्थात् :--- (1) श्री कमलेश कुमार राठी, निवासी जे०-194-साकेत नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिवन्दर कौर और कुमारे हरिमन्दर कौर (माइनर) निवासी जे०-9/18-सी०, राजोरी गाउँन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सुम्पृतिस् के अर्थन् के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंने।

स्थळ्टीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय मे दिया नवा है।

नगृजुर्जी

बिल्डिंग नं० 88, फ्लेट नं० 408, स्कीपर कार्नर, नेष्ठरू प्लेस, नई विल्ली-एरिया 428 वर्गे फुट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नहें दिल्ली।

दिनांक: 13-3-1984

मोहुद्ध 🛭

प्ररूप आहें. टी. इन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० / 1/3 ७ईई/ 7-83/321— अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 4 है तथा जो कुन्दन हाऊस, 16-नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-अधिनियम-1961 के अधीन, विनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- . (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नांलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री डी० एन० बुबराजा, श्रीमित सुकला चौधरी-प्रोमिला ग्रोबर, श्री जे०एन० बुधराजा, निवासी, ए-1, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीना उप्पल, श्रीमती उशा उप्पल, श्रीमतो रंजना उप्पल और श्रीमती मधु उप्पल, निवासी-3096-भीम गली, राम बाजार, मोरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी कार्क पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 👓

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त-स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिश्चित में किए जा सकोंगे ।

स्यष्टिकरण: ---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्रची

बेसमेंट नं० 4, बिल्डिंग नं० 16-कुन्दन हाऊस, नेहरू प्लेस नई दल्ली, एरिया 784 वर्ग फुट।

> सुधीर षग्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 13-3-1984

प्ररूप जाइ . टी. एन. एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सीं० एक्यू० 1/37ईई/7-83/322---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एफ०-2 है तथा जो गुरू आजाद भवन, 71 नेहरू प्लेस, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ी कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए क्षय पाया गया . प्रतिफल निम्निलिस्त उद्देष्य से उक्त अंतरण किसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. अर्थात्:—— (1) मैं व्यून अपार्टमेंट्स प्रा० लि० डी०-370 डिफेंस कालोमी, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी पूजा गुष्ता (माइनर) द्वारा मोदर और सही अभिभावक श्रीमती आशा गुष्ता, निवासी मी-26, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई अन्य आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सुधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

शाप नं० जी॰एफ॰-2, ग्राउण्ड फ्लोर, तादादी 320 वर्गफूट, गुरू आजाद भवन, 71-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक़ ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

दिनांब: 13-3-1984

प्रकम बाह्र . टी. एन . एसं . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

निवेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-83/323--- प्रत- मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ख० नं० 266 है तथा जो तुगलकाबाद चितरंजन पार्क, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

आयकर अधिनियम-1961 के अधान, दिनाक जुलाई 1983 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापनिक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ कस निम्मानिया उद्देश्य से उच्त अंतरण क्तिवित में भास्तिक कम ने कांचित नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण वे हुई किसी वाव की बावत क्षवत जीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए बीर/का
- (व) वृत्ती किवी अन या किसी धन सा अन्य नास्तिवों को, विनहीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त न्धिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से विव्ह;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

(1) मैं ० कम्पीटेंट बिल्डर्स प्रा० लिं०, 101 कम्पीटेंट हाउस, एफ०-14, मिडिल सर्कल, कनाट प्लेस, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एम० साबरी, निवासी 2-डब्स्यू०/6, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, श्री एच० डी० सावरी, निवासी ए०-31, वेस्टएण्ड नई दिल्ली श्री जी० डी० सावरी, निवासी ए-2, वेस्टएण्ड नई दिल्ली, श्रीमती लिलता विश्रीत, निवासी-आर-45, ग्रेटर कैलाश, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

प्लट खसरा नं० 266 तुगलकाबाद, नियर चन्दरलोक सिनेमा, चितरन्जन पार्क, नई दिल्ली, एरिया 4 फ्लेट्स, प्रत्येक 1300 वर्गफुट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

दिनाक: 13-3-1984

मोहर ः

प्रक्ष नाई.टी.एम्.एस .-----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984 े
निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/1/37ईई/7-83/324---

अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1005 है तथा जो 21-बाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली मे भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्स संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपृत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्र प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उच्के अन्तरण मिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, उपका अधिनियम के बचीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कभी करने का उससे वचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर झिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिंधनियम, या धन-कर झिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मास्टर हेमन्त भरत राम, मास्टर सुमन्त भरत राम, द्वारा अभिभावक श्री विनय भरत राम, मास्टर आशिश भरत राम, कार्तिके भरत राम, दीक्षा भरत राम अभिभावक श्री श्रहण भरत राम और विवेक भरत राम, निवासी 25-सरवार पटेल मार्ग, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बिमल खेशला, निवासी-पोस्ट बाक्स नं० 6274, वृक्षई (यू० ए० ई)।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन् के सिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे!

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कार्थों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गना है।

नग्त्वी

फ्लेंट नं० 1005, तादावी 440 वर्गफुट, 10वीं मंजिल 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

विनांक: 13-3-1984

मोहर ः

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एत. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-म (1) के बधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-83/326---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पहली मंजिल है तथा जो हंसालया बिल्डिंग बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कूबी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्तार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं कियां गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल्:---

(1) श्री राज कुमार, निवासी ई०-585 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोला चौधरी निवासी-5/15 पंजाबी बाग, नई दिल्ली, मास्टर उमर कुमार, मास्टर हरीश कुमार, निवासी 62-एन० ई० रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पीत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, बो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल हंसालया बिल्डिंग, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, एरिया 424 वर्गफुट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1984

प्ररूप आई. टी. एम. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयकत् (निरीक्षण)

र्जन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली,दिनाक 13 मार्च, 1984

निवेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-83 327— अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० 305 है, तथा जो ब्लाक 'एन' प्रताप विल्डिंग कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपासद अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयक्षर के कार्यालय अधिनियम 1961 के अधीन, दिनाक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रायमांने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) म० कम्पोटेट बिल्डर्स, 101 कम्पीटेट हाऊस, एफ०-14, मिडिल सर्वेल, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं ० ए० के ० इन्टरप्राइजेज, डी०-916 न्यू फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्कोग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं ० 305, ब्लाक नं ० "एन", प्रताप बिल्डिंग, कनाट सर्केस, नई दिल्ली, एरिया-753 5 वर्गेफीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1984

मोहर 🕆

प्ररूप आई'. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांज 13 मार्च, 1984 निदेश सं० आई ०ए० सी० /एक्यू/1/37ईई/7-83/328-अत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम, कहा गया है, की धारण् 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 409 है, तथा जो वम्पीटेंट हाऊम, एफ॰ 14, कनाट प्लेम, नई दिल्लो में स्थित है (और इमसे उपा-बढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पंद्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या जन-कृर अधिनियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के तिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :--14-16GI/84

- (1) मैं ैं कम्पोटेंट बिल्डर्स, 101 कम्पीटेंट हाऊस, एफ -14, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक) हमला फेमिली टस्ट 416 कचा बजनाथ.
- (2) मैं० कमला फोमिली ट्रस्ट, 416 कूचा बृजनाथ, फतेहपुरी, चान्दनी चौक, दिल्ली, द्वारा श्री पी० सी० अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्विध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 .दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लेट न० 409, कम्पीटेन्ट हाऊस एफ-14 ेकनाट प्लेस नई दिल्ली, एरिया 83.856 वर्ग गज ।

सुबीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1984

प्रकप बाइ टी एन एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 13 मार्च 1984 निदेश स० आई०ए०सी०/एक्यू/1/37ईई/7-83/330~-

अत, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी स० 903-ए हैं, तथा जो स्कीपर टावर, नेहरू प्लस, नई दिल्ला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अर्थान दिनाक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं---

- (क) असरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिलाने मास्विधा के सिए,

भत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) के अधीम. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) मैं० राजश्री इस्टेट्स एण्ड इन्टरप्राइजोज, 100 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रूपा रान। सुपुत्री श्री नरेन्द्र लाल, निवासी 60 गोलफ लिंब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सपरित के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति वृवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थोहम्लाक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समयी

प्रो० नं० फ्लेंट नं० 903-ए०, स्कीपर टावर 89, नेहरू प्लेस, नई दिस्ली, तादादी -332वर्गफीट।

> सुधार चन्द्रा सक्षा प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई विल्ली-110002

दिनाक . 13-3-1984

माहर:

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज-1, नई विस्ली नई दिल्ली,दिनांक 13 मार्च, 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्पू०/1/37ईई/7-83/311--- अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं० जी-6, है तथा जो विशाल भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च) में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधि नियम, 1961 के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाआर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाआर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्थारती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीना, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :---

- (1) श्रीमती अवा मल्होत्रा, पत्नि श्री हरोण कुमार मल्होंत्रा, निवासी 116-कैटिंगन पार्क, पूना। (अन्तरक)
- (2) श्रो बलराज सुपुत श्रो जगा राम, निवासी मकान नं० 273, आर० पी० एफ० फ्लेट्स नियर खानपुर बिपो, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

शाप नं० जी-6, बिल्डिंग नं० 95-नेहरू प्लेस, नर्द दिल्ली, ताधादी--319, वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, -सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

विनोक: 13-3-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नईदिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश स० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-83/332---अत: मुझ, सुर्धार चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं 912 है, तथा जो 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्वः में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रा रिर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली के भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मफ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतिरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तिवैक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- (1) मास्टर हेमन्त भरतराम, मास्टर सुमन्त भरत भरत राम, (यू/जी) श्री विनय भरत राम, निवासी-25-सरदार पटेलप् मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मैं ० प्रामियर लिक्स लि०, 21-ए/21, दयानन्द रोड, दिखागंज, दिल्लो।(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति मां हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिक्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुची

प्रो० नं० 912, बिल्डिंग नं० 21-बाराखम्बा रोड, नई विस्लो, तादावी---595 वर्गफीट ।

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, न**ई** दिल्ली

विनांक: 13-3-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस . ------

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सुनना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1984

निवेश मं० आई० ए० सिं०/एक्यू०/1/37ईई/7-83/333----अतः, मुझो, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. में अधिक है

और जिसकी सं० 918 है, तथा जो 89 हैनेहरू प्लेस, गई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूधी में पूर्ण रूप (क्षा) के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अर्थान दिकाक जुलाई, 1983

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उन्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाव कर्त वाबसः, उपत अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्स में कमी करने या उत्तसे वृजने में तृतिभा के लिए; और/मां
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

श्रातः श्राबः उत्यतं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण श्रों, श्रों, उक्त अधिनियमं की धारा 269 च की लपधारा (1) को बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् ∴— (1) श्रीमती चन्द्रा मोहिनी पत्नि श्री टी० एस० मोहन, निवासी डी-94, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष बेदी, सुपुत्र तरलोक चन्द बेदी, निवासी 2406, तिलक स्ट्रीट, चुना मंडी, पहाड़ गंज, नई विस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप्:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित स्थावत्यों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और १थों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० फ्लेट नं० 918, तादादी---325 वर्गफीट, 89 नेष्ठरू फ्लेस, नई दिल्ली।

> मुधार चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

विनांक: 13-3-1984

प्रकृष बाइ. टी. एव. एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के न्भीन स्पना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनाक 13 मार्च, 1984

निवेश आई० ए० सी० एक्यू०/1/37ईई/7-83/334—— अत । मुझे, सुधीर चन्द्रा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण **ह**ै कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. स**े विधिक ह**ै

और जिसकी स० 96 है, तथा जो 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्लो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्लों के भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनाक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल को बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिचित उद्ववेष से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया भवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने वा उससे बचने में भृतिधा से सिए; बार/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिष्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए,

नतः सव, उक्त सीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा ↑69-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) म॰ गुजराल इस्टेट्स प्रा॰ लि॰, 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भारती विज परनी श्री सी० एन० विज, विज भवन, 10-मलकागंज, विस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्राप्तित के अर्थन के सिए कार्यशाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी सर्वीध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविधत में किए जा सकोंगे।

न्यक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

नमुसुची

प्रो॰ स्पेस न॰ 96, लोवर ग्राउन्ड फ्लोर, (बेसमेंट), 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, ताक्षादी—175 वर्गफीट।

सुधीर चन्द्रा समक्ष प्रधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विस्ली नई विस्सी-110002

दिनांक: 13-3-84

मोहरः

प्रकृप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/7-83/335---अत: मझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,0007- र. स जायगा है और जिसकी सं० 71 है, तथा जो 17-बाराखम्बा रोड, नई दिस्लो में स्थित हैं (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्स संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उयत अन्तरण रिलिखत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उसमें अधने में स्विधा के लिए; और/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिएनों में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरप भें, में, उक्त अधिनियम की धाँ.. १६०-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलिश्चित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) म० गुजराल इस्टेट्म प्रा० लि०, 17-साराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अम्तरक)

(2) श्रीमती रीता विज, पत्नी श्री रिवन्दर कुमार, विज, निवासी-विज भवन, 10, मलका गंज, दिल्ली।

(अन्तरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पष्टीक एक स्समें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

स्पेम नं० 71, लोग्नर' ग्राउन्ड फ्लोर, (बेंसमेंट), 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्लो, नादादी-~175 वर्गफीट।

> पुजीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महाधक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/37 ईई/7-83/336— ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह त्रिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 97, है तथा जो 187 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर दससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण ते हुई किसी बाय की वाबत, उक्त ब्राधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, नियम, नियम, निर्मा कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म यिज्या के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि० 17-बाराखम्या रोड, नई विल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार विज सुपुत्र श्री एस० डी० विज निवासी-विज भवन, 10-मलका गंज, दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंग जो उम अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्रो० नं० स्पेस नं० 97, लोवर ग्राउण्ड फ्लोर (बेसमेंट), 17-बाराखम्बा रोड. नई दिल्ली, तादादी—175 वर्गफीट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 13-3-83

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्वेष सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-83/337—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 72, है तथा जो 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंशी किसी या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर द्विधिनयम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए।

(1) मैं० गुजराल इस्टेंद्स सा० लि॰ 17-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संजोगीता विज पत्नी श्री पी० के० विज, निवासी—विज भवन, 10 मलकागंज, दिल्ली ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरी।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्ची

प्रो० नं० स्पेस नं० 72, बिल्डिंग नं० 17-लोवर ग्राउण्ड फ्लोर (बेसमेंट), बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, ताबादी-175 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-84

प्रकृप आहु .टी.एन.एस.------

कायकष्ट मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-83/338— मत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 22, है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक कत , निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्थिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिम्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 दा 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए:

बतः वयं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण श्री, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :——

- (1) श्री श्रातम प्रकाश, कर्ता मै० श्रातम प्रकाश एण्ड सन्स, बर्णै --- 75, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैं० रघु श्री सेल्स प्रा० लि० बी-75, गेटर कैलाण—भाग-1, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह स्थना चारी करके प्राॅक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाष्ट्रियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्मण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

र्बंगला नं० 22, बाराखम्या रोड, नई दिल्ली, एरिया तादादी 2000 वर्गफीट, एक गैरेज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-84

प्ररूप आहु ० टी० एन० एस०----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

ग्रतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ए-38, है तथा जो मोहन इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मथुरा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विल्ली, है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम-1961 के ग्रधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त औध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी कड़ने या उससे बचने में सुविशा के लिए; औद/या
- (च) एसी फिसी आय या किसी पृत्र या कृत्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविशा के सिए;

नतः नन, उक्त निधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त निधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्नितिकत न्युक्तिकों, नभीत् ६--- (1) श्री मनोहर भाटिया सुपुत्र स्व॰ श्री ठाकुर दास, निवासी--3-बी/2, गंगा राम हास्पीटल मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै॰ कम्पीटेण्ट विल्डर्स, कम्पीटेण्ट हाउस, 'एफ' ब्लाक, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, द्वारा श्री नरेन्द्र भ्रामन्द (भागीदार)

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं॰ ए-38, मोहम इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मधुरा रोड, मई विल्ली, तावावी 2925 वर्गफीट ।

> सुधीर बन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1984

मोहर ः

प्रकप भाई • बी • एन • एस • · · · ·

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व(1) के श्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

ं निवेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-83/340--⊭ भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भीर जिसकी सं० 3/45, है तथा जो फैण्ड्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक जुलाई 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से झुइं िक सी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुवने में सुविधा के बिए; बीड़/वा
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनस्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑफिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का बा कि वा जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तिकों, अर्थात् :— (1) यूनाइटेंक बिल्डर्स प्रा० लि० 702 विशाल भवन, 95 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती किश्चयन बेल्कीज मेरीज भगत, कुमारी नटचा पित्नीस भगत, मास्टर श्रमावरी गोपाल भगत, निवासी-सी०-28 मेय फेयर गार्डेन, नई विस्सी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति व अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आयोग :---

- (ख) इस सूचना के राजपन्न मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था रुक्षेंगे।

स्पन्तीकारण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्धी का, जा उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वृष्ट होंगा, जो उस सुध्याय वें दिवा गया है।

नम्स्मी

फ्लेट नं० 3, 45 फैण्ड्स कालोनी, नई दिल्ली, तावादी 1663 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 13-3-84

प्रस्प बाइ". टी. एन्. एस्.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 13 गार्च 1984 निदश स० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-83/ 341—ग्रत मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से निधक है

आँर जिसकी र्सं० 1/57, है तथा जा मंजुषा नेहरु प्लेस, नई विस्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेज-1, नई दिस्ली भारतीय ग्रायकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य रो उक्त अन्तरण लिखित मं बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाव या किसी भन या बन्ध जास्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की अनुसरण भी, भी, अक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) को अधीन्, निम्नसिष्कित स्पृतिचर्यों अधीत् ह— (1) श्रीमती सुनेना रानी ग्रानन्द, निवासी—मकान नं० 1030, सेक्टर-27-बी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरमीत कॉर निवासी--ई-169, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बेसमेंट नं० 1/57 मंजुषा, नेहरू प्लेस, नई विल्ली तादादी—751 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई बिल्ली-110002

विनांक: 13-3-84

मोहर 🖺

प्ररूप आई., टी. एत., एत.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984 निद्यस सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-83/342--ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा' गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 918 है, जो तथा देवीका टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्सविक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अपकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, नर्भात :—

- (1) श्री बी० के० छाजा, निवासी—एन-252 ग्रेटर कैलाश-1, नई विस्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुरजीत सिंह, निवासी—पाकेट 'एल' 16-जी, शेख सराय, नई विल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

फ्लैट नं० 918, देविका टावर, नैहरू प्लेस, नई विल्ली, एरिया—325 वर्गफीट ।

> सुधीर अन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-1984

प्रकल, बाहै, डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के बभीन सुणना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई विल्ली, दिनौंक 13 मार्च 1984 निर्वोग सं० भ्राई० ए० सी०एक्यू०/1/37 ईई/7-83 343-अतः मुझे, सुद्यीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

और जिसकी सं० 408 है तथा जो 88 नेहरू प्लेस, नई दिस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक स्प से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आयं की नायस, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/बा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों नाग्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में क्विया के बिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की गाधागा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कंमलेश कुमार राठी, निवासी—जे-194 साकेत, गई दिल्ली । (अन्सरक)
- (2) श्रीमर्ता बिन्दर कौर और कुमारी हरिमन्दर कीर निवासी—जे-9/18-सी, राजोरीगाईन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास दिविषठ में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रवी

फ्लैट न० 408, बिल्डिंग नं० 88 नेह्फ् प्लेस, नई दिल्ली, सामादी-428 वर्ग फीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकार) सहायक जायकर शामुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-1 दिल्ली, वर्ड दिल्ली- 110002

दिसाक 13-3-1984 मोहर : प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. - - --

बायकर मिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1984

नि० मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम०—आर—3/7--

83/772-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सोप -'ए' है तथा जो खान मार्केट, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व क्ष्म से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितयार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के धायित्व में कैमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रोमता भाग मलहोता, जेनरल अटार्नी श्रोमती सरला गर्मा विधवा पत्नी बाल किणन गर्मा, निवासी-4-बी/22, सफदरगजं इन्क्लेब. नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलराज लहोत्तासुपुत श्री दरीयाई लास मलहोता, निवासी—बी-4 22, सफदरजंग इन्क्लेब, नई दिल्ली ।

(अतिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

वनस्थी

ंसोप अरकाउँ–ए, खान मार्केंट, नई दिल्लिः ।

गुनीर तन्द्रा गन्नाम अधिकारी गन्नायक आयकर आयुक्त (तिरोक्षण) अर्जनरेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1100002

दिनांक: 13-3-1984

प्ररूप बाह्र . टी. एन्. एस .----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के नभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०एक्यू० 1 एस-आर-3 3/ : 7-83/903--अत: क्रुप्ते, सुधीर चन्द्रा,

ृ जायकर सिंधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात (उकत अधिनियम कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संख्या 38, है तथा जो अमृत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक जुलाई 1833,

करें पूर्वोक्स सम्पंतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पंतित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती। अन्तरियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल की निम्तितित उद्वोद्य से उक्त जन्तरण मिचत में वास्तिक क्ष्य से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः लब, उक्त विभिनियम, की भारा 269-गृ**कै बन्धरण** ्रमें, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की **उपभारा (1)** ले अभीत निम्जीली**वत व्यक्तियों, वर्षात**ः <u>३</u> 16—16GI/84 (1) मैं० पंजाबकालोनी सेशन, प्रनाप ग्राइस फैक्टरी, हुमायूंपुर नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री मेहर सिंह सुपुत्र श्री हुकाम सिंह, नियामी—- 38 अमृत नगर, नर्ष दिल्ली ।

(अन्तरिती)

भा यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी कर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हि बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए आ सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शम्यों और पदों का, जो उन्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया श्या है।

नन्त्रपी

प्रो० नं० 38, अमृत नगर, नई दिल्ली, तादाधी 200 वर्गगज ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ला, नई दिल्ली-1100

दिनांक: 13-3-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-ध (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० अ.ई० ए० सी० एक्यू०-1/एस/-आर- /

7-83/901--अत मुझे, सुधीर चन्द्रा

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० 12, ब्लाक -बी 2, है तथा जो सफदरजंग निवासीय योजना, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में पूर्व रूप में बणित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंस जुलाई 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि बधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, एसे ख्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नेलिखित उद्वर्षिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे स्थाने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें जारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)

भूभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शिव चन्द्रेय डबरीवाला सुपुत स्व० श्री जास्राम उत्तरीवाना, निवासी---41 1ए, झांटाला कलकत्ता, वर्तमान निवास--8 डाक्टर्म लेन, गोल शाक्ट, नई दिल्ली (अन्तक)

- (2) श्री गम्हैयानान गर्ग सुपुन्न स्व० ब नाना जुगन निश्वोर सुपुन्न स्व०लाना जुगन निश्वोर गर्ग, नियासी——बी—2 12 सफदरजंग इन्लेव नई दिल्ली जयरनैन औं डाइन्केटर मैं० इण्डस्ट्रों गैस मटेंड (अन्तरिती)
- (3) (गक्ति, जिसके अधिभोग में अक्रुप्ति है)
- (4) (बह व्यक्ति, जिसके बारेमें अधौहरूताक्षरी जानता है कि वह सम्पंजि में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

प्रो० नं० 1 2 प्लाट नं० बी-2, सफदर्जग अवलपमेंट निवासीय योजना, नई दिल्ली, ताबादी 499.53 वर्गगज।

> सुधीर नध्दा मक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अजैन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-1984

प्ररूप आर्ध.टी.एन.एस. -----

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

RISE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्वेशसं० आई० ए० सी० /एक्यू०/ 1/एम०आर०-3/7-83/897--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० ई-25, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिस्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रशिक्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (बंतरितिका) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) क्लारण से हुई किसी 'नाय की वाब्त, जनतः विधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सूबिधा के सिष्कु बीड़/वा
- (व) एसी किसी अस या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हुं भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जर्भः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण समे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री धनराज बजाज सुपुत्त श्री लर्ज्या राम बजाज, निवासी—मकान नं० 37, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ।

(अन्तरक)

श्री राममूर्ती खन्ना, सुपुत्र श्री नुलसी राम खन्ना,
 और मास्टर सुमित खन्ना, सुपुत्र श्री राम मूर्ती खन्ना,
 निवासी 113, कर्ता मोती राम, इनसाइड – हाथी गेट,
 अमृतसर ।

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पृशांकत सम्पत्ति के शर्जन के निए कार्यशाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूत्रना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध फिसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा प्या हैं।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ ई-25, ग्रेटर फैलाश-1, नई दिल्ली, तादादी 300 वग गज ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकार गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

तारी**य** 13-3-1984 **भोहर** ■ प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

नायकर निधिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अत्यक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०आर०-3/7-83/895—यतः मुझे, मुधीर चन्द्रा

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-व के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० मी-19 है, तथा जो निजामुद्दीन, ईस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को प्योंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गढ़ें हैं और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उनत मिनियम के मधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी अन या बच्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्याप्तियम, 1957 (1957 का 27) व्याप्तियम अस्तियम, विवास प्रकट नहीं किया गय≀ या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उत्सतः विधिनियम की धारा 269-ग के वन्तरभ कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :---

- श्री प्रताप सिंह सुपुत्र एस० गोपाल सिंह,
 निवासी सो-19, निजामुद्दीन, ईस्ट, नई दिल्ली
 (अन्सरक)
- श्रीमती उषा सचदेव पत्नी श्री बलदेव राज सचदेव और श्री बलदेव राज सचदेव सुपुत्र श्री चमन लाल, निवासी-II ई-38, लाजपत नगर,नई दिल्ली (अन्तरिती)

को बहु सूचना आरी करके पूर्वावित संपत्ति के वर्षन के विद् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया वसा है।

वन्त्र्या

प्रो॰ नं॰ सी-19, ताबादी 200 वर्ग गज, निजामुद्दीन ईस्ट, नई विस्ली ।

मुधीर जन्म्री सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

ता**रीख**: 13-3-1984

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीम सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकार माम्बत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देणसं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०आए०-3/7-83/ 891--अतः मुझे; सुधीरचन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खंके अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-168 है, तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विषयास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित में शास्तिक रूप से किंगत नहीं किंवा गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किती शाय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तिया को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असोबनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन निम्निषिक्त व्यक्तियों, वर्धात् :—

- एस० जोध सिंह, उभी,
 तिवासी 65/66, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली
 (अन्तरक)
- 2 श्री सुदर्शन अग्रवाल, निवासी ई-467, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यगडियां करता है।

उसत सम्पृत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकासन की तारीच से
 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदार ।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मन्त्रवी

प्लाट नं० एस-167, तावाची 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-1, नर्ष विल्ली

तारी**च** । 13-3-1964 मोहर् ॥

प्रकार बार्ड .टी. एवं. एवं. ------

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वामा

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०आर०-3/7-83/880--यतः मझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ए-225 है, तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विज्ञान है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्त ल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं कि या गया है :---

- (क) जन्तरम् वेश्वर किवी वाव की वावतः, उन्तः श्रीमृतिक्व के स्थीत कर वाने के अन्तरक के शावित्व में अभी करने या उन्नते वचने में नृतिभा के जिए; बरि/वा
- (च) ऐसी किसी नाथ या किसी भन या अन्य नास्तियों को, चिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयन, या भनकर निभिनयम, या भनकर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए पा कियाने में स्विभा के निए;

जतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अननुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, जर्धात् ह— 1. श्री भगवान सास सुपुत्र स्व० श्री शिवानन्दे, निवासी ए-225, कालका जी नई दिल्ली द्वारा: अटार्नी श्रीमती सुशमा खुराना

(अन्तरक)

2 श्री विनोच कुमार खुराना, सुपुत्त श्री वेद प्रकाण खुराना निवासी ए-225, कालका जी, नई विल्ली

(अन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्तेय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पिन्तयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगसर्थी

प्रो॰ नं॰ ए-225, डबल स्टोरी, कासकाजी ; नई दिस्ली नादावी 255.3 वर्ग फोट

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नद्दे विस्ली

तारी**ख :** 13-3-1984 मोहर : प्ररूप. आइ". टी. एन. एस. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सुचना

प्रार्थ बन्नार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेजन्म, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

10 14 (M) 14 (M 10 M 1 10 H

निर्वेश सं० आई० ए० सी०,एक्यू/1/एस०आर०-3/7-83/ 878—यतः मुझे सुधीर चन्द्र

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू-165 है, तथा जो ग्रैटर कैलाश-2। नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्णी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण जिलित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्द्र किसी जाय की वासता, उन्तर अधिनियम के जधीन कर दोने के ब्युत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे कुछ में जो बुविधा के सिद्ध; ब्रोह/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, मैंं., उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के नधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थात् ⊑— श्रीमती उषा राती पत्नी स्व० श्री रिशी राम सुरी, निवासी 37-ई/10, ईस्ट पटेंल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री एस० धरम सिंह मुपुल एस० बातन सिंह इस्टी, धरम सिंह फेमली इस्ट, ए-2/140, सफदरअंग, इनकलेव, नई विस्ली। (अन्तरती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुंं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुसूची

प्लाट नं ॰ डब्ल्यू-165, ग्रेटर कैलाग-2, नई विल्ली ताबादी 400 वर्ग गज, (334.4 वर्ग मोटर)।

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-I, नई दिल्ली

तारीख: 13-3-1984

मोहरः

प्ररूप ऑई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०आर०-3/7-83/872---अतः मुझे, सुधोर चन्द्रा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 114 है, तथा जो आनन्द लोक, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती शारदा रानी, निवासी 789, बाबा खड़क शिह मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री बैंगु सिंह,
 निवासी 114, आमन्द लोक, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्तुची

प्लाट नं ० 114, आनम्ब लोक, नई दिल्ली तादावी 193.6 वर्गे गज, एक मंजिला मकान।

> सुधीर अन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकंर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

दिनोंक: 13-3-1984

प्ररूप बाई.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांः 13 मार्च 1984

निर्देण सं० आई० ए० मी०/एक्यू/1/एम०आर०-3/7-83/ 860-ए--अत. मझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० मी-2/9 है, तथा जो सफदरजंग, डबलपमेट एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से गृष्ट िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के निष्, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- अी हफीज पोहम्पद जसमान, निवासी 14/3, झोबटोला, स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)
- 2 सइदा प्रवीत (हारन) एलीयम श्रीमती सइदा हरून जपातवाला, प्र िवामी मी-2/9, सफदरजग, डेवलपमेट एरिया, नई दिल्ली-16 वर्तमान पता—-14/3, झावटोला रोट, कलक्षमा ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन को संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमे प्रयूक्त शब्दां और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया हो।

अनुसची

प्लाट न० 19, ब्लाक न० सी-2, सफदरजंग डेवलपमेट निवामीय योजना, (दिल्ली डेवलपमट अथारिटी, नई दिल्ली)।

> मुधीर चन्द्रा मक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, तर्र दिल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

मोहर

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस.------

भायक रं **अभिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजन, नर्हदिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/7-83/791—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धर्षात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० एस-448 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से काम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से इर्क़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना नाहिए था, छिपाने मा मृत्रिधा के लिए।

अतः अब, उत्कत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियों. अधीत :— श्री णस्विन्दर मिह कोहली, निवासी टी-12, महारानी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरकः)

2. श्री जसबीर सिंह मदन और रिवन्दर कुमार मचदेव निवासी सी-37, पम्पोस इनकलेव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (रू) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सरोग।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में हिस्स

नगत्त्री

निवासीय प्लाट नं ० एस-448, लादादी 550 वर्गगण, (460वर्गमीटर्), ग्रेटर् कैलाण-2, ५% दिल्ली (

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

माहर,

बुस्प बाइ.टी.एन.एस.------

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/7-83/790—अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (ि असे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-, रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस-247 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिति की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिजन से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उचन प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किए। गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उका प्रिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमें बचने में मुक्किश के लिए। श्रीर/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया साजा वाहिए था, खिपाने में सृतिथा के लिए;

कदः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के वनुकरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- मैंससं डिलाईट बिरुडर्स,
 ए-2/140, सफवरजंग इनकलेव, नई विरुली।
 द्वारा पार्टनर श्रीमती हरबंस कौर पत्नी एस० धरम सिह
 और श्रीमती सुरिन्दरजीत कौर पत्नी एस०
 जसविन्दर सिंह द्वारा अटानी धरम सिंह।
 (अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं एस-247, तादावी 300 वग्रेगज, ग्रेटर कैलाश-2 नई विल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्कण) अर्जन रेंज-1, दिस्सी: नई दिस्सी 10002

विनोसः: 13-3-1984

भोद्धर 🏻

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नईदिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

निर्वेश सं्ै आई० ए० सी०/एक्यू/1/एक्त०आर०-3/7-83/773—यत मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० 223 है, ब्लाक 'बी' है, तथा जो ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयूमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचक अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण स क्षुइं किसी आय की बाबत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए, और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

- श्रीमती दमन सेठ पत्नी श्री एस० एस० सेठ नियासी 28-निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
- मैसर्स स्टर्रालग अपार्टमेट प्रा० लि०,
 1205, न्यू विल्ली हाऊस, 27 बाराखम्बा रोड, नई विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं 223, अनाक 'बी', ग्रेटर कैलाण-1, नई विल्ली भूमि तादावी 300 वर्ग गज ।

> सुन्नीर चन्द्रा सदाम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) में स्थीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अधील ह--

दिनाकः : 13-3-1984

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

निर्देश म० आई० ए० मी०/एक्यू/1/एस०आर०-3/7-83/779—अत मुझे, मुधीर चन्द्रा

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. सै अधिक हैं

और जिसकी स० फ30 से 41 है, तथा जा कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूर्ची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रबमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तियक रूप में कथित नंहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइं किसी काय की भावत, रुक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

श्री प्रकाश चन्दः
 निवासी 4804. डिपुटी गंजः, सदर बाजारः,
 दिल्ली ।

(अन्तरक)

कर्म्पाटेन्ट बिल्डर्स,
 101, कर्म्पाटेन्ट हाउस, एफ-14, मिडिल सर्कल,
 कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के हैं का कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म काई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/12 भाग तादादी 1800 बर्ग गज, जा 150 बर्ग गज, है प्रा० न० एफ-30 से 41, कताट प्लेस, नई दिल्ली।

> सुधार बन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तिया, अर्थात् :---

दिनाक: 13-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू, 1,एस०आर-3, 7-83→, 780---यत मुझे सूधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ-30 से 41 है, तथा जो कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकिती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकिरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :→ श्री ओके अग्रवाल , सी-2/48, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कर्म्याटेन्ट बिल्डसं, 101 कम्पीटेन्ट हाउस, फ०14 मिडिल सर्कल, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्सर्रितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/12 भाग तदादी 150 वर्गगज, टोटल एरीया 1800 वर्गगज, प्रो॰ नं॰ फ-30 से 41, कनाट प्लेस नई दिल्लीं,

सूधीर जन्त्रा समाम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई विस्ली

तारीख -13-3-84 मोहर: प्रस्प आहु . टी . एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 84

निर्वेश सं० आ**६०** ए० सी*ा*एक्यू०/1/एसआर--3/7-83/789,--अत स्क्षे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी संख्या एफ 0 30 से 41, है तथा जो कनाट प्लेस नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1983

का 16) के अधीन तारिख जुलाई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से इ.इ.ं किसी आय की बाबता,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी आय मा किसी धन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री महेग कुभार गुष्ता।
 निवासी:-ई० 108, ग्रेटर कैलाण
 निव्द दिल्ली:
 श्री एमेण कुमार गुष्ता;
 श्री गुष्तिरदर मुमार गुष्ता;
 (अन्तरक)
- 2. मैं० कम्पीटेन्ट बिल्डर्स, 101 कम्पीटेन्ट हाउस, एफ० 14, मिडिल सर्कल, कनाट प्लेम, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ययाहिया करता हूं।

उसत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, कं भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षत में किए या सकेंगे।

स्पब्दोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंजा हैं।

वनसूची

प्रो० नं० एफ-30 से 41, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, बिल्डीग नं० एफ० 14 कनाट प्लेस, नई दिल्ली;

सूधीर चन्द्रा सक्षम पाधिकाणी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रोंज, नई दिल्ली

तारीख: 13-3-84

मोहर 🖫

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1,

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 83

निर्देश मैं० आई ए० मी० /एक्यू/1/एप० आर--3,7--83/787,---अत: मुझे मुझीर चन्द्रा,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या 6/19(डी/एस) है तथा जो जंगपुरा एक्स-टेनशन, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमे उपादक अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायितय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन दिनांक जुलाई 83,

को पूर्विक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण सं हुर्य किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मूबिधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तिसारों, अधीतृ:—

 श्रीमिती दुर्गा देवी मार्फत बी० आए० धावला, निवासी—40-णिव मार्केट, जंगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली,

(अन्तरकः)

2 श्रांमती निर्मल शान्ता मदन [6/19 (इ/एस) जंगपुरा एक्सटेनणन, नई दिल्ला.

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका को 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिस हैं, वहीं अर्थ हारेगा, जो उस अध्याय में विश्व गया है।

जनसची

सरकार द्वारा निर्मित संशान नं० कृ 19 (जी/एस) जंगपुरा एक्सटेनशन, नई दिल्ली, ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायक**र श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-1; नर्ष दिल्ली,

तारीख '- 13-3-83

प्रकृप बाइं. डी. एम. एस. - - - ----

भागकर मिप्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेज-I, दिल्लीं,

नई दिल्ली, विनाक 13 मार्च 1984 निर्वेश मं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस-आर -3/ 7-83/894,--अन मुझे, मुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ए-192, है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपबाद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का16) के अधीन तारीख जुनाई, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृख्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिम्हित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए था, छिपाने में म्विध। के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, भिम्मिलि कित व्यक्तियों, अधीत :---- 18—16GI/84

 श्री जिवन्दा राम सुपुत श्री साघु राम, निवासी-ए-190-192 डी॰ एस॰ कालकाजी, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

2. श्रामती प्रभा कुमारी जैन पत्नी श्री आए० डी० जैन, निवासी~ए-192 डी० एस० कालकाजी, नई दिल्ली.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कारे भी वाक्षेप :---

- (क)। इस सूचना के राजपश्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकीं

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम के जध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसूची

प्रों नं.-192, डी॰ एस॰ कालकाजी, नई दिल्ली,

सुधीर अन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-र्रे, मई दिल्ली,

तारीख: -13-3-84

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्लीः
नई दिल्ली, दिांनक 13 मार्च 1984
निर्देश से० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस— आर-3/

7-83/775, --अतः मुझे सुधीर चन्त्रा

आयकर अधिनियम, (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रंगपुरी, नई विल्ली, में स्थित है (और इससे उपायद अनुमूक्त में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्त्री क्ली अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्त्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुलाई-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूरियधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रणधीर सिंह राणा सुपुत्र श्री राम किशन राणा, निवासी, ग्राम रंगपुरी, नई दिल्ली.

(अन्तरक)

 श्री एस० के० भाटिया सुपुत्र श्री के० आर० भाटिया निवासी—सी—3/31 ए, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली, श्री ए० पी० माथुर,सुपुत्र श्री एस० बी० माथुर, निवासी —33-नैशनल पार्क, लाजपत नगर—4, नई दिल्ली,

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्ते स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण. --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्रा, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादो 1 बिघा ग्राम रंगपुरी, नई दिल्ली,

सूधीर **धन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिस्ली,

तारीख : 13~3-84

प्रकथ बार्ड ् टी ु एन ् एस ,-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ला

नईदिल्ली दिनांक 13मार्च 1984

निश सं० आई० ए० सी०/एवयू०।/एस०आर०--3 7-83/783,--अतः मुझे, सुधीर चन्त्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या कृषि भूनि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ल रूप से विश्ति है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारण के कार्यालय, दिल्ली,में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई- 1983,

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में शांस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उत्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— शिमिति जयदेइ परनी श्री गनेशी लाल, खड़क सिंह और हरी राम सुपुत्रगण श्री गनेशी लाल, निवासी, ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली, ग्रीर इन्दरजीत सुपुत्र श्री गोकल चन्द आहुजा, निवासी—61/29, रामजास रोड, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

2. श्री बहादुर सिंह सुपुत्र श्री हरदेव सिंह, निवासी-ई०-730, लाल कुआं बदरपुर, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सृ**ष**ना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिद में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिषे और 4 बिष्वे, खसर नं० 1600, ग्राम—राजोकरो, नई दिल्ली,

> सुद्वीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली दिल्ली-110002

तारीख : 13-3-84

भोहर 🗓

प्रकम बाहै टी. एस एस.-----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी0,एक्यू0/1/एस॰आर०-3 7-83/782, अतः मुझे, सुधीर जन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारिख जुलाई, 83

को पूर्वा क्ष्म सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

 श्रीमती जय देई पत्नी श्री गनेशी लाल, करतार सिंह, हरी राम सुपुत्रगण श्री गनेशी लाल, निवासी—-ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली। इन्दरजीत सुपुत्र गोकुल चन्द आहुजा, निवासी—-61/29, रामजस्रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

2. श्रीमती स्रोम वती पत्नी खड़क सिंह स्रोर चमेली देवें पत्नी श्री हरी राम, निवासी-ग्राम-राजोंकरी, नई दिल्ली, (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त के ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 18 बिधे और 8 बिध्ये, खसरा, नं॰ 892(4-10), 931(4-8), 932(4-8), 1088/4(0-6) 1234/2(4-16), ग्राम-राजोकरी, तहसील-महरोली, नई पिल्ली,

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख : 13~3-84

प्रकल आहाँ. टी. एन. एस. - - - - - आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज-1, नई दिल्ली:

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू/1/एम आर-3/7-83/ 825--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमी है तथा जो ग्राम आया नगर नई दिल्ला, में स्थित हैं (और इसमें उपाध्य अन सूची, पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, दिल्ली, रजिस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनाक ज्लाई, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रित्मिल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देष्यों से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अक्षः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. न्मिनलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—- श्री सुखबीर, बिर सिंह, बलराज, रमेश सुपुत्रमण श्री घनी, श्रींमती भगवती पत्नी श्री घनी, निवासी— ग्राम, आया नगर, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

2. मैं ० नवरंग क्षमसियल कं ० प्रा० लि० 219 चितरंजन एवन्यु, कलकाता,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

1/2 भाग कृषि भूमि तादावी 12 किने और 4 विश्वे खसरा नं० 1774 (4-16), 1775(3-18), 1780/1 (1-10), 1781/1(2-0), ग्राम० आया नगर, तहसील, महरौली, नई विल्ली,

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

गारी**ख** : 13-3-84

प्रकम बाह् . टी . एव . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

BITCH EXCEPT

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जीन रैंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं अाई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस-आर-3/7-83/851--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आयानगर नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 83

को पृथोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीश एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिला में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयर हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या मन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोधनार्थ अन्तिर्देश बुवारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया धाना चाहिए था, कियाने में सविधा के निए;

मतः अध, उभत जिथिनियम की धारा 269-ग की, जनसरण मों, मीं उक्षा प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निर्माणिक व्यक्तियों अधीत् :---- श्रीमती नरायनी देवी
पत्नी श्री चुन्नी (1/3)
श्रीमती चान्दो देवी पत्नी
श्री पृथ्वी, (1/6)
ग्राम आया नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मैं० नवरंग कमसियन कं० प्रा० लि० 219 चितरंजन एवन्यु, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जर सकोंगे।

स्पष्टीकरणः :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गय। हैं।

वन्स्ची

1/2 भाग कृषि भूमी ताबादी 10 बिन्ने और 18 बिग्ने खसरा नं० 1619(1-4), 1627/1(3-15), 1622(4-19), 1625(1-10), ग्राम आयानगर, तहसील महरौली नई दिल्ली;

मुधीर चद्रा सक्षम अधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्लो/नई दिल्ली-110002

11रीख : 13-3-84

मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/1/एम०आर०-3/7-83/852—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम आया नगर, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनः कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्रीमती नरायनी दव. पन्नो श्रो चुन्नी (1/3), श्रीमती चान्दो देवी, पत्नी श्री पृथ्वी (1/6) ग्राम-अया नगर, नई दिल्ल ।

(अन्तरकः)

2. मैं वन्त्ररंग कर्माशयल कं प्रा० लि० 219, चितरंजन एंबन्यू, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: —हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

1/2 भाग, कृषि भूमि तादावी, 5 बिघे 1 बिग्धे, खसरा नं॰ 1623 (3-2), 1624(1-19), ग्राम आया नगर, तहमील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम अधिकारी सह(यक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1984

मोहर

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्ज. रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्वेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू/1/एस०-आर०-3/7-83/ 853---यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.२००/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो आया नगर, नई दिस्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्ची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—--

- (क) अन्तरण से हुई किर्दा आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अने, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती नरायणं: देवी पत्नी श्री मुन्नी (1/3), श्रीमती चान्दो देवी पत्नी, श्री पृथ्वी (1/6), निवामी प्राम आधा नगर, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

2. मैं नवरंग कर्मासयल कं प्रा० लि०, 219, चितरंजन घन्यू, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स</mark> सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

नक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रिंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

1/2 भाग कृषि भूमि तादादी 10 बिघे और 10 बिघे, खसरा नं० 1618/2(1-14), 1621(2-15), 1626(4-11), 162/6(4-11), 1628/7, (1-10), ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई विल्ली ।

मुधीर चन्द्रा मञ्जम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I-, दिल्लो/नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-1984

मोहर ७

प्रारूप बाई.टी.एन.एस -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०आर०-3/7-83/ 863—स्तः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है।:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकार निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निर्मित्यम, या धन-कर निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने सिए।

बतः वस, उक्त आधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की, उपधारा (1) को अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :----19—16GI/84 1 श्री मोला सुपुत श्री राम फूल, निवासो ग्राम आयां नगर, नई दिल्ली।

(अन्सरकः)

2. मैं ० नवरंग कर्माश्रयल कं ० प्रा लि० 219, चिंतरंजन एथन्यू, कलकंसा।

(अग्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सध्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भूध होगा जो उस सध्याय में दिया ग्या है।

जन्सूची

1/8 भाग कृषिभूमि तावादी 12 बीभे और 4 बिश्वे, खसरा नं 1774(4-18), 1775(3-18), 1780/1(1-10) 1781/1(2-0), ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बिल्ली/नई विल्ली-110002

सारीख: 13-3-1984

प्ररूप वाह्रै. टी. धृन्. एस . --------

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचमा

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू/1/एस०आर-3/7-83/788---यतः मुझे, सूधीर चन्द्राः

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सुलतानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाश्चद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणिन है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ल में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उबित बाजार मूहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अश्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (का) प्रस्तरण में हुई किसी बार का बावत उक्त अधि-नियम के ब्राधीन कर देने के ब्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उपने बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
 - (स) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ

 को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उपन श्रीधिनियम, या घन

 कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27)

 के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया

 नथा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में

 भूविद्या के लिए।

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुद्धरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत ड---

मैं० शिश राम शर्मा एण्ड कं०
 122 ए, गौतम नगर, नई दिल्लिं।

(अन्तरक)

श्री शेर सिंह दागर सुपुत्र श्री रिसल सिंह,
 निवासी 257, शाहपुर जाट, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के नर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्त 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तात्रील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्ति मों से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का संकार।

मनुस्ची

कृषि भूमि तादादी 2 विषे और 12 विश्वे, खसरानं ० 696, मिन, ग्रा. सुलतानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नद्दी दिल्ली

विनांक : 13-3-1984

प्रकृत नाई. टी. एन. एस. ------

भारक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्देशिक)

अर्जन रोंज-I, न**ई दिल्ली**

नई दिल्ली,दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/न्यू 1 एस०म्रार०-3/7-83/797---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम सुलतानपुर. नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबक्ष अनुसूची मे और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) तार अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सृतिभा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्नासिक व्यक्तियों, अर्थीत् ह— 1. श्री इन्दर सिंह सुपुत श्री रिजल सिंह,
निवासी 257, शाहपुरजाट, नई दिल्ली
गाम सिंह सुपुत स्व० श्री करन सिंह,
निवासी 8-सी /5, डब्ल्यू-ई-ए, करोल बाग, नई दिल्ली
श्रीमती विधावती पत्नी स्व० श्री करन सिंह और
श्रीमती गिशा सिंह पत्नी श्री शांम सिंह,
निवासी 80/5, डब्ल्यू-ई-ए, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीशिश राम एण्ड कं०,
 122/ए, गौतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के विष्यु कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त संपत्ति के अर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 विन की अमिश या तस्सेनंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्थित्यों में से किंगी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकैंगे।

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा वया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 10 बीघे और 17 बिश्वे, खमरा नं० 745 मिन (1-4), 744मिन (1-10), 743मिन (1-6), 740मिन (1-6), 711 मिन (0-15), 711मिन (0-11), 710मिन, (1-6), 707 मिन (1-9), 742 मिन (1-3), 698 मिन (0-7), ग्राम सुलतानपुर, नहमील महरौली नई दिल्ली ।

सूधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 13-3-1984

मोहर 🖫

प्रकप बाह् . दी. एव . एस . -----

भायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेख I, नई विल्ली

नई विल्ली, विनाम 13 मार्च, 1984

निवेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू/1/एस०आर०-3/7-83/799---यतः मुझे, सुम्रोर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/-तः से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुलतानपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बोच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अतरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बों, मीं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन., निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :—— श्री बुध राम सुपुत श्री पन्ता लाल
 द्वारा अटार्नी श्री शिश राम और बनवारी लाल
 सुपुत श्री लीला राम निवासी 36/5 यूसफ सराय,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद पाठक सुपुत श्री जे० सी० पाठक, निवासी 23 नवजीवन बिहार, नई दिल्ली और श्रीमती फुलकुमारी टंडन, पस्नी श्री सूरजप्रकाश टंडन बिवासी 2311, सैक्टर 35-सी, डिफेन्स कालोनी, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्द्रची

कृषि भूमि तावादी 6 बीघे और 6 बिश्वे, खसरानं० 739 मिन (3-16), 740 मिन (1-4), 712 मिन (1-0), 711 मिन (0-6), प्राम सुलतानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, *नर्ग* रिल्मी

दिनांक 13-3-1984 मोहर : प्रकप मार्ड टी. एन. एस. -----

आयकर अभि ितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सहकार

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 13मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू/1/एस०आर०-3/7-83/ 802---यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुलवानपुर, नई दिल्ल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के उर्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अफ्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सायत, उक्त अधिनियुम के अधीन कर बोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, जक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अभीन, निम्निसिंसत व्यक्तियों, अभीत् :-- मैं० शीश राम धर्मा एण्ड कं० 122ए/8, गौतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुधीर मोहन घोपड़ा, निवासो 2036 रीसी मोहला, नवन गहर, डोआबा (पंजाब), जिला जालन्धर। आर० एन० कपूर, सुपुत्र श्री मंगत राम, कपूर निवासी आर 543, शंकर रोड, नई दिल्ली और शान्ती स्वरूप, सेहगल, सुपुत्र श्री रामजी दास । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप---

- (क) इरा सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्योय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

कृषि भूमि तादावी 6 बीघे और 5 बिम्बे, खसरा नं० 710 मिन (0-3), 695 मिन (0-7), 707 मिन (1-17), 698 मिन (3-18), ग्राम सुलतानपुर, तहसील महरौली, नई विल्ली !

> सुन्नीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

दिनांक : 13-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (१) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०आर०-3/7-83/803—-यत मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्चात् 'उक्त निर्मितयम' कहा गया है), की भारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुलतानपुर, नई विल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, थें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री आर०एन० कपूर, सुपुत्र श्री मंगत राम कपूर, निवासी आर-543, शंकर रोड, नई दिल्ली, । शान्ती स्वरूप सेहगल सुपुत्र श्री रामजी वास सेहगल, निवासी आर-543, शंकर रोड, नई दिल्ली, और श्री सुधीर मोहन चोपड़ा, सुपुत्र श्री आर०एच० चोपड़ा, निवासी 2036, ऋषि मोहल्ला, नवन शेर, डोआबा (पंजाब) ।

(अन्तरक)

अभि राम नाथ कपूर शान्ती, निवासी आर-543, शंकर रोड, नई दिल्ली श्री शान्ती स्वरूप, सेहगल, बी-1, इन्दल कालोनी, बेलगांव (करनाल)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गर्कों गे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त जिथिनियम, के ब्रुध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 6 बीघे और 3 बिश्वे, खसरा नं० 698मिन (0-11), 695मिन (0-1), 697/2 मिन (3-7), 696मिन (2-4), ग्राम सुलतान पुर, तहसील महरौली, नई विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

दिनांक: 13-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई टी.एन.एस.------वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०आर०-3/7-83/804—यत: मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हो

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुलतानपुर अई महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल के एसे श्रवमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तविक स्था से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वैहुइं किसी बाय की वाबतः, उपत वर्षिमियन के नभीत कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उपते वचने में सुविधा के के लिए; मौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट महीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिणाने में सविधा के लिए;

कतः जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनृतरण में, मैं उक्त जिधीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जिथीन,, निम्नितिसित व्यक्तियों, जर्थात्:—

- 1. मैं शीण राम भर्मा एण्ड कं विरुत्ती । (अन्तरक)
- 2 श्री पी० के० भनीन, सुपुत्र श्री के० के० भासीन, निवासी ए-62, गुलमोहर पार्क, नई इदिल्ली और श्रीमती राधिका सिंह, पत्नी श्री अजीत सिंह, निवासी 1-साउथ एवेन्यू, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना चारी करके पृशाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किंगुसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मध्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्वी

श्चिष भूमि तावादी 6 बिघे और 6 बिग्वे. खसरा नं० 709 मिन (3-16). 710 मिन, (1-4), 708 मिन (1-0), 707 मिन (0-6), ग्राम सुलतान पुर तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई विल्ली

विनांक: 13-3-1984

माहर 🤢

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोकः 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/7-83/805---यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषिभूमि तथा जो ग्राम सुलतानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पृन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; आर्र्या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिभियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिंखित व्यक्तियाँ, अधीन, किस्

- श्री बुध राम सुपुत श्री पन्ता लाल, द्वारा अटानी शिम राम और वनवारी लाल सुपुत श्री लीला राम, निवासी 36/5, यूसुफ सराय, नई दिल्ली।
- श्री बी० डी० नाकरा, निवासी ए-1/293, सफदरजंग इनकलेव, नई दिल्ली ग्रीरश्री राम लाल कोहली, निवासी जे-413, न्यू राजेन्द्र नगर, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों से
 - (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नदस्यी

कृषि भूमि तावादी, 6 बीचुं और 4 विश्वे, खसरा नं० 740 मिप (1-13), 741 मिन (4-0), 711 मिन (9-3), 694 मिन (0-8), ग्राम सुलतानपुर, तहसील महरौली, नई दिस्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ४, नई दिल्ली

दिनांक : 13-3-1984

भाहेदु 🎍

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) [अर्जन रेंज-!, नई दिस्ली नई दिस्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आए-3/7-83/800--अतः मझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सुतलानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णक्ष्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल के पंग्रह शित्यता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे क्याने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ना भिष्या का लिए;

(1) श्रीमती राधिका सिंह पत्नी श्री अजीत सिंह, निवासी—1-सांच्य एवेन्यू, नई दिल्ली और गी० कें भसीन सुपुत्र केंच्य भमीन, निवासी—ए०-62, गुलमोहर पार्क नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं० शिक्ष राम शर्मा एण्ड कं० 122ए/8 गौतुम नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिष्टियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 बिघे और 6 विश्वे, खसरा नं० 708 मिन (3-16). 707 मिन (1-4), 705 मिन (1-6), ग्राम-मुलतानपुर, तहसील-महरीली, नई दिल्ली ।

सुधीर **चन्द्रा** सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली नई दिल्ली--110002।

तारीख 13-3-84.

प्रक्रम बाह्र .टी.एन.एस.-----

नावकर मिश्तियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म(1) के जभीन स्वता

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीधण) अर्जन रेंज-I. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांक 13 **मार्च** 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/1/एस-आए-3/7-83/ 806--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा असा ही, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण ही कि स्थावर संवित्त जिसका उपित वस्तार मुक्व 25,000/- रा. से निधक ही

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सुल्तामपु
महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची
में पूर्व रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जुनाई 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाकार कृत्य से का को कार्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की नह है और अपने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाकार कृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और कन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तम पाना गया प्रतिफल निम्निजिचित स्वृथदेव से स्वत्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किचत महीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाग की बाबस, उक्त अधिनियम के ब्राधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँग्र/वा
- (वं) एसी किसी जाय या किसी धन वा अध्य कार्यस्तावों को चिन्हों भारतीय आवकर की भीववन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर विश्वविक्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्कारती द्वारा प्रकट वहीं किया बवा वा वा किया बाना चाहिए वा, विश्ववि के बृधिया के विष्:

अतः उत्र, उक्त अभिनियमं की भारा 269-त के अनुक्रास्त्र में, में,, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की वनवारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अवात् .क्त- (1) श्री बुश्रराम सुपुत श्री पन्ना लाल, और बनवारी लाल सुपुत श्री लीला राम, निवासी - 36/5 बुसुफ सराय, नदी दिल्ली।

(अनारक)

(2) श्री राम नाल कोहली, निवासी जे०-413, न्यु राजिन्वर नगर, नई दिल्ली, श्री बी० डी० नाकरा, निवासी ए०-1/293, सफदरजंग इनकलेय, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

करो बहु सूचमा वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के तिष् कार्यवाहिता करता. हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध से कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इत सूचना के रावएत में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन की सवीध ना तत्सम्बन्धी स्पन्तिनों पर सूचना की साबीस वे 30 विन की वयीध, को भी नवीध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति हुनारा;
- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उपत् स्थायद्व वंपत्ति में दिश-स्वृत् किसी अन्य स्थायत द्वारा वशोहस्ताकरी के शत सिवित में किए वा सकोंगे।

स्थानिकारक :---इतनें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, को उपत वीपीनका के कथाब 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं नर्थ होगा को उस मुख्यान में दिका गया है।

वनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 विषे और 5 विस्थे, खसरा मं॰ 744 मिन (0-5), 742 मिन (2-17), 743 मिन (2-0), 741 मिन (0-16), 740 मिन (0-7) ग्राम—सुलतान्युर, तहंपील--महरौली नई दिल्ली।

> सुघीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्लो, नई दिल्लो-110002

दर्शक : 13-3-1984

मोक्र ⊈

प्रका जोड़ी. टी. एगा. एसं. - - - --

वायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के वधीन स्थान

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भावक र आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेज-I, नई दिल्ली गई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984 निषेम सं० आई० ए० सी०/एक्मू०/1/एस०-आर-3/7-83/807---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियय' अज्ञा गया है कि बारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाबार मूक्व 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सुलतानपुर, नई विल्ली में स्थित है (और इसते उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से बंजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्मिति को उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त सम्मित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्बद्ध प्रतिचत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरण वे हुए किती नाय की वावत, उच्छ विधिन्यन के स्थीन कर देने के नंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी भून या अन्य कास्तिकों की, जिन्हों भारतीय वायकर किभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में सुनिया के लिए;

जत जम, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण भों, भीं, उपत जीधीनयम की धारा 269-एंकी उपयारा (1) के अधील, निम्नीकतित व्यक्तिस्हें अर्थात् :--- (व.) मैक कैंपी उस लेख इक्तूबमेंट सारपीरेशम, जी •— 9, सिझार्य, 96 नेहरू प्लेस, भई विल्ली।

(अन्तरिक)

(2) बुध राज सुपुत औ पन्नी लाल द्वारा अटानी विक राज, बनवारी लाल, सुपुत भी लीला राज, निवासी---36/5, यूसुफ संराय, नई दिल्ली । (अन्तरिसी)

को वह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्चेनीहिकी करिता हुं ।

उक्त सन्यांता की अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की जबिंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से म 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्मत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी के पात सिवित में किए का सकींगे।

स्वक्टरिकरणः -- इतंसे प्रमुक्त संस्थी और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियां गमा है।

वक्त्वी

> सुधीर बन्द्रा सक्षम अधिकारी **सहायस आयक्त** (निरीक्षण) अर्थन रेंज-I, सिल्ली, नई दिल्ली-110002।

विशास . 13-3-1984 मोहर :

प्रकल भारती ही एन हु एक हु----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भायांलय, सहायभ आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च, 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस-आर-3/7-83/808--अत. मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये हे अधिक हैं

और जिसकी स० इषि भूमि है तथा जो ग्राम—सुनतानपुर, नई नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उप्लब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापृषा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अन्त अर्िुंधनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अमस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) मैं० शिश राम शर्मा एण्ड कं०
 122ए/8 गौतम नगर, नई दिल्ली ।
 ' बुंध राम सुपुत्र श्री पन्ना लाल और बनवारी लाल
 सुपुत्र श्री लीला राम,
 निवासी—-36/5 यूसुफ सराय, नई दिल्ली ।
 (अन्सरक)
- (2) श्रीमती फूल कुमारी टंडन पत्नी श्री सूरज प्रकाश, निवासी—2311, सेक्टर—35—सी, डिफेस कालोनी, चण्डीगढ़ । विनोद पाठक सुपुत श्री जें० सी० पाठक, 23—नवजीयन बिहार, नई दिल्ली ।

(अन्तरितो)

की यह सुधना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप :----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उपत 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सुचना की तामील से 30 दिन की बब्धि, आरे, भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकने।

स्पर्ध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क्र में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अव्याय में दिया गया हैं।

नपूर्वी

कृषि भूमि तावाबी 6 बिषे भौर 6 विषये, खसरा नं० 712 सिन (2-8), 709 मिन (1-0), 710—मिन (0-6), 711 मिन (1-4), 712 मिन (1-8), ग्राम सुलतानपुर, तहसीस—महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर **चन्द्रा** |सक्षम अक्षिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1;दिल्ली,नईदिल्ली--110002।

दिनांकः : 13-3-1984

प्रकृत नार्ष_ः टी_{ट्} एतः एसः ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभ्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिष) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/7-83/792---अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिस, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिमकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय, र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पृथों कर संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्छे विभिन्नय की बचीन कर दोने के जन्तरक के रादित्व में कमी करने वा उच्छे ब्याने में बृत्विया के बिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

नतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मं, में उक्त प्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थातः :---- (अन्तरम)

(2) श्री विजय भुलका सुपुत्र श्री आर॰ सी॰ जुलका, निवासी—-डी॰-111, पंषशील क्ल्फोब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सृथना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाम के राजप्त को प्रकाशन की तारी व हैं
 45 दिन की वन्धिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर
 स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी
 अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीठर पृथा विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनवम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिखा नवा हाँ।

अनुस्थी

कृषि भूमि तादाधी 6 बिघे और 11 बिएवे, एम० नं० 107, किला नं० 4/1 (2-8), 7(4-3), याम-डेरा मण्डी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002।

विनाक : 13-3-1984 /

प्ररूप' भाष् ेटी. एन . एस . -----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एसयू/1/एस०-आर-3/7--83/793--अत: मृझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पानात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जेरा मण्डी, नई विस्सी, में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1983,

को नुर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय मृत्य गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाम की वायत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में क्षत्री करने या उससे अचने में स्विधा के विष्; बार्/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा सेंसिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) अ अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्धात् :--- (1) श्री ओम प्रकाश सेहगल सुपुत्र स्व॰ श्री राम चन्द सेह्गल, निवासी—मकान नं॰ ई-206, ग्रेटर नैलास-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरम)

(2) श्री दिनेश अजमेरा सुपुत श्री भी एए अजमेरा, निवासी—के-18, जंगपुरा एक्सटेंग्शन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो रावस प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 6 बिधे और 4 बिघवे, एम॰ नं० 107, किला नं० 3(4-16), 8/1(1-8), ग्राम-डेरा भण्डी, तह्सील महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, दिल्ली, नई दिल्ली-110062

विनांना : 13-3-1984

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/7-83/795-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

जौर जिसकी सं १ कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-डेरा मण्डी, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनोक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 19% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियो जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

आतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सुलतान सुपुत श्री उदय चन्द, निवासी---ग्राम--डेरा मण्डी, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री विवेश मेहरा सुपुत्र श्री सी अपि भी हैरा, निवासी——बी०—314, न्यू फ़ेण्डस कालोनी, नई विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पीता के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थावितयों में से किसी स्थिकत ब्वासः;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्वतीयत हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिल्ला गया है।

नन्सूची

ऋषि भूमि तावाधी 11 बिसे और 14 विश्वे, मुस्तातील नं० 60, किला नं० 6(2-6), मुस्तातिल नं० 59, किला} मं० 10(4-12); 11(4-16), ग्राम—डेरा मण्डी, तहसील—महरौली, नई दिल्ली 1

सुधीर संजा संजीत प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-1984

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

भागकर मिथित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिलांक 13 मार्च 1984

ि निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/7--83/796--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—डेरा मण्डी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और जन्तरिती (अन्तरितियार्) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निकासित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तरिक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जार्यकी वाबत उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

गतः जय, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, नर्धात् :--- (1) श्री सुलतान सुपुत्र उदय घन्द, निवासी—ग्राम—डेरा मण्डी, तहमील—महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्सरक)

(2) विरेन्द्र कुमार मदन मुपुल स्व० श्री आर० डी० मदन और डा० निशी मदन परनी श्री बी० के० मदन, निवासी — ए-1/264 सफदरजंग इन्क्लेय, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को मह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्थष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आर्जिक्स नियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहाे अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

> मुषीर वन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1; दिल्ली, वर्ष दिल्ली-110002

दिनांग : 13~3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहु[©] टा,एन एस, ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुक्तरा

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्लो
नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984
निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/7-83/
832--अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 25.000/- है न अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—नेबसराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की मामत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;
- ्र २४, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में में, उदत अधिनियम की धारा 269-ए की लण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21--16GI/84

- (1) श्री सुगील अंसल सुर्व क्वर श्री चानगी लाल निवासा---एन-148 पंचगाल पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रीता मदन पत्नी मेजर गुरबीर सिंह मदन निवासी—एन-30. जंगपुरा एक्सटेंगन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति ह अर्थन क लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यवितयों में से किमी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्श लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

waren

कृषि भूमि तादादी 11 बिघे और 18 बिघ्ये, खसरा नं ० 585 (2-13), 586(4-16), 636/1(12-19), और 6363(1-10), ग्राम-नेबसराय, नई दिल्लो, तहसील-महरौली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्लो, नई दिल्लो-110002

दिनांच : 13-3-84

प्रस्प आहाँ.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984
निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर/3/7-83/833--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,,000/- रु. से अधिक हैं

सौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—नेबसराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखिल के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त विधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के शियस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तिस्पॉ, अर्थात् क्ष---

(1) श्री सुगील अंसल सुपुत्त स्व० श्री चरनजीला^ल, निवासी--एन-148 पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती वीरन देवी पत्नी स्व० एस० गंगो सिंह, निवासी—-एन-30 गंगपुरा एक्सटेंगन, नई दिल्ली । श्रीमती सुरजीत वासु पत्नी एस० अजीत सिंह वासु, निवासी—-ए-1/15, पंचणील इन्लेख, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के शीतर उक्त स्थावर संपद्धि में हित-बद्ध विभा अन्य क्योदन द्वान अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा म्या है।

नगचर्ची

कृषि भूमि तादादी 10 विये और 10 विषये **खम**रा नं ० 240/3(1-16), 597/1(3-18), और 598(4-16), ग्राम नेब सराय, महरौली, नई दिल्ली ।

मुश्रीर नन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) 'अर्जनरेंश-[, दिन्त्री, नर्ड दिल्ली - 110002

विनोक · 13-3-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/7~ 83/834-अत. मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० शृषि भूमि है तथा जो ग्राम नेव सराय, नई विल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिय नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त वृधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष्ट; बॉर/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी अन या जन्य जारिस्तयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, या धन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:----

(1) श्री सुशील अंसल सुपुत्र स्व० श्री चरनजीलाल, निवासी—-एन-148, पंचणील पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजिन्बर कौर पत्नी एस० पूरन सिंह मवन, निवासी—-एन-30, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप् :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचदा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

कृषि भूमि तादावी 11 बिथे और 01 बिश्वा, खसरा नं॰ 523/1(1-14), 685/2(2-00), 686(4-16), 687(1-11), 694/2(1-00), ग्राम नेब सराय, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, दिल्ली, नर्द्द दिल्ली--110002।

विनांग : 13-3-1984

मोहर 🌣

त्ररूप अरह' टी एन एस -----

बाषकर विधिनियंग, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/7-73/ 848-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरप अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाए ग्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से काथत नहीं किया महा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (सा) ऐसी किसी जाय या किसी. धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्र, उक्त अधिनियर्मं की धारा 269-ग के अनुसरण - में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

(1) मै॰ ईस्ट इण्डिया अपारीलस, सी॰-1/52, सफदरजंग डेवलपमेट एरिया, नई दिल्ली, द्वारा भागीदार सुरिन्दर साहनी, जगदीश सोनी, सी॰ एल० भासीन, ग्रौर चन्दर भान।

(अन्तरक)

(2) श्री बी॰ आर॰ चौपड़ा सुपुत्र स्व॰ श्री हरिकशन दास चौपड़ा, निवासी—402, आकाश दीप, कनाट प्लेस, नई दिल्ली। श्री केशवदास साहनी सुपुत्र श्री तारा चन्द साहनी, निवासी—जे—58, अशोक विहार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पृबेंकित सम्पत्ति के वर्चन के सिष्क् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकांगे।

'स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

कृषि भूमि तादादी 4 बिषे और 16 बिश्वे, खसरा नं० 207, ग्राम-गदाईपुर, तहसील-महरौली, नई (दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा - सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, तई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1984

प्रकृष आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

निदेश स० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/7/ 83/850---अतः मुझे, सुधीर जन्दा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

त्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो प्राम-गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उभत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधित :---

- (1) मै० ईस्ट इण्डिया अपारित्स, सी०-1/52, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली, द्वारा भागीबार श्री सुरिन्दर साहनी, जगदीण सोनी, सी० एल० भासीन और चन्दर भान । (अन्तरक)
- (2) श्री बी० आर० चौपड़ा सुपुत्र स्व० श्री हरिकणन वास चौपड़ा, निवासी—-402, आकाणदीप, कनाट प्लेम, नर्ड दिल्ली श्रीर श्री केशव दास साहनी सुपुत्र श्री ताराचन्द गाहनी, निवासी—-जे-58, अशाक बिहार, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति **के वर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिरा बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:--इसम प्रमुक्त शब्दों और पदों / का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्भी

कृषि भूमि तादादी 4 बिषे धौर 16 विश्वे, खसरा नं० 206, ग्राम--गवाईपुर, हसील-महरौली, नई विल्ली (ट्यूब वेल के साथ) ।

> सुधीर नग्द्रा, सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

विनांक: 13-3-1984

(अन्तरक)

प्रस्प श्राइं० टा । एन० एन० ---

श्रायकर प्रविनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा 269-थ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन .रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984 निदंश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1--एस-आर-3/7-83/849--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

धायकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिवितयम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए ने ग्रीधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गदाईपुर, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा गया है: ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त प्रसिनियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—

- (1) मै० ईस्ट इण्डिया अपारील्स, सी०-1/52, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली, ब्रारा भागीदार श्री सुरीन्दर साहनी, जगदीश सोनी, सी० एल० भासीन, चन्दर भान ।
- (2) श्री बी० आर० चौपड़ा सुपुत्र स्व० श्री हरिकशन दास चौपड़ा, निवासी---402, आकाशदीप कनाट प्लेस, नई दिल्ली, घौर केशव दास साहनी सुपुत्र श्री ताराचन्द साहनी । निवासी---जे--58, अशोक विहार, दिल्ली ।,

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क्ली तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकर्णे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

कृषि भूमि तादादी 4 विषे श्रीर 16 विष्वे, खसरा नं \circ 234/1(2-8), 234/2(0-12), 234/3(1-16), ग्रांम गदाईपुर, तहसील—महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्र⊸I, बिल्ली, नई दिल्ली~110002

विनांक : 13-3-1**98**4

मोहर 👂

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

. नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984 निदंश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/7-83/862--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अगयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908(1908 का 16)के अधीन. दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक इप से क्रिथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कालए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री दलीप सिंह निवासी—-ग्राम—-गवाईपुर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री राधा देवी पत्नी श्री घनश्याम दास, निवासी—ग्राम-गदाईपुर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

मकान का प्लाट नं० पी०-38, तादाक्षी, 3180 वर्ग फीट खसरा नं० 298/1, आंबादी लालडोरा, ग्राम-गदाईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम अधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-3-1984

मोहर 🛭

प्र**कप शार्द**. टी एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ,69-भारी के अधीन साना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

निवेश सं अाई० ए० सी ०/एक्यू०-1/एस०--आर-3/7--83/868---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-रंगपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में पूर्गरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिबित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जुन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त जिथिनियम के जुभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के फिए; जाँड/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा कियान में मियभा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एसा का गुप्ता सुपुत्र श्री श्री ० एसा ० गुप्ता, सकेटरी महालक्ष्मी गार्डेन कालोनी, का-आपरेटिय ए० एम० पी० सी० लि०, 69 एस० जे० एफ० राइ, नई दिल्ली-15 ।

(अन्तरक)

(2) श्रामति कैलाश गुप्ता परनी श्री डी० सी० गुप्ता निवासी----6, अण्डरहील रोड, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संस्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त संपर्तित के वर्णन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (श) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

मन्सूची

खमरा न० 1925/2(2-9). और 743/2(3-00), टोटल एरिया 5 बिषे और 9 बिष्वे, ग्राम-रंगपुरी, तससील-महरौली, नई दिल्ली ।

स्धीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज—1 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 13-3-84

माहर

अरूप बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यातय, सहाय ह आय हर अत्युक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांन 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस-आर- 3/7-83/854--अतः मृझे, सुधीर चन्त्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अभिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—खानपुर, तहसील महरौल, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्लीमें रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: जौर/वा
- (का) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं: उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---22---16GI/84

- (1) श्री सतीय चन्द्रर मलहोशा, निवासी---19, पूसा रांड, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र कुमार बफना, हेमराज पिन्चा, फादर और सही अभिभावक मास्टर पथन कुमार जैन, अमित कुमार जैन और मास्टर प्रशान्त जैन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाबीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सादार्थः 4 विघे और 16 विश्वे, खसरा नं० 206, खतौनी नं० 162/125, ग्राम—खानपुर, तहसील—महरौली, नई दिल्सी ।

सुधीर चन्द्रा, मजन प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नहें दिल्ली(-110002

दिनोक : 13-3-1984

मोहर ः

प्ररूप बाह्र टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०-आर०-3/7-83/810--अतः मुझे, मुधंर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-खानपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गयन प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राज कुमार मलहोता सुपुत स्व० श्री गुरनदास निवासा--19, पूसा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री हेमराज पिन्चा सुपुत्र श्री रतन लाल पिन्चा, और श्री पुख राज बकता सुपुत्र श्री डी० सी० बकता, निवासी——ई-45, ग्रैटर कैलाण-2, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अधि कार्यों में में किसी स्वक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किना अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक स्ण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि तादार्द। 5 त्रिवे और 8 बिखे, खसरा नं० 188 (2-5), 190/1, 190/2(1-11), 207/1 (1-12), और खाता नं० 162/125, ग्राम -- चानपुर, तहसील-- महरौली, नई दिल्ली।

सुर्वार चन्द्रा, तनम पाधिकारी, महाना नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 13-3-1984

प्रकप्. बाई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर ब्रायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984 निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०=1/एस०आर०-3/7-83/856--अतः मुझे, सुधीर चन्त्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं्कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-भाटि, नई दिस्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अरे अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है स्म्म

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौट्र/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविभा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधित :--- (1) श्री मुरिन्दर कुमार गुप्ता सुपुत्त श्री राम भज गुप्ता, निवासी—अार०-79, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रामती भिरत मागर पत्नी श्री शिव पाल सागर, मास्टर तुभार सागर सुपुत्र श्री शिव पाल सागर बारा उसकी मां एवं सही अभिभावक श्रीमती किरत सागर, श्रीमती रक्षा कुमारी पत्नी श्री इन्दरजीत, निवासी—आर०-106, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बढ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त . अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुसूची

कृषि भूमि तावादी 1 विधा और 16 विश्वे. खसरा नं० 218-मिन, ग्राम-भाटि, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिस्सी, नई विस्सी—110002

दिनांक : 13-3-1984

प्रकर बाह्र .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 196/1 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत बुडकाड

कार्यालयः, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०आर०3/7-83/857--अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाटि, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के 'अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुई किसी भाग की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दर्शियत में कमी फरन'या उससं वचन' में सुविभा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:—

- (1) श्री मुरिन्दर कुमार गुप्ता मुपुत्र श्री राम भज गुप्ता, निवासी—आर-79,ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरक),
- (2) श्रीमती किरन सागर पत्नी श्री शिव पाल सागर, मास्टर तुशाए सागर सुपुत श्री शिवपाल सागर, द्वारा उसकी मां एवं सही अभिभावक श्रीमती किरन सागर, श्रीमती रक्षा कुमारी पत्नी श्री इन्दरजीत, निवामी---आर०-106, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके वृवोंक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजभन में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों ये में किसी व्यक्ति ब्रुवारा,
- (स्) इस सूचना के राजपप्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्रस्ताक्षरी के पास सिसित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्पी

कृषि भूमि तादावी 1 बिघे और 16 बिग्वे, खसरा नं० 218-मिन, ग्राम-भाटि, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक . 13-3-1984

प्रकथ भाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 13 मार्च 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस-आर-3/7-83/858--अत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाटि, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

(1) श्री सुरिन्दर कुमार गुप्ता सुपुत श्री राम भज गुप्ता, निवासी—अार-79, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन सागर पत्नी श्री शिव पाल सागर, मास्टर तुशार सागर सुपुत्र श्री शिवपाल सागर द्वारा उसकी मां ग्रीर सही अभिभावक श्रीमती किरन-सागर, श्रीमती रक्षा कुमारी पत्नी श्री इन्दरजीत सिंह, निवासी—आर०-106, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख़ में 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्मत्ति में द्वित- वक्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त घट्यां और पर्यों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय धें दिया गया हैं।

नग्स्ची

कृषि भूमि तादादी 1 विषा श्रीर 16 विश्वे , खसरा नं० 218-मिन, ग्राम-भाटि, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अबः, उक्तं अभिनियमं की धारा 269-गं के अन्मरणं में, में उक्तं अधिनियमं की धास्र 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

दिनांक : 13-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस-आर-3/7-83/ 875--अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इस्त अधिनि म कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुक्त से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाणन, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप क्रे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को प्योक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य में कम के रणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एपे र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नितियों ते उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उक्स जिमित्यम के संधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारत या उसन यचन में स्विधा केलिए, और/या
- (ण) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा से सिए;

अन्तः अर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपथारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री धरम सिंह सुपुत श्री साहजु, निवासी—ग्राम-विजवाशन, नई विल्ली ।

(अन्सरक)

(2) श्री कमलेश कुमार सुपुत्र स्व० श्री वेद प्रकाश कुमार, नियासी --पी-34, सी०आई०टी रोड, इंटाली, कलकत्ता-14।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त स्मारित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं मर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नमुस्ची

कृषि भूमि तावादी 3 बिषे एम० नं० 6, फिला नं० 15 (1-5), 6/16(1-15), ग्राम-बिजयाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज-1, विल्ली, नई विल्ली-110002

विनां हः 13--3--1984

मोहर .

प्रक्ष बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस-आर-3/7-83/876--अत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधीनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से निधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई .1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियाँ, अर्थीत् :—

- (1) श्री जय लाल सुपुत्र श्री रामजी लाल, निवासी—ग्राम-विजवाशन, नई दिल्ली । (अन्तरक
- (2) श्री कमलेश कुमार सुपुत्र श्री वेद प्रकाश कुमार, निवासी—पी-34, सी०आई०टी० रोड, इंटाली, कलकत्ता-14 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 10 विघे ग्रौर 19 विघ्वे, एम० नं० 5, किला नं० 10 (1-6), 5/11(4-16), 5/20(3-10), 6/15(0-10), 6/6(0-17), ग्राम—विजवाशन, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

रिनांक : 13-3-1984

पोडर :

परूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-ध (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक सायकर साय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०-1/एस-आर-3/7-83/884--अत:, मुझे, मुधीर चन्द्रा,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाणन, नर्ष्ट विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रिजिस्ट्रीक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है और मभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य स्मक इश्यमान प्रतिपाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरिंग से हुंड्र किसी जाय की वाबत, उबंत अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरिक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को पी) या उक्त अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

मतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों. अर्थातः :----

- (1) श्रो मान सिंह सुपुत श्री नथुआ श्रीर छन्दरजीत सिंह गुपुत श्री जिले सिंह, निवासी—-ग्राम-णाहपुरजाट, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री एन० के० जैन सुपुत्त श्री यू० एम० जैन, निवासी—सी०-4/112, एस० डी० ए०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वेकिन सध्यक्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहिंगि करता हुँ।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में क्योर्ड भी अक्षेप :--

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्थव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुसी

1/9 भाग कृषि भूमि तादादी 42 विषे और 10 विषवे, खसरा नं । 194-मिन, ग्राम--विजवाणन, तहसील--गहरौली, नई दिल्ली।

> मुश्रीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नर्र दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायां लय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस-आर-3/7-83/898--अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर अिंशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या।
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाजनार्थ अन्यिगी दशर प्रवट तरी लिज्य गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23 - '53'/81

(1) श्री सुरत सिंह, मान सिंह सुपुत्र श्री नथुआ, श्री इन्दरजीत सिंह सुपुत्र श्री जिले सिंह, ग्राम—शाहपुर जाट, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी नीरू जैन सुपुत्री मोहिन्दर कुमार जैन, निवासी—-डी-10, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1/9 भाग कृषि भ्मि तादादी 42 बिघे ग्रौर 10 बिश्वे, खसरा नं 194-मिन, ग्राम—बिजवाशनं, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज €1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 13-3-1984

मोहर 🖫 🔧

प्ररूप आई. टी. एप. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई विल्ली िनई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/7-83/885--अतः, मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसके। सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाणन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुद् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे यचने में सृविधा के सिल्; और/या
- (ण) एंसी किसी बाय या किसी धन वा बन्च बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्टिक्त के लिए।

जन: जब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के जधीम: निम्निलिख्त व्यक्तियों, अधित :--- श्री मान सिंह सुपुत्र श्री नथुआ, इन्दरजीत सिंह सुपुत्र श्री जिले सिंह, निवासी---ग्राम शाहपुर गाट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ऍन० के० जैन सुपुत्र यू० एस० जैन, निवार्मा-सी०4/112, एस० डी० ए०, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

मन्सूची

1/9 भाग कृषि भूमि तावादी 42 बिघे और 10 बिग्वे, खसरा नं० 194-मिन, ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज-1.दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 13-3-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/ 7-83/886--अतः, मुझे सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:~ श्री मान सिंह सुपुत्र श्री नथुआ और इन्दरजीत सिंह सुपुत्र श्री जिले सिंह, निवासी—-ग्राम शाहपुर जाट, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. कुमारी रंजु जैन सुपुत्नी श्री एम० के० जैन, निवासी— डी-1 ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति की अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस ची

1/9 भाग कृषि भूमि तादादी 42 विघे और 10 विष्वे, खसरा नं∘ 194-मिन, ग्राम विजवासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

प्रक्ष भार . दी. एन. एस.-----

नायकर निभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/ 7-83/887--अतः, मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम बिजवागन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को प्रविकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त भिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री मान सिंह सुपुत्र श्री नथुआ, इन्दरजीत सिंह सुपुत्र श्री जिले सिंह, नियासी—ग्राम शाहपुर जाट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर कुमार जैन सुपुत्र श्री गुलाव सिंह जैन, निवासी—डी०-1 ए०, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष रा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

1/9 भाग कृषि भूमि तादादी 42 बिघे और 10 बिघ्ने, खसरा नं० 194-मिन, ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी'०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 7-83/888--अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, नई विल्ली में स्थित है (और इसर्स उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान पृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार अहस, इसके दुश्यमान प्रतिकत सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे प्रन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिकित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावृत, उक्त मिशिनियम के मधीन 'कर देने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धनु या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए बा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: प्रव, जनन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसदण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मान सिंह सुपुत्र श्री नथुआ, इन्वरजीत सिंह सुपुत्र श्री जिले सिंह, निवासी ग्राम विजवाणन, नई दिल्ली।

2. श्री एन० के० जैन सुपुद्ध श्री यू० एस० जैन, निवासी सी०-4/112, एस० डी० ए० नई विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितवब्ध किसी ज्न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का,, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्त्त्वी

1/9 भाग कृषि भूमि ताबादी 42 विश्वे और 10 विश्वे, खसरा नं 194 मिन, ग्राम बिजवागन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के केभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अगयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/7-83/ 889—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाणन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, एसे द्रममान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सूविधा के निए:

बतः बद, उक्त गिंभनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मान सिंह सुपुत्र श्री तथुआ, इन्दरजीत सिंह सुपुत्र श्री जिले सिंह, निवासी ग्राम शाहपुर जाट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एन० के० जैन सुपुत्र श्री यू० एस० जैन, निवासी मी-4/112, एस० डी० ए०, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/9 भाग कृषि भूमि तादादी 42 बिघे और 10 बिग्ने, खसरा नं 194 मिन, ग्राम बिजवाशन, नई दिल्ली, तहसील महरौली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

प्रक्रम बाह् . टी . एन . एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984

्निर्देश-स० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-3/7-83/899—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्प्रतित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—विजवाणन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री मान सिंह सुपुत्र श्री नथुआ, इन्दरजीत सिंह सुपुत्र श्री जिले. सिंह, निवासी ग्राम शाहपुर जाट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एन० के० जैन सुपुत्र श्री यू० एस० जैन, निवासी सी०-4/112, एस० डी० ए०, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिसा करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रय्क्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/9 कृषि भूमि तादादी 42 बिच ग्रौर 10 .बिम्बे, खसरा नं० 194 मिन, ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, नईदिल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

मोहर '

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

कासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं॰ आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/7-83/890--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उणित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उच्चरेय से उचत अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर कोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उपत जापानयम की धारा 269-ग के अन्स्रण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निष्निसित्तं व्यक्तियों, वर्षात् ४--- श्री धरम सिह सुपुत्र श्री साहज्, निवासी ग्राम बिजवाणन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री नरेश कुमार मुपुल स्थ० श्री वेद प्रकाश कुमार, निवासी पी-34, सी० आई० टी० रोड, इंटाली, कलकता।

(अन्तरिती)

को यह स्थान पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्वी

कृषि भूमि तादादी 12 विघे श्रौर 12 बिग्ने, एम० नं० 6, िकला नं० 16(3-1), 6/15(3-12), 6/17(4-16), 6/24 (14-14), ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई विल्ली ।

सुधीर अन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

ता**रीख**: 13-3-1984

प्रकल बाइ . टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/7-83/900 अतः मुझे, सुधीर चन्त्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम—विजवाशन, तई दिस्ली में स्थित है (घीर इससे उपावस अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से, एसे रस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्त-रिक क्ष्य से किया पहीं किया पदा है दु--

- (क) जलारण से हुन्द किसी जाव की बाबत, उक्त अधि-जियम के जुनीन कर देने के जन्तरफ के दामित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जीड़/वा
- (व) ऐसी किसी नाय वा किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के सिए;

 श्री मान सिंह सुपुत्र श्री नथुका, इन्दरजीत सिंह सुपुत्र श्री जिले सिंह, निवासी—ग्राम गाहपुर जाट, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री एन० के० जैन सुपुत्र श्री यू० एन० जैन, निवासी---सी०-4/112, एस० डी० ए०, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के जुर्बन के कियू कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्हाक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/9 भाग कृषि भूमि तादादी 42 निषे भीर 10 निष्ते, खसरा नं 194 मिन, ग्राम—निजवाशन, तहसील्—महरौली, नई दिल्लीं।

सुधीर चन्द्राः सक्षम प्राधिकारीः; सहायक आग्रकर आग्रुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्डाः, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जतः जव, अक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 24 —16GI/84

तारीख: 13-3-1984

मोहुरु 🛭

प्ररूप आर्द्धै. टी. एन. एस.------बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बाधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक कायकर बायकत (निर्दीक्षण) अर्जन रेंजॉ-, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/7-83/827--अत: मुझे, सुधीर जन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25.009/- स्त. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम देवली, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनसङ्ख् से इन्हें किसी जाय की बाबुत, उक्स् जॉर्मियज की अभीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा की सिए; गॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विभा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- 1. श्री खचेरू मल, मांग राम श्रीर रामपाल सुपुद्धगण श्री शिव सहाय, निवासी ग्राम देवली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
 - 2. श्री केदारनाथ दमानी सुपुत श्री चन्दास दमानी श्रीर रेखा देवी दमानी पत्नी श्री भंवर लाल दमानी, निवासी-123, गोविन्दप्पा नाईकेन स्ट्रीट मद्रास।

(अन्तरिती)

स्त्रे वह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्थन के सिध् आयेवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिराबस्थ किसी कच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और दवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वनुसूची

1/4 भाग कृषि भूमि तादादी 15 विघे और 5 बिघ्वे, एम० नं० 26, िकला नं० 15/2(1-4), 16(3-16), 17(4-16), 23/2(1-1), 24(3-2), एम० नं० 32, किला नं० 3/1(1-6), ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजजु बिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

प्रकम् आइं. टी. एन्. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एतयू०/1/एस० आर०-3/7-83/864--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, महरौली, नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल में, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने मा सुविधा के लिए; आट्र/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं., में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. श्री हर फूला सुपुत्र श्री मौजी, निवासी-ग्राम देवली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी रंजु जैन सुपुत्र श्री एम० के० जैन, निवासी डी-1-ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिव की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

3/48 भाग कृषि भूमि तासादी 17 बिघे और 2 बिश्वे एम० नं० 27, किला नं० 9/2(1-6), 10/1(2-14), 11(4-16), 12/1(1-18), 20(4-16), 21/1(1-12), ग्राम देवली, नहसील महरौली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

मोहर 🖫

अरूप नाइ_{लि} दी. एन्. एस_{.-----}

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एभ्यू०/1/एस० आर०-3/7-83/826—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का व्यारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिस्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है जौर मृत्वे वह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण, निश्निलिखित स्वयस्य से उस्त अन्तर्ण सिकित में बास्त- विक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) वस्तरण ते हुन्दं किसी नाय की बावत उच्छ निध-निवन के न्धीन कर दोने के वस्तुरक के दायित्व में कभी करने वा अस्त्री वचने में सुविधा के सिथे; और या/
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर. अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोक्तार्य जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

1. श्री खचेरू मल, मांगे राम, रामपाल सुपुद्धगण श्री णिव सहाय, निवासी ग्राम-देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चान्द रतन बागरी (एच० यू० एफ०) श्रीर बृज रतन बागरी (एच० यू० एफ०)। 21/4727 दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह भूचना बारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

1/4 भाग कृषि भूमि तादाबी 15 निषे और 5 बिश्वे, एम० नं० 26, किला नं० 15/2(1-4), 16(3-16), 17(4-16), 23/2(1-1), 24(3-2), एम० नं० 32, किला नं० 3/1(1-6), ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्त्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई विस्ली 110002

तारीख: 13-3-1984

मोहर् 🕄

प्रकप नाइ . टी. एन . एस .-----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आवृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/7-83/865---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उंचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विजत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984

कां पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जौर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफाल, निम्निलिंगत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिंगत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्य में कभी करूने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन यु अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सृविधा के शिए;

जतः जभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात् ।---

 श्रीमती भागवाती पत्नी हर किशन वह स्थयं श्रीर सही अभिभावक मास्टर धरमवीर, कंबर सेन, राजबीर सुपुत्रगण हर किशन, श्रीमती कमला देवी सुपुत्री हर किशन, नियासी ग्राम देवली, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2 कुमारी नीक जैन सुपुत्री श्र. एम० के० जैन, निवासी डी-1/ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हा:

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

अमुस्ची

29/192 भाग कृषि भूमि तादादी 17 बिषे भौर 2 बिश्वे, एम० नं० 27, किला नं० 9/2(16), 10/1(2-14), 11(4-16), 12/1(1-18), 20(4-16), 21/1(1-12), ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984 निर्देश सं० आर्ड० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/

7-83/866--अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नई दिल्ली मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1983

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींकत संपर्तित का उचित शाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तहण से हुई किसी जाय की बाबत उजत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्ञारिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सृतिभा के निक्ष:

नतः श्व, उक्त विभिनियम की पारा 269-व के अन्तरण मी, भी उक्त विभिनियम की भारा 269-व की वर्षाहा (1) के अधीन, निम्नुलिक्ति अमृतिस्यों, शृष्ति क्षा श्रीमती भागवती विधवा पत्नी श्री हरिकशन, वह स्वयं और सही अभिभावक धरमवीर, कंवर सेन, राजबीर सुपुत्रगण स्व० श्री हर किशन, श्रीमती कमला देवी सुपुत्री हर किशन, निवासी-ग्राम—देवली, नई विल्ली।

(अन्तरक)

 कुमारी आसु जैन सुपुत्री श्री एम० के० जैन, निवासी-डी-1-ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की. अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (वा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की धारील से 45 विन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों को पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

29/192 भाग \rightarrow कृषि भूमि तादादी 17 बिघे श्रीर 2 बिघने, एम० नं० 27, किला नं० 9/2(1-6), 10/1(2-14), 11 (4-16), 12/1(1-18), 20(4-16), 21/1(1-12), ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

नारीख: 13-3-1984

मोहर .

प्रसप आहें. टी. एन. एस.-----

नाथकर स्थितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्थाना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 7-83/902--अतः सुमे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम समालका, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के तिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, में, उज्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीम, निम्नुन्तिश्वित व्यक्तियों, अधित् हु---

- श्री नगेश नारायण कीन सुपुत्त श्री नरायण कीन, श्रीमती केटी नागेश कीन पत्नी एच० एन० कीन, निवासी 29/6, राजोरी गाउँन, नई विल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री महेन्द्र नाथ मिश्रा, संजीव मिश्रा, कुमारी मन्डेसा मिश्रा, निबासी सी-2, मोती नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश सं 45 धिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अक्षंहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

29/6; 15 ग्राम समालका, दिल्ली, तादादी 5 बिघे ग्रीर 6 बिघवे, नई दिल्ली।

सुधीरचन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I. नई दिल्ली-1100.0

तारीख: 13-3-1984

नोहर :

त्रक्य बाह्री. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजडाँ, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/7-83/811--अतः, मृक्षे, सृधीर चन्द्रा

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-जौनपुर, नई विल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उषित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उिचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अवने से सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी नायं वा किसी भनं या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सृतिथा के लिए;

अतः अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्री हरी चन्द, बालु और लखमी सुपुत्रगण श्री हेत राम, निवासी-ग्राम जौनापुर, महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती जयश्री सिंह पत्नी डा० एस० एन० मिश्रा, निवासी-2, हैली रोड, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वांक्त संपृत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी भाक्षेत्र हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की वविध, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयक्तिरणः--इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, यही नर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गढ़ा इ⁸।।

नन्स्की

1/3 भाग कृषिं भूमि तादाबी 9 बिमे और 12 बिम्बे, एम० नं० 9, किला नं० 13(4-16), 14(4-16), के साथ द्यूबवेल, गाम-जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई विस्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

मोह्य 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/7-83/812--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है), रिनिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्रंत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दाश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 बा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या. किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविभा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--25---16GI/84

1. श्री हरी चन्द, बालु और लखमी चन्द सुपुतगण श्री हेत ग्राम, निवासी ग्राम-जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

श्रीमती जयश्री सिंह पत्नी डा० एस० एन० मिश्रा,
 निवासी 2-हैलीरोड, नई दिल्ली। (अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जवृ के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमॅ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग कृषि भूमि तादादी 9 बिघे और 1/2 बिश्वे, एम० नं० 9, किला नं० 7(4-16), 8(4-16), ग्राम जोनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुत्रीर चन्द्रा सञ्जम प्राधि∗गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-में, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/I-एस० आर०-3/ 7-83/813---अत⁻, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसकी उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

अरैर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983 को पूर्वोंक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

1. श्री हरी चन्द, बालु और लखमी चन्द सुपुत्रगण श्री हेत राम, निवासी—ग्राम जौनापुर, महरौली,

(अन्तरक)

श्रीमती जयश्री सिंह पत्नी डा० एस० एन० मिश्रा,
 श्रीमती जयश्री सिंह पत्नी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टिकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

1/3 भाग कृषि भूमि तादादी 9 बिघे और 12 बिख्वे, एम० नं० 9, किला नं० 13(4-16), 14(4-16), के साथ ट्यूब-वंल, ग्राम जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> मुर्वीर चन्द्रा मझम प्राविकारं सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-3-1984

प्रकप् , बार्च , टी . एन . एस .- -----

मायकर अधिनियम,, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-प (1) के अधीन स्पना

भारत स्रकाड

कार्यास्य, सहायक जायकर मायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निवम स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/-7-83/814-अतः मृक्षे सुधार चन्त्रा

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक **है**

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम--जीनापुर, महरोली, नई दिल्लं। में स्थित है (और इससे उपायद अनु-सूर्व। में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दाकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धानतारीख जुलाई 1983

को पूर्वीयस संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और असरक (अंतरकाँ) और वंतरिती (वंतरितियाँ) के बीच एसे वंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भारतिवक रूप से कथित नहीं किया गवा है :--

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; शौर/या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन् या अन्य अमस्तियाँ क्ये, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** क प्रयोजनाथ अन्सरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

मत: अब उक्त नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमें की धारा 269-ध की उपधारा (1) क्रो अभीनः, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

1. श्री हरी चन्द, बालु और लखमी चन्द सुपूत्रगण भी हेतराम, निवासी-ग्राम--जौनापुर, तहसील---महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जयश्री सिंह पत्नी डा० एस० एन० मिश्रा निवासी-2 हैलीरोड नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

का यह सुचना भारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तस्मबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्ध्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग कृषि भूमि तादादी 9 बिचे और 12 बिश्वे एम० नं 9 किला नं 0 13(4---16), 14(4---16), के साथ ट्यूब-वेल, ग्राम- जानापुर, महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 13-3-1984 मोहर /

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निवेंश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 7-83/815---अत मुझे सुर्धार चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—जीनापुर महरोली, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूर्चा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रा रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1983

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का क़ारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सूनिधा के सिए:

अतः अब, जक्त अधिनियमं को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधित् :-- 1. श्री हरी चन्त्र, बालु, और लखमी चन्द्र सुपुत्रणण श्री हेत राम, निवासी-प्राम-जौनापुर, तहसील महरौली, नई विल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती जयश्री सिंह पत्नी डा० एस० एन० मिश्रा, निधासी-2--हैली रोड़, नई विल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पन्दोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बिघा 11 बिग्ने, एम० नं० 9, किला नं० 18 मिन (1--5), 19 मिन (0--6), ग्राम-जौनापुर, तहसील, --महरौली, नई दिल्हि।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

्तारीख[ँ] 13-3-1984 मोहरः प्ररूप आह^र. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/7-83/816--अत मझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हर्ष किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी भ्राय या भिन्ती धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भ्रधिनियम, या अन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री हरी चन्व, बालु और लक्ष्मी चन्द सुपुत हेत राम निवासी—ग्राम—जीनापुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती जयश्री सिंह, पत्नी डा० एस० एन० मिथा, निवासी-2-हैलीरोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सची

कृषि भूमि तावावी 3 बिषे और 4 बिश्वे, एम० एन० 9, कीला नं० 12(1—6), 19—मिन (1—18), ग्राम जौनापुर, तहसील,—महरौली, नई विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली; नई विल्ली-110002

तारीख 13-3-1984 मोहर 🛭

प्रकृप बाइ .टी .एन .एस . -----

प्रायहर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की घारा 269-व (1) के मधीन सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

रनई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०आर-3/7-83/817—अतः सुधीर चन्द्रा
ग्रायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार नून्य 25,000/- कार्य से प्रधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा ग्राम जौनापुर, तहसी
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्चा में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनात प्रतिकृत के ति ए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐने दृश्यमान प्रतिकृत का पहिं प्रतिशत से प्रविकृत है और प्रत्राक्त (अन्तरका) और प्रतारों। (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पारा तया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविकृत हुए से कथित नहीं किया। या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) र्मी कमी आय या किसी प्रन या अन्य आंहितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें भृविधा के लिए;

श्रतः श्रवः एकतं श्रविनियमं को धारा 269-म के श्रनुसरः में, में, उक्त श्रविनियमं की धारा . 69-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु----

- 1. श्री हरीं चन्द, बालू और लख्मी चन्द, सुपुत्र गण श्री हेतराम निवासी ग्राम-जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
 - 2. श्रीमती जयश्री सिंह पत्नी डा॰ एस॰ एन॰ मिश्रा, निवासी 2, हैली रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण !--इसम प्रयुक्त शब्दा श्रीर पड़ो का, जो उक्त श्राध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसुची

कृषि भूमि 3 बीघे अवेर 4 बिश्वे, एमं० नं० 9, किला नं० 18 मिन, ग्राम तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^I, नई दिल्ली,

दिनांक 13-3-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जद रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी॰/एक्यू०/१/एस० ग्रार०-3/7-83/ 818,-ग्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण हम से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोन को अन्तरक को दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

श्री हेत राम, ग्रामं जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती जयश्री सिंह पत्नी डा० एस० एन० मिश्रा, निवासी-2 हाली रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

. 1/3 भाग, कृषि भूमि तादादी 9 बीघे और 12 विश्वे, एम० नं० 9, किला नं० 7(4-16), 8(4-16), ग्राम जौनापुर, महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-I, नई दिल्लंi

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ल्यीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् म्न

दिनांक 13-3-1984 मोहर 🕹

प्ररूप कार्य_ः टी. १**२**., ए**र्स**्टनन्दनन्दन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 मार्च, 1984

निर्देश सं० आर्ड० ए० सी०/एक्यू/1/एस०भ्रार-०/3,7-83, 819—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्यः, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिव कि रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस, उच्छ जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक खे दायित्व में कभी करने या उसमें व्यन में सविधा के निए; वर्षिश्वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिस्साने में सुविधा के लिए

1. श्री हरं।चन्द, बालू और लख्नी चन्द, मुपुत श्री हेनराम निवासी ग्राम-गौरापुर, तह्मील महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्रीमता जयश्री सिंह पत्नी डा० एस० एन० मिश्रा, निवासी 2-हैली रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृशावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जविश्व या तत्सवंशी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को भी जविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, ओ उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

1/3, भागकृषि भूमि तादादी 9 बीघे, और 12 बिक्बे, एम० नं० 9, किला नं० हैं किला नं० 7(4-16), 8(4-17), ग्राम जौनपुर तिष्टमील, महरौली, नई दिल्ली।

> (सुधीर चन्द्रा) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

जत: अभ, उक्त जिभिनियम की वारा 269-ए के जनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख :- 13-3-84 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०,एनयू०,1,एस-आर-3 17-83,839,--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्रामखीरकी तहसील महरोली, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 83,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिएक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानर शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 26-16GI/84

 श्री रतन लाल सुपुक्र श्री उमराव नीवासी ग्रामखीरकी, महरौली , नई दिल्ली

(अन्तरक)

 मैं० निर्मल चेरीटेवल फोन्डेशन, बी-1 ग्रीन पार्क एक्सटेनशन, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

कृषि भूमी तादादी 4िबस्वे, खमरा नं० 31 मिन, ग्राम खीरकी, तहसील महरौली, नई दिल्ली,

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक्त आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-3-84

प्रकृप आर्थ. टी एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-I नई विल्ला

नई विल्ली, दिमानः 13 मार्च 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर--3/ 840--अतः मुझे सुर्धार धन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भमी है तथा जो ग्राम खीरकी तहसील महरीकी, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इसमे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप संचिणित हैं), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के आर्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधान नाराख जुलाई-83 को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित के वास्तविक रूप से किसत नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंभिनियम के अभीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित क्यिक्तयों, अर्थात :---

 श्री रतन लाल मुपुत्र श्री उमराव, निवासी ग्राम खीरकी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मै० निर्मल चेरीटेबल फाल्डेमन, बी-1, ग्रीन पार्क, एकसट नेणन, नई दिल्ली।

(अन्तरिर्मा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्वों का, को उनस अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ही भूमे गदावी 4 बिखे, खमरा नं० 31-मिन, ग्राम खीकी, नहसील महरौली, नई दिल्ली।

> मुधार चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली:-110002

तारंखि . 13-3-84 मोहर:

प्रका भार्च . टी . एन . एव . .-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/एस०आर०-3/7-83--841--- ग्रसः मुझे सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से मधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो खीरकी, तहसील महरौली, नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से बांजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल विल्लीमें भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16य) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंडस प्रतिशत से जिथक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिफन, निम्निसिवित उद्वेषय से उक्त बन्तरण निवित्त में वास्तीबक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तर्ण से हुई किसी आप की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या -उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, चिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सूविधा के सिए;

बत: अब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् -- श्री रतन लाल सुपुत्र श्री उमराब, निवासी ग्राम श्रीरकी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

मै० निर्मल चेरीटेवल फोन्डेशन,
 बी-1, ग्रीन पार्क, एक्सटेशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-वव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम निवित्त में किए जा सकी।

स्वय्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो बक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हींगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 4 बिश्वे, खसरा नं० 31 मिन, ग्राम खोरकी, तहसील, महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, नई दिल्ली-110093

दिनांक: 13-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

धायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश म० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० आर०-3/7-83/ 843—म्रन: मुझे; सुधीर चन्द्रा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्राँर जिसकी स० कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम खीरकी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरभ (अन्तरमों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य णया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनस अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के राधिक वे कनी करने या चतुने अधने में सृविभा के लिए, नीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण म, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रतन लाल सुपुत्र उमराव, निवासी ग्राम खीरकी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मैं० निर्मल चेरीटेबल, फाउन्डेशन, बी-1, ग्रीन पार्क, एक्सटेशन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

स्रो यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्जाध या तत्मग्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थायता में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास मिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण-- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

कृषि भूमि तादावी 4 बीघे श्रोर खसरा नं० 31 मिन, ग्राम--खीरकी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-J, नई दिल्ली-11002

तारीख: 13 मार्च, 1984

प्रसम्य आर्थः, टी. एनः एसः - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक स्नायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-। नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

आयकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम---खीर की महरौली, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबख अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जुलाई, 83 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसवी इश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह पतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (श) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री रतन लाल सुपुत्र श्री उमराव, है
निवासी-पाम---वीरकी, तहसील--महरौली ,
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

 मै० निर्मल चेरीन्डेयल फौन्डेशन, बी-1, ग्रीन पार्क, एक्सटेनशन, नई दिल्ली,

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियाँ करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षारी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिश्वे खसरा नं० 31-मिन, ग्राम---ख(रकी, तहसील---महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-3-84

प्रकृप बार्ड . टी . एन . एस . ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस-आर-3 /7--83/844--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि तथा जो ग्राम—खीरकी, महरौली नई विल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 83

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृथिधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रतन लाल सुपुत्र श्री उमराव, निवासी ग्राम—खीरकी, महरौली, नई विल्ली ।

(अन्सरक)

 मै० निर्मल चेरीन्डेबल फोन्डेशन, बी-1, प्रीनपार्क एक्सटेनशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रवी

कृषि भूमी तादादी 4 बिण्ये, खसरा, नं० 31--मिन, ग्राम--खीरकी तहसील--महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त मिरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नारीख 13~3~84 मोहर ह प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

नायुकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेज-1 नहीं, बिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 मार्च 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस⊸आर3/7~83/ 845,-अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-**च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्**ने का कारण **है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित्र बाजार मृल्य** 25,000/-रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खीरकी, नई दिल्ली में स्थित है (और इ.६ से जीपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन के जुलाई 83

- को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विषत् सम्परित का उचित् बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिही (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलि**खित उद्वरोध से अवस अन्तरण लिखिम मे**ं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उकत अर्थिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
 - (स) एसी किसी आय आ किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने 🏗 सविधाके लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात ---

1. श्री रतन लाल सुपुत्र श्री उमराव , निवासी ग्राम खीरकी, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० निर्मल चेरीटेबल, फोन्डेशन, बी०-1, ग्रीन पार्क एक्सटेनशन, नई दिल्ली.

(अन्तरितः)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वनव सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों गे

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमी तादादी 4 बिश्वे, खसा ं 31, ग्राम खीरकी, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा पश्म अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख 13-3-84

त्रक्रम नाइं. टी. एन. एस. - - - ----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की आय 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस,आर-3/8-83/942-अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाई पुर, नई दिम्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिस्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह पिनशत अधिक है शित्र अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तविक रूप से किथन गहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण में हुई किसी अगय की धावत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए बार/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने भी सविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीव निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सल प्रकाण गर्मा सुपुत्र श्री छंगा रमल, निवासी ग्राम गदाई पुर, नई दिल्ली।

(अनरक)

2. श्री अरविन्द सर्राफ, सुपुत्र श्री रामगोपाल सर्राफ निवासी एच-34, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, ' नई विल्ली ।

(अन्तरिती)

įά.

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाधियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर कि कि कि कि अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेकित क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्यक्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी, 3 बीबे श्रीर 10 बिश्वे, खसरा नं० 63 मिन, ग्राम गदाईपुर, तहसीत। महरौली, नई दल्ली,

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जनरेंज, 1 नई दिल्ली ।

तारीख : 13-3-84

प्रकर नाहर. टी. एन. एस.-----

नायकपु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय्, तहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1 नई विल्ली.

नई दिल्ली, विनोक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस आर-3/8→83/943,—अत: मुझे, मुधीर चन्त्रा

नायकर निर्माणयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त निर्माणयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स ने नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरमास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली, से स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन दिनांक जुलाई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्क, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विध-विषय के बधीन कर वेने के जन्तरक के विधित्व में कबी करने वा उन्से बचने में सुविधा के निए; बीर/वा
- (क) ए'सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिल्हुं भरतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के सिए;

बतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--27—16GI/84

 श्री सत्तप्रकाश शर्मा सुपुत्र श्री छंगा मल, निवासी ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली,¹

(अन्तरक)

2 श्री अरिविम्द कुमार सराफ सुपुत ची राम कोपाल, सराफ निवासी एच० 34 ग्रीन पार्क एक्सटेमशन, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

की यह श्याना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्धन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कुर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसें 45 दिन की जबश्थिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अभ्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वयसर्वी

तावादी लैन्ड 3 बिघें और 10 बिघ्ये, खसरा, नं॰ 40न्न 2 मिन (2-17), 40/1(0-13), ग्राम गदाइपुर, तहसील, महुगैली , दिल्ली राज्य दिल्ली,

ृ(सुधीर चन्द्रा) सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीऊण) अर्जन रेंज, 1 नई दिल्ली

तारीख 13-3-85 मोहर 2 _____

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 84

निर्देश सं० आई० ए०सी० /एक्यू०-1/एस० आर०-3/8--83 /955:-अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 का (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिये:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत्ः— श्री सतप्रकाश शर्मा सुपुत श्री छंगा मल, निवासी—-प्राम गदाईपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।
 (अन्तरक)

श्री अरबिन्द कुमार सराफ सुपुत
 श्री राम गोपाल सराफ,
 निवासी—एच-34, ग्रीन पार्क एक्सटैन्शन,
 नर्ष विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त् सम्पत्ति के बर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है दे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

गन्स्ची

भूमि ताबादी 3 बिषे और 10 बिषके, खसरा नं० 63-मिन (1--6), 40/2-मिन (2--4), ग्राम गदाईपुर, तहसील महरौली, नई विल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1; दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13-3-84

प्रक्ष-भार्व ु टी ु एत , एस्⊨ ≅ - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 13 मार्च 1984

निवेश सं० जी॰ आई० आर० सं० वी०-70/ए, सी॰ क्यू०---यतः, मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक किता मकान नं० 273 है तथा जो चन्द्रलोक कालोनी, लखनंऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह गितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवात उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्तित में बास्तरिवाक रूप से क्रिथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्दिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के श्भीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधित् क्ष्म 1. श्री नरेश कुमार गुप्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विधा चौधरी।

(अन्तरिती)

उपरोक्त केसा ।
 (वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

एक किता मकान नं० 273 स्थित चन्द्रलोक कालोनी, लखनक और सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 9843 में विणत है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार, लखनक के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-3-84

प्रकृष बाह् हो एवं एक् -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आर्युक्त (भिरोक्कण) अर्जन रेंज, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्धेश जी० आई० आर० एस० 303/एक्वी० ——अतः मुझे, ए० प्रसाध,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि का हिस्सा व कोठी का हिस्सा 7, तिलक मार्ग, पुराना बटलर रोड़ (डालो बाग) लखनऊ में स्थित है) (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-7-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पर्शित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से उधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वासत, उक्त विधिनियम के वधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; सार/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर ऑधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनों में सुविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- 1. (1') श्री बनारसी दास
 - (2) श्रीमती प्रमिला रानी
 - (3) ऊषा बारा अटार्नी श्री प्रवीप कुमार

(4) श्री प्रदीप कुमार,।

(अन्तरक)

- 2. स्व० श्री संजयं गांधी। सहकारी आवास समिति, लखनऊ लि०, द्वारा सचिव श्री नृपेन्द्र कुमार पाण्डेय। (अन्तरिती)
- 3. विकेता।

(वह व्यक्ति जिसके भ्रभिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिर्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता कूं।

उक्त संपत्ति के अर्थम के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजभन में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अविभि या तस्संबंधी अविकाशों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के शत निवित में फिए का सकती।

स्पक्तीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

मन्त्रकी

भूमि का हिस्सा व कीठी का हिस्सा और आउट हाऊसेज टोटल एरिया पैमाईम 21, 740 वर्ग फीट, स्थित 7, तिलक मार्ग, पुराना बटलर रोड (डाली बाग) लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 9023 में वर्गित है जिसका पंजीकरण संक्र-रिजर ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-7-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**ख**मऊ

तारीख 13-3-1984 मोहर : प्ररूप कार्षे .टी . एन . एस . ------

बायकर वृधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के मधीम सुचना

ताउन ब्रुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांन 15 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० आर० एल-40/एक्यू०/---यतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य, 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 289/211 क-3, है तथा जो मोती नगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरिस की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से अक्त अन्तरण मिचित में बास्तविक इप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाव की वाक्षा, उक्स जिभीनयस के कभीन कर दोने के अन्तरण के कांदिरण में कही करने या उत्तते वचने में स्विधा के किए; बीह्य/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्ति द्वी स्वारा प्रकट नहीं किया चवा या वा किया चाना जाहिए वा, जियाने वें मृतिधा के निए;

ं अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- 1. श्री प्रताप सिंह

(अन्तरक)

2. श्री लालता प्रसाद

(अन्तरिती)

3. उपरोक्स विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि था तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर शक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सद्भ किसी बन्य क्यांकित इसारा सभोहस्ताकाड़ी के पाझ निवास में विग्र का सकतें है।

स्मर्थाकरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदों का, जो उन्हें जीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं., वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

मनस्यी

मकान नं 289/211-क-3, भूमि पैमाईसी, 1350, वर्ग फिट, स्थित मोती नगर, लखनऊ और सम्पन्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 9613 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-र्राजस्ट्रार लखन ऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, लखनऊ

विनोक:15 मार्च, 1984

इस्य वर्षाः, बीत स्पन्न एकः----

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

नारत ब्रकार

कार्यांक्रय, सहायक नामकर नामक (निरीक्रण) अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 15 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० आर० आर-215/ए क्यू०/—-यतः मुझे ए० प्रसाद

बामकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत बाँधनियम' कहा ग्या हैं)। की वार्च 269-व से अधीन सक्षम् शाँधकारी को, यह विश्वास करने का कारज् हैं कि स्थावर संपरित् विसका जीवत बाबार सूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 264/265-ए है, तथा जो हे बेतमान मयईया, लखनऊ में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 7-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क न निम्नीसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में वास्त-विक क्य से स्वित नहीं किया का हैंड--

- (क) नक्तरण वे हुई किवी नाम की नामह क्या निध-रिनंतर के नभीत कर दोने के नत्तरक के दारियल के कभी करने या कवचे न्याने के नृतिभा के निवं; जोर/या
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-भ के अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म का उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।— मैसर्स गीत विहार सहकारी आवास समिति लि० लखनऊ ।

(अन्तरक)

 श्रीमती रिशमा अग्रवाल (2) श्री रीव सूव

(अन्तरिती)

परोक्त श्रेसा
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेन ह---

- (क) इस स्वां के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 वित्र को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि अद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्ति में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दां और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षोगा को उस अध्याय में दिशा सवा है।

नन्स्ची

प्लाट नं 264/265-ए, मय 1200 वर्ग फिट, कवर्ड एरिया, स्थित हेवतमान मवर्ष्या, लखदऊ में और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सैल डीड व फार्म 37-जो संख्या 301 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 21-7-1983 को किया जा चका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जं, रेंज, स**ख**नक

दिनोक 15-3-1984 मोहर 🛭 प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च, 1984

निवेश सं० आई० आर० एस- 304/एक्य्०/--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं वो मंजिला मकान नं 12/30, है, जो श्रीराम रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जेलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकंद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत्र वय उपर विधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अधीत अ 1. श्री चन्द्र शेखर पाटक

(अन्तरक)

2. श्री णिव किशोर गौड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया । गया है।

नगुल्बी

एक दो मंजिला मकान मय भूमि नं० 112/30, स्थित श्रीराम रोड, लखन ऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सैल डीड व फार्म 37—-जो संख्या 9396 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख:13-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप वार्षं . टी . एन . एस . -------

भावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखन क, विनांक 13 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० आंग्र० एस० 30 2/एक्यू/——यतः मुझे, ए० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पूक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि व विलिंडग पैमाईसी 30,000 स्क्वायर यार्ड उझ यानी, सहसील व जिला बदायूं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बदायूं में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-7-1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिकल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क्या) अन्तरक से हुइ किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 दि प्रेम स्पिनिंग एवं विविग मिस्स सम्पनी लि॰ अम्बाला रोड, सहारनपुर द्वारा डायरेस्टर, श्रा एल॰ जनक राज

(अम्तरक)

2. मैसर्स सक्षनवरी पेपर मिल्स प्रा० लि० 4045, चरखावालान, चानड़ी बाजार, दिल्ली-6 द्वारा सम्पनी डायरेक्टर श्री के०के० गोयल

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

के वह क्षाना जादी कर्क पूर्वोक्त सम्मति में अर्थन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ तर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी बनिध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वत्रा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

सम्पत्ति भूमि पैमाईशी, 30,000 स्क्वायर यार्ड कावर्ड विल्डिंग, 5000 स्क्वायर यार्ड स्थित उद्ययानी, तहसील व जिला बदायूं और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विधरण जोकि सैलडीड व फार्म 37—जो संख्या 5390 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार बदायूं के कार्यालयं में विनांक 18-7-1983 को किया जा भुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

विमांका:13:3+1984 मोहरःः प्ररूप आई. दी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

ल्खन्ड, दिनांक 14मार्च 1984

निदेश मं आई० आर० ए 133/एक्पू०/—यतः मुझे, ए० प्रसाद

वायकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपह्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक निर्मित सम्पत्ति है तथा जो स्टेशन रोड, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकास को लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिकाल से, एसे ख्रममान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्निसिंद्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषध के लिए;

अतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिलित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 28—16GI/84

- (1) श्री वहीद हुसैन
 - (2) श्री शाहिद हुसैन

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री अजय पारवाल उर्फ बाबा साहब
 - (2) श्रीमती पुष्पा बहु पोरवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्की

एक निर्मित सम्पाल स्थित स्टेंगन रोड, मुराबाबाद और सम्पात्ति, का सम्पार्ण निवरण जोकि सैलडीड व फार्म 37— जो संख्या 6118 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजिम्हार मुराबाबाद के कार्यालय में दिनांक 23-7-1983 को दिया जा चुका है। (37-जो फार्म के अनुसार)।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ।

दिनांक: 14-3-1984

पक्ष्य कार्ड टी एन.एस -----

धारत सर्कार्

कार्यालथ महायक अधिकर आगत्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ दिनाः 14 मार्च, 1984

निदेश स० आई० आर० - 134/एक्यू० - - यंतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 196: (19c: वा 42) किरो इसमें इसमें इसके परवात उपन अधिनियम कहा गया है), की धारा .269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका सचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक हैं

और जिसकी स० भूभि है तथा जो गाँचा मझौर्ल, परगवा और जिला मुराझाबाद में स्थित है (और इमन् उपायह अनुसूर्च में और जो पूर्ण रूप से ाणिन है) रिजिस्ट्रोयाती अधि गरी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजिस्ट्रोय रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थन दिनाक 15-7-1983

को पूर्वों वत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के करवान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके करवमान प्रतिफल से एसे क्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिवंक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्राँवधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाँय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत कब, रान्त्र अधिनियम, जा धारा 269-ग को अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 (1) श्रो पुरुषोत्तम लान गम्भीर
 - (2) श्रामता पयदेवः

(अन्तर्क)

- 2 (1) था अभाग रुमार भाटिया
 - (2) श्री रोशन जाल भाटिया

(अन्तारती)

3. उपरोक्त विक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारा करके पर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए यवाहिया करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की त्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरनः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बहो नर्थ हाया. जा उस अध्याप में दिया स्था ही।

वनुस्ची

भूमि नैपाईमी 64 डिपमिल स्थित मौ ा मझौला, परगना पुरादाबाद, जित पुरादाबाद, और राम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोति गेवडीड नकार्ष 37-ती सख्या 4212मे वर्णित है, जिसदा पजीकरण सन्न रिजस्ट्रीय भुरादाबाद के पार्यालय में दिनाक 15-7-1983 को जिया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

विनांच 14-3-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

अगयकर-अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अर्थान सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक 'आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

नवाऊ ,दिशास 14 मार्च 1984

निदेश स० जी० आई० आर० सं० डब्ल्यू-3/एक्यू०---यतः मुझे ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 569- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात ाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

और जिन्नकी सं० एक जिला मकान मय भूभि है तथा जो मौजा नया गाव बिजईपुर, जिला लखनऊ में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूचा में और जो एर्ण रूप से धणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अत्रिकारी के जार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अर्यान दिना से 16-7-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान का एक्टा निर्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह, प्रतिशत सं अधिक हैं और अनुरक (अतरको) और अनार शि (अार्गित्या) का निर एसे उन्तरण को निर तय पण गया प्रतिफाल, निम्ने लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप सं किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाब की बाबत, उसस भिर्मायम से पानेन कर इने के अन्तरक के दिल्ला में कमी करने या उससे वचने में म्विधा के निष्: और/या
- (उ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में मृतिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा / व के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थाङ -- * 1 हो , नेदार साथ पटजी

(अन्तरक)

2. श्रीमती वासिउंफा हुसैन

(ग्रन्तरिती)

3 उपरोक्त विक्रोता

(वह गावेन, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्सूची

एक किता मक्षान भय भूमि 4715 वर्ग फिट स्थित माँजा नयागाव , जिईपुर तहसोत्त, और जिला लखनऊ, और सम्पत्ति का सम्पूर्ण दिवरण जोक्ति सैनडीड व फार्म 37-जी संख्या 8815 में वर्णित है जिसका पजीवरण सब-रिक्स्ट्रार तखनऊ के त्रिर्मिश दिनाक 16-7-1983 को स्थित जा चुना है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज , राखनऊ

तारीख 14-3-1984 मोहर

प्रस्प बाही. टी. एन. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, लखनऊ लखनऊ,दिनांक 14 मार्च 1984

्निदेश मं० जो० आई० आर० मं० जी-65/एक्यू०——अतः मक्षे ए० प्रमाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिश्वकी सं० प्लाट खसरा नं० 267, 268, 269 व 270 है तथा जो हेवतभास, मवईया, लखनऊ में स्थित है (ओर इसमें उपाबड अनुसूची में और पूर्ण कृप स अणित है) राजिस्हाकर्ता अधिकारी के सार्यालय लखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 सा 16) के अधीन दिनांस 26-7-1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत र दृष्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा; नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएन में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीर, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :----

- 1. (1) श्रीमर्ता सुख देई
 - (2) श्रीमती माला देई

(अन्तरकः)

2. मैंसर्स गीत विहार सहकारी समिति लि॰ लखनऊ

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वर्णयार्थवाहियां करता हु_।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट खसरा नं० 267, 268, 269 व 270 पैमाईसी एक बं।घ। 16 विस्वा और 5 विस्वान्मी, स्थित हैवतमान मवईया लखनऊ और सम्पत्ति, ला सम्पूर्ण विवरण जोकि मेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 299 में विणित है जिसका पंजीवरण जिला रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 26-7-1983 को जिया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

विनोमः 14-3-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . -----

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1984

निदेश जी० आई० आर० संख्या डी-48/एक्यू०----श्रतः मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

और जिसको सं० मकान नं० 20/ए है, तथा जो सिगारनगर अल्माभाग लखनक में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूर्या में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रेश्वर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनक में रिजस्ट्रेश्वरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 26-7-1983

को पृषांका संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास अनि जाना चाहिए था, छिपान मा स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीलावती

(अन्सरक)

2. सरदार दलजीत सिंह

(अन्तरिती)

3. उपरोग्त विक्रेता

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है ,

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजएत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविभ, को और अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्त्र्यो

मकान नं० 20/ए, मय कुर्मीक्षेत्रफल, 1885 वर्गे फिट स्थित श्रृंगार नगर, आलमपुर बाग, लखनऊ में और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सैनडीड व फार्म 37 न्जी संख्या 904 मे विशित है जिसहा पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 26-7-1983 को क्षिया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**बा**नऊ

ंदिलाक 15-3-1984 **मोहर** 3 प्रस्त आई डा गन एस ------

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की, प्राप्तान (प्राज्यासीन सुधना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , लखनऊ लखनऊ, दिनांक 15 मार्च, 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० के-128/एक्यू०--अत मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित प्राजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं अाराजा नं 264 है तथा जो खुरंम तगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विण्त है) रिजिस्ट्री जाती अधिकारों के त्रायलिय लखनऊ में रिजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 दो 16) लखनऊ में रिजिस्ट्री के अधिन विण्य में विश्व दो 16) लखनऊ में रिजिस्ट्री के अधिन बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल के सम्मित कर से विश्व नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । १९२२ का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान मं स्विधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, स्थित्:—

- 1. (1) रुज्जा भोला नाथ
 - (2) महाबोर
 - (3) आर० एन० सिह
 - (4) रमेश चन्द्र

(अन्तरक)

2 ऋष्णा सहङारी आवास समिति लि० किशीर रोड, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा श्री एम०पी० तिवारी, सचिव

(अन्तरिती) -

3. विक्रेता

(बह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकिं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सक्त विधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

आराजो नं 264, पैमाईसी 10888 वर्ग फिट स्थित चुर्रम नगर, लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि से 1डोड व फार्म 37-जी सख्या 8926 में वीणत है जिसक पंगा अरण सत्र-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यानय में किया जा चुका है। -

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

नारी**ख** 15-3-1984 **मोहर**:

प्रहल आई० टी० एन० सं०-

प्रायकर ग्रिविनियन, 1961 (1961 ाउ) रो धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 14 मार्च 1984 निदेश जी० आई० आर० से० आर-216/एक्यू०--अत: मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उस्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिपकी सं० भूमि हे तथा जो अभारों, परगना मुरादाबाद, जिला मुरादाबाद, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है) रिजस्ट्री कि अधि गरी के सार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीदारण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन दिनांव 15-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्मे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, जार करान है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, जार करान है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, जार करान है की अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उक्त आंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1927 राज्य की प्राचित्रमा सा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अध, उक्त कींधनियमः की पारा 269-य के अनुमरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यी यों. अर्थातः—

- 1. (1) श्रो पुरुषोत्तम लाल गम्भीर
 - (2) श्रीमती जय देवी

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती रम रानी
 - (2) श्री अशोक कुमार
 - (3) श्री चरनजीत

(अँ तरिती)

उपरोक्त विक्रेत।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नाक्टोकरगः --इनने रन्तन शक्दां और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, बड़ी मंदें होगा, उत्त अध्याय में दिया गना है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 64 डिसमिल स्थित मुझोली, परगना मुरादाबाद, जिना मुरादाबाद और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सैन डीड व फार्म 37- जै। संख्या 4283 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-7-1983 को विषया जा चुळा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिदारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, लखनऊ

दिनांद 14-3-1984

प्ररूप आर्द, टी. एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 मार्च 1984

निदेश सं० आई—II/37ईई/2933/83-84---अतः मुझे, एस० एच० अध्यास अबिदी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो तल माला, सन्डोरा विल्डिंग, "ए" मिर्लाएरी लेन, जुहू, एस० नं० 5, हिस्सा नं० 7, सी० टी० एस० नं० 480, 480/1 और 2, बम्बई-400049 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्णरूप से विणित है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, दिनांक 18-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिधित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में स्विधा के सिए; आर/या
- (ड) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रो मोहन लाल

(अन्तरता)

(2) श्रीमती संताव कार सलारीया

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करसा हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्भान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्माना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पक्टीकरण :---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

पलैट, जो सन्होरा बिल्डिंग "ए", तल माला, मिलीटरी लेन, जुहू, एस० नं० 5, हिस्सा नं० 7, सी० टी० एन० नं० 480, 480/1 और 2, वम्नई 400 049 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37 ईई/29 11/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई हारा दिनांक 18-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एम० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, बम्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपन्यरा (1) अ अभीन, निस्तिचित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनौक : 8-3-1984

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ----

जायकर अधिनियम, - 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/3050/83--84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 171 है तथा जो बिल्डिंग नं० ए-6/171, रिजर्व बैंक एम्पलाइज स्नेह्धारा को०-आपरेटिव हाउसिंग, सोसायटी, बम्बई-400 056 है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विक्रित है), और जिसका कद्भारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 5-7-1983,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विद्यास करने का कार्य हैं कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हुए से किथत नहीं कियां गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किन्सी काय की बाबत उक्त पीर्धात्यम के अधीन और दाने के अन्तरक को दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. और, ४
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 29—16GI/84

(1) श्री एल० टी० एस० पेरिस,

(अन्तरक)

(2) श्रो बाबूलाल जैन।

(अन्तरिती)

की यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की बामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (वं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही यर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया वृक्षा है।

ग्रनुसूची

पलैंट नं० 171, बिल्डिंग न० ए-6, रिजर्व बैंक एम्प्लाइज स्नेह धारा को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, बम्बई 400056 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/3050/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदेः सक्षम पाधिकारी सहायक आग्रकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 7-3-84

प्ररूप बाइ[‡]. टी. एन. एस.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बस्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/3059/83-84--अनः मुझे, एस० एच० अञ्चाम अविदी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, तीसरी मंजिल है तथा जो एफ० पी० नं० 839 टीपी एस-4 (माहिम विभाग) पर बनने वाली इमारत, कालेज लैन. अगर वाजार, बम्बई-400028 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विजत है), और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 10-7-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथा को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था एग किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के दिवस्

भतः नव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण भो, मौ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स बो० ए० नेहरकार एण्ड ए० एम० ख्वाजा। (अन्तरक)
- (2) श्री प्रमोद राजाराम मन्जरेकर और श्रीमती रेखा प्र० मांजरेकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काइ' भी नाक्षण .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् रिसित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, धही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं 11, तीसरी मंजिल, जो एफ नं 839, टी ०पी ० एस-4, (माहिम विभाग) में बनने वाली इमारत में, कालेज लेन, अगर बाजार, बम्बई 400 028 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई-2/37 ईई/3039/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, वस्त्रई द्वारा दिनांक 10-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज−2 बस्बई

दिनांक : 5-3-1984

प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-∏, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/3060/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिर्दो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लैट नं० 194 है तथा जो लिलत कुटीर को० – आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एम० एच० बी० कालोनी, गुलमोहर कासलेन नं० 9, जे०वी० पी० डी० स्कीम, बम्बई 400 009 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 10-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभाग प्रतिफल के लिए अंतिरत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह गितज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अतिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया **धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा** के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् .— (1) श्रीमती रूक्मा मोहन बन्ना ।

(अन्तरक)

- (2) श्री हरचन्द फूलचन्द शाह और रतीलाल फूलचन्द शाह (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीमती वनीता एच० शाह और श्रीमती कुमुद आर० शाह। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरें।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

ालैट न० 194, जो लिलत कुटीर को० आपरेटिय हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, एम० एच० बी० कालोनी गुलमोहर कास लेन नं० 9, जे० बी० पी० डी० स्कीम, बम्बाई 400 049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2||37 ईई|3060|83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा बम्बई दिनांका 10-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 5-3-1984

प्रकृष आहें. टी. एन. एस.-----

नायकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

नारत चुड़कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, बम्बई बम्बई, विनांक 8 मार्च 84

निदेश सं० श्रई-2/37 ईई/3064/83-84-श्रतः मुझे, एस० एथ० श्रव्वास श्रविदी,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार जूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501—बी है तथा जो 5वी मंजिल, करूपना श्रपार्टमेंट, शेली राजन विलेज, बान्द्रा, बम्बई—400 050 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प में वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 12—7—1983,

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी बाब की वाबत, उपन्त , अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में तृक्षिधा की लिए; और/या
- (ब) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, अन्हें भारतीय जाय-अंद अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स नवभारत डेवलपमेंट कारपोरंशन । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुन्दरी फतेचन्द तेजधानी ग्रीर श्री दिपक फ० तेजवानी।

(श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपंति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकरें।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समयकी

पलैंट नं० 501-बी, 5वीं मंजिल, कल्पना प्रपार्टमेंटस, शेली राजन विलेज, बान्ब्रा बम्बई 400 050 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-37ईई/43064/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 12-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० श्रब्बास श्रावदी सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक . 8-3-1984 मोहर : प्ररूप बाह्र. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज—II, बम्बर्ड बम्बई, दिनाक 5 मार्च 1984

निदेश स० श्रई/2/37 ईई/3067/83-84—स्रत. मुझे, एस० ए च० श्रब्बास श्रविदी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ि असे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी स० फ्लैंट नं० 18 है तथा जो 4थी मजिल, (प्लाट न० 1371 टी पी एस-2, माहिम डिबीजन में बनने वाली इमारत में), दर्घा स्ट्रीट, माहिम बम्बई 400 016 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), धौर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के धधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 12-7-1983,

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

ं अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स होम मेकर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री याकूब तलीग खावी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🐤 🗸

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यन्द्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनेस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वगुसूची

फ्लैंट न० 18, 4थी मजिल, जो प्लाट नं० 1371, टी पी० एस-2, माहिम डिबीजन, दर्घा स्ट्रीट, बम्बई 400016 स्थित बनने वाली इमारत में होगा ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37 ईई/3067/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 12-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० एव० ग्रन्बास ग्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2, बम्बई ।

विनाक 5-3-198 t

माहर

प्ररूप नार्षः. दी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -1^{1} , बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37 ईई/3068/83-84--ग्रत. मुझी, एस० एच० ग्रव्वास ग्रबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 19 है तथा जो 4थी मंजिल, (प्लाट नं० 1371 टी० पी० एस-2 माहिम डिबीजन में बनने वालीं इमारत मे), दर्घा स्ट्रीट, माहिम, बम्बई 400 016 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री हैं। दिनाक 12-7-1983,

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) मेमर्म होम मेकर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अब्दुल रजाक हाजी जूसाब पेटीवाला । (अन्तरिती)

को यह संचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 19, जो प्लाट नं० 1371 टी॰ पी० एस-2, माहिम डिवीजन, वर्षा स्ट्रीट, माहिम बम्बई 400 016 स्थित बनने वाली इमारत में होगा। ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० स्रई-2/37ईई/3068/83-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० श्रन्जास भ्रविदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 6-3-1984

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज—II, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/3069/83-84—श्रतः मुझे, एस० एच० श्रक्वास श्रविदी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 23 है तथा जो 5वीं मंजिल, (प्लाट नं० 1371 टी॰ पी॰ एस॰-2, माहिम डिवीजन में बनने वाली इमारत में), दर्घा स्ट्रीट माहिम बम्बई 400 016 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हुहैं दिनाक 12-7-1983,

को पृथंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापृथंक्ति सम्पत्ति का उज्वित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण मंहुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे क्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, वा पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभागार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

(1) मेसर्स होम मेकर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती झरीना मार्केर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सरपत्ति के अर्जन क राजा मा कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्साक्षरी के पाभ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

प्लैट नं० 23, प्लाट नं० 1371 टी पी एस-2 माहिम डिबीजन, दर्धा स्ट्रीट, माहिम, बम्बई 400 016 में बनने बाली इमारत में 5बी मंजिल पर स्थित ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37 ईई/3069/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रब्बास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज--II, चम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, नियनलिसित व्यक्तियों, अर्थात —

दिनाम ०-- स्-।०९। मोहर प्ररूप भाइ .टी. एन एस -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेण ।।, बम्बई बम्बई, दिनोंक 5 मार्च 1984

निदेण स० अई-2/37 ईई/3038/83-84——अत मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वानार मन्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैटन० 1 है तथा जो "मीसाईड" प्लाट न० मी एस टी, 363, 18-ए चीमवाई रोड, बाँन्द्रा, बम्बई—400050 में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्णेरूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 3-7-1983, को पूर्वक्त सम्पत्ति के उपात के उपात बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है ----

- (वा) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मं स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 192, (1922 का 11) या ज्वन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

कत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उक्तारा (1) के अधीन मिन्निसित व्यक्तियों अर्थात :---

(1) अम्बर इण्टरप्राइज।

(अन्तरका)

(2) श्रामतो मेरो गेनह्वोह्व पररा और श्रोमता सरा येरीस पंर मेनेजेस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु: ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्यन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त प्रिन्तयां में स किसी प्रक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपन मा प्रकाशन की तारील स 45 दिन को भीगर उक्त भ्यावर सम्पत्ति मा हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---- ध्रमम प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा, जा उस अन्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैंट न० 1 जो, "सीमाईड" पहली मजिल, प्लाट न० सी एम टी 363, 198-ए अमबाई रोड, बाद्रा, बम्बई— 400 050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि कि स० अई/2/37ईई/3098/83 84 और जोसक्षम पाधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाक 3-7-1983 को रिक्टर्ड (स्था गया है।

> एस० एच० जनास जीवद सक्षम पाधिकार सहायर आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रोज- 2, बस्तर्र

दिनाङ 5 3-1984

मोहर

प्रस्प आहें . की . एवं . एवं . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निवेश सं० अई-2/37 ईई/3111/83-84—अनः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिटी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अभिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 29 है तथा जो 65ी मजिल (प्लाट नं० 1371 टी॰ पी॰ एस॰-2, माहिम विभाग में बनने वाली हमारत में), दर्घा स्ट्रीट, बम्बई 400 016 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्णरूप संविणत है), और जिसका करारनामा आक्यर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, विनांक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 23-7-1983.

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग्न की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बबने में सुविधा के रिग्ए; और /थ।
- (था) एंसी किसी काय या किसी धन मा जन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, स्थिति में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के कथीर निम्निलिखित व्यवितयों, अर्थातः :— (1) मेसर्स होम मेक्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रो जोहरूल इस्लाम चौधरी और श्रीमतो सोफिया जे० आय० चौधरी।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृथानित सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति की अजन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (म) इस समान की राजपण में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुई, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 29 जो प्लाट नं० 1371 टी०पी एस → 2 माहिम विभाग, दोर्घा स्ट्रोट, माहिम बम्बई स्थित बनने वाली इमारत में होगा ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/367 ईई/3111/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अ**बिदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** ।

दिनांक : 5-3-1984

माहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० अई--2/37 ईई/3118/83-84--अत: मुझे, एस० एच० अध्वास अविदी,

आयकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें डिल्के पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा /69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000 ′- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 40 है तथा जो कोलंबिया को०आपरेटिव हार्जिस्ग सोसायटी लिमिटेड, सी-488, प्लाटबी, सेंट डामनीक रोड, बान्त्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणक्ष है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री
है, दिनांक 25-7-1983,

का प्योंक्त संपत्ति के उपित वाजार मृत्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निस्तिय में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण संहुई किमी आय की बाबल, अन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्य में कमी करने या उससे यचने में सृधिधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमती नरीअम्मा मैथ्यू ।

(अन्सरक)

- (2) श्री सुन्दर जयकृष्णदास ग्रसाहानी । (अन्सरिती)
- (3) ग्रन्नरितः (वह व्यक्ति, जिसके जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 40, जो कोलम्बिया को~आपरेटिव हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, सी०~488, प्लाट —र्बा, सेंट डॉमनीक रोड, बान्बा बम्बई 400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/3118/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस०ए च० अब्बास अबिद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, बम्बई

दिनांक : 5-3-1984

मोहर 👵

प्रस्प आई. टी. एन. एस.----

मायक्ट मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क्रे अधीन स्वना

भारत सरकार

क्रम्यांत्रिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3120/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 है तथा जो पहली मंजिल, तोशिबा अपार्टमेटस, एस० ह्वी० रोड, मेन एवेन्यू, सान्ताकुज (प), बम्बई 400 054 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बर्णित हैं), और जिसका नगरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 25-5-1983,

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य इसके श्रममान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए, जीर/या
- (ण) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जक्त आंधिनियस, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमतो मेरी मीस्कीटा।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती लिलाबाई वधूमल मेघराजानी, क्षांता एस० मेंघराजानी, रेखा एस० मेघराजानी और श्री होतचन्द वधूमल मेंबीराजानी। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्षि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थावन द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिसित से किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 2, पहनी मंजिन, तोशिश अनार्टमेंटस् एस० ह्वी० रोड, भेन एवेम्पू, सान्ताकुज (प), बम्बई 400 054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-2/37 ई/3120/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 25-7-1983 को रिजस्टिई किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांवः . 5-3-1984

भग भार हो एत एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० अर्ड-2/37ईई/3390/83-84—अतः मुझे. एस० एच० अब्बास अधिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं ० फ्लैंट नं ० 22 है तथा जो "खिरा नगर" विल्डिंग नं ० डो-2, दूसरो मंजिल, एस० व्हों ० रोड, सांताऋूज (प), बम्बई-400 054 में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्णेरूप में विणित है), और जिसका करार नामा आयवर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 26-9-1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्न्लिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाघल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वर्षाका करिया

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अबरीश हरीअंतलाल गंभू और श्रोमती लीना अंबरीश शंभू।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री पंकाल रतीलाल शाह, मितेश रतीलाल शाह और विजय रतीलाल शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करकं पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीइ भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अतिथ बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का विश्व से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का विश्व से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का विश्व से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का विश्व से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का विश्व से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का विश्व से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का विश्व से समाप्त होता हो।
- (ध) इस स्चना क राजपन में प्रकाशन की तारी ध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्थल्टीकरण:—हसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा गया है।

अम्स्ची

पलैट नं 22, बिल्डिंग नं डं 1-2, दूसरी मिजिल, एस व्हिंग रोड, साताकूज (प०), बम्बई 400 054 में स्थित। अनुसूची जैसा कि कर सं अई-2/37 ईई 3390/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1983 को रजिस्टर्ज क्रिया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेत रेंज-I1, बम्बई

विनोश : 5-3-1984

प्रेंक्प बाही, बी., एक., एस. ------

बावकार बीधितियन, 1961 (1961 कर 43) की भारा 269-थ (1) के बधीन सुम्हा

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (कि.रीक्षक) अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 मार्च 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3062/83-854--अतः मुझे, एस० एच० अञ्जास अधिदी .

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रामण से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502 है तथा जो 5वीं मंजिल कल्पना अपार्टमेंटस् गोली राजन विलेज बान्द्रा, बम्बई—400 050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्प में विजत है) और जिसका अर्रस्यामा आयक्षर अधिनिषम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12—7—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने की कारण है कि यथाएक बित सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तर्फ (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा मया प्रतिफल, निम्निबित उद्ववस्य से उच्त अन्तरण किश्वत में वास्तिक रूप से किश्वत नहीं किया गया है है—

- (क) करारण् से हुई किसी भाग की नावत, अक्ट ग्राधितियम के अधीन कर वीने के करारक के वायित्य में कमी करने या उसके व्याप्त में बुविधः के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कल अधिनियम, दा धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के निह;

बतः जब, उक्त जाँभाँनियमं की भारा 269 न के अनुसर्ध हो, माँ, उक्त समिनियमं की भारा 269 म की उपभारा (1) के वभीन, निस्निसित व्यक्तियों, नवांत् :---

(1) मेससं नवभारत डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ह्वीन्सेंईना कार्डीझो और श्रीमती फँनी परेरा (अन्तरिती)

को यह स्थान जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा पया है।

अनुस्ची

पर्लैट नं० 502-बी, 5वीं मंजिल, कल्पना अपार्टमेंट्स, फोर्ली राजन रोड, बान्बा, बम्बई-400 050 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० अई-2/37 ईई/3062/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-83 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज**--2, बम्बर्य**

दनांक : 7-3-1984

मोहर ः

प्रारम् आर्चे द्वी पुन् , पुन्न , ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अथि 203-स (1) की अवीच सुचेता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनाक 5 मार्च 1984

निदेश सं० अ० ई०/111/2368/83-84--अतः मुझे, अ० लहीरी,

'जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/8, सेंट्रल कालोनी है लथा जो नेम्बूर कासिंग के नजदीक चेम्बूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्टर्ड है। दिनांक 13-7-1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उसते अन्तरण रिश्वत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्त जीपनियम के अर्धान कर दाने के जन्तरक के दान्यरूप भी कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय था किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भगरतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन भिम्नलिखित व्यक्तियो, अधीत् :— (1) श्रीमती रेखा अजीत धडानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० कृष्णा बी० गुप्ता

(अन्तरितीं)

(3) धन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्त है)

न्त्रे सङ्घ सूचना चारी अपने पृथान्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिक्षां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन है सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकेंगे।

स्पाद्धीकरुणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नमृत्यी

1/8 सेंद्रल कालोमी, चेम्बूर फ़ासिंग के नजदीक, चेम्बूर स्टेशन सहकार नगर रोड चेम्बूर अम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अ० ६० 111/1008/83-84 दिनांक 13-7-83 को सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में राजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~II, बम्ब**र्ध**

विनांक : 5-3-1984

मोहर ह

े प्ररूप जा**इ**ं. टी. एनं. एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थाना

(1) श्रीमती बन्नोबाई के शता

(अन्तरक)

(2) श्री गणेश रासनाय अव्यय

(अन्त रिती)

कारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० अई० III/2412/83-84--अत: मुझे, अ० लहीरी,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विष्कात् 'उक्त मधिनियम' महा गया हैं) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 17, कुपा, जी० वी० स्कीम रोड नं० 4, मूलूण्ड बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विजत है)

जिसका करारनामा आयकर 🖟 अधिनियम के 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुआ है, दिनांक 13-7-1983,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से विधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निपनित्वित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण निवितों में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रेबोफनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिन श्रावित्तमों, अर्थात् :--- को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकासन की तारीय वें 45 दिन की अविधिया तरशस्त्रन्थी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीत्र पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17, (ऋपा) जी० बी० स्कीम रोड, नं० 4, मूलूंड बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई० —III/1025/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 13-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंण—II, बम्बई

दिनोक : 5→3~1984

मोहर 🖟

प्ररूप बाइ'.टी.एन्.एस.-----

(1) मे० चन्द्रा प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वी० कलवारी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेश सं० अ. ई.—III/2333/83-84——अतः मुझे, अ. लहीरी.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० शाप नं ० 5, प्लाट नं ० 62, गांधी नगर, आय० आय० टी॰ पवाई बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम

1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टर्ड किया गया। दिनांक 15-7-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति- खल निम्नलिखित उद्देश से उस्त अन्तरण विश्वित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किसिनियम ने अभीन कर दोने के अन्तरक ने साबिक्ट में कमी करने या उगसे वचने में सुविधा को लिए: शर्र का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाशोप्:--

को यह सूचना जारी करके पुनांचित सम्पत्ति के वर्जन के लिए

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें अयुक्त शक्दों और पदों का, को उक्द बिधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाबित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गदा हैं।

वन्स्ची

शाप नं 5, प्लाट नं 6 62, गांधी नगर जयंत , आय० श्राय० टी के सामने पवाइ बम्बई-76 ।

अनुसूची जैसा कि कि सं अं ई—III/1033/83-84 और जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 15-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया था।

> अ॰ लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नितिसिन व्यक्तियों अर्थात् :---

दिनांक ! 5+3-1984

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश मं० अ० ई०/III/2366/83-84--अतः मुझे, अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संब ब्लाक नंव 11, पारेण सदन कोव आपव सोसायटी लिव बल्लभ बाग लेन, घाटकोपर बम्बई है तथा जो बम्बई 🌣 स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्नी में और पूर्ण रूप से विणित है) जिसका कराण्नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टई है, दिनांक 20-7-1983,

को पूर्वोक्त संप्रत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृविधा के लिए।

अत अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 31—16 GI/84

(1) श्री कांजी परणोत्तम मांगी

(अस्तरक)

(2) श्री सुरेश लालजी सावला

(असरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकुरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 11, दूसरा माला. पारेश सदन, पारेश सदन को० आप० हाउसिंग मोसायटी व्हि० प्लाट नं० 353|बो-26, बल्लभ बाग लेन घाटकोपर बस्बई -77।

अनुसूची जैसा कि कि नं अ० ई० | | 1032 | 83 - 84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 20 - 7 - 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-111, बम्बई

दिनांक : 5-·3-·1984

प्रस्प कार्च. टी. एवं. एस.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

क्षर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेश स० ४० ६०/ /2424/83-84--अतः मुझे, अर्थ लहीरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संब्प्लाट नंव 170, फ्लैट नंव 2, मिलन मिलाप को ब्आपव सोसायटी लिव अरोवया नगर है तथा जो घाटकोपर बम्बई में स्थित है (भौर इससे जपाबंद भनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम

1961 के अधीन, धारा 269 क ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है, विनीक 6-7-1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती दी० दी० देसाई

(अन्तरक)

(2) श्री के एस० शंकरानारायन अय्यर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेम :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, प्लाट नं० 170, मिलन मिलाप को० आप० सोसायटी, गरोदया नगर, घाटकोपर, बम्बई-77।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० अ० ई० (II/1045/83-84 और जो सक्षम प्राधिक(री के कार्यालय में दिनांक 6-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अं० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–III, बम्बई

दिनांक : 5-3-1984

प्ररूप मार्च. टी. एन. एच.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० अई०-1111/2275/83-84/475—अत: मुझे' भाग लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस० बी० आई० शिलपा हार्जीसंग सोसायटी पर्लंट नं० अ/5, साने गुरुजी, नगर, मलूड बम्बई में स्थित है (श्रौर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है क ख की धारा 269 श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के अश्रीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई हुआ है। विनाक 15-7-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के सिए; और/या
- (भ) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट गर्ही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म सुविधा के सिए;

जतः अय, उन्ते जिमिनियमं, की भारा 269-च के जनसरण में, में, उन्ते जिमिनियमं की भारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रमाकांत, नारायण तारी,

(अन्तरक)

(2) डा० अजीत मधुसूदम गोलकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिएं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में पकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितंबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा संभोहस्ताक्षरी के बाब सिवित में किए वा सकेंचे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वनुत्र्यी

एस० बी० आई स्टाफ शिलपा हाउसिंग सोसायटी, फ्लैट भं० अ/5, साने गुरुजी नगर, मुलूंड बम्बई-81 ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई० III/2275/83→84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 15-7-83 का रजिस्टर्ड हुना ।

> क्ष० ल**हीरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नि**रीख**ण) अर्जन रेंज-III, बम्बाई

दिनांक : 5-3-1984

प्रकप बाई, टी. एत. एस्.----

जायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

मार्स सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निवेश सं० अ० ई०/ $\hat{\Pi}\hat{I}/177737/83-84$ —अतः मुझे, स्रा० लहीरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्याम करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट नं 4, णाप नं 1, कांता अपार्टमेंट, वडावली गांव चेम्बूर वम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया गया है । दिनांक 13-7-83,

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई है और मुक्ते यह विश्वस्स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या त्रिसी धन या अन्य, आस्तियों को, जिन्हों भारताय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

भतः अव, उत्तर अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण भों, मीं, उत्तर अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स (1) मे० सुप्रीम बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री शार० एस० कटारिया

(अन्तरिती)

की यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिता में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

भगत्तची

शाप नं ।, कांता अपार्टमेंटस, प्लाट नं 4, वशावली गांव, चेम्बूर बम्बई में स्थित है ।

अन् सूची जैसा कि ऋ० सं० आ० ६० III/1013/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ध° लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज~Ⅲ, बम्बई

दिनोंक : 5 — 3 — 1984 लेक्स

मोहर 🛭

प्रक्य बाइ .टी .प्न .एस .------

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज [[],

बम्बई, दिनांक 5 मार्च, 1984

निर्देश सं० प्र० ई०**गा**/2321/83-84---अतः मुझे; अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का काइज हैं कि स्थानर सुम्मित, विस्का अधिक वाधार मूम्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं अोम श्रीयस को अाप हा उसिंग सोसायटी, अ/4, तल माला, प्लाट नं 50, 51 न्यू मानेकलाल एस्टेट, घाटकोपर बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है, जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, खके अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टई हुआ है। तारीख 3 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के अचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिक को लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उन्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्तिया के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम क्ष्मी धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह——

- 1. श्रीमती बाइ० टी० पुरोहित
- 2. श्री भूपतराय के० मेहता

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेषण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

and the same

पक्षैट नं० अ/4, ओम शिरयास को० आप० सोसायटी लि० तल मजला, प्लाट नं० 50-51 न्यू मानकलाल एस्टेट, बाटकोपर (पश्चिम) बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि फ़॰ सं॰ अ॰ ई॰/III/1018/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बंबई दिनांक 13-7-83 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी ्रसहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज III बम्बई

लारीख: 5-3-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

सं अ व ई ार्रा/2359/83-84—अतः मुझे, अ व लहीं री, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० णियपुरी, कम्बं वाडी बस स्टाप के सामने सचदेव नर्सिंग होम के नजवीक, चेम्बूर बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीविनयम, 1961 की घारा 269 क० ख० के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 16 जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रियमान प्रतिफल से, एसे ख्रियमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेंगे से उक्त अन्तरण लिखित गं वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय काँ वाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या खन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया, जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (१) के अधीष, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रो राजेंद्र हंसराज मिस्ट्री

(अन्तरक)

2. श्री रहमान शाह अलावक्श

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जों उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया गया ही।

नन संची

शिवपुरी, कूम्बा वाडी बस स्टाप के सामने, सचदेव निर्मिण होम के नजदीक चेम्बूर बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०/III/1011/83-8 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 13 जुलाई, 1983 को रजिस्टड किया गया है।

> अ० लहोरी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज ग्रेंगी, बम्बई

तारीख: 5-3-1983

मोहर ः

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज III, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 मार्च, 1984

सं० अ० ई० III/2276/83-84---अत मुझे अ० लहीरी शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी स० शाप न० 4, चद्रलोक बिल्डिंग, तल, माला. प्लाटन० 29——31, दातार कालोनी, भाउप बबई मे स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क० ख०, के अधीन वस्वई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्टी है, तारीख 13-7-1983

को पूर्वोक्त सपित के उिचत बाजार मृत्य से कम के रहरामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके रहरामान प्रतिफल से एसे रहरामान प्रतिफल का पन्दह प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसर्थों, अर्थात् —— 1 मैं ॰ मुकुल कस्ट्रक्शन कार्पो ॰

(अन्सरक)

2 श्रीमती अमीनी पोलसे

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मे येथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

नम्सूची

शाप न० 4 तल मजला, चद्रलोक बिल्डिंग मे, प्लाट न० 29—31, बालार कालोनी, बबई भाउप में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० स० अ० ई० III/1015/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय बबई द्वारा दिनांक 13-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहोरी, सज्जम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज III, बस्बई।

तारीख 15-3-1984। मो**हर**ः प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज Ⅲ , बम्बई बम्बई , दिनांक 5 मार्च, 1984

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 63, के बिल्डिंग, पालम एकर्स सोसायटी एम० फू० रोड. मूलंड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है जिसका करारनामा आयकर अधिनियम के अधीन बम्बई, 1961 की धारा 269 के सक्षम क ख प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है। तारीख 15 7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दहस्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्ति दें को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिकिक व्यक्तियों अधिक :--- 1. श्री शशीकात पटवा

(अन्तरक)

2. श्रां राजगापाल यशवंत निकम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृत्या

फ्लैट नं० 63, बिल्डिंग नं० के०, पालम एकर्स को आप हाउँसिंग सोसायटी महातामा फूले रोड, मूलंड बम्बई अनुसूची जैसा कि क० मं० अ० ई० III/1040/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में दिनाक 15.7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया।

> अ० लहीरी सञ्जमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज III, बम्बई।

तारीख 5 मार्च, 1983। मोहर ध प्रकृष बाह्री. टी. एन. एस:-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

नारत् बर्द्याङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज III, वम्बई

यम्बई, दिनास 8 मार्च, 1984

सं० अ० ई०-2/37 ई०ई०/3047/83-84----अत० मुझे एस० एच० अञ्चास अबिवी

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9 है तथा जो 2री मंजिल, क्हाइट रोझ को-आप० हाउसिहग सोसायटी, 4-पेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई 400 050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क०, ख० के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है तारीख 3-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्यू से कम के क्यामान प्रतिकल के लिए अंतरित की नह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्यामान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्योगों से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय का बाबत, उक्त गीर्धानयम के गधीन कर पने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐस किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, तक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 32---16 GI/84.

1. श्रीमती देवी निहालचंद तोलानी।

(अन्सरकः)

2 सर्वश्री लूनीदा राम लाल चद मूखी और रतन लाल, मृखी

(अलरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबध में कार्ज भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोंख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकने।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वम्स्यी

फ्लैट नं ० 9, जो, 2री मंजिल, "व्हाइट रोझ" को-आपरेटिय हाउसिंग सौंसायटी, 4 पेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई -400 050।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अ०ई०-2/37ई०ई०/3047/ 83-84 औपर जो सक्षम प्राधिकारो वस्वर्ष द्वारा दिनाक 3 जुलाई, 1983 को रजिसटर्ड किया गया है।

> एगः एच ० अब्बाम आविदीः, मक्षम प्राधिकारी, सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज 2, वस्बई

तारीख: 8-3-1984।

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ ेटी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कारा 269-थ (1) के संबीत सुषमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, बम्बई

त्रम्बई, दिनांक 5 मार्च, 1984

सं० अ० ई० IL /2317/83-84--अतः मुझे अ० लहीरी नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारां 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 कैलाश क्या, प्लाट नं० 69, कांजूर को०आ० सीसायटी डामले कालोनी कांजूरमार्ग बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध जिसका करार-नामाआयकरअधिनियम, 1961की धारा 269क० ख० के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्टर्ड है तारीख 13-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-बिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उत्तर बचने में सुविधा के लिए, और/या
- ं (ख) ऐसी किसी भ्राय था किसी धन या मध्य भास्त्रयों को, जिन्हें भारतीय भाय हर भ्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठित्यम, या भ्रतकर भ्रष्ठितियम, 1957 (195? का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रत्तरिती द्वारा भ्रकट नश्री किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुविद्या के सिए;

जतः जन, उत्तत नीभौनियम की भारा 269-ग के जनकरण मों,, मीं, उत्तत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभित्ःच - मै० अमोक कार्पेरेशन

(अन्तरक)

श्रीमती सुनंदा नारायण शिदे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या शस्सम्बन्धी स्विधि जो भी सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकेंगे।

स्थंख्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गढ़ा है।

नन्त्री

पलैट नं ० 4 फैलाम क्पा, प्लाट नं ० ६९, क्षांजूर को ० आप० सोसायटी लिपिटेड डांमले कालोनी कांजू मार्ग, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अ०ई०/III/1014/83-84 को और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 13-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ।, बम्बई।

तारीख: 5-3-1984।

प्ररूप बाइ . दी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनोक 5 मार्च 1984

सं० अ० ई० $II^{I}/2440/83-84$ —अतः मुझे अ० लहीरी बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रू. से अधिक है:

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ई० 1/10, सुख शांति निकेतन हाए सिंग सोसयटी, एल० बी० एस० मार्ग घांठकोपर बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क०, ख०, अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुआ।

तारीख 15-7-1983

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्रम के लिए बन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रस से एसे दश्यमान प्रतिक्रस का पंत्रह प्रतिक्रत से अभिक है और अन्तरका (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरित्वां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्रस, निम्नुनिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिधित के बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव को बाबत उक्त अधि-विश्वस के वधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कभी करने या उससे स्थान में त्रुविभा के सिए; भीर/या
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अस, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)

के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :---

1. श्रीमती इंद्रमती गोरदनवास मुखी

(अन्तरक)

2. श्री थास्या पी० शंकरनारायण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र ,मे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्षी।

न्यव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगत्त्री

फ्लैट नं ० इ० 1/10, सुख शांती मिकेतन हाउसिंग सो र प्रटी, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई 86!

अनुसूची जैसा कि क० सं० अ०ई० III/1043/83584 औरजो बंबई के सक्षम प्राधिक!री के कार्यालय में दिनांक 15-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई,

तारीख 5-3-1983 मोहर प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 मार्च, 1984

स० अ० ई० III/2281/83-84—अत मुझे, अ० लहीरी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 3, तल मंजला, गोकूल गवनपाडा मुलुण्ड बंबई में स्थित है (और इस में उपाबद्ध जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क० ख, अधिन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टिंड हुआ है) ।

तारीख 15-7-1983

का पूर्वीवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सपींत्त का उचित बाजार मूल्य उसके रूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिवत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है '—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बर्तित, उक्त जिथिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायिह्न में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरिती ख्वारा प्रकृट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने मे सुनिधा के लिए।

अतः असः, उक्तः अधितियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में. खक्तः अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधी न, निम्नीलियतं व्यक्तियों, अर्थातः --- 1. मैं० पटेल काप०,

(अन्तरक)

2 श्री एन० के० नाथन,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मंपित्त में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट न ० 3, तल मजला,गोकूल बिल्डिंग, गोवनपाडा रोड मल्ड बंबई।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अ० ई० III/1038/83-84 और जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय दिनाक 15-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अ**जैन रें**ज III, **बम्बई**

तारीख 5-3-1984। **मोहर**ः प्ररूप नाईं. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च, 1984

सं० अ० ई० /III/2430/83-84---अतः मुझे अ० लहीरी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० यूनीट नं० 8, तल मजला, अनुपम इन्डस्ट्रीयल एस्टेट मूलूड बम्बई 80 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269, क, ख, के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्टर्ड हुआ)।

तारोख 20-7-1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिश्तियों व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिपाने स सूर्विया के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीनिबत व्यक्तियों, अभीत :--

1. श्री शरद चंद्र रामराव डोडल

(अन्तरक)

2. मै ० अनूपम इंटरप्राइस्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हो।

मन्स्ची

यूनिट न० 8, तल मजला, अनूपम इंडस्ट्रीयल एस्टेट, रौली यूलफ के सामने मूल्रंड बम्बई 80।

अनुसूची जैसा कि क०स०अ०ई० III/1019/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 20-7-83 को रजिस्टई किया गया है।

> अ० लहीरी, गञ्जम प्राधिनगरी, सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज III, वम्बई ।

नाकीख 5-3-1984। मोहर ह प्रकृषे भाष्ट्री. द्वी. एस. एस. -----

भाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के वधीन बुचवा

बारत तरकार

शार्यालय, सहायके आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 111, दिनांक बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च, 1984

सं० अ० ई० III/2219/83-84—अत: मुझे अ० लहीरी बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० 54अ नीलमा अपार्टमेंटस, जंगल मंगल रोड भाउप, बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख, के अधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख 12-7-1983

को पूर्वेक्ति सम्मिरित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्निसित उद्वेष्य से उवत बन्तरण निम्नित में बास्तिक क्या से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य नास्तियों की, बिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवांचनार्थ जन्मरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विए;

बर्तत बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कनुतरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधील, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :---

1. मैं ० गणेश बिल्डर्स

(अन्तरक)

 श्रीमती लीलावती, एम० कृष्णनाय, और श्री एम० कृष्णनाय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप:--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्विध द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृंवाय मभोहस्ताकरी के पास लिक्ति में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

मन्सूची

पलैंट नं ० 54 अ भाग, नीलमा अपार्टमेंट्स, जंगलमंगल रोड, भाडउप, बंबई।

अनुसूची जैसा कि कल्सं अल्डिंट III/1042/83-84 और जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में विनांक 12-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० तहोरी, संक्षम प्राधिकारी, महायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंण III, बम्बई

तारी**ख** 5-3-1984 मो**हर** 3 प्ररूप आई.टी.एन.एम ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**व (1) के बंधीय स्**चना

भारत करकार

कार्यांकव, सङ्घायक भागकर जायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-3, बंबई

बबई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्वेश सं० घ्र० ई० III/2384/83-84---- प्रतः मुझे, घ्र० सहीरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संब्बी ० 20, वसूकी, 7वां रोड है तथा जो राजावाडी; विद्या विहार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है, दिनांक 13-7-1983 .

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिसियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए, बीर/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में मुविधा के लिए:

अतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् !—— (1) मै० प्रपित लि०

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी श्रजय बी० नायर

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्रांति;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बर्द्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी दे पास निश्चित में किए जो सर्जने।

त्वकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्दों का, जा उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या मना हाँ।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी० 20, बसूकी, 7वां रोड़, राजावाडी, विद्या-विहार संबर्ध।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्र० ई० III/1044/83-84 श्रौर जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में विनाक 13-7-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> म्न० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-3, बंबई

दिनांक: 5-3-1984

प्ररूप आर्र. टी एन. एम -------

्बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, बंबई

बंबई, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्र० ई०-1/37 ई० ई०/621/83-84—ग्रतः मुझे, ग्रार० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 431, 4थी मंजिल, हिंद राजस्थान हिपार्टमेंटल सेंटर बिल्डिंग दादर कर्माश्रयल प्रिमायसेस को-श्राप० सोसायटी लिमिटेड, 95-डी, एस० फलके रोड, दादर (मध्य रेलवे), बम्बई-14 में स्थित है (श्रौर €ससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक, 8 जुलाई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिबत उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण निज्ञित मे वास्तविक इप से इधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाग-न्य जीवित्यम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैसर्स गोपालदास वासुदेव एंड कंपनी

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स लिकोसा ग्रुप

(ग्रन्तरिती)

(3) मैसर्स गोपालदास वासुदेव एंड कंपनी (वह व्यक्ति, जिसके स्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ौम्पित्तिमें हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूँनिट नं० 4:31, 4श्री मिजित, हिंद राजम्थात डिमार्टमेंटन सेंटर बिल्डेंग, दादर कर्मांगपल प्रियायफेन को नप्राप० सोतायटी लिमिटेड, 95 डी० एम० फनके रोड, दादर (मृप्य रेनके), बम्बई-14 में स्थित है।

स्रतुसूची जैसा कि कि सं प्रव ई०-1/607/83-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 8-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> न्नार० के० बकाया, संसम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षग), स्रर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक: 12-3-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 1, बंबई

बंबई, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्र० ई०-1/37 ई० ई०/632/83-84—ग्रतः मझे, ग्रार० के० बकाया,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसंयों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 803 इन नवीन ग्राशा प्रिमायसेस को—ग्राप० सोसायटी लिमिटेड, दादा साहेब फालके रोड़, दादर, बम्बई—14 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है),ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किमनिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (वा) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त बीधीनवाज के बधीन कर दोने की बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की सिक्ष की री
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का. 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नीलिखत व्यक्तियों अर्थात्—। 33—16GI/84

(1) स्टील रोलिंग मिल्म आफ बंगाल लिमिटेड,

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री नयन सी० संघवी
 - 2. श्री प्रदीप सी० संघवी
 - 3. श्री चेतन सी० संघवी

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त अयिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 803 इन नवीन आ्राशा प्रिमायसेस को-आप० सोसायटी लिमिटेड, दादासाहेब फालके रोड़, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक क० सं० ग्र० ई०-1/496/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 13-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

श्रार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुप्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13-3-1984

प्रकप् बार्द्ः, टी. एन्. एस्..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्राधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक श्रायकर जागूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, वंबई

बंबई, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० घ्र० ई०-1/37-ई० ई०/650/83-84---ध्रतः मुझे, ग्रार० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 145—146, 5वीं मंजिल, सहकार निवास, 20—ताडदेव रोड़, बम्बई—34 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रंजिस्ट्र है, दिनांक 15 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कर्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृबंक्ति सांपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या बन्ध बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्त बिधीनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपान में सूबिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, :---

- (1) । श्री बन्द्रकांत गंगादास शहा
 - 2. श्रीमती निरंजना चंद्रकांत शहा

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री किशोर कुमार कालीदास जोगानी
 - श्रीमती कल्पना किशोर कुमार जोगानी

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्बत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्वस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रागी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीक रण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पत्तैट नं० 145-146, 5वीं मंजिन, सहकार निवास, 20न ताडदेव रोड़, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋं० सं० श्र० ई०-1/582/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्रार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बस्वर्द

दिनांक: 13-3-1984

प्रक्रम आहे. टी., एन., र्यु ु क ≥ त असक

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के सभीन स्थान

भारत सर्कार

कार्यालयं, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्र० ई०-1/37 ई० ई०/727/83-84— मतः मुझे, भार० के० बकाया,

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 69, 12वीं मंजिल, सुनीता बिल्डिंग, सुनीता को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 98, कफ परेड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा भायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 21 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्वित के वास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अभ्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्धि के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था खिपाने में कृषिभा के लिए;

अत. यथ, उथत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण भें, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) मैसर्स केमिडा (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नंदलाल आर सचदेव श्रौर श्रीमती दिपा एन० सचदेव

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री नंबलाल झार० सचदेव भौर श्रीमती दिपा एन० सचदेव (वह व्यक्ति, जिसके झिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्बन्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनृत्ची

फ्लैट नं० 69, 12वीं मंजिल, सुनीता को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 98, कफ परेड, कुलाबा, बम्बई-400 005 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋं० सं० ध्र० ई०-1/664/83-84 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

श्रार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंग्र 1, बम्बई

दिनांक: 13-3-1984

मोहर 🔞

प्रस्य आई. टी. एन. एस. ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजीन रेंज I, बंबई

बंबई, दिनाक 13 मार्च 1984

निर्देश सं० थ्र० ई०-1/37 ई० ई०/638/83-84—-श्रत. मुझे, श्रार० के० बकाया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्राफिस प्रिमायसम न० 108 ग्रान दी 1ली मंजिल प्राशिष्ठांद बिल्डिंग, 64/ई, श्रहमदाबाद स्ट्रीट, कर्नाक बंदर, बम्बई—9 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 15 जुलाई 1983।

को पूनों कत सम्पत्ति के उचित नाजार मून्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूनों क्त संपत्ति का उचित नाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य स उक्त अन्तरण निम्नलिखन से बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किमी आग की बाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में गृविधा के लिए;

बत: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिषित व्यक्तियो, अर्थात् ---

(1) मैंसर्स भ्रारती फेट मुव्हर्स

(अन्तरक)

(2) लालचंद फैमिली ट्रस्ट

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही बर्थ होगा. जा उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

श्राफिस प्रिमायसेस न० 108, 1ली माजल, "श्राणिवाद" निन्धिम, 64/ई श्रहमदाबाद स्ट्रीट, कर्नाक बदर, बस्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋं० सं० ग्र० ई०-1/545/83-84 स्राट जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० के० बकाथा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, बंबई

दिनाक : 13-3-1984

महिर.

प्ररूप आई. टी. एट. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज I, अम्बई

बम्बई, दिनाक 13 मार्च 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं 20-ए, 20 वी मजिल, सागर संगित विल्डिंग, शहीद भगनिसह रोड़, कुलावा, वस्वई-400 005 में स्थित है (ऑर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 3 ज्याई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डीचित बाजार मूर्ल्य से कम के इस्वमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गिर्इ हैं और मूम्ते यह विश्वाग करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तिरित्यां) के बीच ऐसे अन्त्ररण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक हम में वास्तिक हम में वास्तिक हम में वास्तिक हम में वास्तिक हम में

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए.

जतः अज, उक्त जिभिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिलित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री बंकत कुमार ब्रिजमोहन मारू ग्रौर श्रीमती सीतादेवी बंकत कुमार मारू

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स नेशनल ट्रवल सर्विस

(श्रन्तिरती)

(3) मैसर्स नेशनल द्रवल सर्विस (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभीग ने सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वींक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्याहियां करता हु।

नक्स सम्परित के सर्वन के सम्बाध भानवाड़ी भी आभए -

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरों के पास जिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमा प्रयूक्त शब्दां और पदा का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पर्लंट न० 20-ए, 20वी मजिल, सागर संगीत बिल्डिंग, शहीद भगत सिंह रोड़, कुलाबा, बम्बई-400 005 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अ० ई०-1/583/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्रार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज 1, गम्बई

दिनांक : 13-3-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर निप्तियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को नधीन स्थना

पाइव तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) प्रजीन रेज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4, मीरा क्याम, गौशाला है तथा जो रोड़ मुलुंड बंबई में स्थित है, श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुआ है, दिनांक 13 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहूर्ष किसी बाय को बायत उक्त बिध-नियम को अधीम कर दोने को जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) मैं० भाशापुरा बिल्डर्स

(ग्रन्सरक)

(2) श्री हरचंदराय मावजी गाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीब से 45 दिन की जबनि या तरसभ्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवाध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

> श्र० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज IU, अम्बई

दिनांक: 5-3-1984

मोह्द 🕹

प्रकप् आहें, टी. एन्. एस.-----

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज [[[, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्र० ई० III/2365/83-84----- मृत्ते, ग्र० सहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 1, तत मजला, महावीर दर्शन हाउसिंग सोसाइटी कस्तूरवा रोड़ मूलूट बंबई में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई हमा है, दिनांक 14 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाकार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने कम कारण हैं कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्मियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नद अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया काना शाहिए था हिष्याने में सुविधा के निए:

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती एल० श्रार० चंदे

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शांतीलाल मगनलाल जैन

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्जवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होक रणः --- इसमें प्रयुक्त कस्यों और पदों का, जो उसक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूबा है।

नग्त्यी

फ्लैट नं ० 1, तल मंजला, महावीर दर्णन को० प्राा० सोपाइटी । कस्त्रवा रोड़ मूल्ंड बंबई ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० घ्र० ई०/III/1028/83-84 ग्रौर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 14-3-1983 को रिजस्टर्ड हुणा है।

> श्र० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज I , बम्बर्डी

上i 年: 5-3-1984

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ।।।, बम्बई

वम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्र० ई० ।।।/2320/83-84---ग्रन: मुझे, ग्र० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) - (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, तल माल्ला, भागीरथी विला एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर वम्बई 86 में स्थित है, स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन स्रौर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड किया गया है, दिनांक 20 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे वचने मो स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों शास्तीय आयदार अधिनियम, 1002 (1922 का 11) या उक्न अधिनियम, या धन-कर अधिक्रिम, 1957 (1957 का 27) के प्रा जनकी अंतियों है। दे तरा प्रदेश किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरियधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सेठ इंटरप्राइमेस

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० रमेश

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िक सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, तल मंजला, भागीरथी विला, प्लाट न० फ/1, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर बंबई 86।

स्रनुसूची जैसा कि ऋं० सं० स्र० ई० ।।।/1031/83-84 स्रौर जो वंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 20-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० लहीरी, स**्ना**म प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज Ⅲ, वस्वई

दिनांक: 5-3-1984

प्ररूप आई. टी तन त्स

श्रायकर रिविनिशम, 1361 (1961 हा 43) की धारा 2.4% म(1) के मधीन भूबना

ז יידון אדןע

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ।।।, गम्बई

ब्रम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्र० ई०/।।।/2252/83-84--ग्रत: मुझे, ग्र० लहीरी,

सायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-व से जारीन सक्षत्र मिंगियारी से हैह गिराप्त करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, तल मंजला, श्रैयास प्लाट नं० 212-बी, वी० पी० रोड़ मूलूंड बम्बई 1 में स्थित है, ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, खंके ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुग्रा है, दिनांक 13 जुलाई 1983।

करं प्वांका सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने फा कारण है कि यथाप्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रित्यत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती । अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्का, निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में मार्थिक कर के तियत्व में मार्थिक के के लिए: और/या
- एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के निए;

(1) श्री वीः नेः पमचंदानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नेमचंद नानी छैड़ा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

, उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें

 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्प्यत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अशेह तास के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 11, तल मंजला, श्रीयास प्लाट नं० 212-बी, वी० पी० रोड़, मूलुंड बम्बई ।

श्चनुसूची जैसा कि ऋं० सं० श्च० ई० ।।।/1055/83--85 श्चौर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 13-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्र**जैन रेंज ।।।, बम्बई**

ब्द अह, उक्त अधिनियम की धारा ?69-ग के अन्मरण म. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 34—16GI/84

दिनांक: 5-3-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्र० ई० III/2445/83-84—ग्रतः मुझे, ग्र० सहीरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 21, गणेश कृपा आर० एच० बी० रोड़ है तथा जो मूलूंड बम्बई में स्थित है, स्रीर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रिधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुन्ना है, दिनांक 14 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण करें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।। के अधीर, निम्मनिधित व्यक्तियों वर्षा (1) मै० स्राशापुरा इंटरप्राइसेस

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० यू० संध्वी

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रय्वत शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 21, गणेश कृपा, आर०एच०बी० रोड़, मूलूंड बम्बई। अनुसूची क० सं० अ० ई०/II/1036/83-84 और जो कि बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 14-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्र० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज III, बम्बई

दिनांक: 5-3-1984

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देण स० अ० ई० ॥/2356--ट/83-84--अतः मुझे, अ० लहोरी,

आगकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,000/- र. से अधिक हैं
और जिसकी सं० 17 सी, मिनीलंड, जगल मगल रोड़ मूलूह
बम्बई में स्थित है, और जिसका व रारनामा आयकर अधिनयम
1961 की धारा 269 रू, ख के अधीन बंबई के सक्षम प्राधिकारी
के नार्यालय में रिजस्टर्ड हुआ है, दिनांक 15 जुलाई 1983।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम

िता में बारतिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधीनस्यों सर्थात् क्र-- (1) श्री एच० बा० उजगारे

(अन्तरक)

(2) श्री रामेश्वर सोमाइ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 17 सी, मिनीलैंड, जंगल मंगल रोड़ भांऊप बम्बई 78।

अनुसूची जैसा कि कं ० सं० अ० ई० ।।।/1056/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनाक 15-7-1983 को रजिस्टई हुआ है।

> अ॰ लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 3, **बम्बई**

विनाक . 5-3+1984 योहर ६ प्रकप् बाइ . र्टा. एन्. एस. ----

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सच्छार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० अ० ई० $II^{1}/2372/83-84-$ अत: मुझे, अ० नहीरी,

गायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसमें इसके पद्मात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है, भी धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रलेट नं 59, बिल्डिंग नं बी-3, महाकीर शिखर, एल बी एम भार्ग मुलुड बम्बई म स्थित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्टर्ड हुआ है, बिनाक 13 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षेयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योगों से उद्ये अन्तरण विश्वित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहूर किसी आय की वाबत, अक्त जिमिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के विष्

वतः तह उकत जीधीनयम की भारा 269-म के अनसरण में, मैं, उकत अधिनियम की भारा 269-म भी उपभाग (1) को अभीत . निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मैं वासर्गा शामजी शाह फैमर्सी दुस्ट

(अन्तरका)

(2) श्रापा० एस० रामचाद्रन

(अन्तारता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की 'तारीख स'
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा नधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगं।

स्पष्टीकरण: -----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

प्लैट न० 59, बिल्डींग नं० बी-∙3, महावीर शिखर, एल० बी०एस०मार्गे मूलूंड बम्बई।

अनुसूची जमा कि कं प्रस्त अं ईं 111/1023/83-84 और जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 13-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरा, गक्षम प्राधिकारो, गहायक प्रायकार अध्युक्त (सिरोक्षण) अर्जन रेंज , बम्बई

विनांक 5-3-1984 मोहार : प्ररूप बार्ड . टी . एम . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , बम्बई

वम्बई, दिनांः, 5 मार्च 1984

निर्देश स० अ० ई०/ $\Pi I/2290/83-84--$ अत: मुझे. अ० लहारी:

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रूट. से अधिक है

अोर जिपकी सं० फ्लैट नं० 10,न्यू णिवगत्तको० आप० हाउसिंग सोताइटो, प्लाट नं० 180 गरोदिया नगर, घाटकोपर बम्बई में स्थित है, और जिन्नजा रारनामा आयकर अधिनियम 1961 के 269 उ, ख के अधीन बंबई के सक्षम प्राधितारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 13 जुलाई 1983।

को प्वींक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतोरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप मे किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः बन्धः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उपत अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधार (1) के अधीन, पिमनीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती मीनाक्षी अस्मानाथन

(अन्तरक)

(2) श्री रिव सुन्दररामन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के चिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्परित में हितबबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 10, न्यू शिवगीत को आप सोसाइटी, प्लाट नं 180 गरोदिया नगर, घाटकोपर बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कं ० सं० अ० ई०/III/1017/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी के रार्यालय में दिनांक 13-7-83 को रजिस्टर्ड हुआ है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज , बम्बई

दिनांक 5-3-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, बम्बई

वम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश स० अ० ई० III/2441+बी०/83-84-मुझे अ० लहीरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, अरीहंत कृपा, वी० पी० रो मूलूड बम्बई में स्थित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्टर्ड हुआ है, दिनांक 14 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रगट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० आशापुरा ब्लिर्डस

(अन्तरक)

(2) श्रामता हेमकुवर रवालाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 11, अरीहंत कृपा, पी० पी० रोड, मूलूंड बम्बई। अनुसूची जैसा कि ऋं० मं० अ० ई० III/1034/83-84 और जो वम्बई के सक्षम प्राधिकारों के फार्यालय में दिनांक 14-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I , बम्बई

दिनांक 5-3-1984 मोहर: प्ररूप, बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1983

निर्देश सं० **अ०** ई० III/2315/83-84—अत: मुझे, अ० लहीरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 22, श्रीनाथ अपार्टमेंट्सहै तथा जो 4था माला, मूलुंड, बम्बई में स्थित है, श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया, दिनांक 14 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

() मै० निख्ल कंस्ट्रक्शन

(अन्तरक)

(2) श्री पी० आर० देशपांडे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

श्रीनाथ अपार्टमेंटस्, फ्लैंट नं० 22, चौथा माला, मूलूंड बम्बर्ड ।

अनुसूची जैसा कि ऋं० सं० अ० ई०/।।।/1057/83-84 श्रीर जो िं बम्बर्ड के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 14-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ़० नहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III, बम्बई

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात :--

दिनाक 5-3-1984

अरूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० **अ**० ई० ।।।/2251/83-84--अत: मुझे, **अ**० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० माला नं० 2, कांता अपार्टमेंटस् है तथा जो वाडवली, चेम्बूर बम्बई में स्थित है, ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है, दिनांक 15 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिका के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम ती धारा २६०-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मै० सुप्रीम ब्लिर्डस

(अन्तरक)

(2) श्री मोट्रमल भोलाराम तलरेजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 2, कांता अपार्टमेंट्स, चेम्बूर बम्बई । अनुसूची जैसा कि ऋं० सं० अ० ई० ।।।/1041/83-84 श्रौर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 15-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आरं लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज 3, बम्बई

दिनांक: 5-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-उ।1) के अधीन सम्पता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई वम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० अ० ई० $II^{I}/2379/83-84$ —अतः मुझे, अ० नहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चःत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 31 सी/3, नवजीवन कोआपरेटिव सोसाइटी लि॰ है तथ जे चेरट्र मे रिश्त है, श्राँप जिसहा करारनाम अगरह अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 13 जुलाई 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे किया प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-रित्यस के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के दिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---- 35—16GI/83

(1) श्रीमती नाधुरी एवं मानानी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कांता एस० चावला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अन्सूची

फ्लैट नं० 31 सी 3, नवजीवन को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लि० चेम्बुर बम्बई 74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं० मं० अ० ई० III/1009/83-84 ग्रोर जो पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 13-7-84 को रजिन्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज III, बम्बई

दिनांक: 5-3-1984

योहर .

प्रकृष आहें.टो.एन.एव. - ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-111, बस्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० अ० ई०/III/2242/83—84:——अत: **मु**झे, अ० **ल**होरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जुकान नं 2, तल मंजला, साने गुरुजी नगर, सुहास दर्शन, मूलूंड बम्बई में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) तथा जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन है श्रीर जी वम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई है, दिनांक 20 जुलाई 1983

को प्वांक्त सम्मित्त के उचित वाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह ग्रीत्रात से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्तयों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दंध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/शा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रम-कर अधिनियम, या भ्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्रीमती कस्तूरबेन कल्यानजी वीरा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जंती के० लालका

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

न्यव्योकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, क्यो वर्ष होगा, जो उस सध्याय में दिया

मम्त्रची

दुकान नं० 2, तल मंजला, सुहास दर्शन, साने गुरुजी नगर, मूलुंड बम्बई 81।

अनुसूची जैसा कि किं के सं० अं० ई० 111/1030/83-84 ग्रौर जो वम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय दिनांक 20-7-83 में रिजस्टर्ड है।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक[आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज III, बम्बई

अतः अभ उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निप्तिलियित व्यक्तियों, अधित् :--

दिनकि: 5-3-1984

मोहर ः

प्रस्प आहे. टी. एन. एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मुं (1) को सुभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्धेश सं० अ० ६० /2438/83-84--अत: मुझे, अ० लहीरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 8, नित्यानंद वाग को० आप० सोसाइटी आर० सी० रोड़ चेम्बूर है तथा जो बम्बई में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूचं। में और पूर्ण रूप में बिंगत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13 जुलाई 1983

का प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल सं, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्ववेश्य से उक्त अन्तरण निष्कित में बास्त्विक रूप से क्षित नहीं किया गया है

- (क) अस्तरण से हुई किसी अब की वाशत, उपस अभिनियम से अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बृधने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीत ं---

(1) श्री महादेव जनुनादास रहेजा

(अन्तरक)

(2) श्री रामकुमार नरसिंग वास अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना थारी कर्क पूर्वोक्स सम्मति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि था तत्संबर्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औं उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

पसीट नं 8, 3-अ, बिल्डींग निन्यानंद बाग की आप हार्जीसंग सोसाइटी, आर सी रोड़ चेम्बूर बम्बई में स्पित है । अनुसूची जैसा कि कं सं अ ई III/1010/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 13-7-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज III, बम्बई

विनांक: 5-3-1984

मोहर 🕄

् प्ररूप बाइं.टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० अ० ई०/II1/2393/83-84—अतः मुझे, अ० लहीरी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, तल माला, रामेश्वर बिल्डीग अभाग चेम्बूर बंबई मे स्थित है, (और इसस उपाबद्ध अनुसूर्चः में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधोन बम्बई के प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्टर्ड किया गया है, दिनाक 13 जुलाई

कां पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के तन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रो जे० एम० दवे

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो अभयम नागराजन और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूबाक्त सम्पांत्त के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उबत सम्परित के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से.45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया ह²।

अनुसूची

रामेश्वर, तंल माला, फ्लैट नं० 3, अ भाग, चेम्बूर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० अ० ई०/III/1012/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में दिनांक 13-7-1983 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक :5-3-1984

मोहरु 🗓

भूरूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

भायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11 वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निर्देश सं० श्राई 37 ई ई/3132/83-84:--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 78 है तथा जो हरी मार्केट, तलमाला, 3 रा रस्ता, खार, बम्बई-400052 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधिक वम्बई स्थित सक्षण प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम्म पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बामत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे बबने में मूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी घन जा अन्य आस्तियां का जिन्हीं भारतीय आय-कर विधानयम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री मोहम्मद इकबाल महमूद रझा।

(अन्तरक)

2. श्री के० भोजराज शेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:-

- (क) इस मूचना क राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तिरणों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में जिए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

दुकान नं० 78 है, जो हरी मार्केट, 'तलमाला खार 3 रा रास्ता बम्बई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई/37 ईई/3132/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II बम्बई

तारीख: 9-3-1984

मोहर 🕛

श्रुरूप आई.टा.एन.एस.-----

एस . - - - 1. मै० पल्लवी कंस्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

काधानन, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश मं० आई-ЦЦ/2374/83→84:—अतः मुझे अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लै नं० मनाड गर्मेंटस, साने में स्थित है और इसस उपावड अनुसुची में जो पूर्ण रूप से विणा है) गुरूजी नगर, मुलुंड है तथा जो बम्बई ग्रौर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम के 1961 की धारा 269 क ख के अधीन पुणजी के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हआ है। दिनांक 15→7→1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन ग्रा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

2. श्रीमती सुधा डी० काने।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंजंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकाँगे।

्रमण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एस है।

नन्सूची

पलैट 22, मिलिड अशार्टमेंटन, साने गुरूजी नगर, मुलूड बम्बई 811 ।

अनुसूची जैसा कि क सं० अ ई III/1035/83-84 श्रौर जो वम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 15-7-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III बम्बई

जतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

. तारीख: 5-3-84

प्रकर्प बाहें .टी एन .एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-५ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालग, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III बम्बई

वम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

सं० ग्र $f-II^{I}/2363/84-84:$ --अतः मुझे अ० लहीरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 22, नीलमा अवार्टमेंटस, जंगल मंगल रोड, भाडप बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम ,1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुआ तारीख 14-7-1983

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य भे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सविधा के निग

- अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए ल अन्नरूप में ,में उस्त अधिनियम का धारा 269-८ टी लाधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात --

ं 1. मै० गणेश बिल्डर्स।

(अन्तरकं)

2. श्री बी० जे० यादव।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधिया तत्स्य उन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के एए लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अ। उक्त ' अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गयाहुँ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22, नीलमा अपार्टमेंटस, जंगल मंगल रोड, भांडूप बम्बई। अनुसूची जैसा कि क सं० अ ई/III/1026/ 83-84 के अधीन और जो वम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे दिनाक 14-7-83 को रजिस्टर्ड हुआ।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III बम्बई

तारीख : 5-3-1984 मोहर :

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

सं० ए० आर०-III/2410/83-84:—अतः मुझे, अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, कोले कल्याण विलेज, वकोला वम्बई 55 है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), तथा जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारों 269, क ख के अधीन है ग्रौर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। वकोला में स्थित है तारीख 13-7-1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) रन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनी या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भरतीय अनुस्ता निर्देशनार, 1002 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में सिविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 न के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मैं० गोल्ड कोन ब्लिड्सं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दोराथी, दिसोजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वार्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजप में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 7, शिव गंगा- Π कोले कल्याण विलेज, वकोला वम्बई 55 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि के सं० अ ई $\Pi = \Pi = \Pi = \Pi$ की सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में दिनांक $\Pi = \Pi = \Pi$ की राजस्टर्ड हुआ है।

ंअ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ैं अर्जन रेंज-III, बम्बई।

नारीख: 5-3-1984

मोहर ः

प्ररूप आर्ड . टी. एन . एस . ----- -

नियम . 1961 (1961 का 43) की

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-III बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

मं० ए० आर०- [][/37ईई/2314/83--84ः--अतः से का स्टीली

मुझे अ० लहीरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. मे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं गाला नं 25, के कें इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, डा आर पी रोड, मुलुंड बम्बई है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अगुमूची में पूर्ण रूप संविणन है), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड हुआ है। दिनांक 12-7-1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए।

जतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

36--16GI/84

1. सै० पा प्रमोतिन सानजी मुग्द काँ०।

(अन्तर्क)

2. श्री प्रेम चन्द रोशनलाल दिक्षितः।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह्यां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अंपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पंध्योकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जे उस अध्याय में दिया गया है।

ननत्त्री

गाला नं 25, के० के० इण्डस्ट्रीयल एड्टेट, डा० आर० पी० रोड मुलूड बम्बई। अनुसूची जैसा कि क्रम मं० III/ 1024/83-84 श्रीर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 12-7-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी, गक्षम प्राधिकारी महायक ऋत्यकर श्रायुवन (निरीक्षण) अर्जन रेज-गा., बम्बई

तारीख: 5-3-1984

मोहर 🕹

प्ररूप आर्थ. टी. एन्. एस.----

बायकर अभिश्वियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

मं० ए आर-ग/37ईई/596/83~84:--अतः म्झं आर्० के० वकाया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क तो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी मं० 11, रहेजा सेंटर, 214, नरीमन पाइंट, बम्बई-400021 में स्थित है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, दिनांक 8-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्थ्वोध्य से उक्त अन्तरण सिचित में अम्बिक क्य से किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन'या अन्य आस्तियों कार, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः ात, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु —— श्री बार्डन इन्बेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी, प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. मैं० हाजेमेयर ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोह भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अबिंध, जो भी विश्वित वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी अविंत ब्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अन्त्ची

11, रहेजा सेंटर, 214, नरीमन, पाइंट, बम्बई-400021 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० ए ई-1/524/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 8-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है हैं।

> आर**ँ** के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्_रा, बम्बई

सारीख: 13-3-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 मार्च 1984

निदेश स० अई-1/37 ईई/581/83-84 — अतः मुझे आर० के० बकाया,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० पलैट न० 39, 4 थी मजिल, गीता भवन, "सी०" बिल्डिग, 93तथा जो भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई—36 मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौरं पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, तारीख 5-7-1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संप्रति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितांत्यों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितांत्यों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकां लिख तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत. बब्. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 969-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

शः जितेन्द्र प्राणलाल गोसालिया और श्रीमती शामकोरेबेहेन प्राणलाल गोसालिया।

(अन्तरक)

- 2 (1) श्री सागर उर्फ बातुक झवेरीलाल याज्ञिक
 - (2) श्रीमतीनिता सागर याज्ञिकः।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त भम्पत्ति क अजन क लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आक्ष्ण --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या नत्तदार्थ का का पर पूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना क राजपक का प्रकाश की नार रू 45 दिन के भीतर उक्त रथावर रम्पास्त में भित्र बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी क अस लिखिन में किए जा सहेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रथवत शब्दा और पर्दा का, ज उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिन राह हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में निता गया है।

अन्सूची

फ्लैंट न० 39, 4थी, निजल, गीता भवन, "सी" वितिष्ठग, 93, भुलाभाई देसाई रोड वस्वई 36 मे स्थित है। अनमवी जैसा कि कम स० अई/1-507/83-84 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनाक 5-7-1983 को रिजस्टर्ड.

आर० के०व हाया, सक्षम प्राप्त र्राः सहायक जायकर आयुक्त (निर्मा) अर्जन रेज 1, बम्बई

तारीख : 13-3-1984 गोहर प्रकप बाहुँ, दी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च, 1984

निवेश सं० अई-1/37 ईई/658/83/84::--अत: मुझे आर० के० बकाया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 415, 4थी मंजिल, शाह एण्ड नाहर उण्डस्ट्रियल इस्टेंट (ए-1), सिताराम जाध्य मार्ग है सथा जो लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करगरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक।री के कार्यालय में रजिस्टी है। नारीख 18-7-1983

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उम्में इश्यमान प्रतिफल से एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत जनत अधि । निवस को अधीन कर दोने के बन्तरक को धावित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा को निये; बौर/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हूं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था शांकिया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के तिय;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :---

- 1. मैंसर्स गाह एण्ड नाइस असोयिशन।
- (अन्तरक)
- 2. श्री प्रवीण सी० चौहान।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के बर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बनी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपहित में हिंत- वस्थ किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहरताक्षरों के पास लिकित में किए जा भकीगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

ननुत्त्वी

यूनिट नं० 415, 4 थी मंजिल, शाह एण्ड नाहर इण्डस्ट्रियल इस्टेट (ए-1), स ताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बय्बई-13 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-1/551/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० धकाया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई।

नारीख: 12-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज $^{-1}$, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निदेश सं० ए आर--1/37 **ईई**/633/83-84:---अतः भन्ने, आर० के० बकाया,

मासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी मं० यूनिट नं० 5-बी, निर्मल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्व। में और पूर्ण स्प से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्टी है। तारीख 15-7-1983

कां पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्का) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना थाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अव, उन्तत अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में उन्तत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तिस्था, अर्थात् :---

- 1. मैंसर्स पैराडाइज इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन। (अन्तरक)
- 2. मैसर्स भ्रवन्ती इण्डिया।

(अन्सरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वावत दक्करा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही अर्थ होगा जो उप अध्याय में विज्ञा गया ही।

अमृतुक्ती

यूनिट नं० 5-थी, निर्मल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सायम (पूर्व), बम्बई-400022 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-1/578/83~84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बस्बई

नारी**ख**: 12-3-1984

मांहर 🔅

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत बरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर वागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, वस्बर्ध

बम्बई, तारीख 13 मार्च 1984

निर्देश सं० ए० आर.०-1/37 ईई/652/83-84:--अत: मुझे, आर.० के० बकाया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 5, 1नी मंजिल, दालामल टॉबर, 211, नरीमन पाइंट, बम्बई—21 में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विगत है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्दी है। तारीख 15-7~1983।

को प्रवेवित सम्परित के उधित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उसित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेध्य से उद्य अन्तरण कि बिख में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत खब्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उनसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मा, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :---

- 1. मैं सर्स उत्तम इण्टरप्राइजेंज (एच० यू० एफ०)। (अन्तरक)
- 2. श्री के० सदानन्व हेगडे।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वाना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध जाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दोकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनसर्ची

आफिस नं० 5. 1 ली मंजिल, वालामल टाबर, 211, नरीमन पाइंट, बम्बई-400021 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई 1/596/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-1983 की र्जिस्टई किया गया है।

आर० के० बक्**ड्या** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-¹, बम्ब**र्स**

नारीख: 13~3**—198**4

मोहर 🤌

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च, 1984

सं० आई-1/37 ईई/1718/83-84:--अतः मुझे आर० के० बकाया,

हुनायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 301, 'मुडी' लोअर माहिम है तथा जो प्रभादेवी रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्प में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 23-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह पिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्रियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलिल में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व म कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय शाय-कर अधिनियम, 10?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स शिपट कन्स्टक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक बी० मोदी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्ति योक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्परित मे हिता-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

क्लैंट नं० 301, 'मुडी' लोअर माहिम, प्रभादेवी रोड, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-1/1190/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज-I, बस्बई

तारीख: 13-3-1984

मोष्ठर :

श्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्भाना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

सं० ए० ग्रार०-1/37 ईई/582/83-84:—ग्रतः मुझे, ग्रार० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० राधेश्याम को ० धापरेटिय हार्जिस सोस।यटी लिमिटेड, प्लाट बेधिरंग सी०, एस० नं ० 379 श्राफ धार्थर बन्दर रोड, कोलाबा, बम्बई – 5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे विणित है), जिसका करारनामा श्रायकर भिधित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारीख 5-7-1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्यह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्वापन के बिए तब पाया गय प्रतिफल, निम्निविधित उदृश्य में उन्त प्रस्तुरण लिखित में वास्त-

- (क) ग्रस्तरण से हुई जिसी धाय की बाबत जक्त प्रधि-विश्वस के सजीन कर येने के ग्रस्तरफ के वाजिए में कप्रे करते या उससे बचने में सुविधा के जिए। भीर/या
- (ब) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवभा के लिए;

नतः सन्, उक्त अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) जै बचीन, निम्निकियम व्यक्तियों, वर्षातः :— अमिती माना ग्राय० वासवानो ग्रीर श्री किंगन आर थडानी

(ग्रन्तरक)

मैसर्म एसजे इंजिनियरिंग

(ग्रन्तरिती)

- अन्तरिनी और श्री एच० एस० वदावशा। (वह त्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. श्री एच० एच० बदाक्या । (यह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सुचना जारी करके पृशीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

अन्त्ची

राधिण्याम को-भ्राप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, प्लाट बेग्नीरंग 379 श्राफ श्रार्थर बन्दर रोड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है। (श्रनुसूची जैमा कि ऋम सं० श्र ई-I/506/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दितांक 5-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> न्नार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 13-3-1984

प्ररूप आहें ती. एत. एस. ----

आस्कर लिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

. भारत सरकार

कार्योत्तय, सङ्घायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन नेज-I, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1981

गायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्थ 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 115 "सी" विंग 11वीं मंजिल, "मिसल कोर्ट" विल्डिंग, है तथा जो नरीमन पाइंट, वस्वई-21 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनाक 14-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तोरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्त-रिक्ट क्य से सिभत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रिक्ष भी अभीन कर दोने के अन्तरक को दापित्थ में क्कमी करने या तमसे वचने में सुविधा के शिए, अपर/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा धन कर अधिनियम, ग्रा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतियभ के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----

- 1 क्षाको सनिक देखिंग (पाहनेट) निमिटेड। (श्रन्तरक)
- 2. मैंससं सुविजय इण्डिस्ट्रियल कम्पनी लिमिटेड । (अन्तरिती)
- 3 श्रन्तर्कः

(यह व्यक्ति, जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारा करके पृषायत्त संपाँस्त क अजन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की तारी र 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितः करिन्त्रमाँ से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यस ितिस्त मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

जन्मुची

श्राफिसर नं० 115 "सी" विग 11वीं मंजिल "मित्तल कोर्ट", बिल्डिंग प्लाट नं० 224, ब्लाक III, बैंकवे रिक्लेमेशन स्कीम, नरीमन पाइंट, बम्बई-400021 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्र ई-1/586/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

श्रार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुवत (निरीक्षण) पर्जन रेज-I, बस्बई I

तारीख: 13-3-1984

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (i) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जान रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984 सं० द्वी ध्राई०-1/37 ईई/614/83-84:--प्रतः मुख् ग्रार० के० बकाया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट सं० 423, 4 थी मंजिल, शाह एण्ड नाहर इण्डस्ट्रियल इस्ट्रेट (ए-1) है तथा जो सीताराम जाधव मार्ग, लोग्नर पटेल बम्बई-13 में स्थित है और इससे उपाधव श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्धा अंतरण निक्ति में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुड़े किसी बाय की बावत. उन्कर अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृत्ररा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में स्विधा की लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स णाह अण्ड नाहर श्रासोसियेट्स। (अन्तरक)
- 2. मैसर्म भ्रार० के० इन्स्ट्र्सेंटस प्राइवेट, लिमिटेड। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अर्थे इस्ताक्षरी वे पास लिखित में फिए जा सकेगे।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में सिया गया है।

अम्सुबी

यूनिट नं० 423, 4थी मंजिन, णाह एण्ड नाहर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, (ए-1), सोताराम जाधव मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/585/ 83-84 और जो सक्षम सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्चार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी, उहायक श्रयकर श्रायुक्त (निरोजण) पर्वत रेंब- वस्बई ।

तारीख: 12-3-1984

प्ररूप आर्थं .टी .एन .एस . -----

आयकर अश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा े०८ व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्ब**ई** वम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984 सं० आई-1/37 ईई/5-46/83-84---अतः मुझे, आर० के० वजायः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 93, 9वीं मंजिल, मेहरबाद को-आप० हाउसिंग संसायटी लिमिटेड है तथा जो कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणा हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269, क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रायधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो हैं दिनांक 1-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक हूण में बाधित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी काम की वायत,, उक्त व्यक्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भने, उक्त वर्षभिनियम की भारा 269-ग में मन्सरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती प्रिती सिंघाराय।

(अन्तरक)

2. श्रो राधेश्याम बी० दोहार।

(भन्तरिती)

4. श्रीमती प्रिती सिंघाराम (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसुधी

पलैट नं० 93, 9वीं मंजिल, मेहरदबाद को-आपरेटिव हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/569/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1983 को रजिस्टई किया गया है।

भ्रार० के० बकाया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई (

तारीखा 13-3-1984

प्ररूप. बाईं. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

सं०-II आई-2/37 ईई-2386/83-84 --अतः मुझे, एस० एच० अब्बाम अबिदो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301 उर्रा मंजिल, लीना अपार्टमेंट है तथा जो रोवेली रोड, वान्द्रा, वम्बई-400050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 30-7-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, नक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या जससे बचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या. उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब,, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीन है—

1. मैसर्स पंजू असोशीएटस।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती मरीयम बाई अहमद्अली मर्चेट। (अन्तरेरती)
- अन्तरिता।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शंब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

पलैट नं 301, जा प्लाट (सर्वे नं 284, हिस्सा नं 3, सी टी एस नं वी-994, वी-995, बी अ अ 996, बी-998, और बी-1086, बान्द्रा तालुखा) लीना पाटमेंट री बेलो रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं अाई-2/37/ईई/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अविदी, सक्षम प्राधिकारी, नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रेंज-, ई

तारीख: 9-3-198-

मोहरु 🖫

प्रारुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, वम्बई

वम्बई, दिनादः 13 मार्च 1984

सं० ए० आर-1/37 ईई/577/83-84 -37: मुझे आर० के० बहाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी ये एक्ट ने 3, 4र्था मजिल, अल-अला प्रिमेंजेज को-अला सोर पट. लिमिटेड है तथा जो 152, नागदेवी स्ट्रीट, वम्बई-3 म स्थित हे (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हे). और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के दार्यालय में रिजस्टी है नारास 4-7--1983

को प्वोंक्त संप्रति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. शेख काहेरभाई शराफतअला लोखण्डवाला । (अन्तरक)
- 2. श्री अब्दुर रहमान मोहम्मद अमर भोयरा। (अन्तारता)
- 3. अन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसक अविभाग मं सम्पति है)

4.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूच।

गलैट न० 8, 4थां माजल अल-अली प्रिमेजेज को०-आप० सोसायटो लिमिटेड, 152, नागदेवी स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित है। अनुमूची जैसा कि क० सं० अई-1/510/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० वकाया, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 13-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनोंक 6 मार्च 1984

सं० ए आर-- /37 ईई/3105/83-84---अतः भुक्षे, एस० एच० अब्बास अबिर्दः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से निधक है

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 23 है, तथा जो ''छाया अयार्टमेंट 2री संजिल, इर्ला नाका, जे वो पी डी स्कीम, विलेपार्ले (प) बम्बई-49 में स्थित है (और इत्तम उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है), और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है में तारीख 18-7-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी काय की बावत उक्त जिय-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के बायिस्थ मं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित ज्येक्तियों, अर्थात् द्र--- श्रा फखरहान एनं० सीताबखान ।

(अन्तरक)

- 2. श्री राजीव नरोत्तम दलाल, श्रीमती ईला राजीव, दलाल और मैरार्स जे० एम० फायनानशीयल एण्ड इन्वेस्टमेंट अन्सलटैन्सी सरवीक्षेस प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरितो)
- 3. हार्जीसग डीवैस्पर्मेट फायनान्नस कारपोरेशन लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिलके बारे में अधोहस्ताक्षरी गानक है कि वह सम्मति में हितबद्ध हैं)।

को यह सृषका जारो कारके पूर्वाक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अनेन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस का 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हांकरण :---इसमं प्रभूवत सन्दौं और पदौं का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ भ्रोगा जो उस अध्याय में दिया भगा सैं।

अनुसूची

पलैट नं० 23, 2र्रा मंजिल, छाया अपार्टमेंट, प्लाट नं० 3, सब-प्लाट नं०-4, इर्ला नान्ता, जे० ही० वी डी० स्कीम, विलेपालें (प), बम्बई-49 में स्थित । अनुसूची जैसा की क्रम सं० अई-2 37/ईई/3105/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदो सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-II, बम्बई

नारी**ख** 6~3-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. ए .----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, वम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1984

निदेश सं० ग्र० ई०-2/37 ईई/3063/83-84---ग्रतः मुझे, एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602—बी है तथा जो छठी मंजिल, कल्पना ग्रपार्टमेंट, शेलीं राजन विलेज, वान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12—7—1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में स्विधा के जिन; लेंग्/बन
- (क) एँसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ अन्तरियों हरार एट नहीं जिल्ला था या किया जाना चाहिए था छिपाने भे सिवधा औं लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) येगर्ग नवगारा हेन्द्रगमेंट कारपोरेणन । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती न्तन मेलदेर ।

(ग्रन्तिगती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अबुधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शश्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियां गया है।

अनस्ची

फ्लैट नं० 602—बी, जो 65ी मंजिल, कल्पना श्रपार्टमेंट्स शेली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई $-400\ 050$ में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37 ईई/3063/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 12-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 7-3-1984

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० ग्र० ई०-2/37ईई/3130/83-84--ग्रतः, मुझे, एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख कें अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 है तथा जो 7वीं मंजिल, गुलिस्सान, प्लाट नं० 9-ए, पेरी कास रोड, बान्द्रा, वम्बई-400 050 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-7-1983

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मं वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिधा के लिए;

नितः निक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेर्रायं कत्यक बिल्डर्स एण्ड काल्स्ट्रक्टर्र
 - (अन्तरक) '
- (2) कमलीन प्राइवेट लिमिटेड (ग्रार्ट मेटेरीयल डिवीजन) (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना कं राज्यत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहत में किए था सकेंग ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिथम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, गही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ध्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो, 7वीं मंजिल, "गुलिस्तान", प्लाट नं०-9-ए, पेरी कास रोड, बान्द्रा, वस्वई-400 050 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि क० सं० म्र० ई०-2/37 ईई/3130/83-84 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 25-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० भ्रव्वास भ्रविदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 9-3-1984

महिर 🖫

प्ररूपः आहे. टी. एन. एसं .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 111, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 मार्च 1983

निवांश सं. आर्ह-2/37 ही ही/4695/83-84---यतः म्फे, एस. एच. अक्सास अविदी,

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मला 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. कमरा/द्कान नं. 2 है तथा जो ''डिम्पल अपार्ट में ट'' प्रभात कालनी, रास्ता नं 2, म्यूनिसीपल आफिस, सान्ताक भ (पू), बम्बर्ध -55 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयर्कर अधिनियम (1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और शंतरितो (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के तिए;

(1) कुमारो डिम्पल क्यारी एस. नाहार ।

(अन्तरक)

(2) डा. निरंजन माथूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूचि

कमरा/द्कान नं. 2 जो, तल माला, "डिम्पल अपार्टमेंट", प्लाट नं. 131,132 टी, पी. एस.-5, प्रभात कोलनी, रोड नं. 2, म्यूनिसीपल औफिस, सान्ताकुफ (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. आई-2/37ईई/4695/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बवारा दिनांक 12-7-1983 को रिकटर्ड किया गंगा है।

एस . एच . अब्बास अबिवी सक्षम प्राधिकारी, सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III, बम्बई

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-अ की उपनारा (।) के अधीन, निम्नलिसिन व्यक्तियों, अर्थास् :—— 38—16GI/84

तारीख: 8-3-1984

प्र**क्षम् नाद**ै, टी., एन्., एस<u>.</u> - - - ----

जायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1984

निदेश सं० ग्र० ६०-2/37६६/3127/83-84---श्रतः, मुझे, एस० एस० श्रम्भास श्रविदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम शिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 506 है तथा जो 5 भीं मंजिल, "केदार नाथ", 3रा रास्ता, प्लाट नं० 26, खार (प०), बम्बई-400 052 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-7-1983,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हितिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की आवत, उक्त जिमिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

(1) श्री सेवाराम ए० नेतवानी और सितलदास ए० नेतवानी।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री जयन्त दास
 - 2. विश्वनाथ दास और
 - 3. काशिनाथ दास ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है
- (3) (बह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

नन्त्रची

फ्लैट नं० 506, जो, केदारनाथ", 5न्नीं मंजिल, प्लाट नं० 26, 3रा रास्ता, खार, बम्बई-400 052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि श्र०ई०-2/37 ईई/3127/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० श्र**ब्धास भ्रबिदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज—[], बम्बई

विनांक : 9-3-1984

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

नायकर निभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।।, बंबह बंबर्ड, दिनांक 5 मार्च 1984

निवंश सं. आर्ड. / 111/2422/83-84---यतः म्भे, अ.

लहीरी.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूर्ख्य 25,000/~ रत. से अधिक ही

और जिसकी सं. फ्लेंट नं. के 66, 6था माला पाम एकर को. आप. हाउसिंग सोसाइटी, गीवनपाडा मृलूड़ बम्बई है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची औा। में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. स के अधीन है और जो बंबई की सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड हाआ है। में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-7-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्सि का उचित्स बाजार मुल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस निस्तिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वावत उक्त गींध-निवम के वधीन कर दोने के बन्तरक के वाधित्व में कसी करने या उत्तर्व वचने में दुविभा के सिए; बीर/या
- (स) एसी किसी अगय या किसी भन था अन्य आस्तियाँ को, चिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में तुनिशा चे पिए:

जतः, अथा, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व के अन्सरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 🕡

- श्री संजय महादेव जयंत
- (अन्तरक)
- 2. श्री अनित त्रिकमलाल शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्या संपरित के वर्णन के तिहार कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो-भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र 45 विन को भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में डित-बवध किसी अन्य व्यक्ति ववारा अधोहस्ताक्षरी 🔻 पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुसूचि

फलेट नं. 66, 6 था माला, पाम एकर को. आप. सोसाइटी गीवन पाडा मुल्ड बंबई

अनसुची जैसा की क. सं. आई.।।/1027/83-84 और जो बंबई के सब प्राधिकारी के कार्यालय में दि. 14-7-83 की रिषस्टिंड हुआ है।

> अ. लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, बंबर्ड

तारील: 5-3-1984

मोहरू 🖫

प्ररूप बाई. टां. एन्. एस. ----

शायकर अधिनियर 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुधना

भारत सहस्थार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थान रंज-।, बंबर्ड बंबर्ड, दिनांक 13 मार्च 1984

निद्या सं आई-1/37 ई ई/726/83-84—यतः म्भे, आर. के बकाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. आफिस आन ग्राउंड फलौअर, रिजेंट चैबर्स, 208, नरीमन पाइट, बम्बई-400020 में स्थित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। (और इससे उपाबद्ध बन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे इत्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखिल उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंशित नहीं किया गया है —

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए, और/बा
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों., अर्थात् :--- 1. रायला कांपारंशन प्रायवहेट लिमिटंड

(अन्तरक)

2. एवरटे (इंडिया) प्रायव्हेट लिमिटड

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई शाक्षंप :----

- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा मकोगं।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, ओं अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो अस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधि

आफिस आने ग्राउन्ड फलाअर, रिजंट चेबर्स, 208 नरीमन पाइट बम्बई-400021 में स्तिथ है।

अनुसूची जैसा कि कः .सं. अरई-1/656/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 21-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

आर. के. बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जन-।, बंबर्ट

तारीस 13-3-1984 मोहर: प्रकृष बाईं.टी.एन.एस.-----

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-I, वस्वई र

बम्बई, दिनाक 12 मार्च 1984

निदेश स० ेग्रई-1/37 ईई/674/83-84—-ग्रत , मुझे, ग्रार० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी म० यूनिट न० 216, दूसरी मजिल, "ए" बिल्डिंग, केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, फर्ग्युसन रोड, लोग्नर परेल डिबीजन, बम्बई—13 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 21—7—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दश्य स उसन कन्तरण निम्नलिखित में बास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर बिधिनयम, या धन-धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चीहिए था, स्थिन में सुविधा के निए;

बत: अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-व के बनुबरफ मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स केवल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेनर्स अटलाटिक अपारेल्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पृशांक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, तहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

यूनिट नं० 216, दूसरी मजिल, "ए" बिल्डिंग, केवल इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट, फर्ग्युसन रोड, लोग्नर परेल, डिवीजन, बम्बई— 13 में स्थित है।

ग्रनुसूचै जैसा कि क० स० ग्रई-1/560/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई, द्वारा दिनाक 21-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ग्रार० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक: 12-3-1984

मोहर 🥫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--[, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 मार्च 1983

निदेश स० प्र० ई०-1/37ईई/623/83-84--प्रतः, मुझे, श्रार० के० वकाया.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम-इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 3, चौथी मंजिल है तथा जो पव्मावती ग्रपार्टमेंट, परेल विलेज, परेल, बम्बई-12 में स्थित है (ग्रौर ६ससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांक 8-7-1983

को पूर्वोदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स काम क द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकी (अंतरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण मं हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अप्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुधिधा के किए:

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण जें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीच, जिम्मिन्तिक व्यक्तियों, क्यांत् :—

(1) पदमा डेवलपमेंट कारपोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हिला जमशेद भेसानिया श्रीर श्री जमशेद बी० भसानिया

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यकरियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तिन में किए जा नके गे।

स्मण्डीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 3, चौथी मंजिल, पद्मावती श्रपार्टमेट, परेल विलेज, परेल, बम्बई—12 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रव ई०-1/608/83-84 भौर जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 8-7-1983 को रजिस्टई किया गया है।

विनांब : 12-3-1984

प्रस्प बाही, टी. एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1984

निदेश सं० प्र० ई० III/2383/83-84--प्रतः, मुझे, अ० लहीरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्र/15, गोवर्जन नगर, प्लैट नं 5, एल० बी० एस० मार्ग, मुलूंड, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका कारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टई है दिनांक 21-7-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल जिम्निसिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुंई किसी नाय की वावत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य गास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सविधा के निए:

अतः अव उत्त जीधीनयम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थान :---

(1) श्री सचू रामचन्द जगेशा,

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती निरूपमा भूपेन्द्र शाह

(श्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्परित को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की जनिय या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को ममि, जो भी जनिय नार में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त स्विभागों में से किसी व्यक्ति देनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील रो 45 दिन के भीतर जन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और वर्षों का, वो उक्त भीधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्स्थी

y/15, गोवर्द्धन नगर, फ्लैंट नं०5, 3रा माला, एल० बी० एस० मार्ग, मुलूंड, बम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र० ई०/III/1021/83-84 श्रीर जो बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 20-7-83 को रजिस्टर्ड हुश्रा है।

भ्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बम्बई

विनांक · 5-3-1984

प्रकृष आहें.टी.एन.एस. ------

1. गायभी कासद्रकरन

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

2 . हसमखलाल कल्यानजी माला

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।।, बंबर्ड

वबई दिनांक 5 मार्च 1984

निवर्षेक्षमं अर्ड/।।।[/]2286[/]83-84----यतः मुफ्ते, अ.

नायकर गीर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त निर्मितयम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिसका उचित गावार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 8, गायती कृपा, एन. एस. रोड, मूलूंग वंबई मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मे और पूर्ण रूप में विर्णत है), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रिजस्ट के किया गया है। में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1983

का पृथा वित सम्पत्ति के उण्यंत बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्क अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे वचने में भृतिका के निए और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मृतिधा की लिए;

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, एतवबुवारा कार्यवाहियां शुरू करता है

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पब्दिक्षरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त जिस्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

मन्सूची

फ्लाट न . 8, गायत्री कर्पा, मूल ड (पिश्चम) बंबड् अनुसूची जैंगा की क . सं . अ र्इ. ।।।/1020/83-84 और जो बबर्द के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 20-7-83 करे रिजस्टड किया गया है।

> अः लहीरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैज-।।।, त्रंबर्ड

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीस 5-3-1984

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

माथकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज⊶III, बम्बई बम्बई, विनाक 5 मार्च 1984

निदेश सं० घ्र० ई० III/2223/83-84-ग्रन मुझे, ग्र० लहीरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000 ∕- ⊼त. से अपि**क ह**ै

श्रौर जिसकी सैं० फ्लैंट न० 5, 7वां रोड, संगीता श्रपार्टमेंट्स, राजावाडी, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जिसका करारनामा ग्रायकर म्रधिनियम, 1961 के धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 13-7-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसको इरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) केबीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखितं उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ज़ाय की बाबत, बिधिनियम के जभीन कार्यं योगे के जन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (का) एरेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, डिज्पाने में सुविधा के लिएः

जतः सद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :---

39-16GI/84

(1) मे० संगीता कन्स्ट्रक्शन

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मानवन्ती जे० पारेख

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना फारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्षा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उचन स्थावर मपील्त मे हितबद्रथ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

भ्यष्टीक रणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया **8**,1

अनुसूची

संगीता श्रपार्टमेंट, फ्लैंट न० 5, 7वा माला, राजावाडी, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कं० सं० ग्रं० ई०—-III/1037/83—84 भौर बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे दिनाक 13-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-!![, बम्बई

दिनांक : 5-3-1984

प्रस्थ आहें. टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मार्च 1984

निदेश सं० प्र० ई०-2/37 हैहै/4696/83-84-प्रतः मुझे, एस० एच० श्रब्धास श्रविदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 405 है तथा जो जमुना महल, प्रभात कालोनी, प्लाट नं० 73, टी० पी० एस०, सान्ता कुज (पू०) बम्बई 400 053 में स्थिन हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे वणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है दिनांक 8-7-1983 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथामूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विप्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्दलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

- (1) मेसर्स जमनादास एम० चोकसी एण्ड एसोसिएट्स, (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लिला एस० गेट्टी । (ग्रन्तरिती)

कां यह स्थाना बाड़ी कुड़की पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्माध्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दी और वर्षों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया। गया हैं।

भेत्सूची

फ्लैंट नं० 405, जो अभुना मह्ल, प्रभात कालोनी, प्लाट नं० 73, टी० पी० एस०, सान्ताकुज (पू०), बम्बई-400~053में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०-2/37 ईई/4696/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 8-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० ग्रब्बास श्रेबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, बम्बई

दिनांक : 8−3-1984

मोहर

प्रस्यु नाहरे. टी. एन. एत. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1984

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/657/83-84-अतः मुझे, आर० के० बकाया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं यूनिट नं 415-ए, चौथी मंजिल, शहा एण्ड नाहर इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, तथा जो सिनाराम जाधव मार्ग, लोभर परेल, बम्बई---13 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 18-7-83,

को पूर्वा नत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि मुभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिचित उद्वेष्यों से उच्तु अन्तरण लिखित् में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुप्द किसी बाव की वावत्, उपल जिल्लीन्य्य के ज्योन कर दोने के बन्तर्क को व्यक्तित्व मों कमी करने या उसने बचने में सृष्ट्या के लिए; जौर/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अय उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) मेसर्स शहा एण्ड नाहर एसोसिएटस

(अन्तरक)

(2) श्री किशोरी सी० चौहान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुस्ची

मूनिट सं० 415—ए, 4थी मंजिल, णहा एण्ड नाहर **इण्ड-** स्ट्रियल इस्टेट ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्ब**६**-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई०-1/594/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई

दिनांक: 12-3-1984

प्रका आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मार्च 1984 निवेश सं० अई--2/37 ईई/3121/83-84---अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 402-वी है तथा जो 4थी मंजिल, कल्पना अपार्टमेंटस, शेली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप संविणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-7-1983,

को पूर्वों क्स सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के क्स्यमान प्रतिफल के लिए बृन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई फिली बाव की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उत्तसे ब्चने में सुविधा के निए: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) नवभारत डेवलपमेंट कारपोरेशन । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गीता पी० बाबानी ग्रीर श्री प्रकाश जे० बाबानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त क्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हो।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402-बी, 4थी मंजिल, कल्पना अपार्टमेंट, शेर्ली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई 400 050 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई०-2/37 ईई/3121/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, बम्बई

दिनांक : 8→3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

मायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मिपीन सूमना

भारत् सरकाड

कार्यासय, सङ्घयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निर्देश मं० अर्द्र -1/37ईई/597/83--84---अतः मुझे, आर० के० वकाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, है तथा जो पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, 65/67, वार्डन रोड, बम्बई—26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धीरा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 8-7-1983

भी पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख़श्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख़श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उस्वरेम से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक स्प से किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उच्छ जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उपसे वचने में स्विधा के सिए; जीर-/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोप्यनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए हा, छिपान में सुनियम के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थात् :-- (1) मेम्प्स अवंती हाउसिंग इण्टरप्राइसेस

(अन्तरक)

(2) श्री खाजा मोहम्मद उल्लाह खान श्रौर श्रीमती फरीदा एम० खान

(अन्तरिती)

(3) अन्सरकों ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) 1. नरीमन एम० टोडीवाला, 2. ई० एमै० टोडीवाला, 3. दिनशॉ एम० टोडीवाला, 4. दारा दम० टोडीवाला, 5. टी० एम० टोडीवाला, 6. डाली वाइफ आफ नोशिर जे० श्राप, 7. कुमारी गुल एम० टोडीवाला। (वह व्यक्ति, जिसके बारे मं अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाशिया करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियां में से किभी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, वो उनस् अभिनियम, के श्रमाय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

फ्लैट नं० 1, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं $_{0}$ 1, 65/67, बार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-1/525/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है ।

आर० के० बकाया मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई

दिनांक : 13-3-1984

प्रकृप नार्षे ही. एन्, एस्, ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीत स्वना-

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, बम्बई बम्बई, विनाक 13 मार्च 1984

निदेश स० अई०-1/37 ईई/2096/83-84--अस. मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसको स० फ्लैंट न० 303, है तथा जो तीसरी मंजिल, सुन्दर टावर, टोकरशी जिवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है, दिनांक 11-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उच्चदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वयने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स सुन्वर बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इवेलिन मिथयास श्रीर श्री अवेर मिथयास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्वाकरण :---इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय भाषित हैं।

ननत्त्रची

फ्लैट नं० 303, तीसरी मंजिल, सुन्दर टावर, टोकरणी जिवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई०-1/डिस्ड 16/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 11-7-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई

दिनांक: 13-3-1984

प्रकप नाइं.टी.एन.एस. ------

नायकर निभिनिषम, 1961 (1961 का 43) की भादा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, बम्बई बम्बई, विनोक 13 मार्च 1984

निदेश सं० प्रई०-1/37ईई/664/83-84—-प्रतः मुझे, श्रार० के० बकाया,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा स अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1104, है तथा जो 11वीं मंजिल, "जोगानी अपार्टमेंट", 29-बी, बुंगरणी रोड, नियर धोबीघाट, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-7-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दािमत्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ने में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेससं युलन टैक्सटाइल ट्रेडर्स

(श्रन्तरक)

- (2) श्री फातेचन्द के और श्रीर श्रीमती पुष्पा एफ जैन (ग्रन्तरक)
- (3) ग्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्स्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित र्^व, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह^व।

भनुसूची

फ्लैट नं० 1104, 11वीं मंजिल, "जोगानी घ्रपार्टमेंट", 29-बी, डुंगरणी रोड, नियर धोबीघाट, बम्बई-6 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-1/566/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-7-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्चार० के० बकाया मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज–।, ब म्बई

दिनांक: 13-3-1984

माहर:

परूप भाइ¹.टी. एन . एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन गुणना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश सं० भ्रई०-1/37ईई/619/83-84—भ्रतः मुझे, भ्रार० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु")., की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,400 (- का में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० णाप नं० 24, है तथा जो प्राउंड फ्लोर, ताडदेव एयर कंडिशन्ड मार्केट, ताडदेव रोड, बम्बई—34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्द्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, दिनांक 8~7~1983,

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से **हुई किसी आय की बाब**स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मिलापंचन्द चेतनदास नहेटा

(म्रन्तरक)

(2) मेसर्स एअर-श्रो-फोइ्स श्रौर मेसर्स इलेक्ट्रोफोन्स । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब में 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, औं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) धम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

शाप नं० 24, ग्राउंड फ्लोर, ताडदेव एग्रर कंडिशन्ड मार्केंट, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई०-1/605/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1983 को रजिस्टर्ड किया ग**का** है।

> श्रार० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, बम्बई

दिनांक : 13-3-1984

प्रस्य मार्डे. टॉ. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-ा, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1984

निदेश मं० भ्रई०-1/37ईई/498/83-84--श्रन: मुझे, भ्रार० के० बकाया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म पाणिकार को बार जिल्लाम कारने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक ही

द्यौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 5, दूसरी मंजिल, टी पी एस नं० 4 माहिस, प्रभादेवी, वस्बई—400 025 में स्थित है (और इसमे उपावद्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, दिनांक दिनांक 1-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिकाल से एंसे रहयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित रिती (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उथक बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबिस्य में कामी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी आग या किमी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निजिलित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 40—16GI/84 (1) नेसंबं संकेत किल्डरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री ह्वी० एस० वर्धी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना ज्ञारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकरी।

स्पर्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 कि मे परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विष्या गया हुँ।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 5, दूसरी मंजिल, टी० पी० एस० 4, माहिम घट , प्रशादेवी, बम्बई-400 025 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि० मं० श्र०ई०-।/568/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्रार० कें० बकाया सक्षम प्राधिकारी महायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, यम्बर्ड

दिनांक : 13-3-1984

प्ररूप आह⁴.टी.एन.एम. -----

भासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के जबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आधार आध्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनाक 13 मार्च 1984

निदेश मं ग्रं० ई०-1/37ईई/495/83-84—श्रतः, गुजे, ग्रार० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्यार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शॉप नं० 7ए, 'मार्शल श्रपार्टमेंटस', सी० एस० नं० 564, एट दी जंक्ष्णन श्रॉफ श्रॉगस्त क्रान्ती मार्ग पांगुली, बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमें उपबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से यणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 4-7-1983,

को प्रविक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितियों उद्दोश्य से उक्त अन्तरण नियित में काम्यांक कर में कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोनें को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्ही भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किए आना चाहिए था, छिपान में स्विधा के दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) खैमचन्त्र बी० कोठारी फैमिली ट्रस्ट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शहा भिमणी नैया स्री श्रीमती पार्वती बेन भिमणी णहा ।

(ग्रन्तरिती)

(3) खैंमचन्द बी० कोठारी फैंमिली ट्रस्ट । (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में मस्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंक्षोप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद्र स्वित्त में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

समस्यो

णॉप नं० 7ए, 'मार्णल अपार्टमेंटस', बेग्नरिंग मी० एस० नं० 564 एट दी जक्शन श्राफ आँगस्ट कांती मार्ग एण्ड पांगुली, बम्बई— 36 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैमा कि कि० मं० भ्र०ई०-1/567/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1983 को रजिम्टर्ड किया गया है।

> न्नार० के० बकाया मक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-^I, ब्रम्बई

दिनांक : 13-3-1984

माहर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th February 1984

No. A.38014/6/83-Admn.HI.—The President is pleased to permit Shri S. M. Schgal, a permonent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 29th February, 1984 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Estts.(A) dated the 24th November, 1973.

Ths 9th March 1984

No. A. 12025 (ii)/1/82-Admn. III.—In pursuance of the Department of Personnel & A. Rs. O.M. No. 5/1/82-CSI (Vol. 11) dated 30-12-1983, the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission are included in the Select List of Section Officers, Grade of the S.S.S. cadre of U.P.S.C. for the year 1982 with effect from 30-12-1983 :-

Remarks
. Officiating as Section Officer on long-term basis w.e.f. 15-4-81. Presently on deputation.
 Officiating as Section Officer on long-term basis w.e.f. 15-4-81. Presently work- ing as Reception Officer in U.P.S.C.
. Officiating as Section Officer on long-term basis w.e f. 15-4-81.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 9th March 1984

No. 2/7/81-EST.—In continuation of this Office Notification of even number dated 3rd August, 1983, the ad-hoc appointment of Smt. Manjulika Singh to the post of Assistant Professor of Hindi in the Lal Bahadur Shasti National Academy of Administration, Mussoorie, is hereby extended for a further period of six months with effect from 4-2-1984 (forenoon) or till her regularisation, whichever is earlier.

A. K. DAS

Dy. Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 21st March 1984

No. A-19027/3/81-AD.V .- In continuation of this office Notification of even number dated 18th November, 1981, the President is pleased to appoint Shrl S. K. Das Gupta, Junior Scientific Officer (Photo) to officiate as Senior Scientific Officer (Photo) on ad-hoc basis in C.L.S.L./CBI for a further period upto 30-4-1984, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier,

The 23rd March 1984

No. A-20023/3/79-AD.V.- The services of Shri S. Ahmed, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, Shillong, have been placed back at the disposal of N.F. Railway. Maligaon, Gauhati with effect from the afternoon of 12th March, 1984, on repatriation.

The 24th March 1984

No. A-19021/2/80-AD.V.—The services of Shri P. C. Dogra, IPS (Punjab: 1964) Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Fstablishment are placed at the disposal of Government, on repatriation, with effect from the alternoon of 15th March, 1984

The 27th March 1984

No. P-23/65-AD.V.—Shri P. V. Ramakrishna, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, Calcutta who was on deputation with Andhra Pradesh and posted as Director (Legal) Dharma Maha Matra, Hyderabad on attaining the age of superannuation refired from Government service with effect from the afternoon of 29th February, 1984.

R. S. NAGPAI Administrative Officer (E.) C.B.I

DIRECTORAJE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 19th March 1984

No. O.H-317/69-Estt.-I.—Shri G. S. Sidhu, Commandant expired on 22-2-84 at 1145 hrs. He is accordingly struck of the strength of the force from 23-2-84.

The 20th March 1984

No. O.II-1819/83-Fstt-I.—Consequent on her appointment on deputation from Government of Mizoram, Dr. (Mis.) Binapani Rath has taken over charge as General Duty Officer Grade-II in the CRP Force with effect from the forenoon of 10th March 1984 till further orders.

No. F.2/42/83-Estt.(CRPF).—The President is pleased to confirm Lt. Col. (Retd.) V. C. Chaturvedi as Chief Medical Officer in the CRPF with effect from 14-4-82.

The 26th March 1984

No. O.II-1341/77-Estt.—Consequent on his appointment as Security Officer in the North Eastern Electric Power Corporation Ltd., the services of Shri Jeevan Singh Thoidingiam, Dy. S.P. of CRPF are placed at the disposal of NEEPCO Ltd. w.e.f. 7-3-84 (F.N.).

2. The appointment of Shri Thoidingjam in NEEPCO Ltd. will be regulated in terms of Article 67 of CSR Vol. 1. (i.e. 2 years lien basis).

Re-employment of Major (REID.) But Singh

O.H-1771/82 I-stt.—Reference this Dte. No. O.11-1771/82 l-sit.—Reference this Die. Genei CRPF Notification No. O.11-1771/82-Fstt., dated 20-1-83. General,

2. Instead of "Until further orders" appearing in Hild line of para 1 of this Die. General Notification referred to above read "for two years in the first instance".

CORRIGENDUM

No. P. VII-2/82-Estt. I.—Reference this Directorate General notification No. P.VII-4/82-Estt.-1. Vol. III dated 10-2-84.

- 2. Following amendments in date of taking over charge as Assit. Comdt. are made :--
 - (1) Shri Ramesh Chandra 12-8-83 instead of 4-8-83.
 - , 4-8-83 instead of 7-11-83. (2) Shri R. S. Tiwana
 - (3) Shri R. C. Yadav . 1-8-83 (A.N.) instead of 4-8-83,

A. K. SURI Assit. Director (Fstt.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 7th March 1984

No E-16013(2)/3/79-Pers—Consequent upon his repatriation to State cadre, Shri R P Singh, IPS (WB 72) relinquished charge of the post of Commandant, CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the afternoon of 5th February, 1984

No F-16013(2)/1/81-Pers—Consequent upon his repatriation to State cadie Shri B P Nailwal, IPS (TN 67) relinquished charge of the post of Commandant, CISF Unit, BIL Bhilar with effect from the forenoon of 22nd October, 1983

The 8th March 1984

No E 16013(1)/1,83 Pers —Consequent upon his repatriation to State Cadie Shri Maharaj Singh, IPS (MP 56) relinquished charge of the post of Deputy Inspector General, CISF Unit BIL Bhilai with effect from the afternoon of 15th October 1983

Sd/- ILLEGIBIE Duector General (CISF)

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 20th March 1984

No 8 FC 2(25)-A/82—In continuation of this Commission's Notification of even number dated 11th January, 1984, Dr Atul Sarma is allowed to continue to officiate as Economic Advisor on the same terms and conditions in the Eighth Finance Commission with effect from 1-3-1984 to 31 3 1984

T (NANDA Administrative-cum-Accounts Officer

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

I ABOUR BUREAU

Simila-171 004, the 7th April 1984

No 23/3/84-CPI.—The All India Consumer Pirce Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by two points to reach 561 (five hundred sixty one), during the month of February, 1984 Converted to base 1949=100 the index for the month of February, 1984 works out to 682 (six hundred eighty two)

JITENDRA NATH SHARMA
Jt Director
Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 20th March 1984

F. No BNP/G/7/84—Shri S B. Deshmukh, a permanent Inspector Control is appointed to officiate as Dy Control Officer in the scale of pay Rs 650—1200 (Group 'B' Gazetted) on ad-hoc basis in Bank Note Press, Dewas in short term Icave vacancy wef 20-3-84 to 13 5 84

M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OF FICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002 the 20th March 1984

No 708 CA1, 42-7(-- vedetional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has permitted Shri R Verma, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government Service wef 29-2-1984 (FN) under provision of Rule 48(1)(a) of CCS Pension Rules, 1972

K P LAKSHMANA RAO Assit Compt & Auditor General (Comml)

OFFICE OF THE ACCOUNTAL GENERAL, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 6th Maich 1984

No Admn I, PF VMRS/510—In terms of Rule 48-A of CCS (Perfeon) Rules 1972 the Accountant General, MP is pleased to permit Shri V M R Shaima (01/105) a permanent Accounts Officer of this office to retire voluntarily from Central Government Service we f 31st May, 1984 (afternoon)

(Authority Accountant General I Orders dated 15-2 1984)

Sd /- ILLEGIBLE Sr Dy Accountant General (A)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, N F. RAILWAY

Gauhati 11 the 24th March 1984

No Admin 15 1617)/35A 11°79—The following members of the Section Officers service of the Office of the Director of Audit, N F. Railway, have been promoted to officiate as Assistant Audit Officers in the scale of Rs. 650-30-740 35 880-EB-40 1040 with effect from 1-3 1984 until further orders

- 1 Shij Arabında Mazumdar
- 2 Shii Nishith Kumar Das
- 3 Shri Sisii Ranjan Dey
- 4 Shri Bidhu Bhusan Saha
- 5 Shri Dayamay Biswas
- 6 Shn Subodh Chandra Nag
- 7 Shut Satya Ranjan Deb
- 8 Shii Haladhai Das
- 9 Shii Ranjit Kumar Sengupta
- 10 Shii Kumud Bandhu Bhattacharya,
- 11 Shri Arun Kumar Chikiaborty
- 12 Shri Naiayan Bhattacharjee
- 13 Shri Binayendra Das Choudhury
- 14 Shii Mono Ramjan Elettacharjee
- 15 Shii Sabhajit Singh
- 16 Shu Samir Kumai Chakimootty
- 17 Shri Muza Habibui Rahman Baig
- 18 Shii Mahima Ranjan Saikai
- 19 Shit Nripendiai Natayan Saikar
- 20 Shri Sankar Krishna Sen Choudhury
- 21 Shri Manabendta Goswami
- 22 Shri Samitan Chandra Dhat.
- 23 Shri Krishna Kanta Deb
- 24 Shri Dilip Kumar Sarkar
- 25 Shri Paresh Chandi i Bhowmik
- 26 Shri Biplab Sarkai
- 27 Shii Samaiendra Kamai
- 28 Shti Shuveiidu Kumat Baneijee

B. L BOIPAL Director of Audit

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD DGOF HORS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 22nd March 1984

No 7/84/A/E-1 (NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority, in grades and on dates shown against each

- (1) Shri S K. Ghosal Offig Asstt From 7-3-84 A S O (Ad-hoe) Staft Officer until further orders
- (2) Shri J K Roy, Assistant Staff Do Offg Assistant Officer (Ad-hou)
- 2 The above promotions shall abide by the results of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta
- 3 The Officer at SI No I above will be on probation for two years from the date of promotion
- 4 The individual at SI No 2 of para 1 above assumed the higher duties as ASO with effect from 8-3-1984.

D R. IYER
DDGOF/Personnel
for Director General,
Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE LACIORIES SURVICE

Calcutta, the 20th March 1984

No 11 G/84—On attaining the age of superannuation (58 years) Shir I N Srinivasan, AWM/OF. Chanda (Subst & Permanent Foreman) retired from service with effect from 31st August 1983 (AN)

The 22nd March 1984

No 12/G/84—Shri C N Chandrasekhaian, General Manager (SG)/Level 1 voluntarily retired from service with effect from 31st Dec., 1983

V. K MEHTA Director/Estt

NATIONAL INDIAN MILIJARY COLLEGE

Dehra Dun, the 22nd March 1984

No 2/84—The President is pleased to appoint Shi R C. Chatuivedi as a temporary Master in Hindi at Rashtriya Indian Military College Dehia Dun Cantt wef 29th January 1984 (AN).

O P CHAUDHRY Col Commandant

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 21st March 1984

No A-12025(1) 4 80-Admin III—The President is pleased to accept the resignation from service of Shii V B Varkhede Assistant Director Grade I (Non technical) in the Weavers Service Centre under the Office of the Development Commissioner for Handlyoms with effect from the afternoon of 6th January, 1984

No A-12025(1)/4/83-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from 5th March, 1984 and until further orders Shri S C Chowdharv as Deputy Director (Processing), in the Weavers' Service Centre Gauhati

No A 32013(1)/83-Admn III — The President is pleased to appoint with effect from 10-3-1984 and until further orders Shri Mahadev Prasad, Junior Lecturer (Textiles) as Senior Lecturer in Textile Designs, in the Indian Institute of Hand loom Technology Varianasi

P K DATTA

Additional Development Commissioner (Handlooms)

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES) DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS & FATS

New Delhi 110019, the 21st March 1984

No A 12011/5.78 Estt—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated the 2nd June, 1983, Shri A. K. Bharadwaj, officiating Chemist in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats is allowed to continue in the post of Inspector (Vanaspati) in this Directorate in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on purely temporary and ad-hoc basis w.c.f. 1st October, 1983 to 24th January, 1984.

P. S CHEEMA Chief Director

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st March 1984

No A-19018(195)/75 A(G)—On completion of his tenure of deputation with the Commonwealth Secretariat, London, under IDS, CFTC in Bangladesh from 7-9 83 to 6-2-84 Shri A S Dutt, assumed charge of the post of Assistant Director (Cit II) (Metal Funshing) in the Small In dustries Service Institute, Bombay with effect from the foremon of 7-2-84

The 23rd March 1984

No 12(96) 61-Admn (G)—The President is pleased to permit Shir S B Sen Gupta, Assit Director (Gr.1) (Admn.), Small Industries Service Institute, Ludhiana to retire from Government, service on attaining the age of superannuation well afternoon of 29-2-84

No A-19018(416)/79-\dmn (G) —The President is pleased to appoint Shii 5 C Saklecha, Assti Director (Gr I) (Mech), Branch S I S I, Dimapui under S I.S I, Gauhati as Deputy Director (Mech) at the same station of ad-hoc basis with effect from the forenoon of 14-12-83 until further orders

No 12(610)/69-Admn (G) Vol III—The President is pleased to appoint Shri P P Verma, Assit Director (Gr.I) (Electrical) Small Industries Service Institute, New Delhi as Deputy Director (Electrical) at Regional Testing Centre New Delhi on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 29 2-84 until further orders

S K PURKAYASTHA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 23rd March 1984

No. A-17011/247, 84-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Gurbhagwant Singh, Examiner of Stores (Textdes) in Ludhiana Inspection Sub-Office under Northern Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Textdes) in Hqrs. Office of DGS&D at New Delhi with effect from the forenoon of 14th Match, 1984 until further orders.

M. L. NIJHAWAN
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 20th March 1984

No. 1924B/A-19012(3-VPS)/83-19B.—Shii V. P. Singh has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI, on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1-2-1984, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 23rd March 1984

No. 3/14 '64-SIL.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shii Sardari Lal, AO, HPT, AlR, Khampur to officiate as Si. Administrative Office at Upgath Doot-darshan Kendra, Mandi House with effect from 29-2-84 (F.N.).

No. 1/6/84-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri H. S. Deshpande, Acett., AlR. Dharwad to officiate as Administrative Officer on ad hoc basis at All India Radio, Dharwad w.e.f. 5-3-84 (F.N.).

. The 26th March 1984

No. 3/32/60-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri I N Sahni, Sr. Acctt. CSU/VBS, AIR, Bombay to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis at CSU/CBS, AIR, Bombay w.e.f. 29-2-84 (A.N.).

No. 2/13/77-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri R. Amanullah Khan, HIC, AIR, Bangalore to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis at AIR, Bangalore w.c.f. 3-3-84 (F.N.).

No. 1/5/84-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Pashkar Das, Acett./Head Clerk, HPT, AIR, Madras to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis at HPT, AIR, Malad, Bombay w.e.f. 5-3-84 (F.N.).

(SMT.) RUKMINI DAS GUPTA

Dy. Director Administration for Director General

New Delhi, the 24th March 1984

No. 3/6/81-S. III (Pt. IV).—Consequent upon their promotion, the unitariantioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the posts of Assistant Engineer at different offices of

All India Radio/Doordarshan Kendras in a temporary capacity from the date as mentioned against each :---

S. No. Name	Station where posted	Date of joining
1. Shri P. C. Chohan	Maintenance Centre, Pathankot	28-2-1984 (F.N.)
2. Shri K. N. Subramanian	Maintenance Centre, Belgaum	9-3-1984 (F.N. ₎

No. 3/61/83-S. III/IV.—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the posts of Assistant Engineer in ad-hoc capacity at different offices of All India Radio/Doordarshan Kendra from the date as mentioned against each:

S. No. Name		.	Station where posted	Date of joining
S/Shri 1. D. L. Nehru .			Radio Kashmir, Srinagar	16-1-1984 (A.N.)
2. S. Rajagopalan	•	•	O/o Chief Engineer (EZ), AIR, Calcutta-8.	20-1-1984 (F.N.)
3. V. B. Rai .			All India Radio, Gorakhpur	30-1-1984 (A.N
4. D. Jayabalan	•	٠	O/o Chief Engineer (SZ), AlR, Mudras.	1-2-1984) (F.N.)
5. C. P. Bikhchan	dani,	•	Doordarshan Kendra, Srinagar.	3-2-1984 (F.N.)
6. Munuswamy			Maintenance Centre, Salem.	8-2-1984 (F.N.)
7. V. Jayaraman	•		ι Do.	9-2-1984 (F.N.)
8. Subhash Bhaur	nik		LPT (TV) Relay Centre, Bareilly	9-2-1984 (F.N.)
9. Shri R. Kaishn	an ,		T. V. Maintonance Centre, Kurnool	13-2-1984 (F.N·)
10. K. K. Jayadasa	in .		T.V. Maintenance Centre, Cannanore-4 (Kerala).	28-2-1984 (F.N.)
11. M. K. S. Thak	ur .	•	T.V. Maintenance Centre, Sagar (M. P.).	5-3-1984 (A.N.)

The 26th March 1984 CORRIGENDUM

No. 3/61/83-S.HI/IV.—In partial modification of this Directorate gazette notification of even number dated 15-2-1984 Shri D. D. Lakhant SEA has joined at Arsistant Engineer on ad-hoc basis promotion at All India Radio Indore and not at office of Chief Engineer (SZ), AIR Madras weef, 17-1-1984(1-N)

SMT. PRAKASH KAUR, Section Officer, for Dir. General

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIF, OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th March 1984

No. A.19025/6/82.A-III.—The resignation tendered by Shri D. K. Sinha from the post of Assistant Marketing Offleer in this Directorate at Patna has been accepted with effect from 15-12-1982 (AN).

No. A.19023/4/83.A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B'). Sh. Shafique Ahmeda officiating Marketing Officer (Group 1) has been promoted to the same post on regular basis in this Directorate at Faridabac with effect from 17-2-1984.

No. A 19027/1/83.A-III.—The ad-hoc appointment of Sh. B. S. Maul in the post of Statistical Officer, has been extended for a further period of six months, with effect from 1-1-1984 to 30-6-84 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A 19025/1/84.A-III.—The resignation tendered by Sh. Sunil Kumur from the post of Assistant Marketing Officer in this Directorate has been accepted with effect from 12-3-84 (AN).

No. A.19025/7/84.A.HI.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Bazzam Punnaiah has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad with effect from 21-3-1984 (FN), until further orders.

The 26th March 1984

No. A.19023/2/83.A.III.—The ad-hoc appointment of Sh. S. C. Das to the post of Marketing Officer (Group 1) in this Directorate, at Ongole has been extended up to 16-2-84.

2. On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') Sh. S. C. Das ad-hoc Marketing Officer (Group I) has been promoted to the same post, purely on officiating basis with effect from 17-2-84 till the post is filled on regular basis.

No. A.19025/8/84.A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Rana Pratap Singh has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Groun I) in this Directorate at Faridabad with effect from 15-3-84 (FN), until further orders.

G. S. SHUKLA, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 21st March 1984

No. VECC/SCG/801-143/83/1021.—Shri Souresh Chandra Gupta relinquished charge of the post of Scientific Officer-Grade SB on 31-12-1983 (AN) consequent on Superannuation.

R. L. BATRA, Dy. Estb. Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 13th March 1984

ORDER

No. 2/700/81-Adm.—WHEREAS it was alleved that "Sh. Y. S. Bamne. Helper B. DEM (now C&S Group) has shown lack of devotion to duty by persistently remaining manthorisedly absent and abonding his duties w.e.f. 21-9-81. By the above act. Shri Bamne has contravened

the provisions of Rule 3(i) (ii) and (i) (iii) of the CCS (Conduct) Rules 4964".

AND WHEREAS the said Shri Bamne was informed of the charge proposing action against him under Rule 14 of the Central Civil Services Classification, Control & Appeal Rules 1965 vide memorandum of even number dated February 19, 1983.

AND WHERFAS the said Shri Bamne received the said memorandum on 3-3-1983 but did not submit a written statement of defence.

AND WHERFAS an Inquiry Officer was appointed by the undersigned to inquire into the charge.

AND WHEREAS the Inquiry Officer after following the procedure prescribed for the purpose, has submitted his report dated 1-3-1984 exparte, copy of which is herewith enclosed in which the Inquiry Officer has held the charge as proved based on the evidence on record.

AND WHEREAS after going through the Inquiry report and all relevant documents carefully the undersigned, agrees with the findings of the Inquiry Officer and holds the charge as proved.

NOW THEREFORE, the undersigned in excreise of the powers conferred under sub rule (2) (b) of Rule 12 of the CCS (CC&A) Rules read with DAE notification No. 22(1)/68-Adm.II dated July 7. 1979 hereby impose the penalty of "removal" from service on the said Shri Bamne with immediate effect.

Shi Bamne is informed that an appeal against the above order lies with Director, C&S Group, the Appellate Authority. The appeal if any should be submitted to the Appellate Authority within 45 days from the date of receipt of this order.

H. V. AWATRAMANI, Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 19th March 1984

No. NAPP/Adm/26(1)/84/S/2092.—Project Director, Narora Atomic Power Project hereby appoints Shri Om Prakash a permanent Upper Division Clerk and Officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 550—30.—740—35—880—EB—40—960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of 3-12-1983 to 18-2-1984 vice Shri R. N. Shukla. Assistant Personnel Officer appointed to officiate as Administrative Officer-III on ad hoc basis.

M. S. RAO, Chief Administrative Officer

NUCLEAR FUFL COMPLEX Hyderabad-500 762, the 13th March 1984

No. PAR/0704/664.—Further to this office notification No. PAR/0704/3767 dated 26-12-1983, the appointment of Shri C. R. Prabhakaran. Asstt. Accountant as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-E-B-40-960 on ad-hoc basis is extended upto 22-4-1984 or until further orders, whichever is earlier.

The 20th March 1984

No. PAR/0704/692.—Dy. Chief Executive. (A), NFC appoints Shri P. Rajagopalan, Selection Grade Clerk, to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pav of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 on ad-hoc basis from 19-3-1984 to 2-5-1984 or until further orders whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 27th February 1984

No. RRC/A 32014/7/83-R/3244.—The Director, Reactor, Research Centre hereby appoints Shri S. V. Mohan, a quasi-permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific

Assistant (C) of this centre as Scientific Office/Engineer Grade 'SB' in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of February 1, 1984 and until fur-

> S. VENKATARAMAN Admn. Officer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METFOROLOGICAL DEPARTMENT

Delhi-3, the 20th March 1984

No. A12039/2/83-E.I.—The President is pleased to point the following as Meteorologist Grade II in India Meteorological Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th January, 1984 and until further orders :-

- 1. Shri A. K. De
- 2. Shri A. K. Gangopadhyay
- 3. Shri N. K. Pangasa.

S. DAS Dir. General of Meterology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th February 1984

No. A-32014/1/83-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of undermentioned Assistant Aerodrome Officer upto 31-7-1984 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :-

SI. No.	Name
S/Shri	
1. B. K.	Bhaderkar.
2. R. K.	Sen Gupta.
3, J. D. 1 4, R. L.	Mullick.
4. R. L. 5. P. R.	Majumdar, Patwardhan.
6. P. K.	Bancrice.
7. S. D.	Bhoumik.
8. M. K.	Bhoumik. Lokhande. Bardhan,
9. M. K.	Bardhan,
10. I Raj	indran. Moinmalan
10. S. D.	Majumdar. Duggal
12. S. D. 13. Arjan	Singh.
14. C. R.	Chakraborty.
15. A. C.	Srivastava.
10. G. K.	Chakraborty. Srivastava. Bains. Dutta.
18. T. C.	Gurnani
19. K. O.	Chandy.
20. I. S. I	Chandy. Dholakia. nbasiya Rao.
21. N. Sar	nbasiva Rao.
22. R. K.	Sharma. Boy
24. R K	Roy. Majumdar. Majumdar.
25. K. K.	Majumdar,
26. M K	Kurien
27. N. K. 28. Rattan 29. M. R.	Jeswani.
28. Rattan	Kumar.
30. M. Go	Chanam. rev
31. R. Rar	ngarajan.
31. R. Rar 32. S K.	Deswal.
33. K. D.	Uthiaha.
34. K. B.	Raghuvanshi.
36 A K	Dhunar
35. S. N. 36. A. K. 37. J. Shiv	araj,
38. S. W.	M. Roy.
39 Onkar	Singh.

40. M. Chandrasekhar. 41. Kuldeep Singh. 42. K. G. Sharma. 43. J. Stanislaous. 44. M. O. Qureshi. 45. R. H. Iyer. 46. P. Biswas. 47. V. Ranganathan. 48. H. N. Trisal. 49. R. L. Roda. 50. R. K. Kapoor. 51. A. R. Mitra. 52. G. C. Sarkar, 53. R. R. Saxena. 54. S. R. Sharma. 55. G. B. Godbole. 56. A. K. Sinha. 57. N. R. Ghate. 58. V. D. Yadav. 59. D. C. Mishra. 60. V. T. Patil. 61. J. S. Bhatia. 62. R. K. Sharma. 63. R Choubey. 64. S. P. Singh. 65. S. Subramaniam.66. M. J. Motwani. 67. J. P. N. Pandey.

The 15th March 1984

No. A-32014/4/83-E.A.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officers, on purely ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the date mentioned against each name or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at Civil Aviation Training Centre, Bamrauli, Allahabad:---

S. No. Name					Date
S/Shri		 			
1. B. Sarkar					20-2-84
2. S. K. Verma					21-2-84
3. R. N. Thakur .					20-2-84
4. Nathi Prasad .					21-2-84
5. C. S. Tripathi .					20-2-84
6. Bijoy Sharma .					20-2-84
7. R. C. Ferrier .					20-2-84
8. Shyam Babu Sharma	a.				20-2-84
9, R. A. Narayanan				•	29-2-84
10, B. K. Verma .					20-2-84
11. B. B. Srivastava .					20-2-84
Subhash Chandra					24-2-84
13. Subrata Ghosh .					20-2-84
14. V. K. Mehra .					22-2-84
					(A.N.
15. S. Manoharan .					20-2-84
16. P. K. Brahmo .					21-2-84
17. A. K. Srivastava .				•	20-2-84
18. Ram Kumar Sharme	a.		•		20-2-84
19, P. P. Srivastava .					20-2-84
20. G. Bhattacharya .					20-2-84
21. V. V. Singh .					20-2-8
22. M. S. Bharaj .					20-2-84
23. V. P. Gemini .					20-2-84
24. R. C. Ghial .					20-2-84
		 			C D I AT

G. B. LAL

for Director General of Civil Aviatoni

Asstt. Director of Admn-

New Delhi, the 23rd February 1984

No. A-32013/1/82-ES.—The *President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following four officers in the grade of Dy. Director Controller of Aeronautical Inspection in the Civil Aviation Department for the period upto 30-9-83 on the usual terms and conditions.

- Shri A. N. Mukherji
 Shri S. G. Goswami
 Shri S. R. Das

- 4. Shri C. D. Kolhe.

The 9th March 1984

No. A-32013/9/83-FC(.).—In continuation of this Department's Notification No. A-32013/10/82-EC dated the 31st October, 1983, the President is pleased to appoint Shri N. Muniandy, Communication Officer, Aero. Communication, Madras to the grade of Senior Communication Officer on a regular basis w.e.f. 11-1-84 and until further orders,

The 12th March 1984

No. A-24013/3/84-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. Krishnamurthy, Deputy Director, Bombay Airport as Regional Controller of Aerodromes, Bombay Airport, Bombay with effect from 12th March, 1984 to 25th April, 1984.

No. A-38013/1/84-EA.—Shri M. L. Kapur, Senior Aerodrome Officer Office of the Regional Director, Delhi retirements ed from Government services on the 31-1-1984 on attaining the age of superannuation.

G. B. LAL Asstt. Dir, of Admn.

FORFST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES Dehia Dun, the 22nd March 1984

No. 16/421/84-Ests-I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute and Colleges Dehra Dun is pleased to appoint Dr. Jasbir Singh as Research Officer, Forest Soil Cum Vegitation Survey, Coimbatore under the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 29th February, 1984 untill further orders.

> G. S. GROVER Dy. Registrar, Forest Research Institute & Colleges.

MINISTRY OF ENERGY (DEPARTMENT OF COAL)

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION Dhanbad, the 20th March 1984

No. Adm.12(8) 82.—Shri T. N. Mahaton. Assistant. Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad has retired from Government service on attaining the age of Superannuation with effect from After-noon of 29-2-84.

R. S. SHIVANI Commissioner

MINISTRY OF LAW. JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956

In the matter of M v. Matherland Finance Private Limited

Pondicherry, the 9th March 1984

No. 92/560(5)/84.--Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of 'M/s. Mothedland Finance Private Limited' has this day been struck off the Registral and the said company is dissolved.

> (Sd.) ILLEGIBLE Registrar of Companies Pondicherry.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bhattacharice Roy Private Limited

Calcutta, the 11th November 1983

No. 10542 560(5),--Notice is hereby given pursuant Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bhattacharjee Roy Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kwallty Hotels Private Limited

Calcutta, the 11th November 1983

No. 29399/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kwality Hotels Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dis-

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bandipur Knitters Society Private Limited

Calcutta, the 11th November 1983

No. 25742/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bandipur Knitters Society Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Lokenath Trading Company Private Limited

Calcutta, the 11th November 1983

No. 23433/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Lokenath Trading Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of T. P. Exports Private Limited

Calcutta, the 11th November 1983

No. 30423/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of T. P. Exports Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of SAS Exporters Private Limited

Calcutta, the 11th November 1983

No. 31182/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sas Exporters Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Ranjit Private Limited

Calcutta, the 11th November 1983

No. 12322/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Ranjit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

> In the matter of the Companies Act, 1956 and of Supply Syndicate Private Limited

> > Calcutta, the 11th November 1983

No. 33667/560(5).—Notice is hereby given, pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Supply Syndicate Private Limited has this day been struck of the Register and the said company is dissolved,

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Rooster Food Products Private Limited

Calcutta, the 11th November 1983

No. 30873/560(5).--Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rooster Food Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Hawker Saddelev Aircraft Corporation (India) Private Limited

Calcutta, the 11th November 1983

No. 9573/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hawker Saddeley Aircraft Corporation (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of India Cross Machines Limited .

Calcutta, the 11th November 1983

No. 27029/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of India Cross Machines Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Choto Nagpur Mica Syndicate (1932) Private Limited

Calcutta, the 11th November 1983

No. 7435/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chotonagpur Mica Syndicate (1932) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of 4CF Flectricals Private United

Calcutta, the 11th November 1983

No. 29073/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of ACE Electricals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Joseph Herberts & Company Ltd.

Calcutta, the 21st March 1984

No. 24972/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Joseph Herberts & Co. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Tangail Weaving Corporation Private Limited Calcutta, the 21st March 1984

No. 25236/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the Tangail Weaving Corporation Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Geotechnique (India) Private Limited

Calcutta, the 21st March 1984

No. 29348/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Geotechnique (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registater and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of General Savings & Chit Fund Private Limited

Calcutta, the 21st March 1984

No. 30193/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the General Savings & Chit Fund Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Air Compressor Pneumatic Tools (India) Limited

Calcutta, the 21st March 1984

No. 30300/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Air Compressor Pneumatic Tools (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Apex Sea Food Private Limited

Calcutta, the 21st March 1984

No. 30543/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Apex Sea Food Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Achates Consultancy & Services Private Limited

Calcutta, the 21st March 1984

No. 30718/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Achates Consultancy & Services Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Asstt. Registrar Companies, West Bengal. In the matter of the Companies Act, 1956, and of Erode Colmbatore Service Private Limited

Madras-600006, the 21st March 1984

No. D.N./695/560 (3)/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Erode Coimbatore Service Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Addl. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Apollo Chemical Research Pvt. Ltd.

Bombay-400002, the 22nd March 1984

No. 20854/641/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Apollo Chemical Research Private Limited; unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN, Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay-2.

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th March 1984

Ref. No. CHD/50/83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 1266, Sec. 33 situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Chandigarh on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Onkar Chand Jaspal s/o Sh. Gian Chand, r/o H. No. 1318 Sector 15-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdial Singh Ahluwalia s/o Late Sh. Hira Singh, Gurbinder Kaur w/o Sh. Gurdial Singh Ahluwalia, r/o H. No. 3502 Sector 32-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1266 Sector 33 Chaindigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 476 of July 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge,
Ludhiana

Date: 9-3-1984

Seal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th March 1984

Ref. No. CHD/46/83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. 1202 Sec. 21-B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 Sh. Y. K. Singla s/o Sh. Mali Ram, r/o C/o Punjab National Bank, Panipat.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Ravinder Kaur w/o Amarjit Singh,
 - 2. Jatinder Kaur w/o Harjit Singh.
 - Sh. Amarjit Singh,
 Sh. Harjit Singh ss/o Sh. Kartar Singh, r.'o H. No. 1202 Sec. 21-B. Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1202 Sector 21-B. Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 447 of July 1983 of the Registering Authority, Chandgarh.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 9th March 1984

Ref. No. RAC. No. 517/83-84.—Whereas, I, M.JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

referred to as the sand Act, have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. D. No. 172 situated at Macherla (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Macheria on July '83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shaik Abdul Sattar, S/o Sayced Saheb, Macherla, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) D. Seetharamamma W/o Ramireddy, Rammalam Adaka, Macherla, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill at Jammalamadaka, vide document Nos. 1037, 1038/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 9-3-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 9th March 1984

Ref. No. RAC. No. 518/83-84,—Whereas, I, M.JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T S. 159 situated at Suryaraopet Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada on July '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reflection or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 V. Suryanarayana, S/o Kamasastry, Ramalingeswara Agraharam, Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferor)

(2) Y. Suryanarayana Murthy, S/o Sri Apparao, Gopalakrishna Street, Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at T.S. No. 159, area of 740 Sq. yds, at Kakınada vide document No. 6449, 6514/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Date: 9-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th March 1984

Ref. No. RAC. No. 519/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 742-2 situated at Nidubrolu Ponnuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponnuru on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Sadhu Joseph Priest, Christian Peta, Nidubrolu, Guntur,

(Transferor)

 V. S. Benjaman, Head Master Christian Peta, Nidubrolu, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Uidubrolu, area of 630 sq. yds. vide document No. 1266/83.

M. JEGAN MOHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-3-1984

Sea:

FORM ITNS----

(1) Shri Y. Survanaravanamurthv 8/0 Paparao, Copatakrishna Veedhi, Ramaraopeta, Kakinada,

(Transferor'

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Suryanarayana S/o Kamasastry, Ramalingeswaraswamy Agraharam Ramaraopeta, Kakinada,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th March 1984

Rul. No. RAC. No. 520/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 200 situated at Timmapuram Kakinada (and proper fully described in the Schedula approved bereto)

S. No. 200 situated at Timmapuram Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHI DULE

Vacant land of 0-78 Cents, at Timmapuram, vide document No. 6450/83.

M. JEGAN MOHAN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

42-16GI/84

Date: 9-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th March 1984

Rei. No. RAC. No. 521/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 384 & 385 situated at Kothapeta Kakınada

RS No. 384 & 385 situated at Kothapeta Kakınada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the legistering officer at Kakinada on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ansing from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati S. Satyavathi W/o Sii N.arasimham, Kakinada.

(2) Shir G. V. Rao & Others Kothapeta E. G. Dt. (Transferor)

' (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of Ac. 1-43, at Kothapeta, vide document Nos. 6662, 6663, 6604, 6605/83.

M. JEGAN MOHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely '—

Date . 9-3-1984

817**7**

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hayderabad, the 12th March 1984

Ref. No. RAC. No. 522/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 29B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1009 situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrl Trilochan Singh S/o Harban Singh Vizag.

(Transferor)

Shri R. K. Rastoii
 S/o Radha Krishna Rastoji
 No. 42, Kirlampudi,
 Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of 889 sq. yds. at Vizag. document No. 8404/83.

M. JEGAN MOHAN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1984

Sea:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA '

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hayderabad, the 12th March 1984

Ref. No. RAC. No. 523/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 93/1B situated at Rayanapadu, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada en July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri B. 'Krishna & Others Rayanapadu, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri R. N. Satvadev M. Director M/s. Modern L.P.G. Cylinders, Manufactures Pvt. Ltd., Vijavawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. and admeasuring Ac 12/1/2 Cents. at Rayahapadu, Vijayawada, vide document Nos. 51117, 5118, 5119, 5120/83.

M. JEGAN MOHAN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1984

Ref. No. RAC. No. 524/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R6. 25,000/and bearing

No. 9 situated at Sabbavaram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on July '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

 Vurahalamma W/o B. Appalaraju, Marturu, V. Narayana Raju & Others, Marturu, Vijayawada.

(Transferor)

 M/s. Siddartha Farms (P) Ltd., . Midhilanagar Vijayawada, Krishna Dt.

(Transferce)

Objections, it uny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and of 2.06-1/2 Cents, 2-06/1/4, 2-06/1/4 Cents, & 2-06/1/4 Sabbavaram vide documents Nos. 2145, 2143, 2142, 2141/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1984

Ref. No. RAC. No. 325/83-84.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 885/1 situated situated at Srikakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Srikakulam on July '83 for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) A. Radha Krishna & Others, Chinna Bazar, Vecdhi Srikakulam, Town.

(Transferor)

(2) Sri Ramakrishna Govt. Employees, Co-op. House Building Society, Ltd., N. Satyam, Balaga Ward, Srikakulam, Dt. Srikakulam Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

l and admeasuring of 11568 Sq. yds, at Srikakulam, vide documents Nos. 1468, 1469, 1470/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1984

Ref. No. RAC. No. 526/83-84.—Whereas, I M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. 147/1 situated at Enikipadu, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on July '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:--

(1) V. Pushpavathi & 5 Others, Krishna Lanka, Vijayawada,

(Transferor)

(2) Vijaya Agro Products (Pvt) Ltd., 27-14-59, Rajagopalachari Street Governorpet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land of Ac. 3-02 at Fnikipadu vide document Nos. 4721, 4725/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1984.

 P. V. Sivasestry, Parwtiswara Sastry & Others, Kothapeta, Guntur.

(2) G. Sambiajyam, W/o Dr. Dhananjaya Rao,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Harnadha Children's Nursing Home, Kothapeta, Guntur. (Tra

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1984

Ref. No. RAC. No. 527/83-84—Whereas, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

12-20-81 situated at Kothapeta Guntur (and more fully described in the Schedule annexed heretc), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on July '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Guntur area of 328-3/4 Sq. yds, vide documents Nos. 6211/83.

M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabud (AP)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

D to: 12-3-1984

(1) T. Rukmini Devi W/o Krishna Reddv. Ankireddy Palem, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amaravathi Glass Works (P) Ltd. D. No. 26-1-33, Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1984

Ref. No. RAC No. 528/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN

MOHAN being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

741/A situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on July '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land of Ac. 8-65 Cents, at Ankireddy Palem, Guntur vide documents Nos. 6450/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43—16GI/84

Date: 12-3-1984.

(1) G. V. R. M. Rao, Railpeta Guntur & Others, Guntur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Venkateswarlu & Others, Yerrahalem, Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1984

Ref. No. RAC No. 529/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent' Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

602 situated at Mangalagiri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangalagiri on July '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land of 4-1/2 Acrs at Nivutur Managalagiri, vide documents Nos. 2496, 2498, 2487/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 12-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1984

Ref. No. RAC. No. 530/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 27/1 situated at Kalapaka, Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amalapuram on July '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Kameshwari & Others, Krishna Nagar Vizag-2.

(Transferor)

(2) N. Venkatarama Krishna Dosakayalapadi, Korukonda, Anakapally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Land of 49-94 at Kalapaka, vide documents Nos. 3244, 3246, 3247, 3248, 3249, 3251, 3250, 3252, 3253/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1984.

The Indian Hume Pipe Co. Ltd., Bombay, V. B. Kulakarni, Kothavalasa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Uma Jute & Tin Mills, T.B.V. Ramayya, Kothavalasa, V.M. Pet, Vizianagaram.

may be made in writing to the undersigned.

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1984

Ref. No. RAC. No. 531/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

232 situated at V. M. Peta Vizianagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Vizianagaram on July '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 11 Acrs, -05 Cents at V. M. Peta VZM vide documents Nos. 1336/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1984.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M. Apparao, Tadepalligudem.

(Transferor)

(2) K. Kondalarao, D. No. 11-11-6, Tadepalligudem.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

(HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1984

Ref. No. RAC. No. 532/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

11-11-6 situated at T. P Gudem Tadepalligudem (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadepalligudem on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by normal than fifteen part every of the property and therefore and therefore and the property and

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 11-11-6 Tadepalligudem, vide Document No. 3512, 3216/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-4-1984 Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, (HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1984

Ref. No. RAC. No. 884/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat situated at Punjagutta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesain exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of !ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any maome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Virgo Constructions, Represented by Shri R. N. Reddy, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. R. Pushpalatha, Flat No. 10, Block-E, Kanti Sikhara Apartments, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 10, Block E, Kanti Sikhara Apartments. Punjagutta, Hyderabad admeasuring 648 fts., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 3930/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-3-1984

(1) M/s. Shanti Constructions, 11-5-266/4, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Kauser Ahmed, 218-B, Red Hills, Hyderabad.

(Tranferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, (HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1984

Rcf. No. RAC. No. 885/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as eforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11-5-266/4/21, Indraject Apartments, Red Hills, Hyderabad admeasuring 1060 sft., registered by the S.R.O Hyderabad vide Document No. 5209/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-3-1984

Seal: '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Shanti Constructions, 11-5-266/4, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd, Saycedu Gafar Khan, 218-B, Red Hills, Hydorabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE, (HYDERABΛD (A.P.)

Hyderabad, the 5th April 1984

Ref. No. RAC. No. 886/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11-5-266/4/17, Indraject Apartments, Red Hills, Hyderabad admeasuring 1060 sft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide Document No. 7998/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, (HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1984

Ref. No. RAC. No. 887/83-84.—Whreeas, f, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderubad on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: – 44-16G1/84

(1) M/s. Shanti Constructions, 11-5-266/4, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Baquer Ahmed, H. No. 17-8-646, Dabeerpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in 11-5-266/4, Red Hills, Hyderabad admeasuring 1030 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 5193/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabod (A.P.)

Date: 5-3-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, (HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad ,the 5th April 1984

Ref. No. RAC. No. 888/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 /- and bearing No.

Flat situated at Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition for the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. R. Suri, Flat No. 30, 116 Southern Avenue, Calcutta-700029.

(Tranferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 608, A-Block, Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad admeasuring 873 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 2146/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th March 1984

RAC. No. 889/83-84.--Whereas, I

M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Begumpet, Hyder bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vallabhnagar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Srinivasa Builders Pvt., Ltd., 1-2-583/4/A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Sobha Rani, 1-10-215, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 in Srinivasa Towers 'A' 6-3-1187, Begumpet, Hyederabad admeasuring 1600 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2285/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th March 1984

RAC. No. 890/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at Nandigaon (v) Shadnagar Tq.•
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Shadnagar on July, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ausing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. New Harizan Farm Enterprises Nandigaon village, Shadnagar Tq., Mahaboobnagar Dt., Rep. by Sri Veda Chandrajah & Others, Partners. (Transferor)
- (2) Hyderabad Cylinders (P) Ltd., Rep. by Sri Soma Panduranga Reddy, M.D. Shop No. 11, R.B.V.R. Shopping Complex, Tilak Road, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 4 acres 391 guntas situated at Nandigaon (v) Shadnagar Taluk, Mahaboobnagar Dt., registered by the S.R.O. Shadnagar vide document No. 1076. 1083 and 1173/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1984.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.) Hyderabad, the 5th March 1984

RAC No. 891/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Miyapur (v) R.R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt. in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Narayana Rao & Others, Mudinepalli village, Krishna Dt.,

(Transferor)

 M/s Deepti Sree Co-op. Housing Building, Society Ltd., 6-3-960/B, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Miyapur village, R.R. Dt. admeasuring 3 acres registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 5474/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th March 1984

RAC. No. 892/83-84.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at S.D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at R.R. Dt. in July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Srichand and Others. 1-8-264/6, Sindhi Colony, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Natural Construction Co., Office at 5-9-13, Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Exchange of 4272 sft. if plinth area on the 1st floor to 1328.73 sq. yds. at 112 S.D. Road, Secunderabad registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 5226/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th March 1984

RAC No. 893/83-84.-Whereas I,

M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land & Sheds situated at Adon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Adoni in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- hb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1) Sri K. R. Hanumantha Reddy, s/o Narasa Reddy,

(Transferor)

(2) Sri Shiv Raj Rathi, s/o Nathumal Rathi, Pr. M/s Murali Narayan Ginning Factory, Hansojipet, Adoni.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 60 cents along with Shed, Office room, and godowns registered by the S.R.O. Adoni vide document No. 1653/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th March 1984

RAC No. 894/83-84.—Whereas 1, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Jeedimetla R.R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Modohal in July 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Menghraj B. Sajnani, 1-8-303/28, Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Md Asadalí, 17-6-565, Outside Dabeerpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed with plot in B-12, IDA leadimetla village, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Medchal vide document No. 2509/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 5-3-1984.

- (1) M/s Gokul Co-op Milk Supply Society Ltd., 5-4-330, M.J. Market, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Addagutta Co-op. Housing Society Ltd, Last Marrodpally, Secunderabad,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th March 1984

RAC No. 895/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Kukatpally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt., in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of may income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and admeasuring 47 acres 18 guntas situated at Kukatpally village R.R. Dt., registered by the S.R.O. R.R. Dt., vide document No. 5347/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the troresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45—16GJ/84

Date: 5-3-1984.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

· OFFICE OF THE INSPECTING · ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th March 1984

RAC No. 896/83-84.—Whereas, I,
M JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
I and situated at Kukatpally R.R. Dt.,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908

has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. Ravinder Reddy, 3-8-49, Fatesultan Lane, Nampally, Hyderabad. Gokul Co-op Milk Supplying Society Ltd.,
 4-4-330, M.J. Market, Hyderabad.
 Sii P. Narasimha Reddy and Other, Kukatpally Hyderabad.

(Transferor)

(2) Bhagyanagar Co-op Housing Society Ltd., TAB. No. 721, Kukatpally, Hyderabad. Rep. by Sri A. S. Raju, President 3-5-213/3, Vittalwadi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nouce in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 83 acres 76 guntas situated at Kukatpally Hyderabad registered by the S.R.O. R.R. Dt. vide document Nos. 5169/83, 5348/83 and 5435/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-3-1984.

1) Shri K. B. Kunji Krishnan Nair, R/o 14-64/31, Uppal, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Srinivasa s/o L. N. Panigraphy, R/o A-6, Habsiguda, Secunderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

. Hyderabad, the 5th March 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 897/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering officer at

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

House situated at Uppal, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

transfer with the object of-

Uppal on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House property situated at Uppal, R. R. Dt., registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 3278/83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°C of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-3-1984 Seal:

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 5th March 1984

Rcf. No. RAC. No. 898, 83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and heating No.

Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Akbar Bagh, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed herto) has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Hyderabad on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Narabatla Prameela Devi, 16-2-40/A, Akbar Bagh, Malakpet, Hydernbad.
- (2) Smt. Abudunnisa Begum. 16-2-66, Akbar Bagh, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 16-2-40/ Λ at Akbar Bagh, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3824/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1984

Scal:

 Smt. G. Anasuya, H. No. 1-1-189/1 to 5, Viveknagar, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Bheekam Singh and Smt. Meena, 14-11-380, Chowranjinci, Machilipura, Hyderabad. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

Ref. No. RAC No. 899/83-84.—Whereas, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Land and shed Chikkadpally situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkapally on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land with shed bearing D. No. 1-1-283/8, Bapunagar, Chikkadpally, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 477/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-3-1984

(1) Sri Vazir Ali, s/o Hassan Ali and Others, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(2) Dr. T. Yadaiah s/o T. Sailoo, 18-6-799, Laldarwaza,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (,AP.)

Hyderabad, the 13th March 1984

Ref. No. RAC. No. 900/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Tilak Rd., Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

Has been transferred under the registration Act, 1706 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Hyderabad,

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-1-15 and 4-1-16, Tilak Rond, Hyderabad resistered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3964/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-3-1984

FORM LT.N.S .--

(1) Smt. P. Laxmi Ramdass, W/o P. Raja Ramdass, 3-6-145/7, Himayathnagar, Hyderabad.

Transferoi) (2) Di. L. Vijay Kumar and Di. Mrs. L. Medical Practitioner, Padkar village, Kalvakurthi taluk, Mahaboobnagar Dt., Vijayalaxmı, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC No. 901/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Himayathnagar Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ** are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 433 sq. yds. of land and Ground floor 1422 sft. 111st floor 1422 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 482/83.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 13-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC. No. 902/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Acf, to the following persons, namely:—

 Sri Ramesh Asthana, S/o Dinesh Chandra Rep. by GPA Ambarish Asthana, Fatch Manzil, Khairatabad, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri Gow'i Shankar, 8-2-682/1, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same nearing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing M. No. 3-2-69/B/6, Hyderguda, Bashcerbagh, Hyderebad admeasuring 410 sq. yds, registered by the S.R.O., Hyd'bad vide document No. 3820/83.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incompeter, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 13-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri P. Venugopal Reddy, S/o Pichi Reddy, 1-2-217/16/2, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sti R. Malla Reddy, S/o Malla Reddy, R o Chinnamatenipalli, Gajwel Taluk Medak Dt..

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC. No. 903/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bagh Amberpet

Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Chikkadpally on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the spid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Rahatnagur, Bagh Amberpet, Hyderabad registered by the S.R.O. Chikkadpally vide document No. 511/83.

M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984.

Seal:

46-16GI/84

(1) Dr. G. R. Bhaskar, H. No. IJ-9, Officer's Colony, Irramanzil, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. V. Laxmi, D/o V. Jogayya Sarma, H. No. 6-3-661/4 (Portion in IInd floor) Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC No. 904/83-84.—Whedeas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Portion in 11nd floor situated at

Somajiguda Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Hyderabad on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1000/5800 share in premises No. 6-3-661/4, (Portion in IInd floor) Somajiguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3818 83,

M. JEGAN MOHAN, Comeptent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 13-3-1984.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 13th March 1984

RAC No. 950/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1861 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion in IInd floor situated at

Somajiguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

INS....... (1) D1. G. R. Bhaskar, H.N. IJ-9, Officer's Colony, Irramanzil, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. V. Sarada, D/o Sri V. Jogayya Sarma 6-3-661/4 (Portion in Hnd floor), Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

650/8500 share in premises No. 6-3-661/4 (portion in Ital floor) Somajiguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyde.abad vide document No. 3813/83.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rarge, Hyderabad (A.P.).

Date: 13-3-1984.

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. G. R. Bhaskar, H. No. 11-9, Officer's Colony, Irramanzal, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt Chayadevi, W o Dr. B. Hemadri, Q1. 321, Railway Hospital, Lalaguda, Sec'bad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC No. 906/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedingly Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion in 11nd floor situated at

Somajiguda, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

650 5800 share in premises No. 6-3-661/4 (3rd floor portion) Somajiguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3812/83.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 13-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. G. R, Bhaskar, H. No. 1J-9, Officers' Colony, Erramanzil, Hyderabad.

(Transferor)
(2) Smt. B Maheswari, w/o. Sri B. Ch. V. Subba Rao,
6-3-661/4, 3rd floor, Somajiguda, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'T COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 13th March 1984

RAC. No. 907/83-84. Whereas I, M, JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Portion in 3rd 'floor situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on July, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1000/5800 share in premises No. 6-3-661/4, Somajiguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3855/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri T. Seshagiri Rao, H. No. 21/3 RT, Vijayanagar Čolony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs) Lateefunnisa Begum, H. No. 16-6-594, Osmanpura, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC. No. 908/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at A. C. Guards, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective p whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 in M. No. 6-2-45/8, A. C. Guards, Hyderabad admeasuring 432 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4016/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984. Settl:

 Sri N. Thirumal Rao, Katlakunta village, Metpally, Karimnagar, Dt,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. R. Vidyadhari, H. No. 3-5-15/8, Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, 13th March 1984

RAC. No. 909/83-84 Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

Land situated at Erramanzil Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 at Erramanzil, Hyderabad admeasuring 440 aqyds, registered by the S. R. O., Hyderabad vide document No. 4279'83.

M, IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-3-1984.

FORM ITNS ----

(1) Sri N. Thirumal Rao, Katlakunta village, Metapally, Karimnagar Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, 13th March 1984

RAC. No. 910/83-84 Whereas, 1

M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Erramanzil Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Dr. R. Nageshwara Rao, H. No. 3-5-15/8, Lingampally, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 240 sq.yds. situated at Erramanzil Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4262/83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

. - -----

(1) Sri Quazi Azizur Rahman, H. No. 23-2-352. Mughalpura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Kakatiya Vidya Samskrithika Sangham (Khamma Sangham) M. No. 8-3-949/1/B, Ammerpet, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC. No. 911/83-84 Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ameerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1983

Hyderabad on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Ameerpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5039/83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

47-16GI/84

Date: 13-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri K. Venkata Rangarao and others, Thirupathi

(Transferor)

(2) Krupa Chalapathi Padmavathi Co-Op. House Building Society, Rep. By Sri M. Laxmana Rao, Thirupathi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC. No. 912/83-84 Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Upparapalem (V) Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thirupathi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1-10 acres situated at Upparapalem village, Thirupathi, Chittoor Dt., registered by the S.R.O., Thirupathi vide document Nos. 3870, 3906, 5140 and 5124/83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC. No.913/83-84 Whereas I M, JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beairing

No. House situated at Padugupadu Kovvuru, Nellore Dt., (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officre

at Kovvuru on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Y. Ranga Reddy Sri V. Venkata Ramireddy and others, Cherukuru village, Kovvuru taluk, Nellore Dt.,

(Transferor)

(2) Sri Vakati Thiripalu and Smt. Vakati Nagaratnamma, Railway Feeders Road, Kovuru, Kovuru Taluq, Nellore Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Padugupadu village D. No. 1-4-17/1 registered by the S.R.O., Kovvuru, Nellore Dt., vide 4 separate sale deeds bearing document Nos. 665, 670, 664, and 669/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-3-1984.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC. No. 914/83-84. Whereas, I

M, JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Chikkadpally Hyderabad

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Chikkadpally on July 1983 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Spit. P. Rukminamme alias Rukmini Bal, w/o. late P. Subba Rao, 3-5-596, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. S. Babu, s/o. late P. Viswanatham, 3-6-457, Hardikar Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 1-1-230/8/3 and 1-1-20/8/4, Viveknugar, Chikkadpally, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 506/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 13-3-1984.

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th March 1984

RAC. No. 533/83-84 Whereas, 1 ml, JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable immovable in the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Ponduvva (V) W.G. Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ganapavaram on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sti V. Venkata Somaraju, 4th Ward, Bhimavaram, W.G .Dt.,

(Transferor)

(2) Smt. P. Kamayamma and Sri P. Venkataratnam, 6th Ward, Bhimavaram, W. G. Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter...

THE SCHEDULE

Land admeasuring 15-94 acres situated at Panduvva village W.G. Dt., registered by the S.R.O., Ganapavaram vide document No. 1452 and 1453/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 13-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th February 1984

C.R. No. 62/38876/83-84/ACO/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

No. 17-15-1163 in T.S. No. 697-R.S. No. 971

situated at AG. Attavar village, M'lore city (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at M'lore Tq. on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri D. R. Kamat Kaprigudda, Falmir. M'lore.

(Transferor)

(2) Shri Velerian A. C. Mascarenhas Officer, Vysva Bank 1.td. (2) Mrs. Judith Mary Aurila Mascarenhas Teacher, N.C.C. Compound, S. L. Mathias Road, Falmir. M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 252/83-84 Dated 15-7-1983) Property bearing No. 17-15-1163 in T.S. No. 697 R.S. No. 971 situated at AG, Attawar village Mangalore city.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

B'lore-49.

(2) Shri Ram Ashary Rai C/o M/s Loharu Steel Industries Ltd., 12th Mile, Old Madras Road,

(1) Shri V. Jayakumara Reddy Sodan Post,

Chittoor Distt. A.P.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th February 1984

C. R. No. 62/38735/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, manju B'lore (and more fully described in the Scheduel annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 975/83-84 Dated 15-7-1983) Property bearing No. 869 situated at Binnamangala I Stage Indiranagar, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangulore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-2-1984

(1) Shrimati Sabiha Mohiyuddin No. 18. Cunningham Road, B'lore-52.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajiv Kumar Gupta Dilip Kumar Ourta, No. 6. II Cross. M. R. Lane. Akkipet, Blore City,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th February 1984

C. R. No. 62/39017/83-84/ACQ/B.-Wherens, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value oxceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 situated at V Cross Vasanthanagar, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 15-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as even in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1325/83-84 Dated 15-7-1983) Property bearing No. 11 situated at V Cross, Vasanthanagar, B'lore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd March 1984

C. R. No. 62/38984/83-84/ACQ B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 16 situated at S. G. N. Layout, Lalbagh Road, West Cross, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 Shri A. Pyarejau
 S/o Late M. Abdulkhader
 12. Alfred Street. Richmond Town. B lore-25.

(Transferor)

(2) Shri Nonuilal, No. 22/1, Alfred Street, Richmond Town, B'lore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1493/83-84 Dated 25-7-1983) Porperty bearing No. 16 situated at S. G. N. Lavout, I albagh Road, West Cross. Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, . Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-3-1984

(1) Mrs. Jayashree Perumal Chandiramani No. 42. Assaye Road, "Sita Nivas" Sindhi Colony, B'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Sabhia Mohyuddin No. 18, Cunningham Road, Civil Station, R'lore

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd March 1984

C. R. No. 62/38738/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39 situated at Da Costa Square, St. Mains Town, Blore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Shivajimagar on 13-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 958/83-84 Dated 13-7-1983)
Property bearing No. 39 situated at Da Costa Square. St.
Manis Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Balgadore-560 001, the 5th March 1984

C. R. No. 62/39082/83-84/ACQ B.—Whereas. 1. MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 10, New No. 2967/1 situated at Block No. V, Adipampa Road, V. V. Mohalla, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 11-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Bibl Chandy No. 10, Block V. Adipampa Road. Vanivilas Mohalla. Mysore-20.

(Transferor)

 Shrimati B. S. Lakshmidevamna No. 14, Model House Street, No. 4, Manasna Road Cross, Ittigemid. Nadarbad Mohalla. Mysorc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1529/83-84 Dated 11-7-1983)
Property bearing No. 10, New No. 2967/1, Situated at
Block No. V Adipampa Road, V. V. Mohulla, Mysore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560'001, the 28th February 1984

C. R. No. 62/38791/83-84/ACO/B.—Whereas, I. MANIU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11(7) situated at Tumple Roud, Malleswaram, B'lore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Gandhinagar on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been est which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vikram Builders, Managing Partner: Sri V. C. Raju, Old No. 62/1, VI Tample Road, Malleswaram, B'lore-3.

(Fransferor)

(2) Shrimati R. Vijayakumari W/o Shri K. Natarajan No. 25, I Main Road, Kodandaramapuram, B'lore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1062/83-84 Dated 15-7-1983)
Property bearing No. 11, New No. 17 situated at III
Temple Road, Malleswaram, B'lore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELIII

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No IAC/Acq 1/37FE/7-83/294.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1322 situated at 89-Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii J. P. Tripathi R/o Modi Spg. & Wvg. Co. Ltd., Modi Nagar, (UP).

(Transferor)

(2) Shi P. K. Jain HUF. Master Jai Preet Singh u/g Col. Jaswant Singh, Mr. Manoj Jain, 510-Mansrover, 90-Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1322 mg. 350 sft. in 89-Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHNDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi

Da e: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Sarabjit Singh, Mrs. Haricet Kaur, 6-Cavalry Line.

Mall Road, Delhi

115, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg. New Delhi.

(1) M/s Ansal Properties & Industries

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13. GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-83/295.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. UB-7 situated at 21-Barakhamba Rd., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Rapge-1 on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UB-7 in 21 Barakhamba Road, New Delhi area 480 sft.

SUDHIR CHNDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/296.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. UB-5 situated at 21-Barukhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC(Acq.) Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redhltion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K, G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri lagdeep Kishore Mrs. Renu ishore, M/s. Jagdeep Kishore (HUF), 5/8, Roop Nagar, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UB-5 in 21-Barakhamba Road, New Delhi mg. 490 sft.

SUDHIR CHNDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM ITNS--- -

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. HUILDING, I P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref .No. IAC/Acq.1/37EE/7-83/297 —Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B situated at 28-Ferozeshah Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule anexed heteto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Kailash Nath and Associates 18-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transleror)

(2) Mr Salil Kapur, Mrs Sanjay Kapur and Mr. Ainy Kapur 3-Aurangzeb Lanc, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 'B' area 1600 sft on 6th floor, 28-Ferozeshah Rd , New Delhi

SUDHIR CHNDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

See

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/298.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beading No. Flat 'C' situated at 28-Ferozeshah Road, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acq. R-I on July, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as

IAC, Acq. R-I on July, 83
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—16GI/84

(1) M/s Kallash Nath and Associates, 18-Barakhamba Road, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Gautam Kapur and Girish Kapur,3-Aurangzeb Lane,N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'C' area 1600 sft. on 6th floor, 28-Ferozeshah Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/7-83/299,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. A situated at 28-Ferozeshah Rd., N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

IAC, Acq. R-I on July, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Kailash Nath and Associates, 18-Barakhamba Road, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Arun Kapur, Mr. Vikram Kapur and Mr. Rajiv Kapur, 3-Aurangzeb Lane, N. Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'A' area 1600 sft. on 7th floor,' 28-Ferozeshah Road, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Dolhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-83/300,--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have, reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 208 situated at 89-Nehru Place, N. Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Ravi Gupta, 58-A, Kamla Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Krishan Kumar Sawhney, Sh. Chander Mohan Sawhney, r/o K-52, Kalkaji, New Delhi, Sh. Sanjiv Sawhney E-509, G. Kailash-II, N. Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208 at 89-Nehru Place, N. Delhi mg. 440 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1. G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/301.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 304, situated at 94-Nehru Place, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Usha Lata, D-1/29, Vasant Vihar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Savita Lall, D-172, Defence Colony, N. Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 94-Nehru Place, New Delhi mg. 537 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Gurjit Singh Mansahia, Rajbha Road Delight, Patiala (Punjab).

(Transferor)

(2) Mrss.Sanjogta Budhraja & Anshu Budhraja, G-22, Green Park, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref .No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/302.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Competent Authority under Section 269B of the Commetax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 15 situated at 77-Nehru Place, New Delhi

Flat No. 15 situated at 77-Nehru Place. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983

IAC (Acq.) Range-1, on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, on 4th floor, 77-Nehru Place, New Delhi 548.5 sft.

SUDIHR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

iDate: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/303.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 804 situated at 21-Barakhamba Road, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Rajiv Associates (P) Ltd., formerly Continental Data Services (P) DCM Premises, Bara Hindu Road, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gimpex Rubbers Prop. Hilton Engineers (P). Ltd., Regd. office 40-Navyug Market, Ghaziabad (UP).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 904, 9th floor, 21-Barakhamba Road, New Delhi area 595 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/304,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rx 25,000/- and hearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 1520 situated at 89-Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at JAC (Acq.)
Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Amar Singh Bhatia
 S/o Shri Avtar Singh Bhatia,
 E-1/106, Lajpat Nagar-I.
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Arun Kaushik d/o Shri R. L. Kaushik, J/1850, Chitranjan Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1520 at 89-Nehru Place, New Delhi 560 sft.

SUDITE CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM TINS----

(1) M/s. Bakshi Vikram Vikas Construction Co. (P) Ltd., 13-Tolstoy Marg. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Tajvans Dugal Miss Sheena Singh & Miss Kishneet Singh (minor), ds/o Mrs. Tejvans Dugal r/o B-15, Maharani Bagh New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq./37EE/7-83/305.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Space No. 1003 situated at 13-Tolstoy Marg. New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed

herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 1003 mg. 397 sft., 13-Tolstoy Marg, New Delh.i.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM ITNS----

(1) Mrs. Rajinder Uppal, E-317, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vinod Kumar, r/o 5/20. Roop Nagar, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/306.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 303 situated at 23, Bergkhamba, Royd, Now, Delhi

22-Barakhamba Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of section 2000 of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons. namely :-50-16GI 84

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 building No. 22-Barakhamba Road, New Delhi area 550 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting ssistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1 Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-83/307.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 108 situated at 7-Tolstov Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Shankar Lall Foundation DCM, Premises Bara Hindu Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena Ahuja, Miss Sangeeta, Ahuja & Miss Rima Ahuja (minor) r/o 153B, Jolly Maker Apartments-I, Cuffe Parade, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial Flat No. 108mg. 428 sft. .7-Tolstoy Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Maker Arvind Ashok Singh & Master Rahul Ashok Singh U/G Sh. Ashok Pratap Singh r/o 5-Western Avenue Maharani Bagh, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Bimal Khosla, r/o P.O. Box 6274, DUBAI (U.A.E.)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref .No. IAC/Acq.1/37EE/7-83/308.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. . Flat No. 1005-A situated at

21-Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1005-A, 21-Barakhamba Road, New Delhi mg. 300 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984

(1) Shri Ashok Pratap Singh, 5-Western Avenue, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Vohra Nursing Home, A-I/6, Rajouri Garden, New Delhi.

110.11.20.11.

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. GOMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/309.—Whereas, L. SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Commercial Flat No. 604, situated at 21-Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983,

or an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Commercial flat No. 604 mg. 595 sft., 21-Barakhama Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-3-1984

(1) Malhan Builders, E-588, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-83/310.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 203 situated at

E-588, Greater Kallash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act is the following persons, namely :-

(2) H. S. Engineering & Marketing Services, 607, Raheja Chambers, 213, Nariman Point Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FRPLANATION: -The terms and expressions used herein 88 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor mg. 379 sft., Plot o. E-588, Greater Kailash-II New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Scal:

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/311.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 103 situated at

1-484, Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri N. K. Malhotra c/o Dr. C. L. Malhotra, Christian Medical College, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Piari W/o (Late) Shri Balwant Singh Thukral R/o Labhnagar, Hoshiarpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION:-- The terms and expressions used herein. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Residential flat No. 103 in E-484, Greater Kailash-II, New Delhi mg, 1050 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) S Dharam Singh as Trustee of Dharam Singh Family 11ust A 2 140, Saldarjang Encalve, New Delhi. (Transteror)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Rappful Mahagener o 1-96, Saket, New Delhi (Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP ESTALE, NEW DFLHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref No. IAC/Acq I/37EE/7-83/312—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Rear portion of Mez floor situated at 12-Eiri Fort Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-1, on July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rea portion of Mcz floor of No 12-Siri Foit Road, New Delhi 950 sft

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 13-3 1984 Seal -

FORM ITNS----

 S. Dharam Singh as Trustee of Dharam Singh Family Trust. A-2/140, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Kumar r/o 109, Seaking Apartment, 10th floor, Pali Hill, Bandra, Bombay,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/313.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Front portion of ground floor situated at 12-Siri Fort Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at IAC (Acq.) Range-I, on July, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of ground floor of Nofi 12-Siri Fort Road, New Delhi 950 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR
CR BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/7-83/314,---Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 304, situated at 87-Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any inmoce or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Washin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the satur Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:— 51—16GI/84 Shri Ashok Kumar Kapoor and Smt. Kamelsh Kapoor c/o A. K. Stationery, 4542, Roshanpura, Nai Sarak, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar s/o late Shri B. M. Kumar & Shri Ravinder Kumar s/o Shri Rajinder Kumar c/o R. K. Engineering Corporation 4-B/10, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial flat No. 304 mg. 530 sft, 87-Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I.'37EE/7-83/315.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Space Nos.1, 2, 3 situated at 17-Barakhamba Road, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer

at IAC. Acq. Range-I on July, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Gujral Estates (P) Ltd. 17-Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Banaik s/o late Shri Chuni Lal Banaik, 'RAJ NIWAS' Hari Har Singh Lane Off. Bariatu Road, Ranchi-8 (Bihar).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space Nos. 1, 2 and 3 on the lower ground floor (Basement) at 17-Barakhamba Road, New Delhi mg. 226 sft. 116.3 sft. 116.3 sft., Total area 498.3 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspectig Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1984

(1) M/s Guiral Estates (P) Ltd. 17-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Vij Bhavan, 10-Malka Ganj, Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTA (E, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/316.—Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vlaue exceeding Rs. 25,000/-

Space No. 67, situated at 17-Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the legistering officer at IAC (Acq.) Range-I on July 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the parent of such apparent consideration and that the of such apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Dayal Das Vij s'o Shri Bhagwan Das Vij,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Space No. 67, on the Lower ground floor (basement) at 17-Barakbamba Road, New Delhi, 186 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 13-3-1984

(1) M/s Gujral Estates (P) Ltd. 17-Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sant Das Vij s/o Shri Bhagwan Das Vij, Vij Bhavan, 10-Malka Ganj, Delhi. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.Il/37EE/7-83/317.--Whereas I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable of the competent and the improvable of the competence of the competenc property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Space No. 66 situated at 17-Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I on July 83
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(basement) at 17-Space No. 66 on the lower ground Barakhamba Road, New Delhi 186 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspectig Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

FORM ITNS ---

(1) M/s Gujral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vinod Banaik, 'RAJ NIWAS' Hari Har Singh Lane, Off: Bariatu Road, Ranchi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 13th March 1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.I,/37EE/7-83/318.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Space No. 4, 63 and 64 situated at 17-Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer at IAC, Acq. Range-I on July, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefore has more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULB

Space Nos. 4, 63 and 64 on the lower ground floor (Basement at 17-Barakhamba Road, New Delhi, mg. 162.9 sft., 219.4 sft and 219.4 sft. Total area 601.7 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspectig Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 13-3-1984

(1) Shri Kamlesh Kumar Rathi. J-194-Saket, New Welhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Davinder Kaur and Miss Harminder Kaur (minor) 19/18C, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUPILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/320,--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 408, situated at Skipper Corner, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason who believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 88, flat No. 408, Skipper Corner, Nehru Place, New Delhi 428 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984

Shri D. N. Budhraja, Mrs. Shukla Choudhery, Mrs. Promila Grover, Mr. J. N. Budhraja, A-1, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUPILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/321.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRÂ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Basement No. 4, situated at 16-Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, Acq. Range-I on July 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (2) Mrs. Veena Uppal, Mrs. Usha Uppal, Mrs. Ranjana Uppal & Mrs. Madhu Uppal 3096, Bhim Gali, Ram Bazar, Mori Gate, Delhi-6. (Transferee)
- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:
 - any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 4, at Kundan House, 16-Nehru Place, New Delhi 784 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1984

FORM ITNS .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/322.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. GF-2 situated at Guru Anged Bhawan, 71-Nehru Place, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:——

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Doon Apartments (P) Ltd., D-370, Defence Colony, N. Delhi.

(Transferor)

 Miss Pooja Gupta (Minor) through mother and natural guardian, Mrs. Asha Gupta, C-26, Defence Colony, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. GF-2 on ground floor mg. 320 sft. 71-Nehru Place, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-3-120-

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/323.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khasra No. 266 situated at Thughlakabad, near Chander Lok Cinema, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
52—16GI|84

(1) M's Competent Builders (P) Ltd., 1911-Competent House 11-14, Middle Circle Connaught Place, N. Delhi.

(Fransferor)

(2) Sh. M. M. Shourie, 2W/6, West Patel Nagar. N. Delhi. Sh. H. D. Shourie, A-3I, West End, N. Delhi. Sh. G. D. Shourie, A-2, West End, N. Delhi. Mrs. Lalita Dixit, R-45, Greater Kailash, N 'Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 flats each mg. 1300 sft.. Khasra No. 266, Thuglakabad Near Chander' Lok Cinema, Chitranjan Park, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I.

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/324.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 25 000/- ad bearing

as the salar very having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- ad bearing Flat No. 1005 situated at 21-Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on July, 1983

Officer at FAC (Acq.) Range-1 on July, 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Master Hemant Bharat Ram, Master Sumant Bharat Ram U'G Sh. Vinay Bharat Ram, Master Ashish Bharat Ram, Kartike Bharat Ram, Decksha Bharat Ram U/G Sh. Arun Bharat Ram & Sh. Vivek Bharat Ram r/o 25-Sardar Patel Marg, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Bimal Khosla, r/o P. O. Box 6274, DUBAI (U.A.E.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1005 area 440 sft. on 10th floor in 21-Barakhamba Road, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f. Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.J/37EE/7-83/326.--Whereas, J. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1st floor situated at Hansalya Bldg., Barakhamba Rd., N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Raj Kumar, E-585, Greater Kailash-II, N. Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Choudhry, 5/13, Punjabi Bagh, N. Delhi. Master Uman Kumar, Master Harish Kumar, 82, N. E. Road, Punjabi Bagh, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ist floor, Hansalaya Building, Barakhamba Road, New Delhi mg. 424 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 13-3 1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Competent Builders, 101-Competent House, F-14, Middle Circle, Connaught Place, N. Delhi.

(Fransieror)

GOVERNMENT OF INDIA

N. Delhi.

(2) M/s A. K. Enterprises, D-916, New Friends Colony,

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. FSTATI NEW DELHU

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-83/327.-- Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing

Flat No. 305 Block-N situated at Connaught Circus, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), at IAC (Acq.) Range-1 on Juyl, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as nforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days 170,11 the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lord v 43 Troff the terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 305 in Block-N, Pratap Bldg. Connaught Circus, ND mg. 753.5 sft.

THE SCHEDULL

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING , ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. Estate NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/328.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have reason to believe that the dimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 409 situated at Competent House, F-14, Connaught Place, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M's Competent Builders, 101-Competent House, F-14, Middle Circle. Connaught Place. N. Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Kamla Family Trust, 416-Kucha Brij Nath, Fatehpuri, Chandni Chowk, Delhi through Sh. P. C. Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 409, Competent House, F-14, Connaught Place, N. Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date:: 13-3-1984

 M/s Rajshree Estates & Enterprises, 100-Sunder Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Miss Rupa Rani d/o Shri Narinder Lal, r/o 60-Golf Links, N. Delhi.

(Fransicice)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1. P. LSTATL NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/330.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 903-A situated at Nehru Place, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on Juyl, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 903-A, Skipper Tower, 89-Nehru Place, N. Delhi 352 sft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I.
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/331.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Shop No. G-6 situated at Nchru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Rauge-I on July, 1983 with the Competent Authority under Section 269AB in his

with the Competent Authority under Section 269AB in his Office at Bangalore under Document No. 242 on 29-6-1983 for an apparent-consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Usha Malhotra w/o Sh. Harish Kumar Malhotra, 116-Koregan Part, Poona

(Transferor)

(2) Sh. Balraj
 s/o Sh. Jagga Ram,
 H. No. 273, R. P. S. Flats,
 near Khanpur Depot,
 Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-6 in Bldg. No. 95, Vishal Bhawan Nehru Place, N. Delhi mg. 319 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, J. P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE 7-83, 332 -- Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 912 arrests

No. Flat No. 912 situated at 21-Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

(1) Master Hemant Bharat Ram. -Master Sumant Bharat Ram minors n g Mr. Vinay Bharat Ram, 25-Sardar Patel Road, N. Delhi,

(Transferor)

(2) M/s Premier Linkers Ltd., 21-A-21, Daya Nand Road. Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 912, 21-Barakhamba Road, N. Delhi mg. 595

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1 Delhi New Dehi

Date: 13-3-1984

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-83/333.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 918 situated at 89-Nebru Place, N. Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tox Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

53 -16G1/84

 Mrs. Chandra Mohini w/o Sh. T. S. Mohan, r/o D-94, Defence Colony, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Bedi s/o Sh. Tarlok Chand Bedi, r/o 2406, Tilak Street, Chuna Mandi Paharganj, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 918 in 89 Nehru Place, N. Delhi area 325 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 13-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Guiral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Bharti Vij w/o Mr. C. N. Vij, Vij Bhaven, 10-Malkaganj, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/7-83/334.→Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Space No. 96 situated at 17-Barakhamba Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitatin gthe reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA* of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 96 on the lower ground foor (Basement) at 17-Barakhamba Road, New Delhi 175 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3 1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Rita Vij W/o Mr. Ravinder Kumar Vij, Vij Bhavan, 10-Malkagani, Delhi.

(1) M/s. Guiral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Road.

New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/335.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable for market value exceeding Rs. 25,000/property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Space No. 71 situated at 17-Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-1, on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Space No. 71 on the lower ground floor (Basement) at 17-Barakhamba Road, New Delhi 175 sft.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Kumar Vij S/o Mr. S. P. Vij, Vii Bhavan. 10-Malkagani, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq./37EE/7-83/336,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ex the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Space No. 97 situated at 17-Barakhamba Road, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Space No. 97 on the lower ground floor (Basement) at 17-Barakhamba Road, New Delhi 175 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I -.G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/337.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Space No. 72 situated at 17-Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd., 17-Barakhamba Road. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sanjogta Vij w/o Mr. P. K. Vij. Vii Bhavan, 10-Malkagani, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 72 on the lower ground floor (Basement) at 17-Barakhamba Road, New Delhi 175 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, l. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.J/37EE/7-83/338,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22 situated at Barakhamba Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 'o the following persons, namely:—

 Sh. Atam Parkash Karta of Atam Parkash & Son. B-75, Greater Kailash-I. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Raghu Sree Sales (P) Ltd. B-75, Greater Kailash-1, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2000 sft, and one garage of built-up area and proportionate unbuilt area at Banglow No. 22-Barakhamba Road, New Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-1
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ≰G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

IAC/Acq.I/37EE/7-83/339.—Whereas, I, Ref. No. SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing clot No. A-38, sintuated at Mohan Industrial Etate, Mathura Road New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC. Acq. Range-I, on July, 1983, for an apparent consideration

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transf and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Manohar Bhatia s/o late Sh. Thakur Dass, r/o 3B/2, Ganga Ram Hospital Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Competent Builders. Competent House. 1st floor, F-Block Connaught Place, New Delhi through Sh. Narender Anand (Partner).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-38, Mohan Industrial Estate, Mathura Road. New Delhi mg. 2925 sq, vds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 p of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/340.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value expending Pa. 25,000/

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.
Flat No. 3, situated at 45-Friends Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1977 (27 of 1957). Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Unitech Builders (P) Ltd., 702-Vishal Bhawan, 95, Nehru Place. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Christiane Belkis Marie Bhagat, Miss Natacha Peatrice Bhagat, Master Amaury Gopal Bhagat, r/o C-28, Mayfair Garden, New Delhi-49.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, at 45 Friends Colony, New Delhi 1663 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984

PART III -SEC. 1]

FORM ITNS-

(1) Mis. Sunena Rani Anand. House No 1030, Sector 27-B, Chandigarh

(Transferor)

(2) Mrs. Gurmeet Kau, F-169, Greater Karlash-II, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P ESTATE NEW DECHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref No. IAC/Acq 1/37EE/7-83/341—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA. being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

ur I bearing No. 1/57, situated at Munjusha Nehru Place New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of rander with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the uforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:

54—16GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 1/57, Manjusha Nohru Place, New Delhi, 751 sft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984 Scal:

(1) M1. B. K. Chhabra, N-252, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gurit Sunch Packet 'L'. 16-G, Sheikh Sarai, Phase-II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/7-83/342.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 918, situated at Devika Tower, Nehru Place, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC. Acq. Range-I on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interected in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 918. Devika Tower, Nehru Place, New Delhi mg 325 sft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-83/343.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value averaging Pa. 25,000/ property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 408, situated at 88-Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. Kamelsh Kumar Rathi, J-194, Saket New Delhi.

(2) Mis Davinger Kaur & ⊮Miss Harminder Kaur, 19/18-C, Rajoun Garden, New Delhi.

(Transferoi)

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408 at 88-Nehru Place, N. Delhi mg. 428 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13/3/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR SR BUILDING L. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/7-83/772.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop Arcade-A, situated at Khan Market. New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bhag Malhotra G, Attorney of Smt. Sarala Sharma wd/o Balkishan Sharma, r/o 4B/22., Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bolraj Malhotra s/o Sh. Daryai Lal Malhotra, 4B/22. Safdarjang Fnclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Arcade-A, situated at Khan Madket New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13/3/1984

Scal:

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/903.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

38, situated at Amrit Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July. 1983

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Punjab Colonisation, Purtap Ice Factory, Hamanyun Pur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh Mehar Singh s/o Sh. Hukam Singh, 38. Amrit Nagar, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 38, Amut Nagar, New Delhi mg. 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13/3/1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/901.-Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 12, Block No. B-2, situated at Safdarjung Dev.
Res. Scheme, N. Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been

transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Shivchandray Dabriwala s/o late Jaluram Dabriwala, 41./1A, Jhowtala Calcutta at Present at 8, Doctor's lane, Gole Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kanahiya Lal Garg S/o late Lala Jugal Kishore Garg, r/o B-2/12, Safderiung Enclave, New Delhi, Chairman & Managing Director of M/s. The Industrial Gases Limited.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 12, Block No. B-2, Safdarjung Dev. Res. Scheme, New Delhi mg. 499.53 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 13/3/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP, ESTATE, NEW DFI HI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-JII/7-83|897.--Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovabic property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-25, situated at Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Authority at

of 1908) in the office of the Registering Authority at New Delhi on July, 1983
of 1908) in the office of the Registering Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Dhan Raj Bajaj s/o Lajiya Ram Bajai. House No. 37, Sector 11-A. Chandigarh,

(Transferor)

(2) Sh. Ram Murti Khanna, S/o Tulsi Ram Khanna and Master Sumit Khanna minor s/o Ram Murti Khanna, 113-Katra Motiram, Inside Hathi Gate. Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-25, Greater Kailash-I, New Delhi mg. 300 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13/3/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX-ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/895.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
C-19, situated at Nizamuddin East, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

(1) Sh. Partan Singh, s/o S. Gopal Singh, r/o C-19, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Sachdev w/o Baldev Rai Sachdev and Sh. Baldev Raj Sachdev s/o Chaman Lal. r/o IIE-38, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No C-19, mg. 200 sq vds. Nizamuddin East, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tix
> Acquisition Range-I
> Delhi/New Delhi

13/3/1984 Dute Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th Murch 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/7-83/891.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. S-168, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --55—16GI/84

(1) Sh. S. Jodh Singh Ubhi, r/o 65/66, New Rohtak*Road, New Delhi.

(2) Sh. Sudarshan Aggarwal, r/o E-467, Greater Kailash-H. New Delhi. (Transferor)

('Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-168 mg. 300 sq. vds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13/3/1984

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Harbhagwan Dass s/o late Shiva Nand, r/o A-225, Kalkaji, New Delhi

through attorney Smt. Sushma Khurana,

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Kumar Khurana s/o Ved Parkash Khurana, r/o A-225, Kalkaji, Now Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/880.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have feision to believe that the initial able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-225, situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any microeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-225, double storey, Kalkaji, New Delhi mg 255.3 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13/3/1984

Scal:

(1) Smt. Usha Rani w/o late Sh. Rishi Ram Suri, 37E/10, East Patel Nagur, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. S. Dharam Singh s/o. S. Batan Singh Trustee Dharam Singh Family Trust, A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/878.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. W-165, situated at Greater Kailash-III, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

New Delhi on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. W-165, Greater Kailash-II. New Delhi mg. 400 sq. yds. (334.4 sq. mtr.)

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/872.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 114, situated at Anand Lok, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Sharda Rani,
 Baba Khadak Singh Marg.
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Baiju Singh, 114, Arand Lok, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 114, Anand Lok, New Delhi admeasuring 193/6 sq. yds. with single storeyed bldg.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP, ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/860A.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-2/9, situated at Safdarjung Devl. Res. Scheme, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the xaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hafiz. Md. Qsman, 14/3, Jhowtola Street, Calcutta,

(Transferor)

(2) Saceda Perveen (Haroon) also known as Mrs, Saceda Haroon Japanwalla, C-2/9, Safdarjang Development Area, New Delhi-16 at present 14/3, Jhowtola Road, Calcutto.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 22 given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19 in Block No. C-2 in Safdarjang Development Residential Scheme within Delhi Development Authority, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 13-3-1984

Scal:

FORM LT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/791.--Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. S-448, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sh. Jaswinder Singh Kohli, r/o D-12, Maharani Bugh, New Delhi .

(2) Sh. Jasbir Singh Madan and Sh. Ravinder Kumar Sachdev. C-37, Pathon Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. S-448, mg. 550 sq. yds. (460 sq. mtrs.) Greater Kailash-II, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th Morch 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/790.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S-247, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Delite Builders, A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi through its partners Smt. Harbans Kaur W/o S. Dhuram Singh and Smt. Surinderiit Kaur W/o S. Jasvinder Singh through attorney Dharam Singh.

(Transferor)

(2) M/s. Jai Commercial Company Ltd. Kanchanjanga (7th floor), 18-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. S-247, mg. 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Daman Saith w/o Sh. S. S. Saith, 28-Nizamuddın East, New Delhi.

(2) M/s Sterling Apartments (P) Ltd 1205. New Delhi House, 27-Barakhamba Road, New Delhi-1. (Tiansferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FI OGR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/773.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 223, Block-B, situated at Greater Kailash-I, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 223, Block-B, Greater Kailash-l, New Delhi mg 300 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 13/3/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th Murch 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/779.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 17-30 to 41 situated at Connaught Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-16GI/84

(1) Shri Parkash Chand, 4804, Deputy Gani, 5adar Bazar Delhi.

(Transferor)

(2) Competent Builders, 101-Competent House, F-14, Middle Circle, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12 share of 1800 sq. yds. equal to 150 sq. yds. in the property known as F-30 to 41, Connaught Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

C-2/48, Safdarjung Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Competent Builders, 101, Competent House, F-14. Middle Circle, Connaught Place, New Delhi.

(1) Sh. Onke Aggarwal,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/780.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA. being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable approach to the said Act'). property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F-30 to 41, situated at Connaught Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12 share of 1800 sq. yds. comes to 150_sq. yds. in the property known as F-30 to 41, Connaught Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 13/3/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/789.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-30 to 41, situated at Connaught Place, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

N. Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Maheşh Kumar Gupta, E-108, Greater Kailash-II,
 N. Delhi.
 Sh. Ramesh Kumar Gupta,
 Sh. Surinder Kumar Gupta and
 Shri Deepak Gupta.

(Transferor)

(2) M/s Competent Builders, 101, Competent House, F-14, Middle Circle, Connaught Place, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

F-30 to 41, Connaught Place, New Delhi known as 1 14. Connaught Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income law
Acquisition Pange-L
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM I.T.N.S.---

 Smt. Durga Devi c/o B. R. Chawla, 40-Shiv Market, Jangpura, Extn., N. Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Nirmal Kanta Madan, 6/19(DS), Jangpura Extn., N. Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-111 7-83/787.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 6/19 situated at Jangpura, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

N. Delln on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt, built Qr. No. 6/19(DS), Jangpura, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-I, Delhi/New Delhi

Date 13-3-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Jiwanda Ram s/o Sh. Sadhu Ram A-190-192, D. S. Kalkaji, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha Kumari Jain w/o Sh. R. D. Jain, r/o A-192, D. S. Kalkaji, N. Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/894.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. A-192 situated at Kalkaji, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at N. Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. A-192, D. S. Kalkaji, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-11I/7-83/775.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Rajokri New Delbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on July, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Randhir Singh Rana s/o Sh. Ram Kishan Rana, r/o Vill. Rangpuri, N. Delhi,

(Transferor)

(2) Shri S. K. Bhatia s/o Sh. K. R. Bhatia, r/o C-3/31A, Rajouri Garden, New Delhi. & Sh. A. P. Mathur s/o Sh. S. B. Mathur, r/o 33- National Park, Lajpat Nagar-IV, N. Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 1 bighas vill. Rangpuri, ND.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ...
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I, P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/783.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Rajokri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jai Dei
w/o Ganeshi Lal,
Kharak Singh and
Hari Ram
ss/o Ganeshi Lul,
r/o Vill. Rajokri, New Delhi and
Inderjit
s/o Gokal Chand Ahuja,
r/o 61/29, Ramjas Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Bahadur Singh s/o Hardev Singh, r/o E-730, Lal Kuan, Badarpur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same menaling as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 4 biswas, bearing khasra No. 1600 Vill. Rajokri. New Delhi,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/782.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Rajokri, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jai Dei w/o Ganeshi Lal Kartar Singh, Hari Ram ss/o Ganeshi Lal r/o Vill. Rajokri, New Delhi & Inderjit s/o Gokal Chand Ahuja 1.0 61/29, Ramjas Road, New Delhi. (Transferor)

(2) Om Wati w/o Kharak Singh and Chameli Devi w/o Hari Ram r/o Rajokri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 18 bighas 8 biswas khasra No. 892 (4-10), 931(4-8), 932(4-8), 1088/4(0-6), 1234/2(4-16), village Rajokri, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date 13-3-1984. Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SHONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/825.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

New Delhi on July, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :-57-16GI/84

(1) Sukhbir Vir Singh, Balral Ramesh ss/o Dhanni, Smt. Bhagwati w/o Dhanni, r/o Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor) (2) M/s Navrang Commercial Co. (P), Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land mg. 12 bighas and 4 biswas, khasra Nos. 1774(4-16), 1775(3-18), 1780/1(1-10), 1781/1(2-0) village Aya Nagar, Teh. Meh. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 13-3-1984.

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/851,-Whereas, L. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agr. land situated at Vill. Aya Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at New Delhi on July, 83

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Narainl Devi w/o Chunni (1/3), Chando Devi w/o Prithvi (1/6) r/o Vill. Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Naviang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land mg. 10 bighas and 18 biswas, khasra Nos. 17619(1-4, 1627/1(3-15), 1622)4-9), 1625(1-10) village Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: | 3.1984.

(1) Smt. Naraini Devi w/o Chunni (1/3), Chando Devi w/o Prithvi (1/6), Vill. Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/7-83/852.—Whereas. 1.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 % and hearing No.

25,000 /- and bearing No.
Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on July, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land mg. 5 bighas and 1 biswa, khasra No. 1623(3-2), 1624(1-19), vill, Ayr. Nagur, Teh. Meh., New Delhi,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely !—

Date: 13-3-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/853.--Whoreas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, [922] (II of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Smt, Naraini Devi w/o Chunni (1/3), Chando Devi w/o Prithvi (1/6), r/o Vill. Aya Nagar, New Delbi,

(Transferor)

(2) M/s Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. kind mg. 10 bighas and 10 biswas, khasra Nos. 1618/2(1-14), 1621(2-15), 1626(4-11), 1628/1(1-10), village Aya Nagar, Teh. Meh. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date · 13-3-1984.

FORM ITNS ---

— (1) Mola s/o Ram Phul r/o Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 13th March 1984

Ret. No. IAC/Acq.1/SR-III/7-83/863.—hereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in agr. land mg. 12 bighas and 4 biswas khasra Nos. 1774(4-16), 1775(3-18), 1780/1(1-10), 1781/1(2-0), village Aya Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 13-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Sis Ram Sharma & Co. 122A/8, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sher Singh Dagar
 s/o Risal Singh
 r/o 257, Shahpurjat, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

HTAT&S © 1. PARAN MOITI 'IUQOA, G-13 GNUOND FI NO NEW DELHI NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/798.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas and 12 biswas Khasra No. 696 min vill. Soltanpur, Teh. Mch., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OI: 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-F
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDIN' ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1954

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/7-83|797.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1983 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of rsuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or wasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shi Inder Singh
s/o Risal Singh
t/o 257, Shahpurjat, New Delhi,
Sham Singh
s/o late Karan Singh
t/o 8C/5, WEA New Delhi
Mis. Vidya Wati
w/o late Karan Singh and
Mrs. Shashi Singh
w/o Sham Singh
r/o 80/5, Wi-A.
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sis Ram Sharma & Co., 122-A'8, Gautam Nagai, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 10 bighas and 17 biswas khasra Nos. 745 min (1-4), 744 min (1-10), 743 min (1 6), 740 mln (1-6), 711 min (0-15) 711 min (0-11), 710 min (1-6), 707 min (1-9), 742 min (1-3), 698 min (0-7) vill. Sultanpur, Teh. Meh. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Delhi/New Delhi.

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/799.—Whereas I SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Budh Ram
S/O Panna lal
through atorney Scis Ram and Banwari Lal
S/O Lila Ram
r/O 36/5, Yusuf Sarai,
New Delhi.

(Transferor)

(1) Shii Vinod Pathak s/o J. C. Pathak i/o 23-Navjeewan Vihar, N. Delhi and Mrs. Phool Kumar Tondon w/o Suraj Parkash Tondon r/o 2311, Sector 35C, Defence Colony, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 6 Biswas, khasra Nos. 739 mm (3-16), 740 min (1-4), 712 min (1-0), 711 mia (0-6), village Sultanpur Tch. Mech., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/802.—Whereas I SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Agri Land situated at Vill. Sultanpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58---16GI/84

 M/s Sis Ram Sharma & Co., 122A/8, Gautam Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sudhir Mohan Chopra, 2036, Rishi Mohalla, Nawanshahar Doaba (Distt.) Jullundur R. N. Kapoor s/o Mangat Ram Kapoor R-543, Shanker Road, N. Delhi & Shanti Sarup Saihgar s/o Ramji Dass.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 5 biswas khasra Nos. 710 mln (0-3), 695 min (0-7), 707 min (1-17), 698 min (3-18), vill. Sultanpur, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/803.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri Land situated at Vill. Sultanpur New Delhi

No. Agri Land situated at Vill. Sultanpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. N. Kapur s/o Mangat Ram Kapur r/o 543, Shankar Road, New Delhi Shanti Sawrup Saihgal s/o Ramji Dass Saihgal r/o R-543, Shankar Road, No. Delhi and Sudhir Mohan Chopra s/o R. H. Chopra 1/o 2036, Rishi Mohalla, Nawan Sher, Doaba (Punjab).

(Transferor)

(2) Sh. Ram Nath Kapur and Shanti r/o R-543, Shanker Road, New Delhi, Sh. hanti Sawrup Saihgal, B-1, Indal Colony, Belgaum (Karnataka).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as grain that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 3 bisaws khasra Nos. 698 min (0-11), 695 min (C-1), 697/2 min (3-7), 696 min (2-4), vill. Sultanpur, Teh. Meh, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/804.—Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri Land situated at Vill. Sultanpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on July 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1). Shri Sis Ram Sharma & Co., 122A/8. Gautam Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri P. K. Bhasin s/o K. K. Bhasin r/o A-62, Gulmohar Park, N. Delhi and Mrs. Radhika Singh w/o Ajit Singh r/o 1-South Avenue, N. Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land Mg. 6 bighas and 6 biswas, khasra Nos. 709 min (3-16), 710 min (1-4), 708 min (1-0), 707 min (0-6), vill. Sultanpur, Teh. Meh., N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 UROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. 1AC/Acq. I/SR-11I/7-83/805.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri Land situated at Vill. Sultanpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Budh Ram
S/o Panna Lal
through attorney Sis Ram and Banwari Lal
s/o Lila Ram
r/o 36/5, Yusuf Sarai,
New Delhi.

(2) Shri B. D. Nakra,
A-1/293, Safdarjung Enclave,
N. Delhi &
Sh. Ram Lal Kohli,
J-413, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 4 biswas khasra Nos. 740 min (1-13), 741 min (4-0), 711 (0-3), 694 min (0-8), viil. Sultaipur, Teh. Meh., N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/800.—Whereas I SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri Lund situated at Vill. Sultanpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Radhika Singh
w/o Ajit Singh
r/o South Avenue, New Delhi and
P. K. Bhasin
s/o K. K. Bhasin
1/o A-62, Gulmohar Park, N. Delhi

(2) M/s Sis Ram Sharma & Co., 122A/8, Gautam Nagar, N. Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same eaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 6 biswas khasra Nos. 708 min (3-16) 707 min (1-4), 705 min (1-6) vill. Saltanpur, Teh. Meh., ND.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income_tax
Acquisition Runge-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Rcf. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/806.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and 'bearing

No. Agri Land situated at Vill. Sultanpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registering Officer at (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Budh Ram
 Panna lal and
 Banwari lal
 Lila Ram, House No. 36/5,
 Yuruf Sarai, N. Delhi,

(Transferor)

(2) Budh Ram Lala Kohri, J-413, New Rajinder Nafar, New Delhi & Sh. B. D. Nakra A-1/293, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 5 biswas, khasra Nos. 744 min (0-3) 742 min (2-17), 743 min (2-0), 741 min (0-16), 740 min (0-7), will Sultanpur, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING 1. P. ESTATE,
NEW DELH!

New Delhi, the 13th Match 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/807.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Agri Land situated at Vill. Sultanpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed licreto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Capital Land Improvement Corporation, G-9, Sidartha,
 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Budh Ram s/o Panna Lal through attorney Sis Ram, Banwari I.al s/o Lila Ram r/o 36/5, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr land mg, 12 bighas and 11 biswas, khasra Nos. 745 min (4-4) 744 min (0-15), 743 (1-10), 746 (4-6), 740 (0-6), 739 (1-0), vill. Sultanpur, Teh. Meh., N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/808.---Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Agri Land situated at Vill. Sultanpur New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Sis Ram Sharma & Co., 122A/s, Gautam Nagar, New Delhi, Budh Ram s/o Panna Lal and Banwari Lal s/o Lila Ram 36/5, Yusuf Sarai, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Phool Kumar Tondon w/o Suraj Parkash r/o 2311, Sector 35C, Defence Colony, Chandigarh & Vinod Pathak s/o J. C. Pathak 23, Navieewan Vihar, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 6 biswas, khasra Nos. 712 min (2-), 709 min (1-0), 710 min (0-6), 711 min (1-4), 712 min (1-8), village Sultanpur, Teh. Meh., N. Delhi.

SUDHIR CHAND^D Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/792.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr., land situate at Vill. Dera Mandi N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Kamla Saigal w/o Om Prakash Saigal r/o E-206, Greater Kailash-II, N. Delbi

(Transferor)

(2)Shri Vijay Julka s/o R. C. Julka, D-111, Panchsheel Enclave, N. Delhi.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazerte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 11 biswas, M. No. 107, killa No. 4/1 (2.8), 7(4-3), vill. Dera Mandi, Teh. Meh., N. Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-any
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/793.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Dera Mandi New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid Exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) fecilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Om Parkash Saigal s/o Late Ram Chand Saigar r/o H. No. E-206, . . Greater Kailash-II. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Ajmera s/o Sh. B. L. Ajmera r/o K-18, Jangpura Extn., N. Delhi.

(Transferet)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saft Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bigha; and 4 biswas M. No. 177, killa No. 3 (4-16), 8/1 (1-8), vill. Dera Mandi Teh. Meh. N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC, Acq. I/SR-III/7-83/795.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill, Dera Mandi New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sultan s/o Udai Chand r/o village Dera Mandi, New Delhi.

(2) Shri Vivek Mehra s/o C. P. Mehra r/o B. 314, New Friends Colony, New Dalhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land mg. 11 bigas and 14 biswas, Mustatil No. 60 killa No. 7(2-6). Mustatil No. 59, killa No. 10(4-12), 11(4-16), vill. Dera aMndi, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. F. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. 1AC, Acq. I/SR-III/7-83/796. —Whereas I,

ocing inc. Competent Authority under Section 269B of no income-tax Act, 1961 (1) of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding as 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi/on July 1983

tor an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Sultan
 Udai Chand
 O Vill. Dora Mandi, Teh. Meh.,
 New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Virendra Kumar Madan s/o late R. D. Madan and Dr. Nishi Madan w/o Sh. V. K. Madan r/o A-1/264, Safdarjang Enclave, New Delhi.

'(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 blghas and 12 biswas, Mustatil No. 59, killa No. 12 (4-16), 19 (2-8), 20(2-8), situated in vill. Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomotax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING 1 P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/832.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill, Neb Saiai, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mesome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sushil Ansal s/oLate Sh. CharanjiLal r/o N-148, Panch Sheel Park, N Delhi

(Tipnsferol)

 Smt Rita Madan w/o Major Gurbu Suigh Madan, N-30, Jangpura Eaxtension, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisites of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg 11 bighas and 18 biswas comprised in Khasra Nos. 585 (2-13), 586 (4-16), 636/1)2 19), and 636/3(1-10), situated in Vill. Neb Sarai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/833.--Whereas 1.

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/7-85/855.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agri. land situated at FVillage Neb Sarai, New Delhi situated at Tonavala Dist Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sushil Ansal s/oLate Sh. CharanjiLal r/o N-148, Panch Sheel Park, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Veeran Devi w/o late S. Ganga Singh r/o N-30, Jangpur Extn., New Dethi Snit. Surjit Wasu w/o Ajit Singh Wasu A-1/15, Panch Sheel Enclave, N. Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 10 bighas and 10 biswas comprised in Khasra Nos. 240/3 (1-16), 597/1 (3-18) and 598 (4-16), vill. Neb Sarai N. Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sušhil Ansal s/o Late Sh. Charanji Lal r/o N-148, Panch Sheel Park, N. Delhi.

(2) Smt. Rajinder Kaur w/o Puran Singh Madan, N-30, Jangpura Extension, N. Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/834.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Neb Sarai New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land rng. 11 bighas and 01 biswa comprised in khasra Nos. 523/1 (1-14), 685/2 (2-00), 686 (4-16), 687 (1-11), 694/2 (1-00) in village Neb Sarai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saxi Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAY 4CT, 1961 (43 OF 1961)

-____

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

No IAC/Acg [/SR III 7-83/848—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lummovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Agr land situated at Vill Gadaipur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, i... respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s East India Apparels, C-1/52, Safdarjang Development Area New Delhi through its partners Surinder ahani, Jagdish oni, C. L. Bhasin and Chander Bhan.

(2) Sh. B. R. Chopra s/o late Haikihsan Dass Chopra r/o 402, Akash Deep, Connaught Place, N. Delhi and Sh. Kesho Dass Sawhney s/o Sh. Tara Chand Sawhney J-58, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Agr. land mg. 4 bighas and 16 hiswas, khasra No. 307, vill. Gadalpur, Teh. Meh. Ne. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING J. F. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-83/850.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—16GI/84

M/s East India Apparels,
 C-1/52, Safdarjang Development Area,
 New Delhi through its partners
 Surinder Sahani, Jagdish Soni, C. L. Bhasin and Chander Bhan.

(Transferee)

(2) Sh. B. R. Chopra s/o late Harkihsan Dass Chopra r/o 402, Akash Deep, Connaught Place, N. Delhi and Sh. Kesho Dass Sawhney s/o Sh. Tara Chand Sawhney J-58, Ashok Vihar, Delhi. r/o J-58, Ashok Vihar, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas, khasra No. 206, situated on vill. Gadaipur, Teh. Mch, New Delhi with tube-well.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No IAC/Acq. I/SR-III/7-83/849.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Gadaipur, N. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s East India Apparels, Now Delhi through its partner
Surmder Sahani, Jagdish Soni, C. L. Bhasin and
Chander Bhan.

(Transferor)

(2) Sh. B. R. Chopra s/o late Harkishan Dass Chopra and Sh. Keshok Dass Sawhney s/o Sh. Tara Chand Sawhney J-58, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas khasra No. 234/1 (2-8), 234/2 (0-12), 234/3 (1-16), vill. Gadaipur, Teh. Meh, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kartar Singh S/o Shri Dalip Singh R/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Radha Devi W/o Shri Ghanshyam Dass R/o Vill. Gadaipur, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT * COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-19 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. STATE,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.J/SR-III/7-83/862.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House on plot No. P-38, mg. 3180 sq. ft. khasra No. 298/1, abadi Laldora of vill. Gadaipur, New Delhi.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. K. Gupta S/o Shri B. N. Gupta Secretary Mahalaxmi Garden Colony, Coop. Agrl. M.P. Soc. Ltd., 69 NJF Road, New Delhi-15.

Smt. Kailash Gupta W/o Shri D. C. Gupta 6-Underhill Road, Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. STATE, **NEW DELHI**

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/868.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property begins a few prope

vable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Rangpuri, New Delhi (and more fully described in schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- · (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 1926/2 (2-9) and 743 2(3-00), Total 5 bighas 9 biswas vill. Rangpuri, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/854.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr land situated at Vill. Khanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satish Chander Malhotar R/o 19 Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Kumar Bafna, Shri Hem Raj Pincha father and natural guardian of Master Pawan Kumar Jain, Amit Kumar Jain and Master Prashant Jain.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 4 bighas and 16 biswas bearing khasra 206 khatoni No. 162/125, Vill. Khanpur, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

 Shri Raj Kumar Malhotra S/o Late Shri Guran Dass R/o 19, Pusa Road, N. Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hem Raj Pincha S/o Shri Rattan Lal Pincha and Shri Pukh Raj Bafna S/o Shri D. C. Bafna all R/o E-45, Greater Kailash-II, New Delhi

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

(Transferee)

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-JII/7-83/810.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill, Khanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bighas and 8 biswa bearing khasra No. 188(2-5), 190/1, 190/2(1-11). 207/1(1-12) and khata No. 162/125, situated in Vill. Khanpur, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income lax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

Seal '

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref No IAC/Acq I/SR-III/7-83/856 —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Agr. land situated at Vill Bhati, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Kumar Gupta S/o Shri Ram Bhaj Gupta R/o R-79, Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Kıran Sagar W/o Shri Shıv Pal Sagar, Master Tushar Sagar S/o Shrı Shıv Pal Sagar through his mother and natural guardian Mrs Kiran Sagar, Mrs. Raksha Kumari W/o Shrı Inderjeet R/o R-106, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr land mg 1 bigha and 16 biswas, khasra No 218 min, vill Bhati, Teh Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date 13-3-1984 Seal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/857.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bhati, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Kumar Gupta S/o Shri Ram Bhaj Gupta R/o R-79, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kiran Sagar W/o Shri Shiv Pal Sagar, Master Tushar Sagar S/o Shri Shiv Pal Sagar through his mother and natural guardian Mrs Kiran Sagar, Mrs. Raksha Kumari W/o Shri Inderjeet R/o R-106, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg, 1 bigha and 16 biswas, khasra No. 218 min, vill. Bhati, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. STATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq1/SR-III/7-83/858.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bhati, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—16 GI/84

(1) Shri Surinder Kumar Gupta Sze Shri Ram Bhaj Gupta Rzo R-79, Greater Karlash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kiran Sagar W o Shri Shiv Pal Sagar, Master Tushar Sagar S/o Shri Shiv Pal Sagar through his mother and natural guardian Mrs. Kiran Sagar, Mrs. Raksha Kumari W/o Shri Inderjeet R/o R-106, Greater Kailash-I. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 1 bigha and 16 biswas, khasra No. 218 min. vill. Bhati, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Shri Dharam Singta (1) S/o Shri Sahju R/o Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri KamleshKumar S/o Late Ved Prakash Kumar R/o P-34, CIT Road, Fntally, Calcutta-14.

may be made in writing to the undersigned: ---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G I3 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. STATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 13th March 1984

Rei No. 1AC/Acq.I/SR-III/7-83/875.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983 New Delhi in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas M. No. 6, killa No. 16 (16(1-15), Vill Bijwasan Teh. Meh., New Delhi 15(1.5)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-III/7-83/876.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any uncome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jai Lal S/o Shri Ramji Lal Vill. Bijwasan, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri KamleshKumar S/o Ved Prakash Kumar R/o P-34, CIT Road, Entally, Calcutta-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 10 bihas and 19 biswas, M. No. 5, killa No. 10(1-6), 5/11(4-16), 5/20(3-10), 6/15(0-10), 6/6(0-17), village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-F
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND 1 LOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No IAC/Acq.I/SR-II/7-83/884.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at ViVII. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Man Singh S/o Shri Nathu and Shri Inderjit Singh S/o Shri Zile Singh R/o Vill. Shahpurjat, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri N. K. Jain, S/o Shri U. S. Jain, R/o C-4/112, SDA, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sai 1 immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notic, 5m the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used he term as are defined in Chapter XXA of the st aid Act, shall have the same meaning as f given its that Chapter.

THE SCHEDULE

1/9th share in agr. land mg. 42 bighas and 10 3 biswas khasra No. 194, min, vill. Bijwasan, Teh. Meh. New Delhi.

Inspecting Assistant Commissioner of Acquisit ion Ranger-Politic Politic Polit

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(f) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I.
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. STATF,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Rel No. IAC Acq.I/SR-III/E-83/898 --- Whateas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. fand situated at Vill. Bijwasan, New Delhii (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Surat Singh, Man Singh S/o Nathun, Shri Inderiit Singh S/o Shri Zile Singh R/o Vill. Shahpurjat, New Delhi.

(Transferor

(2) Miss Neetu Jain D/o Shri Mohinder Kumar Jain R/o D. 1A, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

texplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/9th share in agr. land mg. 42 bighas and 10 biswas khasra No. 194, min, vill. Bijwasan, Teh. Meb. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Man Singh S/o Shri Nathua and Shri Inderjit Singh S/o Shri Zile Singh R/o Vill. Shabpurjat, New Delhi.

(Transletor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. STATE, NEW DELHI

(2) Shii N. K. Jain, S/o Shri U. S. Jain, R/o C-4/112, SDA, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-83/885,---Whereas, I.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-83/885.—Whereas. I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent AuAthority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/, - and bearing No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/9th share in agr. land mg. 42 bighas and 10 biswas khasra No. 194, min, vill. Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-us Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I.
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. STATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

. Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/885.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ntice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Man Singh S/o Shri Nathu and Shri Inderjit Singh S/o Shri Zile Singh R o Vill. Shahpurjat, New Delhi.

(Transferor)

Miss Ranju Jain
 D/o Shri Mohinder Kumar Jain,
 R/o D1A, Green Park,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/9th share in agr. land mg 42 bighas and 10 biswas khasra No. 194, min, vill. Bijwasan, Teb. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

a, <u>च :===== -=,</u> - - - - + +-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/o Shri Zil o Singh R/o Vill. Sh ahpurjat, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. STATE, NEW DELHI

(2) Shri Mohinder Kunnar Jain S/o Shri Gulab Situgh Jain R/o D.1A, Green Park, New Delhi.

(1) Shri Man , Singh

S/o Shri N. uhua and Shri Inderjit Singh

(Transferee)

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/887. - Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as t'te 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for The purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The **C**erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/9th share in agr. land mg. 42 bighas and 10 biswas khasra No. 194, min. vill. Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Man Singh S/o Shri Nathua and Shri Inderjit Singh S/o Shri Zile Singh R/o Vill. Shahpurjat, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/888. -Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, new Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

62-16 G1/84

(2) Shri N. K. Jain, S/o Shri U. S. Jain, R/o C-4/112, SDA, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/9th share in agr. land mg 42 bighas and 10 biswas khasra No. 194, min, vill. Bliwasan, Teh. Meh., New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Man Singh S/o Shri Nathura and Shri Inderjit Singh S/o Shri Zile Singh R/o Vill. Shahpurjat, New Delhi.

(Transfer.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE
NEW DELHI (2) Shri N. K. Jain, S/o Shri U. S. Jain, R/o C-4/112, SDA, New Delhi.

(Transferee)

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/889.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'skid Act', have reason to believe that the immovable property house a fair market value as the condition of t property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bljwasan, New Delhi has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/9th share in agr. land mg 42 bighas and 10 blawas khasra No. 194, min, vill. Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I, SR-III/7-83/899.-Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the namovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S/Shri Surat Singh, Man Singh S/o Nathua, Shri Inderlit Singh S/o Shri Zile Singh R/o Vill. Shahpurjat, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri N. K. Jain, S/o
 Shri U. S. Jain, R/o
 C-4/112, SDA, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/9th share in agr. land mg. 42 biswas and 10 biswas, bearing khasra No. 194, min. vill. Bijwasan, Teh. Meh., New

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/7-83/890.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agn. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharam Singh S/o Shri Sahju
R/o Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Naresh. Kumar So Late Ved Parkash Kumar R/o P-34, CIT, Road, Entally, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, any be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 12 bighas and 12 bigwas, M. No. 6 killa No. 16(3-1), 6/15(3-12), 6/17(4-16), 6/24(1-14), vill. Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P FSTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC /Acq.I. SR-111/7-83/900 -- Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agi. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annied hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) S/Shri Surat Singh, Man Singh S/o Nathua. Shri Inderjit Singh S/o Shri Zile Singh R/o Vill. Shahpurjat, New Delhi.

(Transferor)

 Shri N. K. Jain, S/o Shti U. S. Jain, R/o C-4/112, SDA, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1,9th share in agr. land mg. 42 bighas and 10 biswas, khasra No. 194, min, vill. Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-IH/7-83/827.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been found for the Position Act. 1008

Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 S/Shri Khacheru Mal, Mange Ram, and Rampal Sa/o Shri Shiv Sahal R/o Vill, Delhi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kedarnath Demanisar of Sri Chanddas Daman and Smt. Rekha Devi Damani W/o Shri Bhanwar Lal Damani R/o 123, Govindappa Naicken, Street, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/4th share in agr. land mg. 15 bighas and 5 biswas, M. No. 26, killa No. 15/2(1-4), 16(316), 17(4-16), 23/2 (1-1), 24(3-2) M. No. 32, killa No. 3/1(1-6), vill. Devli, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Har Phoola S/o Shri Moji R/o Vill. Devli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Ranju Jain D/o Shri M. K. Jain R/o D1A, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.f/SR-III/7-83/864,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/48 share in agr. land mg. 17 bighas and 2 biswas M. No. 27 killa Nos. 9/2(1-6), 10/1(2-14), 11(4-16), 12/1(1-18), 20(4-16), 21/(1-12) vill, Devli, Teh Meh. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delta

Date: 13-3-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P FSTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-JII/7-83/826.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S Shri Khacheru Mal, Manga Ram, Rampal Ss/o Shri Shiv Sahai R/o Vill, Devli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Chand Ratan Bagri (HUF) and Brij Rattan Bagri (HUF), 21/4727, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agr. land mg. 15 bights, and 5 biswas M. No. 26 kila No. 15/2 (1-4), 16 (3-16), 17 (4-16), 23/2 (1), 24 (3-2), M. No. 32, killa No. 3/1 (1-6), vill. Devli, feh, Meh, New Delhi.

SUDIIIR CHANDRA'
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-l
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/7-83/865.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer

at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

63-16GI/84

(1) Smt. Bhagwati W/o Shri Har Kishan for self and natural guardian of her minor son Dharamvir, Kanwar Sain, Rajbir S- o Shri Har Kishan, Smt. Kamla Devi D/o Shri Har Kishan, R/o Vill. Devli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Neeru Jain D/o Shri M. K. Jain, R/o Vill. Devli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) hy any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

29/192 share in agr land mg. 17 bighas 2 biswas, M. No. 27, killa No. 9/2(1-6), 10/1(2-14), 11(4-16), 12/1(1-18), 20(4-16), 21/1(1-12), vill. Devli, Teh. Mch., New Delhi,

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP ESTATE
NEW DF' HI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/866.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/866.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of the arts which have not been or which cucht to be disclosed by the transferre for the purpus sort to Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957). Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Bhagwati Smt. Bhagwati
Wd/o Shri Harkishan
for self and natural guardian
Dharamvir, Kanwar Sain, Rajbir
Ss/o Shri Har Kishan,
Smt. Kamla Devi
D/o Shri Har Kishan
R/o Vill. Devli,
New Delhi. New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Anshu Jain D/o Shri M. K. Jain R/o D-1A, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

29/192 share in agr. land mg. 17 bighas and 2 biswas, M. No. 27, killa Nos. 9/2(1-6), 10/1(2-14), 11(4-16), 12/1(1-18), 20(4-16), 21/1(1-12), vill. Devli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the i sue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-3-1984

(1) Nagesh Narayan Kin S/o Sh. Harayan Kin Ketty Nagesh Kin w/o H. N. Kin 29/6, Rajouri Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 13th March 1983

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/7-83/902.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agr. land situated at Vill. Smalka, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Secton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Mrs. Mandetta Mishra, R/o C-2, Moti Nagar, New Delhi. (Transferee)

(2) S/Shri Mahander Nath Misra, Sanjeev Misra Mrs. Mandetta Mishra,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

29/6, 15, Village Smalka, Delhi (5 bighas 6 biswas).

SUDHIR CHANDRA Competent_Authority Impecture, A is a transsioner of Income-tax Á Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-B1/7-83/811.--Whereus, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or some in the habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 S/Shri Hari Chand, Ballu and Lakhmi Chand Ss/o Het Ram R/o Village Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Javashree Singh W/o Dr. S. N. Mishra, R/o 2 Hailly Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural land measuring 9 bighas and 12 biswas, M. No. 9 killa Nos. 13 (4-16), 14 (4-16), with share in tube-well village Jonapur, Tch. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-3-1984

(1) S/Shri Hari Chand, Ballu and Lakhmi Chand Ss/o Het Ram R/o Village Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Jayashree Singh W/o Dr. S. N. Mishra, R/o 2 Hailly Road, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III.7-83/812.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for 1/3rd share in agricultural land measuring 9 bighas and 12 biswas, M. No. 9 killa Nos. 7 (4-16), 8 (4-16)), village Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RAINGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/813.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at New Delhi on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Hari Chand, Ballu and Lakhmi Chand Ss/o Het Ram R/o Village Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Jayashree Singh W/o Dr. S. N. Mishra, R/o 2 Hailly Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service or notice on the respective persons, whicheve, part departs ter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural land measuring 9 bighas and 12 biswas, M. No. 9 killa Nos. 13 (4-16), 14 (4-16), with share in tube-well village Jonapu. Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/814.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (heieinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonepur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S/Shri Hari Chand, Ballu and Lakhmi Chand Ss/o Het Rain R/o V 1 73 Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jayasarce Singh W/o Dr. S. N. Mishra, R/o 2 Hailly Road, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which wer period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural land measuring 9 bighas and 12 biswas, M. No. 9 killa Nos. 13 (4-16), 14 (4-16), with share in tube-well village Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/815.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

 S/Shri Hari Chand, Ballu and Lakhmi Chand Ss/o Het Ram R/o Village Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

.(2) Smt. Jayashree Singh W/o Dr. S. N. Mishra, R/o 2 Hailly Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land mg. 1 bigha 11 biswas M. No. 9 killa No. 18 min (1-5), 19 min (0-6), vill, Jonapur, Teh. Meh., New Delbi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhl/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shi Hari Chand, Ballu and Lukhmi Chand Ss/o Het Ram R/o Village Jonapui. New Delhi. (Tiansfeior)

(2) Smt. Javashree Singh W/o Dt. S. N. Mishra, R/o 2 Hailly Road, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. 'No 1AC/Acq I/SR-1II/7-83/816.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land mg 3 bighas and 4 biswas, M. No 9 killa No. 12 (1-6), 19 min (1-18), vill Jonapui, Feh. Meh, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Delhi/New Delhi

Date: 13-3 1984

Seal:

64-16G1/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE!,
G. 13. GROUND, ELOOP, CR. BUILDING, L. P. ESTATE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/817—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Jonapur New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at typolent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Hari Chand, Ballu and Lakhmi Chand Ss/o Het Ram R/o Village Jonapui, New Delhi. (Transfero)

 Smt. Jayashree Singh W/o Di. S. N. Mishra, R/o 2 Hailly Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menute of a volume in that Chapter

THE SCHEDULE

Agri. land mg. 3 bighas and 4 biswas M. No. 9 killa No. 18 min Vill. Ionapur, Teh Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 S/Shri Hari Chand, Ballu and Lakhmi Chand Ss/o Het Ram R/o Village Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Jayashree Singh W/o Dτ. S. N. Mishra, R/o 2 Hailly Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G_b13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Λcq.I/SR-III/7-83/β18.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRΛ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act., 1908 (17 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1983

for an appearnt consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/31d share in agricultural land measuring 9 bighas and 12 biswas, M. No. 9, killa Nos 7 (4-16), 8 (4-16), village Jonapur, feh. Mehrauli, New Delhi. Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

 S/Shri Hari Chand, Ballu and Lakhmi Chand Ss/o Het Ram R/o Village Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 (2) Sint. Jayashree Singh W/o Dr. S. N. Mishra, R/o 2 Hailly Road, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/819.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi

(Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural land measuring 9 bighas and 12 biswas, M. No. 9 killa Nos. 7 (4-16), 8 (4-16), village Jonapur. Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/839.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Khirki, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair rearket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rattan Lal s/o Shri Umrao R/o Village Khirki, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Nirmal Charitable, Foundation, B-1, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 biswas Khasra No. 31 min, situated at village Khirki, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-3-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Rattan Lal s/o Shri Umrao Village, Khirki,

New Delhi.

(Transferor)

 M/s. Nirmal Charitable, Foundation, B-1, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th Match 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/840.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable have reason to believe that the immovable property having a property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Khuki, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, notice:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 biswas Khasra No. 31 min, situated at village Khirki, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date , 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DELHI ...

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/7-83/841.— Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Khirki, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said trans

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Λct, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratian Lal 8 o Shii Umrao Village, Khirki New Delhi

(Transfero

(2) M/s Ni mal Charitabel Foundation, B-1 Green Park Extension New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 biswas Khasra No 31 min. situated at village Khirki, Jeh Mehrauli, New Delhi

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date : 13-3-1984 Seal

FORM ITNS-----

(1) Shri Rattan Lal s/o Shri Umrao Village, Khirki, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Numal Charitabel Foundation, Foundation, B-1. Green Park Extension, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/7-83/842.-- Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Agricultural land situated at Village Khirki, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 biswas Khasra No. 31 min, situated at village Khirki, Tch. Mehrauli, New Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/843.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Agricultural land situated at Village Khirki, New Delhi

Agricultural land situated at Village Khirki, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aioresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

65—16GI/84

 Shri Rattan Lal s/o Shri Umrao Village, Khirki, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. Nirmal Charitabel Foundation, B-I, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 biswas Khasra No. 31 min, situated at village Khirki, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Rattan Lal s/o Shri Umrao Village, Khirki, New Delhi.

(Transferor)

 M/s, Nirmal Charitable Foundation, B-I, Green Park Extension, New Delhl.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-llI/7-83/844.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land situated at Village Khirki, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 biswas Khasra No.31 min. situated at village Khirki, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rattan Lal s/o Shri Umrao Village, Khirki, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) M/s. Nirmal Charitable Foundation, B-I, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/845.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Khirki, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registernig Officer at

of the Registering Officer at New Delhi in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 biswas Khasra No. 31 min, situated at village Khirki, Teh. Mehrauli, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.J/SR-III/7-83/942.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agri, land situated at Village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sat Parkash Sharma
 Sho Shri Chhanga Mal
 R/o Village Jadaipur, Delhi State,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arvind Kumar Saraf S/o Shri Ramgopal Saraft, R/o H-34, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 bighas and 10 biswas vide khahsra No. 63 min situated in the area of village Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1984

Stal :

Shri Sat Parkash Sharma
 S/o Shri Chhanga Mal
 R/o Village Jadaipur, Delhi State,
 Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III—SEC. 11

(2) Shri Arvind Kumar Saraf S/o Shri Ramgopal Saraft, R/o H-34, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/943.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at New Delhi in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, lication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubwhich ever period expires later:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas and 10 biswas vide khashra No. 40/2 min (2-17), 40/1 (0-13) of village Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

Soal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Arvind Kumar Saraf S/o Shri Ramgopal Saraft, R/o H-34, Green Park Extension, New Delhi.

Shri Sat Parkash Sharma S/o Shri Chhanga Mal

Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-83/944.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at village Gadaipur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in July, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Village Jadaipur, Delhi State.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 bighas and 10 biswas vide khashra No. 63 (1-6), 40/2 min (2-4) of village Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi,

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1984

1) Shri Naresh Kumar Gupta.

(2) Smt. Vidya Chowdhry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Above vendee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th March 1984

G.I.R. No. V-70/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One house bearing No. 273 situated at Chandralok Colony,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Lucknow in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 273, situated at Chandralok Colony, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9843, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I 5, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 16th February 1984

G.I.R. No. S-303/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of land and part of the Kothi etc. situated at 7, Tilak Marg, Old Butler Road (Dalibagh), Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Lucknow on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

(1) 1. Shri Banarsi Das:

Smt. Pramila Rani; Usha; 3.

through Attorney, Shri Pradeep Kumar; Shri Pradeep Kumai.

(Transferor)

(2) Sawargiya Sri Sanjay Gandhi Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow, through its Sachiv, Shii Nripendra Kumar Pandey.

(Transferce)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforeshid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land and part of the Kothi and out-houses, total area measuring 21, 740 sq. ft. situated at 7, Tilak Marg, Old Butler Road (Dalibagh), Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9023, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 25-7-1983.

A. PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-3-1984

(1) Shri Pratap Singh. (2) Shri Lalta Prasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Above seller. (Person in occupation of the property)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th March 1984

G.I.R. No. L-40/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 289/211-Ka-3 situated at Moti Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in July, 1983

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following

persons namely:-66-16GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 289/211-Ka-3, having land measuring 1350 sq. ft. situated at Motinagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9613, which have only duly been sale deed in the office of the Superior Lucknow. registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-3-1984

Sahkari Avas Samiti Ltd., (1) M/s. Geet Vihar Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Rashmi Agarwal; 2. Shri Ravi Sood.

(Transferee)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1984

G.I.R. No. R-215/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 264/265-A situated at Haiwatman Mawiya, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the seid Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 264/265-A including covered area of 1200 sq. ft. situated at Haiwatman Mawiya, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 301, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 21-7-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-3-1984

Scali

(1) Shri Chandra Sekhar Pathak.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kishore Gaur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1984

G.I.R. No. S-304/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storeyed house No. 112/30 situated at Sri Ram Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Lucknow in July, 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ser
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storeyed house including land bearing No. 112/30, situated at Sri Ram Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9396, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1984

G.I.R. No. S-302/Acq—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land & building measuring 30,000 sq. yds. situated at Ujhani, Tehsil & District, Budaun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budaun on 18-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the coneealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, cr the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

- The Prem Spinning and Weaving Mills Co Ltd., Ambala Road, Saharanpur.
 Through its Director, Shri L. Janak Raj.
- (2) M/s Sakambii Paper Mills P.4 Ltd., 4045, Charkhawalan Chawri Bazar, Delhi-6.
 Through Director of the Company, Shri K. K. Goval.

(3) Vendors. (Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—land measuring 30,000 sq. yards covered building 5000 sq. yards, aituated at Ujhani, Tehsil and District, Budaun, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5390, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Budaun, on 18-7-1983.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-3-1984

Scal:

(1) 1. Shri Waheed Husain; 2. Shri Shaheed Husain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 1. Shri Ajai Porwal alias Baba Saheb;
 2. Smt. Pushpa Bahu Porwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th March 1984

G.1.R. No. A-133/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Compétent Authority Under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A constructed property situated at Station Road, Moradabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 23-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by makes than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A constructed property situated at Station Road, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6118, which have duly been registered in the chice of the Sub-Registrar, Moradabad, on 23-7-1983 (as per 37G form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Shri Parshottam Lal Gambhir: 2. Smt. Jai Devi.

(2) 1. Shra Ashok Kumar Bhatia; 2. Shri Roshan Lal Bhatia.

(Transferor) (Transferce)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM THRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th March 1984

G.I.R. No. A-134/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Lund situated at Mauza-Majhauli, Pargana and Distt. Moradabad

'(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 64 decimals situated at Mauza-Majhauli, Pargana-Moradabad, District-Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4212, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 15-7-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the iforesald property by the issue of this notice under subaction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1984

(1) Shri Kedar Nath Chatterice.

(Transferor)

(2) Smt. Wasifa Husain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Above Vendor,

(Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAY.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th March 1984

G.I.R. No. W-3/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house including land situated at Mauza-Nayagaon Bijaipur, Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow 16-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house including land measuring 4715 sq. ft. situated at Mauza-Nayagaon Bijaipur, Tehsil and District—Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8813, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar. Lucknow, on 16-7-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-3-1984

(1) 1. Smt. Sukh Dai; 2. Smi. Mala Dai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1984

G.I.R. No. G-65/Acq -Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Khasra Nos 267, 268, 269 and 270 situated at Haiwat Man,

Maiwaiya, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 26-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sold Act, to the following persons, namely :-

(2) M/s. Geet Vihar Sahkari Samiti Ltd., Lucknow through its Secretary, Shri Samir Chaturvedi. (Transferee)

(3) Above vendee. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Khasra Nos. 267, 268, 269 and 270, measuring one bighal 16 Biswa and 5 Biswansi, situated at Haiwat Man, Mawalya, I ucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 299 which have duly been registered in the office of the District Registrar, Lucknow, on 26-7-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range Incknow

Date: 15-3-1984

PART III -SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1984

G.I.R. No D-48/Acq.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/and bearing No.

House No. 20/A situated at Singar Nagar, Alambagh, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 26-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely — 67—16GI 34

i Smt. Lilawati

Transferor)

2. Sardar Daljit Singh.

(Transferee)

3. Above seller.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the cubication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 20/A, having plinth area 1885 sq. ft. situated at Singar Nagar, Alambagh, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9048, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 26-7-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-3-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1984

G.I.R. No. K-128/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Open land No. 264 situated at Khurram Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act, 1906 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than apparent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) 1. Shri Krishna Bholanath;

Mahavir;
 R. N. Singh;

4. Ramesh Chandra.

(Transferor)

(2) Krishna Sahkari Avas Samiti Ltd., Newal Kishore Road, Hazratganj, Lucknow through Shri S. P. Tiwari, Sachiv.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the Property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land No. 264, measuring 10888 sq. ft. situated at Khurram Nagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8926, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Author'ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-3-1984

(1) 1. Shri Parshottam Lal Gambhir;

2. Smt. Jai Devi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Roop Rani2. Shri Ashok Kumar;3. Shri Charanjeet

(3) Above sellers.

(Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th March 1984

G.I.R. No. R-216/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Majhauli, Pargana. Moradabad, Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 15 July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trensferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 64 decimals situated at Majhauli, Pargana, Moradabad, District-Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4273, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 15-7-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 14-3-1984

FORM ITNS----

I. Shri Mohan Lall.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th March 1984

Ref. No. AR-11/37EE.2933/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sandora Building 'A', at A. B. Nair Road, Juhu, S. No 5, H. No. 7 CTS No. 480/192 Bombay 400 049. and situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

at Bombay on 18-7-1983.

and the agreement is registered u/s. 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

2. Smt. Santosh Kaur Salaria.

(Transferee)

(Person in occupation of the Property)

3. Transferce.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPALANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Sandora Building 'A' Ground floor, at A. B. Nair Road, Juhu, S. No. 5, Hiss No. 7, CTS No. 480, 480/1 & 2. Bombay-400 049. The agreement has been Registered by the Competent Authority Bombay under serial No AR-II/37EE. 2933/83-84 dated 18-7-1983

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date 8-3-1984.

I Mt I. I. H Patis.

(Transferor)

2 Mr. Fabu Lal Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGL-II BOMBAY

Bombay the 7th March 1984

Ref. No. AR-II/37E \pm .3050/63-84 -- Whereas, I,

S H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Flat No. A-6/171 in Reserve Bank Employee Snehadhara Coand situated at Vila Parle W

and the agreement is registered u/ε . 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

at Bombay on 5th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to: such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer at the paid instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No 4-6/171 in Reserve Bank Employee Sachadhara Co.op Housing Society, Bombay 400 056. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37TT 3050/83-84 dt. 5-7-83.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-3-84.

Scal:

- (1) M/s. B. A. Neiurkai & A. M. Khwaja
- (Transferor) (2) Shil Pramod Rajaram Manjrekar & Smt. Rekha Pramod Manirekar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE|3059/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 11, 3rd floor TPS IV, College Lane, Agar Bazar,

Bombay-28

situated at Mahim

and the agreement is registered u/s. 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

at Bombay on 10-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 on 3rd floor, building to be constructed on F. P. No. 839, TPS.IV (Mahim area) at College Lane, Agar Bazar, Bombay-28. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay at serial No. AR-II/37EH. 3039/83-84 dated 10-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-3-1984.

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-II/3060/83 84.---Whereas, I, S. H. ABBAS ABÍDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 194, Lalitkuth Co.op Hsg.

Society Ltd. MBH Colony, J.V.P.D. Scheme, Bombay-49.

situated at Juhu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/q. 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely '-

1. Smt Rukma Mohan Edition

- (2) 1. Shri Harakhchand I. 2, Shri Ratilal Fulchand Shah.
- (3) Transferor.

(Transferor)

(2) 1. Smt. V. H. Shah 2. Smt. K, R. Shah.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 194, Lalitkutir Co.op. Housing Society Ltd., M. H. B. Colony, Gulmohar Cross Lane, No. 9, J.V.P.D. Scheme, Bombay-49. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE. 3060/83-84 dt. 10-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Nav Bharat Development Corporation (Transferor)

(2) Mrs Sundri Fatehchand Jejwani & Mi Deepak Fatehchand Tejwani

، ۱۰ و <u>ب ب ب ب محموم و محمور مورد و المحمود ب و المحمود بي المحمود و المحم</u>

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE.3064/83-84.—Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 501-B, 5th floor, Kalpana Apts., Sherly Rajan Village, Bandra, Bombay-50 situated at Bandra,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority,

tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 12-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501-B, 5th floor, Kalpana Apts., Sherly Rajan Village, Bandra, Bombay-50. The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EF.3064/83-84 dated 12-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Rombay.

Date: 8-3-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER-OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE.3067/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Flat No. 18, 4th floor, TPS. II of Mahim Division, Durgha St., Mahim. Bombay-16 and situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s, 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——68—16GI/84

(1) M/s Home Makers

(Transferor)

(2) Shri Yakub Talib Khatri.

(Transferee)

(3) None

(Pension in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Difficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 4th floor, Plot No. 1371 of T.P.S. II of Mahim Division. Durgha Street, Mahim, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-3067/83-84 dt. 12-7-1985.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-3-1984.

FORM LT.N.S .--

- (1) M/s. Home Makers
- (Transferor)
- (2) Shri Abdul Razak Haji Jusab Petiwala,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE.3068/83-84.—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. at Bombay on 12-7-1983.

Flat No. 19, 4th floor, plot No. 1371 of TPS. II of Mahim

Flat No. 19, 4th floor, plot No. 1371 of TPS. II of Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered u/s. 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority,

has been transferred and situated at Mahim

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 4th floor, Plot No. 1371 of TPS. II of Mahim Division, Durgha St., Bombay-16. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE, 3068/83-84 clt 12-7-83

S. H. ABBAS ABIDI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-II, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1984.

Scal:

(1) M/s. Home Makers

(Transferor)

(2) Smt. Zarina Markar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE.3069/83.-Whereas, I, S. H. ABBAS ABÍDI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 23, 5th floor, Plot No. 1371 of TPS. II of Mahim

Division, Durgha Street, Bombay-16. and the agreements registered u/s. 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 17-7-1983

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 5th floor, Plot No. 1371 of TPS. II, Mahim Division, Durgha St., Bombay-16. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-H/37EE.3069/83-84 dated 17-7-1983.

H. S. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 6-3-1984.

Scal :

(1) M/s. Amber Enterprise

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Mary Genevieve Pereira & 2. Mrs. Mary Therese De Menezes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN I COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE.3098/73-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1, 1st floor, 'Seaside' Chimbai Road, Bandra, Bombay 50.

and the agreement is registered u/s. 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

at Bombay on 3-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, 'Seaside' plot No. CST 363, 18-A, Chimbal Road, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.3098/83-84 dt. 3-7-83.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABID1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-3-1984.

(1) M/s. Home Makers

(Transferor)

(2) Shri Johaul Islam Chowdhary & Smt. Sofia J. I Chowdhary.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961;

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-11/37EE.3111/83-84.—Whereas, L. S. II. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 29 on plot No. 1371 of TPS II, Mahim Div. Durgha St., Mahim.

and the agreements registered u.s. 269AB of the Incometus Act 1961 in the Office of the Competent Authority.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

of the Registering Officer

at Bombay on 23-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid prperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 29, 6th floor, Plot No. 1371 of TPS II of Mahim Division Durgha Street, Mahim, Bombay 16. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.3111/83-84 dt. 23-7-83.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-3-1984.

(1) Mrs. Mariamma 'Mathew

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sunder J. Gursahan

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writin to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-II/37EF.3118/83.—Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heteinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Bedroom Hall Kitchen, Plot B. St., Domnie Road, Bandra, Bombay-50. (Flat No. 40 consisting of)

being the Competent Authority under Section 269B of the

situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement registered u/s. 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority. at Bombay on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat o 40, consisting of one Bedroom, Hall, Kitchen St. Domnic Road, Bandra, Bombay-50, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No AR-II/37FF/3118[83-84 dated 25-7-1983.

H. S. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings fo rthe acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

5-3-1984. Date

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Mary Mizguitta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt Lilabai W. Menghrajani,
2. Smt. Kavita S. Menghrajani;
3. Smt. Rekha M. Menghrajani &

4. Shri Hotchand Wadhumal Menghrajani,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE.3120/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat N.o 22, situated at 2nd floor, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-54 has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay-54, situated at Santacruz

(and more fully described in the Schedulc annexed hereto), Bombay on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION⁵:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2. Toshiba Apartments. S V. Road, Fain Avenue Santacruz (W) Bombay-54. The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.3120/83-84 dated 25-7-83

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date 5-3-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE.3990/83-84.--Whereas, I.

Ref. No. AR-II/3/EE.3990/83-84.—whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 22, 2nd floor, SV. Road, Santacruz (West), Bombay-54.

and the agreements registered u/s. 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

Bombay on 26th September 1983

nomony on 20th September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ambrish Hatiantlal Shamohu; and (Transferor)

(2) Pankaj Ratilal Shah, Mitesh Ratilal Shah & Vijay Ratilal Shah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (11) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, S. V. Road Santacruz (West). Bombay-400 054. The agreements has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE. 3390/83-84 dated 24-9-83.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-3-1984.

}cal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-II/37FE.3062/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 502-B, situated at 5th oor, Kalpana Apts., Sherly Rajan Village, Bandra Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the Incometax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—16GI/84

(1) M/s. Nav Bharat Development Corporation.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Vincentina Cardozo, 2 Mrs. Fanny Perivira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 502-B, 5th floor, Kalpana Apartments, Sherly Rajan Village, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EF 3062/83-84 dt. 12-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-3-1984.

(1) Mrs. Rekha A. Thadani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ГАХ АСТ, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/2368/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the linenne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Central Colony, Near Chembuh Crossing Sahakar Nagar Road, Chembur

Rd, Chembur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered u/s. 269AB of the Income-Act 1961 in the Office of the Competent Authority,

has been transferred

at Bombay on 13th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Indome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the snid Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following | reisons, namely '---

(2) Shri Krishna B. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

& Central Colony, near Chembur crossing Sahakai Nagar Road, Chemour.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/1008|83-84 dated 13-7-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-83.

(1) Smt. Bhachibai K. Ajani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ganesh Ramnath Iyer.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III / 2412 / 83-84. - Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 17

situated at Mulundi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent at Bombay on 13th July 1984

Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 17. 'Krapa' Building, Gavade Vinze Scheme Road No. 4. Mulund East, Bombay-81. The Agreement has been registered by tht Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/1025/83-84, dated 13-7-1983.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-3-84

(1) M/s H. Chandra Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri S. V. Kalwari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. 111/2331/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Shop No. 5 Plot No. 62 situated at Gandhi Nagar I.I.T. Pawai Bomoay Officer at Shop No. 5 Plot No. 62 Gandhi Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 Plot No. 62 Gandhi Nagar IIT Pawai Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. ARIII/37EE/1033/83-84 dated 15-7-1983.

A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 5-3-81

(1) Shri Kanji P. Mange.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh Lalji Savla.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III, 37EE, 2366/83-84.--Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. Block 11, 2nd floor, Paresh Sadan Co-op.

Society, Vallabh Baug lanc, Ghatkopar (E) Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered U/S 269 AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 11 2nd floor, Paresh Sadan Co-op. Hsg. Society Itd. Plot No. 353/B.26, Vallabh Baug Lane, Ghatkopar Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-III/37EE/1032/83-84 dt. 20-7-83.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the alorestid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 209D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-3-84

Scal:

(1) Smt. D. D. DESAI.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K S. Shankuranarayana Iyer.

may be made in writing to the undersigned :-

(fransterce)

(3) Smt. D. D. Desai,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2424/83-84.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, Plot No. 170, Milap Milan Milap Co. of Housing Society 144 (Guradia Name)

Co-off. Housing Society Utd., Garodia Nagni, situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

at Bombay on 6-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Plot No. 170, 'Milap' Milan Milap Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Garodia Nagar, Ghatkopar (E) Bombay-79. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No. AR-III/37EE/1045/83-84, dated 6-7-1983.

> A. LAHIRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-3-84

Scal:

FORM ITNS----

(1) Sh. Rámakant Narayan Tari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Aiit Madusudan Gholkar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III '2275, 83-84.—Whereas, I, A, I.AHIRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
S.B.I. Shilpa Housing Society
Flat No. A 5 Sane Guruji Nagar Mulund Bombay
situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 198 (16 of and the agreement is registered U/S 269 AB of the Income Tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer;
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S.B.I. staff Shilpa Housing society flat No. A/5 Sane Guruji Nagar, Mulund Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. ARJH/37FE/1039/83-84 dated 15-7-83.

 LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomboy.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-3-84 Seal:

(1) M/S Supreme Builders.

(Transferor)

(2) Shri Rajkumar Sitatam Katariya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III '177737, 83-84.---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 1, in Kanta Apartments
Plot No. 4, CST No. 278, Village Chembur, Bombay-74.
situated at Chombui
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered U/S 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bomoay on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop No. 1 in Kanta Apartments, Plot No. 4 CST No. 278, Wadhavli Village, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37FE/1013/ 83-84 dated 13-7-84.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-3-84 Scal:

FORM ITNS-----

(1) Smt. Vasodabai T. Purohit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhupatrai K. Mehta & Miudula B. Mehta, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/2321, 83-84 --- Whereas, 1, A LAHIRI.

being the commetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and

bearing No. Flat No. 4, Bldg. A, 'Om Shreyas' Co-op. Hsg. Society Ltd, New Maneklal Estate, Ghatkopar, Bombay-86 situated at Ghatkopar (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

and the agreement is registered U S 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 13-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- in) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or are moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
70—16GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the said property

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. A 'Om Shreyas', Co. operative Housing Society Ltd., New Maneklal Estate, Ghatkopar, Bombay-86.
The agreements has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No AR-III/37EE/1018/83-84 dated 13th July 1983.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 5 3-84 Soul:

FORM ITNS----

(1) Sh Rajendra Hansraj Mistry

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Rehmansha Allabbux.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-JII/2359/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable action in the said Act') in the second to be a second as the 'said Act') in the second to be a second as the 'said Act') in the second to be a second as the said Act') in the second to be a second as the said Act') in the second to be a second as the said Act') in the second to be a second as the said Act') in the second to be a second as the said Act') in the second to be a second as the said Act') in the second to be a second t property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Flat No. 9, Building No. 15, Shivpuri, Near Chembur Naka, Chembur, Bombay-71

situated at Chembur (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 has been transferred

Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 13-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

notice in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the said property

from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15, Shivputi, Near Chembur Hat No. 9, Building No.

Naka, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-JII/37EE/1011/83-84 dated 13th July 1983.

A, LAHIRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the follow-persons, namely:—

Dated: 5-3-84

(1) M/s, Makul Construction Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Ammini Poulose.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/177766/83-84 —Whereas, 1, Λ . LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 4, Chardralok Datar Colony, Bhendup East, Bombay-78 situated at Bhandup (E), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered U/S 269AB of the I.T. Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Chandralok Datar Colony, Bhandup East, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37FF /1015/83-84 dated 13th July, 1983.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-III, Bombay.

Dated: 5-3-84

(1) Shri Sashikant K. Patwa.

(Transferor)

(2) Sh. Rajgopal Y. Nikam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION KANGE III, BOMBAY

Bombay, the 5th Merch 1984

Ref. No. ARIII/2279, 83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 63 K-Building Plan Acres Co-op. Hsg. Society M.P. Rd. Mulund Bombay-81. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered U/S 269AB of the Income Tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument teamsfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1b) tachitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 63, Building No. K. Palm Acres Co-op. Hsg. Society Mahatma Phule Rd. Mulund Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. ARIII/37EE/1040/83-84 dated 15-7-83.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting As istant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HI, Bombay.

Now, therefore, in pusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated : 5-3-84

(1) Smt. Devi Nihalchand Tolani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Lunidatam L. Mukhi & Sh. Ratan L. Mukhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 8th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3047/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 9, 2nd floor, 4-Perry Rond, Bandra, Bombay 400 050 situated at Bandra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 3-7-83

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 9, 2nd floor White Rose Co. operative Housing Society, 4-Perry Road, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under serial No. AR-II/37EE/3047/83-84 dated 3-7-83.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) o Section 209D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-3-84

(1) M/s. Ashok Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunanda Narayan Shinde.

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMF TAX.
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-111/2317/83-84.—Whereas, I, A, LAHJRI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No Flat 4, Kilash Krupa, Kanjur Co. operative Hsg Soc. Ltd. Damle Colony, Kanjur Marg, Bombay-78 situated at Kanjur Marg,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent

at Bombay on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in variting to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Hat No. 4, Kilash Kiupa, Kanjui Co.op. Housing Society Ltd., Damle. Colony, Kanjui—Marg; Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No AR-III/37FE/I014 83-84 dated 13th July 1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-3-84 Seal:

bear.

(1) Smt. Indumati G. Mukhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Tharuvra Pandalonda Shankaranarayan. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 5th Murch 1984

Ref. No. AR-III/2440/83-84,—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Plot No. E-1/10, Sukh Shanti Niketan L.B.S. Marg,

Ghatkopar, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-1/10 at Sukshantiniketan L. B. S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No AR-III/37EE/1038/ 84 ďuteď 1577/1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombuy

Date: 5-3-1984

(1) M/s Patel Corpn.

(Transferor)

(2) Shir N. K. Nathan

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-111/2281/83-84.—Whereas, J. A. I AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing Gokul Flat No. 3 ground floor, Govanpada Mulund (F) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 Gr floor Gokul Building Govanpada Mulund Bombay

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-III/37FF/10/1038/83-84 dated 15-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tuAcquisition Range-III,
Bombay

Date: 5-3-1984

(1) Shri Sharadchandra Ramrao Dodel.

(Transferor)

(2) M/5 Anuvam Enterprise.

(Iransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th Murch 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2430/83-84,--Whereas, J. Λ. LAHIRI,

At LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 8, ground floor Anupam Industrial Estate, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 20-7-1983

for are apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 8, Ground floor, Anupam Industrial Estate, Opp. Ralli Wolf Compound, Mulund (W) Bombay-80.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. ACON RANGE-III/10193/83-84 dated 20-7-1983.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following o rsons. namely :--

5 3-1984 Date Seal :

71-16GI/84

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Leelavathi M. Krishnaiah & Shri M. Krishnaiah.

mny be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. N.o. AR-III/2219/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 54 in 'A' Wing on fifth floor, "Neelima Apartments"
Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-400 078

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54 in 'A' Wing on fifth floor, "Neelima Apartments", Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-400 078.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-III/37EE/1042 83-84 dated 12-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-1984

Sou!

(1) Arpit Limited

(Transferor)

(2) Kum, Ajay G Nair (Minor) by Guardian Smt. Malathy Nair

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-1 37EE/2384/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-20, Vasuki Bldg. 7th Road, Rajawadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Authority at Bombay on 13-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-20, Vasuki, 7th Road, Rajawadi, Vidya Vihar, Bombay-77. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/37FE/1044/83-84, dt. 13-7-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombey.

Date: 5-3-1984

FORM LT.N.S.—

(1) M/s, Gopaldas Vasudev & Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) M/s. Licosa Group.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M/s. Gopaldas Vasudev & Co. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, th 12th March 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-I/37EE/621/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 26,000 - and bearing Unit No. 431, 4th floor, Dadar Commercial Premises Society

Ltd. situated at Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent

at Bombay on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit of 431, 4th floor, Hind Rajasthan Departmental Centre in the Dadar Commercial Piemises Co-op. Society Ltd., 95, D. S. Phalke Road, Dadar, Bombay-400 014. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/607/83-84, dated 8-7-83.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1984

(1) Steel Rolling Mills of Bengal Ltd

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1 Shri ayan C Sanghavi
 2 Shri Pradeep C Sanghavi
 3 Shri Chetan C Sanghavi

(3) Transferees

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 13th March 1984

Ref No AR-1/37EE/632/83-84—Whereas, I, R K BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

Flat No 803 in Navin Asha Premises Co op Soc Ltd. situated at Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13 7 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I lnt No 803 Navin Asha Premises Co op Soc Ltd, Dadasaheb Phalke Road, Dadu, Bombay-400 014. The Agreement has been registered by the Competnt Authority, Bombay under Serial No ACQN RANGE-I/496/83-84, dt. 13-7-1983

R K BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date 13-3 84 Seal :

 Mr. Chandrakant Gangadas Shah & Mrs. Niranjana Chandrakant Shah.

(Person in occupation of the property)

(Transferor)

(2) 1. Mr. Kishor kumar Kalidas Jogani2. Mrs. Kalpana Kishore Kumar Jogani

(3) Transferees.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. No. AR-I/37EE/650/83-84,---Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaue exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 145-146, 5th floor, Sahakar Nivas situated at Tardeo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 145-146, 5th floor Sahakar Nivas, 20, Tardec Road, Bombay-400 034. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. RANGE-I /582/83-84, dated 15-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-3-1984.

(1) M/s. Chemida (India), Pvt. Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Nandlal R. Sachdev & Mrs. Deepa N. Sachdev (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 13th March 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Ref. No. AR-I/37EE/727/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA,

the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter

Flat No. 69, 12th floor, Cuffe Parade, Sunita Co-op. Hsg. Society Ltd situated at Cuffe Parade, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21-7-1983

has been transferred

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incom earling from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 69, 12th floor, 'Sunita' Building, Cuffe Parade Sunita Co-op. Housing Society Ltd., 98, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/664/83-84, dated 27-7-1983.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bomba

Date: 13-3-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Artieye Freight Movers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Lalchand Family Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/638/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office Premises No. 108, 1st floor, Ashirwad Building situated at Carnac Bunder

(and more) fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Incom-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Auhority

at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 108, 1st floor, 'Ashirwad' building 64/F. Ahmedabad Street, Carnac Bunder, Bombay-9. The Agreement has been registered by the Comeptent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/545/83-84, dated 15-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 13-3-1984.

Scal:

(1) Mr. Bankatkumar Brijimohan Maroo & Mrs. Sita-Devi Bankatkumar Maroo.

(Transferor)

(2) M/s. National Travel Service.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(3) Transferees

(Person in occupations of the Property)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I'37EE/606/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 20-A on 20th floor Sagn Sargeet situated at Shalid Bhagat Singh Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

transfer with the object of :-

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the market than the fair market value of the property as aforesaid the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nersing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20-A on 20th floor of building known as Sagar Sangeet, Shahid Bhagatsingh Road, Colaba, Bombay-400 005. The Agreement has been regsitered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/583/ datd 8-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

. Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-- 72-16GI/84

Date: 13-3-1984,

(1) Ashapura Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hara Chand Mavji Gala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2248/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter 'referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 4 in Meerashyam Gaushala Road situated at Mulund (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the week which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4 in Meerashyam Gaushala Road, Mulund West, Bombay-81. The Agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/ 1022/83-84 in 13th July 1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date · 5-3-1984 Seal ;

(1) Smt. Laxmiben Ramji Chande

(Transferor)

(2) Sh. Shantilal Maganlal Jain.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2365/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1, Mahavir Darshen Co-op. Hsg. Society Ltd. situated at Mulund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—6GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objection, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Flat No. 1, Gr. floor, Mahavir Darshan Co-op. Hsg. Soc. Ltd, Kasturba Road, Plot No. 135-A, Mulund West, Bombay-400 080. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/1028/83-84, dt. 14-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 5-3-1984

(1) Seth Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. K. Ramesh,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/2320/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1 Gr. floor, Bhagirathi Villa L.B.S. Marg, Ghatkopar Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, Bombay on 20th July 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 Ground floor, Bhagirathi Villa, Plot No. F/1 L.B.S. Marg, Ghatkopa Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-III/37EE/1031/83-84 dt. 20-7-1983.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 5-3-1984

Scal:

(1) Suh V K. Chandran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Neemchand Nanji Chheda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref No. AR/III/2252/83-84—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 11, Ground Floor, 'Shreyas', Plot No. 212-B, V. P. Road, Mulund (West), Bombay-400 080

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agrement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 13-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any cf the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Ground floor, 'Shreyas', Plot No. 212-B, V. P. Road, Mulund (West), Bombay-400 080.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR/III/37EE/1055/83-84 dated 13-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date · 5-3-84 Seal :

(1) M/s Ashpura Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. P. U. Singavi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR, III/2445/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 21-D Ganesh Krupa, RHB Rd., Mulund, Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 of the Competent Authority Bombay on 14-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mode than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21 Ganesh Krupa R.H.B. Rd. Mulund Bombay. The agreement has been registered by the Competent: Authority Bombay under Serial No. ARIII/37EE/1036/83-84 dated 14-7-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Ill, Bombay

Date: 5-3-84

Scal:

FORM LT.N.S.—

(1) Mr Harishchandra B Uzgare.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh Rameshwar Somai,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref No. ARIII/2356-A/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 17C, Mindand, Jungle Mangal Road, Bhandup, Bombay-400 078.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17C, Mini Land, Jungle Mangle Road, Bhandup, Dombay-400 078.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. ARIII/37EE/1056/83-84 dated 15-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-3-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2372/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

bearing No. Flat No. 59, Building No. B-3, 'Mahavir Shikhar' situated at Mulund (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 of the Compstent Authority at Bombay on 13th July, 1983 tor an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the objet of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s Damji Shamji Shah Family Trust. (Transferor)
- (2) Mr. P. S. Ramachandran,

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 59, Building No. B-3, 'MAHAVIR SHIKHAR' L.B.S. Marg, Mulund West, Bombay-80. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/1023/83-84 in 13th July 1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-3-84

(1) Smt. Meenakshi Athmanathan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ravi Sunderraman,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/2290/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 10, New Shiv Geet Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay 277 situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 of the Competent Authority at Bombay on 13th July 1983

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, New Shiv Geet Co.op, Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 180, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37EE/1017/83-84 dated 13th July 1983.

A. LAHIRI Competent Author's Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-73-16GI/8p

Date: 5-3-84

(1) M/s Ashapura Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hemkumaı Ravilal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1983

Ref. No. ARIII/2441 B/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 11 Arihant Krupa, V. P. Road, Mulund, Bombay has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

bearing

at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 Arihant Krupa V. P. Road Mulund, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. ARIII/37EE/1034/83-84 dated 14-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-1984.

Seal;

(1) M/s. Nikhil Construction Co.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Shri Padmakar Ramchandra Deshpande.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 5th March 1983

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Rct. No. AK/III/2315/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/- and bearing

Fiat No. 22, 4th floor, Shreenath Apartments I, Mulund (East), Bombay-400 081

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compresent Authority

at Bombay on 14 7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shreenath Apartments I, Flat No. 22, 4th 'floor, Mulund'

(East), Bombay-400 081.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR/III/37EE/1057/83-84, dated 14-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the Issue of this notice under subsection (II) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-1984.

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Supreme Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Motumal Bholaram Talreja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1983

Ref. No. AR/iII/2251/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Gala No. 2, Kanta Apartment, Plot No. 4, CST No. 278,
Wadhavli Village, situated at Chembur, Bombay-400 074
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority

at Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ingian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 2, Kanta Apartment, Plot No. 4, CST No. 278, Wadhavli Village, Chembur, Bombay-400 074.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Scrial No. AR-III/37EE/104/83-84 dated 15-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 5-3-1984,

(1) Smt. Madhuri H. Madhnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanta S. Chawla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 5th March 1983

Ref. No. AR-III/2379/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing. Flat No. 31C/3, Navjivan Cooperative Housing Society Ltd., situated at Chembur, Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 13th July, 1983

at Bombay on 13th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 31C/3, Navjivan Co-operative Housing Society Ltd., Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No AR-III/37EE/1009/83-84, dated 13th July, 1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-3-1984.

- (1) Smt. Kasturben K. Veera.
- (Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Jayanti K. Lalka.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1983

Ref. No. AR-III/2242/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

Shop No. 2, Gr. floor, Sane Guieji Nagar, Suhas Dharshan Mulund, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Gr floor Suhas Dharshan Sane Guraji Nagar, Muland Rombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-III/37FL, 1030/83-84, dated 20-7-1983.

A, I AHIRI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-3-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1983

Ref. No. AE/111/2438/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 8 in Bldg. No. 3-A, Nityanand Baug Co-operative Housing Society Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74 situated at Chembur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mahadev Jamunadas Raheja.
- (2) Shri Ramkumar Narsingdas Agarwal.
- (Transferce)
 (3) Transferce.
 (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 in Building No. 3-A, Nityanand Baug Co-operative Housing Society Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37EE/1010/83-84, dated 13th July, 1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang-III, Bombay

Date: 5-3-1984.

Soul:

(1) Shri J. M. Dave.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Abhyam Nagarajan & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2393/83-84,-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, 'Rameshwar' Wing 'A' at Chembur, CS No. 366 (Part) bearing S No. 1/A situated at Chembur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 13th July, 1983

for an apparent considedation which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 'Rameshwar' Wing 'A' at Chembur, CS No. 366 (Part) bearing S. No. 1/A.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37EE/1012/83-84, dated 13th July, 1983.

> A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-3-1984,

FORM ITNS....

(1) Shri Mohammed Igbal Mehmood Raza

(2) K. Bhojaraj Shetty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

GOVERNMENT OF INDIA

OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref., No. AR-II/37EE.3132/83-84.---Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Shop No. 78, Ground floor, Hari Market, 3rd Road Khar, Bombay, New Sea Gull Comm. Premises,

situated at Khar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

74--16GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin are defined in Chapter XKA of the sale.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 78, Ground floor, Hari Market, 3rd Road, Khar, Bombay, New Sea Gull Comm. Premises. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.3132/83-84 dt. 25-7-83.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-3-1984.

(1) M/s. Pallavi Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudha D. Kane.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING 'ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III/2374/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 22 Milind Apartment Sane Guruji Nagar Mulund Bombay situated at Muland (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 22 Milind Apartment Sane Guruji Nagar, Mulund Bombay 81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37EE/1035/83-84 dated 15-7-1983. Competent

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-3-1984

(1) M/s. Ganesh Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. J. Yadav.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/2363/83-84.—Whereas, I, A, LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 22 in wing 'B' on 2nd floor, 'Neelima Apartment' situated at Bhandup

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, in Wing B on 2nd floor, 'Neelima Apartment' Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-78. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/1026/83-84 dated 14-7--1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 5-3-1984

(1) M/s. Gold Coin Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Dorathy D'Souza.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/2410/83-84.—Whereas, I, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, Village Kole Kalayan, Vakola, Bombay-55 situated at Vakola, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269B of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7 Village Kole Kalyan, CTS No. 699, Vekola, Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37EE/1016/83-84 dated 13th July, 1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-3-1984

Seal

(1) M/s Tha Parshotta Manji & Co.

(Transferor)

(2) Premchand Roshanlal Dixit.

(Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, .

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/37EE/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gala No 25 K.K. Industrial Estate situated at Mulund (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s. 269B of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 12th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 25, K.K. Industrial Estate, Dr. Rajendraprasad Road, Mulund West Bombay-80. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. AR-III/1024/83-84, dated 12th July, 1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/596/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

Office No. 11, Raheja Centre, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ≪ which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Borden Investment & Trading Co. Pvt. Ltd.
 (Transferor)
- (2) Hagemeyer Trading Co. Pvt. Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 11, Gr. floor, "Raheja Centre', 214 Nariman Point, Bombay-21. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ACQN. RANGE-I/524/83-84, dated 8-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/581/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 39, 4th floor, Geeta Bhavan, 'C' Building situated at Bhulabhai Desai Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the encealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Jitendra Pranlal Gosalia & Smt. Shamkorebhen Pranlal Gosalia

(Transferor)

(2) Mr. Sagar alias Batuk Jhaverilal Yagnik Smt. Neeta Sagar Yagnik.

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 39, 4th floor, Geet Bhavan, 'C' Building 93, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN, RANGE-I/507/83-84, dated 5-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1984

(1) M/s Shah & Nahar Associates.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Pravin C. Chauhan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/658/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Unit No. 415, Shah & Nahar Industrial Estate (A-1) situated at Lower Parel Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. 415, 4th floor, Shah & Nahar Industrial Estate (A-1), Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN, RANGE-I/551/83-84, dated 18-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1984

FORM ITNS----

(1) M/s. Paradise Industrial Corporation.

(Tronsferor)

(2) M / Aventi India.

(Transferce)

(2) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No AR-I/37EE/633/83-84.--Whereas, I, R. K. BAOAYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 5B, Nirmal Industrial Estate situated at Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

75 - 16GT/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANITION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5-B, Nirmal Industrial Estate, Sion East, Bombay-400 022. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I '578/83-84, dated 15-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-3-1984

(1) M/r Uttam Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Sadanand Hegde

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37FE/652/83-84.—Whereas, I R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Office

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office
No. 5, 1st floor, Dalamai Tower situated at Nariman Point (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 5, 1st floor, Dalamal Tower, Nariman Point, Bombay-400 021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, by the Competent Authority, Bombay, under serial No ACON. Range-I/596/83-84, dated 15-7-1983

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 13-3-1984

(1) Gift Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok P. Mody.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR I/37EE/1718/83-84—Whereas, I R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

I lit No. 301, building on the plot of land called as 'Muddy' (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Prabhadevi Road Bombay on 23-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any sincome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, building on the plot, called 'Muddy' at New Prabhadevi Road, Bombay-400025. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-I/1190/83-84, dated 23-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-1/37EE/582/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Flat No. 12, Radhe Shyam Co-op. Housing Society Ltd. situated at Colaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer he aggreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely. –

- (1) Mrs. Mala I Vaswani & Mr. Kishen R. Thadani.
 (Transferor)
- (2) Messrs Esjey Ingincering.

(Transferce)

- (3) Transferces and Mi. II. H. Badaksha.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Mr. H. H. Badaksha.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 in Gitanjali Building, Radhe Shyam Co-op. Housing Society Ltd., Behind Radio Club, Colaba, Bombay-400 005. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-I/506/83-84, dated 5-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1984

(1) INDO Unique Trading (P) Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Savijay Industrial Company Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-1/37EE/616/83-84.—Whereas, I R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 115 in C Wing on the 11th floor of Mittal Court Building situated at Nariman Point Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in vespect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 115 in 'C' Wing on the 11th floor of the building known as 'MITTAL COURT', Plot No. 224, Block III, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point Bombay-400 021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-I/586/83-84, dated 14-7-1983.

> R. K. BAOAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3 1984 Seal:

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Aarkay Instruments Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37f F/614/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 423, 4th floor, Shah & Nahai Industrial Estate (AI) situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 423, 4th floor, Shah & Nahar Industrial Estate (AI) at Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN, Range-I/585/83-84, duted 14-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
luspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE I. BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-J/37EE/546/83-84 —Whereas. I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 93, Mehr-Dad Co-op. Housing Society Ltd. situated at Cuffe Parade, Colaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Preeti Singharoy.

('Transferor)

(2) Shri Radheshyam B Poddai.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 93, Mehr Dad Co-op. Housing Society Ltd., Cuffe Parade, Bombay-5. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/569/83-84, dated 1-7-1983.

R. K. BAQAYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 13-3-1984.

Seal .

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE A. BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-1/37EE/577/83-84,-Whereas, I. R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 8, situated at-

4th floor, Al-Aali Premises Co-oper, Society Itd.

Nagdevi Street, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 4-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shaikh Taherbhai Sharafali Lokhandwala (Transferor)
- (2) Shri Abdur Rahman Mohamed Umar Bhoira,
- (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat, No. 8, 4th floor, Al-Aali Premises Co-op. Society Ltd., 152, Nagdevi Street, Bombay-400 003. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/510/83-84, dated 4-7-1983

R. K. BAOAYA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Date: 13-3-1984.

(1) M/s. Fazin Associates.

(Transferor)

(2) Mrs Mariambai A. Merchand.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 9th March 1984

Ref. No. AR-11/37FE/2386/83-84.- Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 301 situated at

3rd floor, Leena Apartments, Robellow

Road, Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Rombay on 30-7-1973

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of is the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

76--- 16 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(3) Trainferee, (Person in occupation of the property.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, I eena Apartments, Rebellow Road, Bandra. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/2386/83-84 dated 30-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-3-1984.

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th March 1984

Ref. No. AR-II '37EE/3105/83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 23, situated at Chhaya Apartment, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (W), Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Fakhruddin N. Sitabkhan,

(Transferor)

(2) I. Mr. Rajcev Narottam Dalal &

Mrs. Ila Rajeev Dalal, 3. M/s. J. M. Financial Investment Consultancy Services P. Ltd.

(Transferee)

(3) Housing Development Corporation Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23 on Second floor in Chhaya Apartment on Plot No. 3, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (West), Bombay—400049. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II/37EE.3105/83-84, dated 18-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-3-1984.

(1) M/s, Nav-Bharat Development

(Transferor)

(2) Mrs. Nutan Melder

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE, 3063/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 602B situated at 6th Floor, Kalpana Apts., Sherly

Rajan Village, Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Autho-rity at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the sand immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms, and expressions used herem 45 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 602-B, 6th noor, Kalpana Apts., Sheily Rajan Village, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IL/37FE-3063/83-81 dated 12-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-3-1984

(1) M/s. Kalpak Builders & Constructors

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Camlin Pvt, Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-II/37 EE. 3130/83-84.—Whereas 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7 on 7th floor in the Bldg. 'Gulistan' at Plot No. 9-A, Perry Cross Rd., Bandra, Bombay-50 situated at Bandra and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on 7th floor in the Building 'Gulistan', at Plot No. 9A, Perry Cross Road, Bandra, Bombay - 50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No AR-II/37EE. 3130/83-84 dt. 25-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-3-1984

DOM:

(1) Shri Dimple Dumari S. Nahar

(Transferor)

(2) Dr. Niranjan Mathur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th March 1984

Ref. No. AR-II/37 EE, 4695/83-84.—Whereas J, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property being Room/shop No. 2 on groundfloor, in Dimple Apt., Prabhat Colony, Road No. 2, Municipal Office, Santacruz (E) and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Room/shop No. 2, on ground floor, in Dimple Apartment at Plot No. 131, 132 TPS IV, Prabhat Colony, Road No. 2, Municipal Office, Santacruz (E), Bombay. The agreement has registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE-4695/83-84 dt. 12-7-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date : 8-3-84

(1) Shri Sewaram A. Chetwani & Ots.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayant Day & Ors.(3) Transferer.

(Person in occupation of the proper,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1984

Ref. No. AR-JI/37-EE-3127/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Shop No. 506, 5th floor, Kedarnath Bldg., Sea Gull Co. op. Soc. Ltd. 31d road, Khar situated at Khar and the agreement registered under section 269AB of the I. T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Farranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506, 5th floor, Kedarnath Building, Sea Gull Co. operative Society Ltd., 3rd Road, Khar. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37 EE. 3127/83-84 dt. 25-7-1983.

S. H. ABBAS ABID1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissione of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-3-1934

Sent:

(1) Shri Sanjay Madhav Jaywant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AE/III/2422/83-84.—Whereas J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. K-66, 6th floor, The Palm Acres Co-op. Hsg. Soc. Ltd. situated at Mulund (E)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-7-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269P of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Shri Anent Trikamlal Shah & Mrs. Preeti Anant Shah (Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) The Palm Acres CHSL (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. K-66, 6th flor, The Palm Acres Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Gavanpada, Mulund East, Bombay-81. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/1027/83-84 on 14-7-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-3-1984

Seal ·

(1) Rayala Corporation Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Everett (India) Pvt Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGU-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/726/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office on the ground floor of Regent Chambers situated at Natiman Point.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-7-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mecome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Officero on the Ground floor of Regent Chambers, 208, Nariman Point, Bombay 21. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombny, under Serial No.. ACQN, RANGE-I/656/83-84, dated 21-7-1983.

R K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 13-3-1984

(1) M/s. Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M s. Atlantic Apparels.

(Fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-1/37FF 674/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B ef the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 216, 2nd floor in 'A' Building, Kewal Industrial Estate

trial Estate, struated at I ower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21st July, 1983 and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

77—16 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 216, 2nd floor in 'A' Building, Kewal Industrial Fstate, Lower Parel, Bombny-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACON, RANGE-I/560/83-84, dated 21/7 1983

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Bombay

Date: 12-3-1984

(1) Padma Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hilla Jamshed Bhesania & Mr. Jamshed B. Bhesania.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-1/37FE/623/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Flat No. 3, 4th floor, Padmavati Apartment situated at DABET.

PAREL.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 8-7-1983 and the Agreement is registered under section 269 AB of the 1961, in the Office of the Competent Income-tax Act,

Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the the publication of this notice in the date of Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor, Padmavati Apartment, Parel Village. Parel, Bombay-12. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGF-1/608/83-84, dated 8/7/1983.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-3-1984

(1) Shri Sachu Ram Chand Jagasia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirupama, Bhupendra Shah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-II1/37EE/2383/83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Acr'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. No. Flat No. 5, 3rd floor, Govardhan Nagar situated at Mulund (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rombay on 13-7-1983

and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumentof transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 3rd floor, A/15, Goverdhan Nagar, L.B.S. Marg, Opp. Santoshi Mata Mandir, Mulund West, Bombay-80. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/102/83-84, dated 20th July 1983.

A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Unte : 5-3-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2286/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 8, Gayatti Kiupa situated at Mulund (W) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Rigistering Officer at

Bombay on 20th July, 1983 and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been 'truly stated in the said-instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957—(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gayatri Construction.

(Transferee)

(2) Hashmukhlal Kalyanji Gala & Padamshi Kalyanji Gala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Gayatri Krupa, Mulund (W) Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/1020/83-84, dated 20th July, 1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-3-1984

(1) M/s Sandeep Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manvanti J. Parekh

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1984

Ref. No. ARIII/2223/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing

Flat No. 5, 7th Rd. Sangita Apartment, Rajawadi, Ghatkopur,

Bombay situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 17-7-1983

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Sangeeta Apartment Flat No. 5, 7th Rd Rajawadi, Ghatkopar, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. ARIII/37EE/1037/83,84 dt. 13-7-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 5-3-1984

(1) M/s. Jammadas M. Chokshi & Associates. (Transferor)

(2) Smt. Leeal S. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 8th March 1984

Ref. No. AR-II/37EE.4696/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Hat No. 405, Jamuna Mahal, Prabhat Colony, Plot No. 73, TPS, Santacruz (E) situated at Sanacruz

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of-the Registering officer at

Bombay on 8th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 405, Jamuna Mahal, Prabhat Colony, Plot No. 73, TPS Santacruz (East), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay under scrial No. AR-II/37EE.4696/83-84 dt. 8th July, 1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Date: 8-7-1984

(1) M/s, Shah and Nahar Associates.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Kishore C Chauhan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1984

Ref. No. AR-1/37EE/657/83-84.---Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 415A, 4th floor, Shah & Nahar Industrial Estate

A-1 situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 18-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 415-A, 4th floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Sithram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-403 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/594/83-84 dated 18/7/1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Navbharat Development Corp.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mts. Geeta P. Babnani & Mr. Parakash J. Babnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th March 1984
Ref. No. AR-II/37EE.3121/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 402-B, 4th floor, Kalpana Apts., Sherly Rajan Rd., Bandra-50.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922' (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402-B, 4th floor, Kalpana Apts. Sherly Rejan Road, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.3121/83-84 dated 25-7-1983

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 8-3-1984

(1) M/s Avanti Housing Enterprises

(Transferor)

(2) 1. Khaja Mohameduulah Khan 2. Mrs. Farida M Khan

(Transferee)

(3) Transferor

(Person n occupation of the property)

(4) 1. Narıman Minocher Todywalla

Eruch Minocher Todywalla
 Dinshaw Minocher Todywalla

4. Dara Minocher Todywalla

5. Tehmulrush Minocher Todywalla 6. Dolly wife of Noshir J Shroff & 7. Miss Gool Minocher Todywalla

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION-PANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE.597/83-84.—Whereas, I,

Ref. No. AR-1/3/EE.59//83-84.—Whereas, 1, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
Flat No. 1, 1st flor, Bldg. No. 1, 65/67 Warden Road, Bombay-26

Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforefifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Building No. 1, 65/67, Warden Road, Bombay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under serial No. ACQN. RANGE-I/525/83-84, dated 8-7-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 13-3-1984 Seal:

(1) M/s. Sunder Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Eveline Mathias & Mr. Xavier Mathias.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/2096/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 303, 3rd floor, Sunder Tower situated at Tokarshi, Jivrai Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. at Bombay on 11-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Sunder Tower, Tokarshi Jivraj Road, Sewri, Bomaby-15. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.RANGE-I/16/83-84, dated 11-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 6-3-84.

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Woolen Textile Traders

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/664/83-84.--Whereas, I,

R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1104, 11th floor, 'Jogani Apartment'

situated at Dungarsce Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreemen is registered u/s 269 AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. at Bombay on 19-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been taily stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Fatechand K Jain & Smt. Pushpa F. Jain

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the samples of police on the period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1104, 11th floor, Jogani Apartment, 29-B, Dungarsee Road, New Dhobighat, Bombay-6. The Agreement has been registered by the Competent Auhtoriy, Bombay, under Serial No ACQN.RANGE-I/566/83-84, dt. 19-7-83.

> R. K. BAQAYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 13-3-1984

(1) Milapchand Chetandas Naheta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Air-o-Phones & M/s. Electrofones (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-I/37EE/619/83-84.—Whereas, I, R K. BAQAYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 24, G1, floor, Taideo Air-Conditioned Market situated at Tardeo Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said that the transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the used that may the same meaning the chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 24, Ground floor, Tardeo Air-Conditioned Market, Tardeo Road Bombay-400 034. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.RANGE-I/605/83-84, dt. 8-7-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date . 13-3-1984

(1) M/s. Sanket Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Uday Shankar Warty

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-1/37EE/498/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5, 2nd floor, F. P. No. 1262(A) TPS IV Mahim,

situated at Prabhadevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. at Bombay on 17-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not occur with senter transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 411 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any ,to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First No. 5, 2nd floor, F. P. No. 1262(A) of T.P.S. IV Mahim, Prabhadevi, Bombay-400 025. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.RANGE-I/568/83-84, dt. 1-7-83.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

Date: 13-2-1984

FORM ITNS ___

(1) Khemchand B Kothari Family Trust

(Trausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 13th March 1984

Ref. No. AR-1/37EE/495/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 7A, 'Marshall Apartments'

situated at August Krunti Marg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. at Bombay on 4-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and mar the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shah Bhimshi Naiya & Smt. Parvatiben Bhimshi Shah
(Transferce)

(3) Transferer

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7A, Marshall Apartments, Junction of August Kranti Marg & Pangully, Bombay-400 036. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/567/83-84, dated 4'-83.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 13-3-1983

1. Sri Dipak Bhattacharya.
 2. Smt. Swapna Bhattacharya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Peerless General Finance and Investment Co. Ltd. of 3, Govt. Place East, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1984

Ref. No. AC-53/ACQ.R-II/CAL/83-84.—Whereas, I, S. K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No: 12/3B situated at Northern Avenue, Calcutta-2, P. S. Chitpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal on 30-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable peroperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Total area of the two flats is 2522 Square feet, Flat Nos. 3A & 3B on the 3rd floor at Premises No. 12/3B, Northern Avenue, Calcutta-2, P. S. Chitpur, More particularly described in Deed No. 7549 of 1983 of R. A. Cal.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 13-3-1984